उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी

पुस्तकालय प्रसूचीकरण प्रायोगिक
(Library Cataloguing Practical)
BLIS-105

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा

SEMESTER-II

पाठ्यक्रम समिति

प्रो0 एच0 पी0 शुक्ल
निदेशक, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा
उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी

डॉ0 देवेश कुमार मिश्र
सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग
उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी

डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी
असिस्टेन्ट प्रोफेसर, ज्योतिष विभाग
समन्वयक (अतिरिक्त प्रभार)
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

प्रो0 वी0 पी0 खरे
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग,बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी

प्रो0 जे0 एन0 गौतम
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग,जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

प्रो0 आर0 के0 सिंह
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग,डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद

डॉ0 टी0 एन0 दूबे
पुस्तकालयाध्यक्ष, उत्तरप्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

पाठ्यक्रम समन्वयक एवं संयोजन

डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी
असिस्टेन्ट प्रोफेसर, ज्योतिष विभाग
समन्वयक (अतिरिक्त प्रभार)
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

सम्पादन

प्रोफेसर वी0पी0खरे
बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी

सहसम्पादन

प्रीति शर्मा
असिस्टेन्ट प्रोफेसर (ए0 सी0) एवं कार्यक्रम समन्वयक
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

इकाई लेखन	खण्ड	इकाई संख्या
प्रोफेसर टी0एन0 दूबे उत्तरप्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश	**1,2,3,4**	**1 से 18 इकाई**

कापीराइट @उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

प्रकाशन वर्ष – 2022 **प्रकाशक**- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।

मुद्रक: - शिवालिक कम्प्यूटर्स, हरिद्वार

नोट :- 1. इस पुस्तक के समस्त इकाईयों के लेखन तथा कॉपीराइट संबंधी किसी भी मामले के लिये संबंधित इकाई लेखक जिम्मेदार होगा। (किसी भी विवाद का निस्तारण नैनीताल स्थित उच्च न्यायालय अथवा हल्द्वानी सत्रीय न्यायालय में किया जायेगा।)
2. इस पुस्तक में उल्लिखित सभी ग्रन्थ शीर्षक शिक्षार्थियों की अध्ययन आवश्यकता के अनुसार निर्मित किये गये एवं काल्पनिक हैं।

पुस्तकालय सूचीकरण प्रायोगिक

अनुक्रम

प्रथम खण्ड –AACR-II R द्वारा सूचीकरण (भाग – 1)	**पृष्ठ - 1**
इकाई 1: AACR-II का परिचय, संलेखों के प्रकार एवं संरचना	2-24
इकाई 2: एकल व्यक्तिगत लेखक द्वारा रचित पुस्तकों का सूचीकरण	25-41
इकाई 3: संयुक्त व्यक्तिगत लेखक द्वारा रचित पुस्तकों का सूचीकरण	42-71
इकाई 4: सम्पादकीय निर्देशन में रचित पुस्तकों का सूचीकरण	72-91
इकाई 5: बहुखण्डीय ग्रन्थों का सूचीकरण	92-118
द्वितीय खण्ड - AACR-II R द्वारा सूचीकरण (भाग – 2)	**पृष्ठ - 119**
इकाई 6 : शासन तथा उसके अंगों के द्वारा रचित पुस्तकों का सूचीकरण	120-147
इकाई 7 : संस्था तथा उसके अंगों के द्वारा रचित पुस्तकों का सूचीकरण	148-173
इकाई 8: सम्मेलन तथा उसके अंगों के द्वारा रचित पुस्तकों का सूचीकरण	174-198
इकाई 9: सामान्य सावधिक प्रकाशनों का सूचीकरण	199-221
तृतीय खण्ड - क्लासीफाइड कैटलाग कोड द्वारा सूचीकरण (भाग -1)	**पृष्ठ - 222**
इकाई 10: क्लासीफाइड कैटलाग कोड का परिचय, संलेखों के प्रकार एवं संरचना	223-245
इकाई 11: एक व्यक्तिगत लेखक द्वारा रचित पुस्तकों का सूचीकरण	246-276
इकाई 12: संयुक्त व्यक्तिगत लेखक द्वारा रचित पुस्तकों का सूचीकरण	277-318
इकाई 13: छद्मनाम के द्वारा रचित पुस्तकों का सूचीकरण	319-360
इकाई 14: बहुखण्डीय ग्रन्थों का सूचीकरण	361-398
चतुर्थ खण्ड - क्लासीफाइड कैटलाग कोड द्वारा सूचीकरण (भाग -2)	**पृष्ठ - 399**
इकाई 15: शासन तथा उसके अंगों द्वारा रचित अंगों का सूचीकरण	400-443
इकाई 16: संस्था तथा उसके अंगों के द्वारा रचित पुस्तकों का सूचीकरण	444-473
इकाई 17: सम्मेलन कार्यवाही का सूचीकरण	474-493
इकाई 18: सामान्य सावधिक प्रकाशनों का सूचीकरण	494-527

प्रथम खण्ड (Block–1)

AACR-II R द्वारा प्रसूचीकरण (भाग – 1)

इकाई1. ए0ए0सी0आर–II R का परिचय, संलेखों के प्रकार एवं संरचना (INTRODUCTION TO A.A.C.R-II R, TYPES OF ENTRIES AND THEIR STRUCTURE)

संरचना

1.1 प्रस्तावना
1.2 उद्देश्य
1.3 ए0ए0सी0आर–II (संशोधित) का परिचय एवं रूपरेखा
1.4 सूचीपत्रक की संरचना
1.5 संलेख के प्रकार एवं संरचना
1.5.1 मुख्य संलेख की संरचना
1.5.2 इतर संलेखों की संरचना
1.5.3 संदर्भ संलेखों की संरचना
1.6 विषय शीर्षक
1.6.1 सियर्स लिस्ट ऑफ सब्जेक्ट हेडिंग्स (SLSH)
1.7 संदर्भ ग्रन्थ सूची

1.1 प्रस्तावना

एंग्लो अमेरिकन कैटलांगिग रूल्स का जन्म 1967 में हुआ। इसके प्रकाशन में मुख्यतया अमेरिकन लाइब्रेरी एसोसियेशन, लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस, ब्रिटिश लाइब्रेरी एसोसियेशन एवं कनाडियन लाइब्रेरी एसोशियेशन का प्रमुख योगदान रहा है। इसका द्वितीय संस्करण 1978 में एंग्लो एमेरिकन कैटलांगिग रूल्स–2 के नाम से प्रकाशित हुआ। अन्तर्राष्ट्रीय प्रसूचीकरण नियमावली के रूप में इसे वर्ष 1981 में मान्यता मिली। इसका पाठ्यक्रम से सम्बन्धित वर्तमान स्वरूप ए0ए0सी0आर0–II (संशोधित) का निर्माण अमेरिकन लाइब्रेरी एसोसियेशन, आस्ट्रेलियन कमेटी आन कैटलागिंग, ब्रिटिश लाइब्रेरी, कनाडियन कमेटी ऑफ कैटलागिंग, लाइब्रेरी एसोसियेशन एवं लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस की संयुक्त स्टीयरिंग कमेटी फार रिवीजन ऑफ ए0ए0सी0आर0 द्वारा किया गया। इसे माइकल गॉरमेन तथा पॉल डब्लू विंकलर द्वारा संपादित किया गया।

1.2उद्देश्य

इस इकाई के निम्नलिखित उद्देश्य है :–

1. ए0ए0सी0आर–II (संशोधित) का परिचय देकर सूची संहिता की संरचना से परिचित कराना।
2. पुस्तकालय सूचीकरण करने हेतु सूचीपत्रक की संरचना से शिक्षार्थियों को अवगत कराना।
3. विभिन्न प्रकार के संलेखों (Entries) यथा मुख्य संलेख (Main Entry) तथा अतिरिक्त संलेखों (Added Entries) के बारे में उनकी संरचना से सम्बन्धित नियमों से पाठकों को अवगत कराना।
4. सूचीकृत उदाहरण के माध्यम से शिक्षार्थियों को एएसी0आर0–2 (संशोधित) के द्वारा समस्त प्रकार के संलेखों (Entries) से शिक्षार्थियों को सुपरिचित कराना।

1.3 ए0ए0सी0आर0–II (संशोधित) का परिचय एवं रूपरेखा

1961 में हुए पेरिस सम्मेलन के प्रयासों के फलस्वरूप 1967 में इसका प्रकाशन हुआ जिसे एएसी0आर0–1 का नाम दिया गया। इसके बाद इसका द्वितीय संस्करण ए0ए0सी0आर0–2 के नाम से 1978 में प्रकाशित हुआ जो एक उत्तम संस्करण था। फिर भी नित्य प्रति उत्पन्न हो रहे विविध प्रकार के सूचना स्रोतों से सम्बन्धित नियम पूर्णतः अपर्याप्त थे। इसलिए कुछ संशोधन करते हुए वर्तमान में इसके तीन संशोधित स्वरूप क्रमशः 1982, 1958 एवं 1986 में जारी किये गए। इसके बाद इस संहिता का व्यापक उपयोग होने लगा। इसके पश्चात ए0ए0सी0आर0–2 के संशोधित संस्करण पुनः 1988, 1998, 2002 में भी आये।

इस प्रसूचीकरण संहिता में दो भाग हैं :–

प्रथम भाग के अन्तर्गत निम्नलिखित अध्यायों में विभिन्न प्रकार की पाठ्य सामग्री के प्रसूचीकरण हेतु नियमों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। महत्त्वपूर्ण है कि इस भाग में उल्लिखित सभी नियम अन्तर्राष्ट्रीय मानक ग्रन्थपरक विवरण–सामान्य (International Standard Bibliographic Description–General) पर आधारित हैं। अध्यायों का विवरण निम्नवत हैं–

- अध्याय–1. विवरण के सामान्य नियम (General Rules for Descriptions)
- अध्याय–2. ग्रन्थ, पुस्तिकायें एवं मुद्रित पन्ने (Books, Pamphlets and Printed Sheets)
- अध्याय–3. मानचित्र सम्बन्धित सामग्री (Cartographic Materials)
- अध्याय–4. पाण्डुलिपियाँ(Manuscripts)
- अध्याय–5. संगीत (Music)
- अध्याय–6. ध्वनि अभिलेख (Sound Recordings)
- अध्याय–7. चलचित्र एवं वीडियो रिकार्डिंग्स (Motion Pictures and Vedio Recordings)
- अध्याय–8. लेखाचित्रीय सामग्री (Graphic Material)
- अध्याय–9. कम्प्यूटर फाइल्स (Computer Files)
- अध्याय–10. त्रिविमीय शिल्प तथ्य (Three dimentional Artefacts relia)
- अध्याय–11. सूक्ष्म सामग्री (Microforms)
- अध्याय–12. क्रमिक प्रकाशन (Serials)
- अध्याय–13. विश्लेषण (Analysis)

द्वितीय भाग में प्रलेखों के संलेखों के प्रस्तुत करने के लिए शीर्षकों (Headings), एकरूप आख्याओं (Uniform Titles) तथा प्रतिनिर्देशों (References) से सम्बन्धित नियमों को प्रस्तुत किया गया हैं जो निम्नवत् है :–

- अध्याय–21. खोज बिन्दुओं का चयन (Choice of Access Points)
- अध्याय–22. व्यक्तियों हेतु शीर्षक (Headings for Persons)
- अध्याय–23. भौगोलिक नाम (Geographic Names)
- अध्याय–24. समष्टि निकायों के शीर्षक (Headings for Corporate Bodies)
- अध्याय–25. एकरूप आख्यायें (Uniform Titles)
- अध्याय–26. प्रतिनिर्देश (References)

उपरोक्त दोनों भागों में व्यवस्थापन सामान्य से विशिष्ट के अनुक्रम में किया गया है। विशिष्ट नियम के अभाव में सामान्य नियम का ही अनुपालन किया जाता है।

सूची संहिता के अन्त में चार परिशिष्टों का उल्लेख किया गया है जो निम्नलिखित हैं :–

परिशिष्ट ए– बड़े अक्षरों का प्रयोग (Captilization)

परिशिष्ट बी –संकेताक्षर (Abbreviation)

परिशिष्ट सी –संख्यावाद (Numerals)

परिशिष्ट डी – पारिभाषिक शब्दावली (Glossory)

1.4 सूचीपत्रक की संरचना (Structure of Catalogue Card)

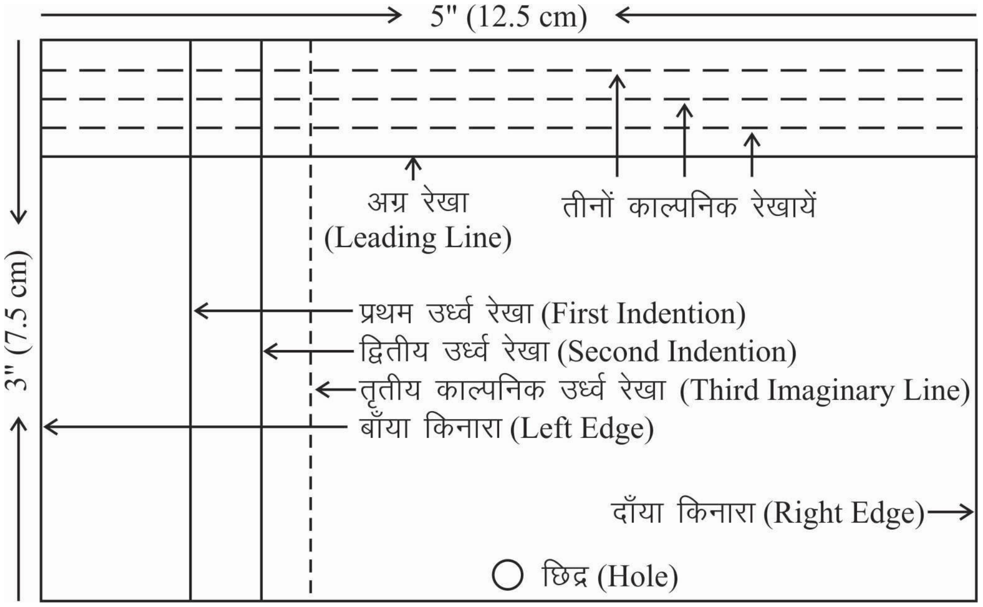

उपरोक्त रेखाचित्र के अनुसार सूचीपत्रक के बनावट को निम्नवत् समझा जा सकता है।

1. **परिमाप(Size)** – सूची पत्रक का मानकीकृत आकार 12.5×7.5 (5"×3") से0मी0 होता है।
2. **अग्ररेखा (Leading Line)** – सूची पत्रक पर दी गई क्षैतिज रेखा/पड़ी रेखा को अग्ररेखा कहते हैं। यह कार्ड पर लाल स्याही से बनी होती है।
3. **तीन काल्पनिक रेखायें (Three Imaginary Lines)** – अग्ररेखा के ऊपर तीन काल्पनिक रेखाओं का स्थान रहता है। इतर प्रविष्टियों को बनाते समय इनके शीर्षक काल्पनिक पंक्ति पर द्वितीय उर्ध्वरेखा से प्रारम्भ करते हुये अंकित किये जाते हैं।
4. **प्रथम उर्ध्वरेखा (First Indentiion)** – प्रथम उर्ध्वरेखा/खड़ी रेखा सूची पत्रक के बाँये किनारे से प्रारम्भ कर 8 अक्षरों की दूरी पर होती है जो लाल स्याही से अंकित होती है।

5. **द्वितीय उर्ध्वरेखा (Second Indention)** – यह सूची पत्रक पर प्रथम उर्ध्वरेखा के बाद चार अक्षरों का स्थान छोड़कर होती है तथा लाल स्याही से अंकित होती है।
6. **तृतीय काल्पनिक उर्ध्वरेखा (Third Imaginary Indention)** – सूची पत्रक पर इसका स्थान द्वितीय उर्ध्वरेखा के बाद दो अक्षरों का स्थान छोड़कर काल्पनिक रूप से होता है। इसे सूची पत्रक पर दर्शाया नहीं जाता एवं आवश्यकतानुसार इस रेखा की कल्पना की जाती है।
7. **बाँया हाशिया (Left Margin)** – सूची पत्रक पर बाँयें किनारे से लेकर प्रथम उर्ध्वरेखा तक बाँया हाशिया कहलाता है। बाँये किनारे से प्रथम उर्ध्वरेखा के बीच में आठ अक्षरों का स्थान होता है।
8. **छिद्र(Hole)** – सूची पत्रक के नीचे की ओर मध्य में छिद्र होता है। सूची पत्रकों को कैटलाग कैबिनेट में रखते समय इस छिद्र के बीच से एक छड़ डालकर पत्र को सुरक्षित रखा जाता है।

1.5 संलेखों के प्रकार एवं संरचना (Structure and Types of Entries)

ए0ए0सी0आर0–2 संशोधित के अनुसार अधिकतम् एवं आवश्यकतानुसार निम्नलिखित प्रकार के संलेखों(Entries) का निर्माण किया जाता है।

1. मुख्य संलेख (Main Entry)
2. इतर संलेख (Added Entry)
3. निर्देश संलेख (Reference Entry)

उपरोक्त तीनों प्रकार के संलेखों को नीचे दी गई तालिका द्वारा सुगमता से समझा जा सकता है–

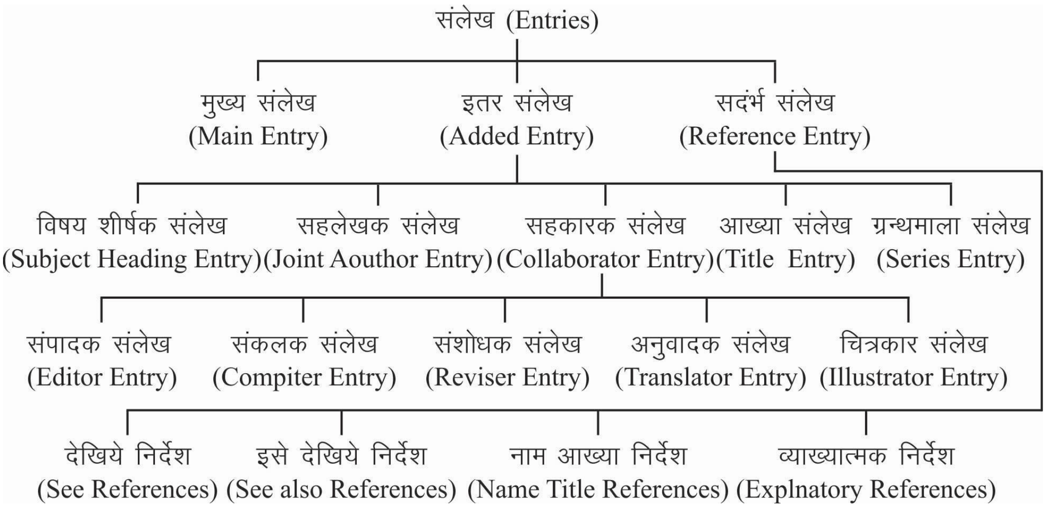

1.5.1 मुख्य संलेख की संरचना (Structure of Main Entry)

ए0ए0सी0आर0–2 संशोधित के नियमानुसार सूची पत्रक पर निर्मित किये जाने वाले मुख्य संलेख में निम्नलिखित भाग होते है। जिन्हें सूचीपत्रक पर देखा जा सकता है :–

प्रसूची पत्रक पर विभिन्न अनुच्छेदों का उपकल्पन

Call No. Section		Heading Section (Name of the author).
Acc. No.		Title Proper = Parallel title : Sub Title/MainResponsibility; Other Responsibility ·–Edition Statement·–Place of Publications : Name of Publisher, Year of Publication. Primary Pages, Main Pages; Size of the Book ·– (Series no. of Series) Note Section ISSN Tracing Section

उपरोक्तानुसार मुख्य संलेख के निम्नलिखित 11 अनुच्छेद होते है–

1. क्रामक अंक अनुच्छेद (Call Nuber Section)
2. शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section)
3. आख्या एवं दायित्व कथन अनुच्छेद (Title and Statement of Responsibility Section)
4. संस्करण अनुच्छेद (Edition Section)
5. प्रकाशन वितरण अनुच्छेद (Publication Distribution Section)
6. भौतिक वितरण अनुच्छेद (Physical Description Section)
7. ग्रन्थमाला अनुच्छेद (Series Section)
8. टिप्पणी अनुच्छेद (Note Section)
9. अन्तर्राष्ट्रीय मानक ग्रन्थ संख्या अनुच्छेद [International Standard Book Number (ISBN) Section]
10. संकेत अनुच्छेद (Tracing Section)
11. परिग्रहण संख्या अनुच्छेद (Accession Number Section)

1.क्रमांक अंक अनुच्छेद (Call Nuber Section):–मुख्य संलेख (Main Entry) कायह प्रथम अनुच्छेद है। इसकी सूचना पुस्तक के आख्या पृष्ठ (Title Page) के पीछे दी हुई रहती हैं। यह अनुच्छेद तीन डेटा से मिलकर बनता है–

(A)वर्ग संख्या (Class Number)
(B)ग्रंथ संख्या (Book Number)
(C)संग्रह संख्या (Collection Number)

सूचीपत्रक पर बाँये हाशिये में अग्ररेखा (Leading Line) के ऊपर पहले वर्ग संख्या उसके नीचे ग्रन्थ संख्या का उल्लेख करते हैं। शिक्षार्थियों को परीक्षा की दृष्टि से संग्रह संख्या का प्रयोग नहीं करना है।

उदाहरणार्थ :–

Ancient Indian Histroy
By Prof. V.D. Mishra
Call No. :- 934 MIS

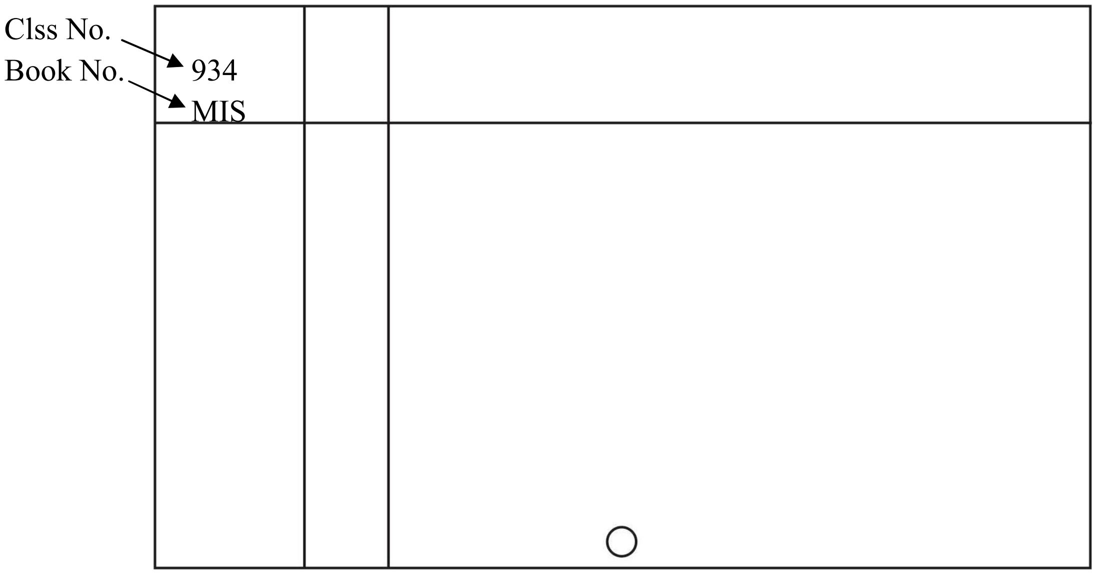

2.शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section)

इस अनुच्छेद में लेखक के नाम का उल्लेख किया जाता हैं। यह सूचना अग्र रेखा (Leading Line) पर प्रथम उर्ध्व रेखा से प्रारम्भ होती है तथा यदि यह सूचना अग्ररेखा पर पूर्ण नहीं होती तो उसकी अनुवर्ती सूचना अगली पंक्ति पर तृतीय काल्पनिक उर्ध्वरेखा (Third Imaginary Indention) से अंकित किया जाता है।

उदाहरणार्थ :–

Ancient Indian Histroy

By Prof. V.D. Mishra
Note :•Call No. - 934 MIS
•Author Born in 1938

934 MIS	Mishra, V.D., 1938 –	
		○

उपरोक्त उदाहरण में–

- लेखक के नाम के पूर्व यदि कोई पद्वीधारक या अलंकरण का पद आता है तो उसे हटा दिया जाता है। अतः Prof. का हटा दिया गया।
- लेखक के Sirname जो कि जाति या कुलसूचक पद होता है उसे Entry Element के रूप में सर्वप्रथम अंकित करते हैं। अतः लेखक के नाम में Mishra को अंकित किया गया।
- Sirname के अतिरिक्त नाम के जो पद बचते हैं उन्हें Forename कहा जाता है जिसे, कामा (,) लगाकर Secondary Elementके रूप में अंकित करते हैं।
- यदि लेखक का जन्म मृत्यु वर्ष भी दिया रहे तो उसे भी कामा (,) लगाकर निम्नवत् अंकित करते हैं।
  यदि केवल जन्म वर्ष है तो – 1938
  जन्म मृत्यु वर्ष दोनों है तो – 1938 – 2015[जन्म मृत्यु के मध्य हाइफन (–)]
  यह सूचना Individualising Element के रूप में अंकित की जाती हैं।

3.आख्या एवं दायित्व कथन अनुच्छेद (Title and Statement of Responsibility Section)

शीर्षक अनुच्छेद की समाप्ति के पश्चात् अगली पंक्ति पर द्वितीय उर्ध्वरेखा (Second Indention) से यह अनुच्छेद प्रारम्भ होता है तथा अनुवर्ती सूचना अगली पंक्ति पर प्रथम उर्ध्वरेखा से प्रारम्भ करते हुए अंकित की जाती है।

3.1आख्या (Title) :– आख्या तीन प्रकार की निम्नवत् होती है–

उदाहरणार्थ–

Ancient Indian History प्राचीन भारतीय इतिहास
Maurya Empire to Gupta Empire
उपरोक्त आख्या में–

मुख्य आख्या (Title Proper):- Ancient Indian History
समानान्तर आख्या (Parallel Title):- प्राचीन भारतीय इतिहास
उप आख्या (Sub Title):- Maurya Empire to Gupta Empire

मुख्य आख्या का दूसरी भाषा में रूपान्तरण ही समानान्तर आख्या (Parallel Title) होती है तथा मुख्य आख्या की अधीनस्थ जो Title Term लिखे रहते हैं वो उपआख्या (Sub Title) होती है।

सूची पत्रक पर आख्या निम्न प्रकार से अंकित की जाती है–

उदाहरणार्थ–

934 MIS	Mishra, V.D., 1938
	Ancient Indian History = प्राचीन भारतीय इतिहास :Maurya Empire to Gupta Empire

3.2 दायित्व कथन (Responsibility Section)

मुख्य आख्या, समानान्तर आख्या एवं उपआख्या का उल्लेख करने के पश्चात् (/) (diagonal slash) तिरछी रेखा लगाकर दायित्व कथन के रूप में सबसे पहले लेखक का नाम सामान्य शैली में, उसके पश्चात् यदि कोई सहकारक (collaborator) है तो; (semicolon) सेमीकोलन चिन्ह लगाते हुए उसके पदनाम का उल्लेख करते हुए उसके नाम का उल्लेख करते हैं। सहकारक के नाम को भी सामान्य शैली में ही अंकित करते हैं :–

उदाहरणार्थ :–

934 MIS	Mishra, V.D., 1938
	Ancient Indian History = प्राचीन भारतीयइतिहास :Maurya Empire to Gupta Empire/by V.D. Mishra; edited by J.N. Pandey

उपरोक्त उदाहरण में आख्या के उपरान्त / (तिरछी रेखा) लगा कर लेखक का नाम सामान्य शैली में तथा; (सेमीकोलन) का प्रयोग कर edited by लिखकर Editor का नाम सामान्य शैली में उल्लिखित किया गया है।

4.संस्करण अनुच्छेद (Edition Section)

आख्या एवं दायित्व कथन अनुच्छेद की समाप्ति के पश्चात् .– (डाट डैश) लगाकर पुस्तक के संस्करण का उल्लेख निम्न शैली में करते है–

First Edition – उल्लेख नहीं करते
Second Edition – 2nd ed.
Third Edition – 3rd ed.
Fourth Revised Edition – 4th rev.ed.

934 MIS	Mishra, V.D., 1938-	
	Ancient Indian History = प्राचीन भारतीय इतिहास :Maurya Empire to Gupta Empire/by V.D. Mishra;edited by J.N. Pandey·– 3rd ed·–	

5.प्रकाशन वितरण अनुच्छेद (Publication Distribution Section)

चौथे अनुच्छेद की समाप्ति के पश्चात् ·– (डाट डैश) लगाकर

- प्रकाशन/वितरण का स्थान : (कोलन)
- प्रकाशन/वितरण का नाम , (कामा)
- प्रकाशन/वितरण का वर्ष लिखते है।

महत्वपूर्ण है कि तीसरा अनुच्छेद द्वितीय उर्ध्वरेखा से प्रारम्भ होगा एवं निरन्तरता 5वें अनुच्छेद तक प्रथम उर्ध्वरेखा से होगा। एक अनुच्छेद से दूसरे अनुच्छेद को अलग करने के लिए विभाजक (Devider) के रूप में .– (डाट डैश) का प्रयोग किया जाता है।

934 MIS	Mishra, V.D., 1938-	
	Ancient Indian History = प्राचीन भारतीय इतिहास :Maurya Empire to Gupta Empire/by V.D. Mishra; edited by J.N. Pandey·– 3rd ed·– New Delhi : Concept Publishers, 2015.	

6.भौतिक विवरण अनुच्छेद (Physical Description Section)

प्रकाशन वितरण अनुच्छेद की समाप्ति के पश्चात् अगली पंक्ति पर द्वितीय उर्ध्वरेखा से यह अनुच्छेद प्रारम्भ होता है। इसमें पुस्तक के भौतिक स्वरूप से सम्बन्धित निम्न तत्वों का उल्लेख होता है।

6.1 **पृष्ठांकन (Pagination) :-** पृष्ठांकन की दृष्टि से Pages दो प्रकार के होते है।

(A) प्रारम्भिक – लघु रोंमन (Small Roman) में अंकित किया जाता है।

(B) मुख्य पृष्ठ – इन्हें इण्डों अरैबिक (Indo Arabic) अंकों में लिखा जाता है।

उदाहरणार्थ–

12 + 280 पृष्ठ = xii, 280p.

6.2 **चित्रित सामग्री (Illustrative Matter):-** पृष्ठांकन विवरण के बाद : (कोलन) योजक चिन्ह लगाकर यदि पुस्तक में चित्र वर्णन है तो ill का प्रयोग करते है।

6.3 **आकार (Size):-** पृष्ठांकन एवं चित्र वर्णन के पश्चात् ; (सेमीकोलन) योजक चिन्ह लगाकर (Size) का उल्लेख निम्नवत् करते है–

पुस्तक में दी गई सूचना	सूचीपत्रक में लिखने की शैली
20 से0 मी0 .	; 20 cm.
21.2 से0मी0 .	; 22 cm.
14 × 18 से0मी0 .	; 18 cm.

उदाहरणार्थ–

934 MIS	Mishra, V.D., 1938-	
	Ancient Indian History = प्राचीन भारतीय इतिहास :Maurya Empire to Gupta Empire/by V.D. Mishra; edited byJ.N. Pandey·– 3rd ed·–New Delhi : Concept Publishers, 2015. xii, 280P : ill; 20 cm.	

7.ग्रन्थमाला अनुच्छेद (Series Section)

भौतिक विवरण की समाप्ति के पश्चात् ·– (डाट डैश) लगाकर गोल कोष्ठक ( ) के अन्तर्गत ग्रन्थमाला के नाम का उल्लेख करते है। नाम के पश्चात् ; (सेमीकोलन) लगाकर no. का उल्लेख कर नम्बर संख्या अंकित करते हैं। महत्वपूर्ण है कि ए0ए0सी0आर0–2 संशोधित के नियमानुसार ग्रन्थमाला के सम्पादक के नाम का उल्लेख नहीं करते।

उदाहरणार्थ

934 MIS	Mishra, V.D., 1938-
	Ancient Indian History = प्राचीन भारतीय इतिहास : Maurya Empire to Gupta Empire/by V.D. Mishra; edited by J.N. Pandey·— 3rd ed·—New Delhi : Concept Publishers, 2015. xii, 280p. : ill; 20 cm·— (Indological New Book Series; no. 12).

ध्यातत्व है कि 6ठाँ एवं 7वाँ अनुच्छेद द्वितीय उर्ध्वरेखा (Second Indention) से प्रारम्भ होती है तथा इनकी निरन्तरता प्रथम उर्ध्वरेखा से होती है। छठें एवं 7वें अनुच्छेद के मध्य विभाजक चिन्ह के रूप . – (डाट डैश) का प्रयोग होता है।

8. टिप्पड़ी अनुच्छेद (Note Section)

ग्रन्थमाला विवरण की समाप्ति के पश्चात् अगली पंक्ति पर द्वितीय उर्ध्वरेखा से नये अनुच्छेद के रूप में निम्न प्रकार की टिप्पणी का प्रयोग होता है:–

(A) मुख्य आख्या का स्रोत (Source of Title Proper)

(B) आख्या में विभिन्नता (Variation in Title)

(C) पुस्तक प्रकाशन का इतिहास (History of Book Publication)

(D) विषय वस्तु (Contents)

(E) वॉड़मय तथा अनुक्रमणी टिप्पणी (Bibliography and Index Note)

उदाहरणार्थ :–

934
MIS Mishra, V.D., 1938-
Ancient Indian History = प्राचीन भारतीय इतिहास : Maurya Empire to Gupta Empire/by V.D. Mishra; edited by J.N. Pandey·– 3rd ed·– New Delhi : Concept Publishers, 2015. xii, 280p. : ill; 20 cm·– (Indological New Book Series; no. 12)
Bibliography on Page 270-280

9. अन्तर्राष्ट्रीय मानक ग्रन्थ संख्या अनुच्छेद [International Standard Book Number (ISBN) Section]

टिप्पड़ी अनुच्छेद की समाप्ति के बाद अगली पंक्ति पर द्वितीय उर्ध्व रेखा (Second Idention) से ISBN का उल्लेख करते है :–
उदाहरणार्थ

934
MIS Mishra, V.D., 1938-
Ancient Indian History = प्राचीन भारतीय इतिहास : Maurya Empire to Gupta Empire/by V.D. Mishra; edited by J.N. Pandey·– 3rd ed·–New Delhi : Concept Publishers, 2015.
xii, 280p. : ill; 20 cm·– (Indological New Book Series; no. 12)
Bibliography on Page 270-280
ISBN : 97-81- 700-564-4

10.संकेत अनुच्छेद (Tracing Section)

नौवें अनुच्छेद की समाप्ति के पश्चात् अगली पंक्ति पर द्वितीय उर्ध्वरेखा (Second Indention) से यह अनुच्छेद अंकित किया जाता है। इस अनुच्छेद में निम्नवत् क्रमानुसार सूचनायें अंकित की जाती हैः–

1. SubjectHeadingI. Jt author II. Collaborator III. Title IV. Series.

उदाहरणार्थ

934
MIS Mishra, V.D., 1938-
Ancient Indian History = प्राचीन भारतीय इतिहास : Maurya Empire to Gupta Empire/by V.D. Mishra; edited by J.N. Pandey·– 3rd ed·–New Delhi : Concept Publishers, 2015.
xii, 280p. : ill; 20 cm·– (Indological New Book Series; no. 12)
Bibliography on Page 270-280
ISBN : 97-81- 700-564-4
1. Ancient History-India. I Pandey, J.N. II Title III. Series.
○

11.परिग्रहण संख्या अनुच्छेद (Accession Number Section)

यह अनुच्छेद सूचीपत्रक पर बाँयें हाशिये में अग्ररेखा के नीचे चतुर्थ पंक्ति पर अंकित किया जाता हैः–

उदाहरणार्थ :–

934
MIS Mishra, V.D., 1938-
Ancient Indian History = प्राचीन भारतीय इतिहास :Maurya Empire to Gupta Empire/by V.D. Mishra; edited by J.N. Pandey·– 3rd ed·–New Delhi : Concept Publishers, 2015.
12436 xii, 280p. : ill; 20 cm·– (Indological New Book Series; no. 12)
Bibliography on Page 270-280
ISBN : 97-81- 700-564-4
1. Ancient History-India. I Pandey, J.N. II TitleIII. Series.
○

1.5.2 इतर संलेखों की संरचना (Structure of Added Entries)

एंग्लो अमेरिकन कैटलागिंग रूल्स–2 संशोधित के नियमानुसार इतर संलेख का निर्माण करना अत्यंत ही सरल हैं। समस्त इतर संलेखों में मुख्य संलेख के क्रामक अंक अनुच्छेद एवं शीर्षक अनुच्छेद ज्यों का त्यों ही लिखा जाना है। इसके अतिरिक्त शीर्षक अनुच्छेद पूर्ण होने के पश्चात् अगली पंक्ति पर द्वितीय उर्ध्वरेखा से निर्देशक पद (Directing Term) Rest as in the main Entry का उल्लेख किया जाता है।

उपयोगकर्त्ताओं की विभिन्न अभिगमों (Approaches) की पूर्ति हेतु वर्णानुक्रमिक सूची के अन्तर्गत निम्न प्रकार के इतर संलेखों का निर्माण किया जाता है:–

1. विषय शीर्षक इतर संलेख (Subject Heading Added Entry)
2. संयुक्त लेखक इतर संलेख (Joint authour Added Entry)
3. सहकारक इतर संलेख (Collaborator Added Entry)
4. आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)
5. ग्रंथमाला इतर संलेख (Series Added Entry)

उदाहरणार्थ

1.विषय शीर्षक इतर संलेख (Subject Heading Added Entry)

		ANCIENT HISTORY – INDIA
934 MIS	Mishra, V.D., 1938–	
		Rest as in the main Entry.
		○

महत्वपूर्ण है कि जब Subject ऊपर लिखा जायेगा तो सारे शब्द दीर्घ अक्षरों Capital में होंगे। अन्य इतर संलेखों में सामान्य शैली में ही सूचना लिखी जायेगी।

2.संयुक्त लेखक इतर संलेख **(Joint Author Added Entry)**

		Pathak, R.P.
934 MIS		Mishra, V.D., 1938–
		Rest as in the main Entry.

3.सहकारक (संपादक) इतर संलेख **[Collaborator (Editor) Added Entry]**

		Pandey, J.N.
934 MIS		Mishra, V.D., 1938–
		Rest as in the main Entry.

4.आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

934 MIS	Mishra, V.D., 1938–	Ancient Indian History.
		Rest as in the main Entry.

ध्यातव्य है कि आख्या इतर संलेख में केवल आख्या का ही उल्लेख सामान्य शैली में होता है। समानान्तर आख्या एवं उप आख्या का उल्लेख नहीं होता।

5.ग्रन्थमाला इतर संलेख (Series Added Entry)

934 MIS	Mishra, V.D., 1938–	Indological New Book Series; no. 12.
		Rest as in the main Entry.

1.5.3 संदर्भ संलेखों की संरचना (Structure of Reference Entries)

ए0ए0सी0आर0–2 संशोधित के अनुसार संदर्भ संलेख का कार्य एक शीर्षक से दूसरे शीर्षक की ओर निर्दिष्ट करना है। संदर्भ निर्देश निम्नलिखित प्रकार के होते है:–

(A) देखिये निर्देश (See reference)

(B) इसे भी देखिये (See also reference)

(C) नाम–आख्या निर्देश (Name-Title reference)

(D) व्याख्यात्मक निर्देश (Explanatory reference)

(E) देखिये और इसे भी देखिये (See and See also reference)

उदाहरणार्थ:–

(A) देखिये निर्देश (See reference)

	Birds	
		See Also

(B) इसे भी देखिये निर्देश (See also Reference)

Computer Science
See also Information Technology.

(C) नाम–आख्या निर्देश (Name-Title reference)

Halliday, Michael
The Edge of terror
See York, Joremy.

उपर्युक्त उदाहरण में The edge of terror के बाद के संस्करण जो Jermy York के नाम से प्रकाशित हुये हैं।

(D) व्याख्यात्मक निर्देश (Explanatory Reference)

Rao, Sita
For works of this author written in Collabration with Gita Rao See Two Sisters.

Rao, Gita
For works of this author written in Collabration with Sita Rao See Two Sisters.

1.6 विषय शीर्षक (Subject Heading)

उपयोगकर्ता की विषय अभिगम (Subject Approach) की सम्पूर्ति हेतु सूचीकार (Cataloguer) को विषय शीर्षक निर्माण के लिए विषय शीर्षक सूचियों का उपयोग करना होता है। विषय शीर्षक निर्माण हेतु दो विषय शीर्षक सूचियां प्रमुखतया प्रचलन में हैं–

(A) लाइब्रेरी ऑफ काँग्रेस लिस्ट ऑफ सब्जेक्ट हेंडिग्स (LCSH)

(B) सियर्स लिस्ट ऑफ सब्जेक्ट हेडिंग्स (SLSH)

1.6.1 सीयर्स लिस्ट ऑफ सब्जेक्ट हेडिंग्स

इस विषय शीर्षक सूची को Mini Erl Sears द्वारा संकलित किया गया है। इसका वर्तमान संस्करण 18वाँ है जिसका प्रकाशन वर्ष 2004 में हुआ। इसके सम्पादक जो Joseph Miller एवं सह सम्पादक John Grodsell हैं।

इस सूची का मुख्य उद्देश्य किसी विशिष्ट विषय से सम्बन्धित पुस्तक को उसका विषय शीर्षक प्रदान करना है। इस सूची में समाहित सभी विषय शीर्षकों का व्यवस्थापन वर्णानुक्रम (Alphabetical Order) में शब्दकोष की तरह A-Z तक है।

1.7 सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. Joint Steering Committee for revision of A.A.C.R. : Anglo American Cataloguing Rules. 2nd ed. 1998. Edited by Michael Gorman and Paul W. Winkler, Canadian Library Association, 1988
2. Krishna Kumar, Introduction to A.A.C.R.-2, Delhi, Vikas Publishing House, 1986
3. Krishna Kumar, An Introduction to Cataloging Practice, Delhi, Vikas Publishing House, 1986
4. सूद, एस0 पी0, क्रियात्मक सूचीकरण : ए0ए0सी0आर0–2, जयपुर, राज पब्लिशिंग हाउस, 2002
5. गौतम, जे0 एन0, प्रैक्टिकल मैनुअल ऑफ ए0ए0सी0आर0–2, आगरा, एसोशियेटेड पब्लिशिंग हाउस, 2011

इकाई 2. एकल व्यक्तिगत लेखक द्वारा रचित पुस्तकों का सूचीकरण (CATALOGUING OF BOOKS BY SINGLE PERSONAL AUTHORS)

इकाई की रूपरेखा

2.1 प्रस्तावना

2.2 उद्देश्य

2.3 एकल व्यक्तिगत लेखक से तात्पर्य

2.4 एकल व्यक्तिगत लेखक द्वारा रचित पुस्तक के शीर्षक के वरण एवं उपकल्पन के नियम

2.5 सूचीकृत उदाहरण

2.6 अभ्यास हेतु मुखपृष्ठ

2.7 सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

2.1 प्रस्तावना

ग्रन्थ में निहित विचारों के लिए कोई न कोई लेखक ही जिम्मेदार होता है। प्रसूचीचरण में लेखक का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान होता है। उपयोगकर्ताओं द्वारा लेखक के नाम से पुस्तक माँग की प्रबल सम्भावना रहती है। कोई भी ग्रन्थ एक लेखक या एक से अधिक लेखक अथवा समष्टि निकाय, सम्पादक अथवा संकलनकर्ता द्वारा रचित हो सकता है। इस इकाई के अन्तर्गत एकल व्यक्तिगत लेखकों द्वारा रचित पुस्तकों का प्रसूचीकरण किस प्रकार से किया जाता है इसके बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया जायेगा।

2.2 उद्देश्य

इस इकाई के निम्नलिखित उद्देश्य है :–

1. एकल व्यक्तिगत लेखक किसे कहते हैं उससे शिक्षार्थियों को परिचित कराना।
2. प्रसूचीकरण करते समय शीर्षक का वरण एवं उपकल्पन हेतु नियमों से शिक्षार्थियों को अवगत कराना।
3. सूचीकृत उदाहरणों के द्वारा शिक्षार्थियों को एकल व्यक्तिगत लेखकों द्वारा रचित पुस्तकों के प्रसूचीकरण की जानकारी सरलता के साथ समझाना।

2.3 एकल व्यक्तिगत लेखक से तात्पर्य

जब किसी ग्रन्थ का केवल एक ही लेखक होता है तो उसी का नाम ग्रन्थ के मुख्यपृष्ठ (Title Page) पर अंकित होता है तो ऐसे लेखक को एकल व्यक्तिगत लेखक (Single Personal Author) कहते हैं। जब ग्रन्थ का लेखक एक ही होता है तो उसी एकल व्यक्ति का नाम मुख्य संलेख (Main Entry) के शीर्षक (Heading) हेतु वरण किया जाता है।

2.4 एकल व्यक्तिगत लेखक द्वारा रचित पुस्तक के शीर्षक का वरण एवं उपकल्पन के नियम

2.4.1 सामान्य नियमानुसार यदि मुखपृष्ठ (Title Page) पर लेखक के नाम के पूर्व किसी प्रकार का आदरसूचक, पद्वीधारक अथवा अलंकरण पद है तो उसे प्रसूचीकरण करते समय हटा दिया जाता है। उदाहरणार्थ –

(अ) Prof. Shashikala को
Shashikala

(ब) Prof. Anurag को
Anurag

2.4.2 यदि किसी ग्रन्थ के लेखक के नाम में एक ही पद है तो शीर्षक क्षेत्र (Heading Area) में उसी एक पदीय नाम को ज्यों का त्यों अंकित करते है। उदाहरणार्थ–

Kalidas
Balmiki
Padini, Aryabhatt

2.4.3 यदि किसी ग्रन्थ के लेखक के नाम दो पदीय है तो सामान्यतया दोनों पद ही संलेख तत्व (Entry Element) माने जाते है। ऐसी स्थिति में उनके नाम को उसी क्रम में शीर्षक क्षेत्र में अंकित किया जाता हे। उदाहरणार्थ–

Sita Saran, Girija Kumar,

2.4.4 यदि किसी ग्रन्थ के लेखक के नाम के साथ उसका कुलनाम भी दिया गया है तो कुलनाम को प्रविष्टि पद (Entry Element) माना जायेगा। उदाहरणार्थ –

(अ) Ramesh Chandra Pandey को
Pandey, Ramesh Chandra

(ब) Ragini Shukla को
Shukla, Ragini

2.4.5 कुछ लेखकों के पाश्चात्य नाम ऐसे होते हैं जिसमें यौगिक कुल नाम होता है। यौगिक कुलनाम भी यदा–कदा छोटी आड़ी रेखा (Hyphen) (–) द्वारा जुड़े होते है और कभी–कभी नहीं भी जुड़े रहते तो उन्हें प्रथम पद (Entry Element) के रूप में प्रविष्ट किया जाता है। उदाहरणार्थ –

(अ) Lio Mei–lai को Mei– Lai, Liu
(ब) Wang Mao–Hsin को Mao– Hsin, Wang
(स) Malcolm McDonald– को McDonald, Malcolm

2.4.6 भारतीय सिख नामों के लिए यदि उसमें सिंह जुड़ा हुआ है तो उसे कुलनाम न मानते हुए नाम को सीधे–सीधे उपकल्पित करते है। जैसे –

(अ) Tarneet Singh – को – Tarneet Singh
Kartar Singh – को – Kartar Singh

2.5 सूचीकृत उदाहरण

उदाहरण–1

एकल व्यक्तिगत लेखक

MATHEMATICAL PHYSICS

Mathematical Description of Physical Phenomena

Prof. B.S. Sharma

Pragati Prakashan.

Meerut, 1970

Other Information :

- Call No. : 530.15 N70
- Acc No. : 9621
- Pages : 20 + 1532
- Size : 24 cm.
- ISBN : 978-93-86104

मुख्य संलेख **(Main Entry)**

530.15 N70	Sharma, B.S.	
9621	Mathematical Physics : Mathematical Description of Physical Phenomena/by B.S. Sharma·– Meerut : Pragati Prakashan, 1970. xx, 1532p.; 24 cm. ISBN : 978-93-86104 1. Physics – MathematicsI. Title ○	

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

		PHYSICS – MATHEMATICS
530.15 N70	Sharma, B.S.	
		Rest as in the main Entry.

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

		Mathematical Physics.
530.15 N70	Sharma, B.S.	
		Rest as in the main Entry.

टिप्पणी :–

1. मुख्य संलेख के शीर्षक (Heading) अनुच्छेद में लेखक के नाम को नियम संख्या 22.43 के अनुसार अंकित किया गया है।
2. आख्या एवं दायित्व कथन अनुच्छेद में आख्या के बाद : कोलन चिन्ह लगाकर उपआख्या अंकित की गई है।

3. इतर संलेख विषय (Added Entry – Subject) को Sears List of Subject Headings के अनुसार बनाया गया है।

उदाहरण–2

(एकल व्यक्तिगत लेखक एवं ग्रन्थमाला)

GOODS AND SERVICE TAX (GST)

Impact on the Indian Economy

By

Dr. Anjali Agarwal

New Century Publications

New Delhi, 2017

Other Information :

- Call No. : 336.278 P17
- Acc No. : 66215
- Pages : 9 + 222
- Size : 22 cm.
- ISBN : 978-81-7708-435-1
- Note : New Century Book Series No.7 Edited by S.R. Lohana

मुख्य संलेख (Main Entry)

336.278 P17	Agarwal, Anjali	
66215		Goods and Service Tax (GST) : Impact on the Indian Economy/by Anjali Agarwal·–New Delhi : New Century Publications, 2017·– 4th ed·– New Delhi : Concept Publishing Company, 2009 xi, 222p.; 22 cm·– (New Century Book Series; no. 7) ISBN : 978-81-7708-435-1 1. ServicesTaxI. Title II. Series. ○

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)`

336.278 P17	Agarwal, Anjali	SERVICE TAX
		Rest as in the main Entry.

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

336.278 P17	Agarwal, Anjali	Goods and Service Tax (GST)
		Rest as in the main Entry.

ग्रन्थमाला इतर संलेख (Series Added Entry)

336.278 P17	Agarwal, Anjali	New Century Book Series; no. 7
		Rest as in the main Entry.

टिप्पणी

1. मुख्य संलेख के ग्रन्थमाला अनुच्छेद में सूचना नियमानुसार अंकित है। ए0ए0सी0आर0–2 संशोधित में ग्रन्थमाला के सम्पादक को मुख्य संलेख में अकित नहीं किया जाता। तदुनसार इससे इतर संलेख भी नहीं बनाये जाते।

2. इतर संलेख विषय में Sears List of Subject Heading के व्यापक पद (Broder Term (BT)) के अनुसार Service Tax का उल्लेख किया गया है क्योंकि Goodsविषय आख्या का प्रथम शब्द है इसलिए उसका प्रयोग न करके व्यापक पद (BT) को प्रयोग में लाया गया है।

उदाहरण–3: (एकल व्यक्तिगत लेखक के साथ सहकारक)

DEMONETIZATION, DIGITAL INDIA AND GOVERNANCE

By

Niranjan Sahoo

Edited by

Ashutosh Singh

Orient Blackswan

Hyderabad,

2017

Other Information

- Call No. : 332.46 P17
- Acc. No. : 92164
- Pages : VI, 280p.

- Size : 22 cm.
- ISBN : 978-81-7708-441-2
- Note : Index on page no. 275-280

मुख्य संलेख (Main Entry)

332.46 P17	Sahoo, Niranjan	
92164	Demonetization, Digital India and Governance/by Niranjan Sahoo; edited by Ashutosh Singh·– Hyderabad : Orient Blackswan, 2017 VI, 280p.; 22 cm. Index on Page no. : 275-280 ISBN : 978-81-7708-441-2 1. MonetryPolicyI. Singh, Ashutosh. II. Title	

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

332.46 P17	Sahoo, Niranjan	MONETRY, POLICY
		Rest as in the main Entry.

संपादक इतर संलेख (Editor Added Entry)

332.46 P17	Sahoo, Niranjan	Singh, Ashutosh.
		Rest as in the main Entry.
		○

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

332.46 P17	Sahoo, Niranjan	Demonetization, Digital India and Governance.
		Rest as in the main Entry.
		○

टिप्पणी–

1. मुख्य संलेख में टिप्पणी अनुच्छेद (Note Section) के अन्तर्ग Index की सूचना प्रदान की गई है।
2. नियमानुसार सपांदक के लिए इतर संलेख का निर्माण किया गया है।
3. Sears List of Subject Headings के निर्देशानुसार विस्तृत पद (Broder Term (BT)) के अनुसार विषय शीर्षक के लिए Monetry Policy का अंकन किया गया है।

3. इतर संलेख आख्या में नियमानुसार यदि आख्या एक पंक्ति में नहीं समाहित होती तो अनुवर्ती सूचना अगली पंक्ति पर तृतीय काल्पनिक रेखा से अंकित की जाती है।

उदाहरण–4

(एकल व्यक्तिगत लेखक दो सहकारक के साथ)

ADVANCED INORGNIC CHEMISTRY

By

Prof. S.K. Agarwala

Edited by

Dr. Neerja Gupta and Monal Singh

Edition 4

Queen Publishers,

Indore, 1985

Other Information :

- Call No. : 546 N85
- Acc. No. : 34216
- Pages : 8 + 576
- Size : 14 × 17.2 cm.
- ISBN : 978-93-86306
- Note : 10 Coloured Photographs

मुख्य संलेख (Main Entry)

546 N85	Agarwala, S.K.	
34216		Advanced Inorgnic Chemistry/by S.K. Agarwala; edited by Neerja Gupta and Monal Singh·– 4th ed·–Indore : Queen Publishers, 1985 viii, 576p. : 10 col.ill.; 18 cm. ISBN : 978-93-86306 1. Inorganic ChemistryI. Gupta, Neerja II. Singh, Monal III. Title ○

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

546 N85	Agarwala, S.K.	INORGANIC CHEMISTRY
		Rest as in the main Entry.

संपादक–1 इतर संलेख (Editor-1 Added Entry)

546 N85	Agarwala, S.K.	Gupta, Neerja
		Rest as in the main Entry.

संपादक–2 इतर संलेख (Editor-2 Added Entry)

546 N85		Singh, Monal Agarwala, S.K.
		Rest as in the main Entry.

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

546 N85		Advance Inorganic Chemistry Agarwala, S.K.
		Rest as in the main Entry.

टिप्पणी–

1. मुख्य संलेख में दायित्व कथन क्षेत्र के अन्तर्गत लेखक के नाम के पश्चात् ; (सेमीकोलन) योजक चिन्ह लगाते हुए पहले सम्पादक का नाम and दूसरे सम्पादक का नाम नियमानुसार अंकित किया गया है। संकेत अनुच्छेद में इन दोनों ही संपादकों के नाम का उल्लेख उसी क्रम में किया जायेगा जिस क्रम में आख्या पृष्ठ (Title Page) पर अंकित है।

3. भौतिक विवरण क्षेत्र (Physical Description Area) के अन्तर्गत पृष्ठ वर्णन के उपरान्त योजक चिन्ह : (कोलन) लगाकर चित्र वर्णन हेतु 10 Col.ill. का प्रयोग किया गया है।

2.6 अभ्यास हेतु मुखपृष्ठ

उदाहरण–1

(एकल व्यक्तिगत लेखक)

MAHATMA GANDHI ON UNTOUCHABILITY

By

Dr. Anil Dutt Mishra

Concept Publishing Co.

New Delhi, 2015

Other Information

- Call No. : 364.131 P15
- Acc. No. : 89216
- Pages : IX, 210 P
- Size : 22 cm.
- ISBN : 978-93-5125-121

उदाहरण–2

(एकल व्यक्तिगत लेखक सहकारक एवं ग्रन्थमाला सहित)

BUSINESS ETHICS AND CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY

By

Dr. A.K. Singh

Ed. by
Dr. Ram Krishna Pandey
Ed. Six

Atlantic Publishers
New Delhi, 1988

Other Information

- Call No. : 174.4 N88
- Acc. No. : 72961
- Pages : 4 + 180 P
- Size : 20 cm.
- Note : New Paperback Book Series Number 10

उदाहरण–3
(एकल व्यक्तिगत लेखक एवं दो विभिन्न प्रकार के सहकारक)
USE OF NITROGEN FERTILIZERS
By
Meenu Agrawal
(Second Revised Edition)

Revised by
Prof. B. Viswanathan

Illustrated by
Dr. Vishal Sarin

New Century Publications
New Delhi, 2016

Other Information

- Call No. : 631.84 P16
- Acc. No. : 429612
- Pages : 8 + 316 P
- Size : 14 × 17.2 cm.
- ISBN : 06-79416-34

उदाहरण–4

(योजकीय कुलनाम वाला एकल व्यक्तिगत लेखक एवं ग्रन्थमाला)

GLOBAL TRADE IN SERVICES

A WTO Perspective

By

Thomas Poppy-Grace

New Delhi

Oxford University Press,

1985

Other Information

- Call No. : 382 N85
- Acc. No. : 5216
- Pages : IV, 280 P
- Size : 22 cm.
- Note : New Books on International Relation Series no. 12

उदाहरण–5

(एकल व्यक्तिगत लेखक एवं दो भिन्न प्रकार के सहकारक)

A HAND BOOK ON INTERNATIONAL ECONOMIC LAW

Material and Cases.

Fifth Revised Edition

By

Dr. Uma Narang

Revised by

Dr. Niti Bhasin

Illustrated by

Dr. Rupa Ghosh

New Delhi

New Century Publication

2011

Other Information

- Call No. : 341.75 P11
- Acc. No. : 8921
- Size : 16 × 17.2 cm.
- Pages : xiv, 280 p.

2.7 संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Joint Steering Committee for revision of A.A.C.R. : Anglo American Cataloguing Rules. 2nd ed. 1998. Edited by Michael Gorman and Paul W. Winkler, Canadian Library Association, 1988
2. Krishna Kumar, Introduction to A.A.C.R.-2, Delhi, Vikas Publishing House, 1986
3. Krishna Kumar, An Introduction to Cataloging Practice, Delhi, Vikas Publishing House, 1986
4. सूद, एस0 पी0, क्रियात्मक सूचीकरण : ए0ए0सी0आर0–2, जयपुर, राज पब्लिशिंग हाउस, 2002
5. गौतम, जे0 एन0, प्रैक्टिकल मैनुअल ऑफ ए0ए0सी0आर0–2, आगरा, एसोशियेटेड पब्लिशिंग हाउस, 2011

इकाई 3. संयुक्त व्यक्तिगत लेखकों द्वारा रचित पुस्तकों का सूचीकरण (CATALOGUING OF BOOKS BY JOINT PERSONAL AUTHORS)

इकाई की रूपरेखा

3.1 प्रस्तावना

3.2 उद्देश्य

3.3 संयुक्त व्यक्तिगत लेखक से तात्पर्य

3.4 संयुक्त व्यक्तिगत लेखकों द्वारा रचित पुस्तक के शीर्षक का वरण एवं उपकल्पन के नियम

3.5 सूचीकृत उदाहरण

3.5.1 दो व्यक्तिगत लेखक

3.5.2 तीन व्यक्तिगत लेखक

3.5.3 तीन से अधिक व्यक्तिगत लेखक

3.6 अभ्यास हेतु मुखपृष्ठ

3.7 सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

3.1 प्रस्तावना

जब कोई ग्रन्थ एक से अधिक लेखकों द्वारा लिखा जाता है तो ऐसे ग्रन्थ को संयुक्त व्यक्तिगत लेखकों द्वारा रचित ग्रन्थ की संज्ञा दी जाती है। ए0ए0सी0आर0–2 के नियम संख्या 216A के अनुसार संयुक्त लेखक (Joint Authorship) को सहभागी लेखकत्व (Shared Authorship) अथवा सहभागी उत्तरदायित्व (Shared Responsibility) कहा जाता है। इस इकाई के अन्तगर्त संयुक्त व्यक्तिगत लेखकों द्वारा लिखी गई पुस्तकों का प्रसूचीकरण किस प्रकार से किया जाता है इसके बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया जायेगा।

3.2 उद्देश्य

इस इकाई के निम्नलिखित उद्देश्य है–

1. संयुक्त व्यक्तिगत लेखक का आशय स्पष्ट करना।
2. संयुक्त व्यक्तिगत सहलेखकों के प्रकारों को वर्णित करते हुए प्रसूचीकरण करते समय उनके शीर्षकों के वरण एवं उपकल्पन के नियमों की विवेचना करना।
3. सूचीकृत उदाहरणों के माध्यम से शिक्षार्थियों को संयुक्त व्यक्तिगत सहलेखकों द्वारा रचित पुस्तकों के प्रसूचीकरण की जानकारी सरलता के साथ समझाना।

3.3 संयुक्त व्यक्तिगत लेखक से तात्पर्य

ए0ए0सी0आर0–2 में संयुक्त व्यक्तिगत लेखक को निम्न प्रकार से परिभाषित किया गया है– ''वह व्यक्ति जो ऐसे ग्रन्थ की रचना के लिए एक अथवा अधिक व्यक्तियों के साथ सहयोग करता है, जिसमें प्रत्येक सहयोगी का कार्य समान होता है।'' तात्पर्य है कि जब किसी ग्रन्थ की रचना दो या दो से अधिक व्यक्तिगत लेखकों के द्वारा की जाती है तो वहाँ संयुक्त व्यक्तिगत लेखकत्व की बात होती है।

3.4 संयुक्त व्यक्तिगत लेखकों द्वारा रचित पुस्तक के शीर्षक का वरण एवं उपकल्पन के नियम

ए0ए0सी0आर0–2 संशोधित में संयुक्त व्यक्तिगत लेखकों द्वारा रचित पुस्तकों को सूचीकरण की दृष्टि से दो भागों में विभक्त किया गया है–

(क) प्रमुख दायित्व का संकेत (Principle Responsibility Indicated)

(ख) प्रमुख दायित्व के संकेत का अभाव (Principle Responsibility not Indicated)

उपरोक्त दोनों श्रेणियों को विस्तार से निम्न प्रकार से समझा जा सकता है–

(क) प्रमुख दायित्व का संकेत–

जब किसी पुस्तक के मुख्यपृष्ठ (Title Page) पर एक से अधिक लेखकों का उल्लेख हो तथा उन लेखकों में से कोई एक लेखक लेखन की दृष्टि से Highlighted हो भले ही वो लेखक क्रम में नीचे हों। ऐसी स्थित में Highlighted लेखक को ही प्रमुख लेखक मानते हुए शीर्षक (Heading) का निर्माण उसी के नाम के अन्तर्गत किया जायेगा।

उदाहरण स्वरूप

Inorganic Chemistry
By
Dr. Umesh Tripathi
Dr. RAM NATH SHARMA

उपरोक्त उदाहरण में दो लेखकों का उल्लेख है परन्तु नीचे के लेखक के नाम को आख्यापृष्ठ पर प्रस्तुतीकरण के आधार पर विशिष्टता प्रदान की गई हैं। अतः ए0ए0सी0आर0–2 संशोधित के नियम संख्या 21.6B के अनुसार RAM NATH SHARMA के नाम से मुख्य संलेख के शीर्षक का निर्माण होगा तथा शेष लेखक के नाम से इतर संलेख (संयुक्त लेखक) का निर्माण किया जायेगा।

(ख) **प्रमुख दायित्व के संकेत का अभाव–**

ए0ए0सी0आर0–2 संशोधित के नियम संख्या 21.6C के अनुसार यदि किसी पुस्तक के आख्या पृष्ठ पर एक से अधिक सहलेखकों का उल्लेख है परन्तु किसी भी लेखक का नाम लेखन शैली के आधार पर Highlighted नहीं है तो ऐसी स्थिति में क्रमानुसार पहले लेखक को ही प्रमुख लेखक के रूप में स्वीकार करेंगे और उसी के नाम से पुस्तक के मुख्य संलेख के शीर्षक अनुच्छेद का निर्माण होगा तथा शेष लेखकों के द्वारा इतर संलेख (संयुक्त लेखक) को निर्मित किया जायेगा।

उदाहरण स्वरूप–

Indian Ancient History
By
Prof. R.P. Tripathi
Prof. R.K. Dwivedi

उपरोक्त उदाहरण में दोनों ही लेखकों का नाम एक ही शैली में अंकित है। अतः नियमानुसार प्रथम लेखक R.P. Tripathi के अन्तर्गत मुख्य संलेख के शीर्षक का निर्माण किया जायेगा तथा R.K. Dwivedi के नाम से इतर संलेख (संयुक्त लेखक) का निर्मित किया जायेगा।

3.5 सूचीकृत उदाहरण

3.5.1 दो व्यक्तिगत लेखक (प्रमुख दायित्व के संकेत का अभाव)

उदाहरण–1

DEVELOPMENT OF TRIBAL PEOPLES OF NORTH EAST INDIA
Issues and Challanges.

By

Prof. Ram Krishna Mandal
Prof. E.M.S. Natchiappan

Concept Publishing Company
New Delhi, 2009

Other Information :

- Call No. : 307.7 P09
- Acc No. : 3246
- Pages : 12 + 320
- Size : 24 cm.
- ISBN : 978-93-5125-008

मुख्य संलेख **(Main Entry)**

307.7 P09	Mandal, Ram Krishna
3246	Development of Tribal Peoples of North East India : Issues and challenges/by Ram Krishna Mandal and E.M.S. Natchiappan·— New Delhi : Concept Publishing Company, 2009. XII, 320P; 24 cm. ISBN : 978-93-5125-008 1. TribalCommunitiesI. Natchiappan, E.M.S. II. Title

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

		TRIBAL COMMUNITIES
307.7		
P09	Mandal, Ram Krisna	
		Rest as in the main Entry.
		○

सहलेखक इतर संलेख (Joint Author Added Entry)

		Natchiappan, E.M.S.
307.7		
P09	Mandal, Ram Krisna	
		Rest as in the main Entry.
		○

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

307.7 P09	Mandal, Ram Krishna	Development of Tribal Peoples of North East India.
		Rest as in the main Entry.

टिप्पणी–

1. पुस्तक के आख्या पृष्ठ पर दो सहलेखकों के नाम दिये गए हैं, परन्तु शैली की दृष्टि से किसी भी लेखक का मुख्य दायित्व स्पष्ट नहीं हो रहा है। ऐसी स्थिति में नियमानुसार प्रथम लेखक के नाम के अन्तर्गत शीर्षक अनुच्छेद का निर्माण किया गया है।
2. उत्तरदायित्व क्षेत्र में दोनों लेखकों का नाम उसी क्रम में लिखा गया है जिस क्रम में आख्या पृष्ठ पर अंकित है एवं दोनों लेखकों के नाम को and योजक शब्द द्वारा जोड़ा गया है।
3. नियम संख्या 21.30A के अनुसार दूसरे सहलेखक के नाम से इतर संलेख (संयुक्त लेखक) का निर्माण किया गया है।

उदाहरण–2

(दो व्यक्तिगत लेखक–प्रमुख दायित्व का संकेत)

INDIAN - CHINA FREE TRADE AGREEMENT

Potential Impact on the Northeast India

By

Homen Thangjam

S.S. HANGJAM

Edited by

H.I. Sharma

4th Edition

Concept Publishing Company,
New Delhi,2009

Other Information :

- Call No. : 382.71 P09
- Acc No. : 39462
- Pages : 12 + 460
- Size : 17.2 cm.

मुख्य संलेख (Main Entry)

382.71 P09	Hangjam, S.S.	
		India-China free Trade Agreement : Potential impact on the Northeast India/by Homen Thangjam and S.S. Hangjam; edited by H.I. Sharma·– 4th ed·–New Delhi : Concept Publishing Company, 2009
39762		xii, 460P.; 18 cm.
		1. Free Trade. I. Thangjam, Homen. II.
Sharma, H.I.		III. Title

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

		FREE TRADE
382.71 P09	Hangjam, S.S.	
		Rest as in the main Entry.

सहलेखक इतर संलेख (Joint Author Added Entry)

382.71 P09	Hangjam, S.S.	Thangjam, Homen
		Rest as in the main Entry.

सम्पादक इतर संलेख (Editor Added Entry)

382.71 P09	Hangjam, S.S.	Sharma, H.I.
		Rest as in the main Entry.

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

382.71 P09	Hangjam, S.S.	India - China Free Trade Agreement
		Rest as in the main Entry.

टिप्पड़ी:

1. पुस्तक के आख्या पृष्ठ (Title Page) पर दो सहलेखकों का उल्लेख है। जिसमें दूसरे सहलेखक के नाम के उल्लेख की मुद्रण शैली अलग है। इस प्रकार नियम संख्या 21.601 के अनुसार मुख्य लेखक के रूप में द्वितीय सहलेखक को मानते हुये उसके नाम से शीर्षक अनुच्छेद Heading का निर्माण किया गया है एवं दायित्व कथन क्षेत्र में आख्या पृष्ठ पर जिस क्रम में लेखक के नाम का उल्लेख है उसी क्रम में सामान्य शैली में प्रथम लेखक का नाम and द्वितीय लेखक के नाम का उल्लेख किया गया है।

2. नियम संख्या 21.30A1 के अनुसार दूसरे सहलेखक के नाम से इतर संलेख–सहलेखक का निर्माण किया गया है।

3. नियम संख्या 25.D1 के अनुसार ग्रन्थ के आकार (ऊँचाई) दशमलव भिन्न (17.2 cm.) रूप में दी गई है तो उसे अगले सेन्टीमीटर अंक में पूर्ण करके (18 cm.) उल्लिखित किया गया है।

3.5.2 तीन व्यक्तिगत लेखक

जब किसी पुस्तक के आख्या पृष्ठ पर लेखक के स्थान पर तीन लेखकों का उल्लेख हो तो ए.ए.सी.आर–2 संशोधित के नियमानुसार प्रायेगिक सूचीकरण की दृष्टि से नियमानुसार निम्नवत् दो स्थितियाँ प्रगट होती है–

(अ) तीन लेखक–प्रमुख दायित्व के संकेत का अभाव–

आख्या पृष्ठ पर यदि तीनों लेखकों के नामों का उल्लेख मुद्रण शैली की दृष्टि से एक जैसा हो तो ऐसी स्थिति में प्रथम लेखक के नाम से शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section) का निर्माण किया जाता है एवं दायित्व कथन अनुच्छेद (Responsibility Area) में आख्या पृष्ठ पर जिस क्रम में तीनों लेखकों का उल्लेख है उसी क्रम में सामान्य शैली में प्रथम लेखक का नाम, (कामा) द्वितीय लेखक का नाम and तृतीय लेखक के नाम का उल्लेख करते हैं। द्वितीय एवं तृतीय लेखक के नाम से अलग–अलग इतर संलेख–सहलेखक का निर्माण करते है।

(ब) तीन लेखक– प्रमुख दायित्व का संकेत–

जब किसी पुस्तक के आख्या पृष्ठ (Title Page) पर तीन लेखकों का उल्लेख हो तथा कोई एक लेखक भले ही क्रम में नीचे उल्लिखित हो परन्तु मुद्रण शैली की दृष्टि से अन्य लेखकों से विशिष्ट दिखे तो ऐसे लेखक को प्रमुख लेखक के रूप में नियमानुसार मानते हुये शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section) का निर्माण इसी लेखक के अन्तर्गत किया जाता है। परन्तु दायित्व कथन क्षेत्र में हम लेखकों के नाम का उल्लेख आख्या पृष्ठ पर दिये गए क्रमानुसार ही– पहले लेखक का नाम, (कामा) दूसरे लेखक का नाम and तीसरे लेखक का नाम लिखते हैं। शीर्षक अनुच्छेद में उल्लिखित लेखक के अतिरिक्त शेष दोनों लेखकों के नाम से इतर संलेख–सहलेखक का निर्माण करते है।

उदाहरण–3

(तीन व्यक्तिगत लेखक–प्रमुख दायित्व के संकेत का अभाव)

DYNAMICS OF AGRICULTURAL DEVELOPMENT

By

M.L. Joshi

H.R. Yadav

P.C. Bansal

Second Edition

New Country Publishers

Varanasi, 2015

Other Information

- Call No. : 630 P15
- Acc. No. : 49216
- Pages : 6 + 320
- Size : 14 × 16 cm.
- Note : Agriculture Book Series No. 13

मुख्य संलेख (Main Entry)

630 P15	Joshi, M.L.	
49216	Dynamics of Agricultural Development/by M.L. Joshi, H.R. Yadav and P.C. Bansal·– 2nd Ed·– Varanasi : New Country Publishers, 2015. vi, 320P; 16 cm·– (Agriculture Book Series; No. 13) 1. Agriculture I. Yadav, H.R. II. Bansal, P.C. III. Title IV. Series	

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

630 P15	Joshi,	AGRICULTURE M.L.
		Rest as in the main Entry.

सहलेखक इतर संलेख (Joint Author Added Entry)

630 P15	Joshi,	Yadav, H.R. M.L.
		Rest as in the main Entry.

सहलेखक इतर संलेख (Joint Author Added Entry)

630 P15	Joshi,	Bansal, P.C. M.L.
		Rest as in the main Entry ○

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

630 P15	Joshi,	Dynamics of Agricultural Development M.L.
		Rest as in the main Entry. ○

ग्रन्थमाला इतर संलेख (Series Added Entry)

630 P15	Joshi,	Agriculture Book Series; No. 13 M.L.
		Rest as in the main Entry.

टिप्पणी–

1. नियम संख्या 1.6 के अनुसार ग्रन्थमाला का उल्लेख किया गया है तथा इतर संलेख ग्रन्थमाला का निर्माण किया गया है।

उदाहरण–4

(तीन व्यक्तिगत लेखक–प्रमुख दायित्व का संकेत)

PRE-PRIMARY EDUCATION

Philosophy and Practice

By

P.K. Sahoo

Sushma Pandey

S.P. Choube

Edition by
Manju Pandey
Edition Sixth

Vishwavidyalay Prakashan
Varanasi, 2003

Other Information

- Call No. : 372.241 P03
- Acc. No. : 96241
- Pages : 22 + 410
- Size : 18 cm.
- Note : Bibliography on P. 400-410

मुख्य संलेख (Main Entry)

372.241 P03	Pandey, Sushma.
96241	Pre-Primary Education : Philosophy and Practice/ by P.K. Sahoo, Sushma Pandey and S.P. Choube; edited by Manju Pandey·– 6th ed·– Varanasi : Viswavidyalay Prakashan, 2003. xxii, 410P.; 18 cm. Biblography on P.400-410 1. PrimaryEducationI. Sahoo, P.K. II. Choube, S.P. III. Pandey, Manju IV. Title

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

372.241		PRIMARY EDUCATION
P03	Pandey, Sushma.	
		Rest as in the main Entry.

सहलेखक इतर संलेख (Joint Author Added Entry)

372.241		Sahoo, P.K.
P03	Pandey, Sushma.	
		Rest as in the main Entry.

सहलेखक इतर संलेख (Joint Author Added Entry)

372.241 P03	Pandey, Sushma.	Choube, S.P.
		Rest as in the main Entry.

सम्पादक इतर संलेख (Editor Added Entry)

372.241 P03	Pandey, Sushma.	Pandey, Manju
		Rest as in the main Entry.

आख्या इसर संलेख (Title Added Entry)

372.241 P03		Pre-Primary Education
	Pandey, Shushma	
		Rest as in the main Entry.

टिप्पड़ी–

1. ए.ए.सी.आर–2 संशोधित के नियम संख्या 21.6B1 के निर्देशानुसार आख्या पृष्ठ पर दिये गयो तीन लेखकों के नाम में क्रम संख्या–2 पर अवस्थित लेखक का नाम मुद्रण शैली की दृष्टि से प्रमुख लेखक के रूप में स्पष्ट होता हैं। अतः शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section) का निर्माण प्रमुख लेखक के नाम से किया गया है एवं दायित्व कथन क्षेत्र में तीनों लेखकों का नाम आख्या पृष्ठ (Title Page) के क्रमानुसार अंकित किया गया हैं। शीर्षक अनुच्छेद में प्रयुक्त लेखक के नाम के अतिरिक्त शेष दोनों लेखकों के नाम से इतर संलेख सहलेखक का निर्माण किया गया है।

2. टिप्पणी अनुच्छेद (Note Section) में नियमानुसार बिब्लियोग्राफी की सूचना पृष्ठ संख्या सहित अंकित की गई है।

3.5.3 तीन से अधिक व्यक्तिगत लेखक

जब किसी भी पुस्तक में तीन से अधिक व्यक्तिगत लेखक का जिक्र आख्या पृष्ठ (Title Page) पर होता है तो ऐसी स्थिति में एंग्लो अमेरिकन कैटलांगिंग रूल्स–2 संशोधित के नियम संख्या 21.6C2, 21.6B1 में निम्नलिखित नियमों का प्राविधान किया गया है–

(अ) प्रमुख लेखक का बोध नहीं

(i). यदि तीन से अधिक लेखकों के बीच में मुद्रण शैली की दृष्टि से किसी प्रमुख लेखक का बोध नहीं होता तो ऐसी स्थिति में शीर्षक अनुच्छेद

(Heading Section) का निर्माण आख्या (Title) के अन्तर्गत किया जायेगा।

(ii). शीर्षक (Heading) का निर्माण जब आख्या (Title) के अन्तर्गत होता है तो प्रकाशन वितरण अनुच्छेद तक निलम्बी शीर्षक (Hanging Indention) का प्रयोग किया जाता है तात्पर्य शीर्षक अनुच्छेद की अनुवर्ती पंक्तियाँ द्वितीय उर्ध्वरेखा (Second Indention) से वापस की जाती है।

(iii). दायित्व कथन क्षेत्र (Responsibility Statement Section) में शीर्षक विवरण के पश्चात/लगाकर पहले लेखक के नाम का उल्लेख कर ••• (Threedotes) और [et.al.] का प्रयोग करते हैं।

(iv). संकेत अनुच्छेद (Tracing Section) में पहले लेखक के नाम से इतर संलेख लेखक का निर्माण करते हैं एवं चूँकि आख्या से शीर्षक का निर्माण हुआ रहता है।

(ब) प्रमुख लेखक का बोध–

यदि किसी पुस्तक में तीन से अधिक सहलेखक हैं एवं उनमें से किसी एक लेखक का नाम मुद्रण शैली के आधार पर विशिष्ट प्रतीत होता है तो उसे प्रमुख लेखक की रचना मानी जायेगी। ऐसी स्थिति में नियम संख्या 21.6B1 के अनुसार मुख्य संलेख का निर्माण प्रमुख लेखक के अन्तर्गत किया जायेगा साथ ही नियम संख्या 1.1F5 के अनुसार दायित्व कथन अनुच्छेद में पहले सहलेखक के नाम के पश्चात •••(Three dots) लगाकर वर्गाकार कोष्ठक में [et. al.] लिखा जाता है।

उदाहरण–5

(तीन से अधिक व्यक्तिगत लेखक, प्रमुख लेखक का बोध नहीं)

CONTEXTUAL TEACHING AND LEARNING

The Effective Strategy of Contextualization of Teaching and Learning

By

Dr. Kuldeep Mathur
Prof. Narendra Sinha
Dr. M. Stephens
Dr. Anil Dutta Mishra

New Century Publications
New Delhi, 1998

Other Information –

- Call No. : 371.102 N98
- Acc. No. : 20396
- Pages : 8 + 220
- Size : 22 cm.

मुख्य संलेख (Main Entry)

371.102 N98	Contextual Teaching and Learning : The Effective	
Strategy of 2396		Contextualization of Teaching and Learning/by Kuldeep Mathur ... [et.al.] ·–New Delhi : New Century Publications, 1998 viii, 220P.; 22 cm. 1. Teaching I. Mathur, Kuldeep ○

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

371.102 N98	Contextual Teaching and Learning	TEACHING
		Rest as in the main Entry. ○

सहलेखक इतर संलेख (Joint Author Added Entry)

371.102 N98		Mathur, Kuldeep. Contextual Teaching and Learning.
		Rest as in the main Entry. ○

टिप्पणी–

1. ए.ए.सी.आर–2 संशोधित के नियमानुसार आख्या पृष्ठ पर तीन से अधिक लेखक होने के कारण शीर्षक (Heading) आख्या के अन्तर्गत निर्मित की गई है।

2. दायित्व कथन क्षेत्र में चूँकि मुद्रण शैली के आधार पर किसी भी लेखक का प्रमुख लेखक के रूप में बोध नहीं होता ऐसी स्थिति में प्रथम लेखक को अंकित किया गया है।

उदाहरण–6

(तीन से अधिक व्यक्तिगत लेखक–प्रमुख लेखक का बोध)

HANDBOOK ON LAW OF TORTS

Material and Cases

By

Prof. Mukteswar Dwivedi

Dr. Sita Ram Tripathi

Dr. OM PRAKASH PANDEY

Dr. Alka Gupta

Edited by

Dr. S.K. Agarwal

Third Edition

Pragati Prakashan
Agra, 2005

Other Information

- Call No. : 346.03 P05
- Acc. No. : 3426
- Pages : 6 + 320
- Size : 16 cm.
- Note : The Book has 10 Coloured Photographs

मुख्य संलेख (Main Entry)

346.03 P05	Pandey, Om Prakash.
3426	Hand Book on Law of Torts : Material and Cases/by Mukteswar Dwivedi... [et.al.]; edited by S.K. Agarwal·– 3rd ed·–Agra : Pragati Prakashan, 2005 vi, 320P. : 10 Col.ill; 20 cm. 1. TortsLawI. Dwivedi, Mukeswar II. Agarwal, S.K. III. Title ○

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

346.03 P05	TORTS LAW Pandey, Om Prakash.
	Rest as in the main Entry. ○

सहलेखक इतर संलेख (Joint Author Added Entry)

346.03		Dwivedi, Mukteswar.
P05	Pandey, Om Prakash.	
		Rest as in the main Entry.

सम्पादक इतर संलेख (Editor Added Entry)

346.03		Agarwal, S.K.
P05	Pandey, Om Prakash.	
		Rest as in the main Entry.

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

346.03 P05		Handbook on Law of Torts.
	Pandey, Om Prakash.	
		Rest as in the main Entry.
		○

टिप्पड़ी

1. नियमानुसार तीसरा लेखक मुद्रण की दृष्टि से Highlighted होने के कारण प्रमुख लेखक के रूप में स्वीकार्य हैं। अतः Heading का निर्माण Highlighted लेखक के द्वारा किया गया है।

2. दायित्व कथन क्षेत्र (Responsibility Area) में प्रथम लेखक के साथ तीन डाट के बाद [et.al.] का प्रयोग ए.ए.सी.आर–2 संशोधित के नियम संख्या 1.1F5 के अनुसार किया गया है।

3.6 अभ्यास हेतु मुखपृष्ठ

मुखपृष्ठ–1
(दो संयुक्त व्यक्तिगत लेखक)
FEDERAL DYNAMICS
Continuity, Change and the Varieties of Fedaralism

By
Arthur Benz
Jorg Broschek

Oxford University Press

U.K., 2013

Other Information :

- Call No. : 321.02 P13
- Acc. No. : 8621
- Pages : 210 P
- Size : 22 cm.
- ISBN : 978-0-19-965299

मुखपृष्ठ–2

(दो संयुक्त व्यक्तिगत लेखक ग्रन्थमाला सहित)

NEW PARTIES IN OLD PARTY SYSTEM

Persistence and decline in Seventeen Democracies

By

Nicole Bolleuyer

Hermann Schmitt

Harward Business School Press

Boston, 2010

Other Information :

- Call No. : 324.2 P10
- Acc. No. : 3654
- Pages : 9 + 272 P
- Size : 14 × 18 cm.
- Note : The Book Contains 18 Tables
- ISBN : 978-0-19-964606
- - Political New Book Series, No. 16

मुखपृष्ठ–3

(दो संयुक्त व्यक्तिगत लेखक– सहकारक के साथ)

THE LISBON TREATY

Law, Politics and Treaty Reform

'

By

Desmond, Dinan

Christopher, Pollitt

Translated from Russian

By

Mikael Rask Madsen

NarPer Books

New York, 1999

Other Information :

- Call No. : 341.37 N99
- Acc. No. : 6241
- Pages : 11 + 568 P
- Size : 20 cm.

मुखपृष्ठ–4

(दो संयुक्त व्यक्तिगत लेखक– प्रमुख दायित्व के संकेत के साथ)

DEMOCRACY AND PUBLIC SPACE

Physical Sites of Democratic Performance

By

John R. Parkinson

M.I. FRANKLIN

Jossey-Bass Publications

Columbia, South Carolina

1997

Other Information :

- Call No. : 321.4 N97
- Acc. No. : 3251
- Pages : 12 + 272 P
- Size : 18 cm.
- ISBN : 978-0-19-967694

मुखपृष्ठ–5
(तीन संयुक्त व्यक्तिगत लेखक)
HISTORY OF POLITICAL THEORY
An Introduction

By
Elizabeth Cripps
Lisa Herzog
George Klosko

Haworth Press
Binghamton, New York,
2012

Other Information :

- Call No. : 320.5 P12
- Acc. No. : 9214
- Pages : 14 + 380 P
- Size : 22 cm.

मुखपृष्ठ–6
(तीन संयुक्त व्यक्तिगत लेखक– प्रमुख लेखक संकेत के साथ)
INDIA'S FOREIGN POLICY : A READER

By
Kanti P. Bajpai
Harsh V. Pant
GOPAL SHARMA

Y.K. Publishers
Agra, 2005

Other Information :

- Call No. : 327.54 P05
- Acc. No. : 96214
- Size : 20 cm.
- Pages : 11 + 280 P

मुखपृष्ठ–7

(तीन संयुक्त व्यक्तिगत लेखक– सहकारक के साथ)

HAND BOOK OF MODERN DIPLOMACY

By

Johanna Kantola

Laurel Weldon

John S. Dryzek

Edited by

Marc R. Rosenblum

Fourth Edition

Oxford University Press

London, 2005

Other Information :

- Call No. : 327.2 P05
- Acc. No. : 12316
- Size : 14 × 18 cm.
- Pages : 15 + 380 P
- ISBN : 978-0-79-958886

मुखपृष्ठ–8

(तीन से अधिक संयुक्त व्यक्तिगत लेखक)

SURPASSING THE SOVEREIGN STATE

The Wealth, Self-Rule, and Security Advantages of

Partially IndependentTerritories

By

David A. Rezvani

Inge Lippert

Tony Huzzard

Ulrich Jurgens

World Bank Group Publicatons

Washington, United State,

2008

Other Information :

- Call No. : 320.157 P08
- Acc. No. : 8921
- Size : 22 cm.
- Pages : 19 + 380 P

मुखपृष्ठ–9

(तीन से अधिक संयुक्त व्यक्तिगत लेखक–प्रमुख लेखक संकेत के साथ)

COMPARATIVE POLITICS

By

Michael W. Bauer

Andrew Jordan

EDWARD C PAGE

Daniele Caramani

Warner Bros Global Publishing

Burbank, United State,

2015

Other Information :

- Call No. : 320.3 P15
- Acc. No. : 6254
- Size : 14 × 18 cm.
- Pages : 18 + 340 P

मुखपृष्ठ–10

(तीन से अधिक संयुक्त व्यक्तिगत लेखक, सहकारक के साथ)

REGULATING THE RISK OF UNEMPLOYMENT

National Adaptations to Post-Industrial Labour
Markets in Europe

By

Jochen Clasen
Michel Rosensield
Andraws Sazo
Danial Elegg
Edited by
Albrekt Larsen
Edition Third

Getty Publications
Los Angeles, United States
2006

Other Information :

- Call No. : 331.137 P06
- Acc. No. : 8236
- Size : 20 cm.
- Pages : 17 + 410 P

3.7 संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Joint Steering Committee for revision of A.A.C.R. : Anglo American Cataloguing Rules. 2nd ed. 1998. Edited by Michael Gorman and Paul W. Winkler, Canadian Library Association, 1988
2. Krishna Kumar, Introduction to A.A.C.R.-2, Delhi, Vikas Publishing House, 1986
3. Krishna Kumar, An Introduction to Cataloging Practice, Delhi, Vikas Publishing House, 1986
4. सूद, एस0 पी0, क्रियात्मक सूचीकरण : ए0ए0सी0आर0–2, जयपुर, राज पब्लिशिंग हाउस, 2002
5. गौतम, जे0 एन0, प्रैक्टिकल मैनुअल ऑफ ए0ए0सी0आर0–2, आगरा, एसोशियेटेड पब्लिशिंग हाउस, 2011

इकाई 4.: सम्पादकीय निर्देशन में रचित पुस्तकों का सूचीकरण (CATALOGUING OF BOOKS UNDER EDITORIAL DIRECTION)

इकाई की रूपरेखा

4.1 प्रस्तावना

4.2 उद्देश्य

4.3 सम्पादकीय निर्देशन से तात्पर्य

4.4 सम्पादकीय निर्देशन में शीर्षक का वरण एवं उपकल्पन के नियम

4.5 सूचीकृत उदाहरण

4.6 अभ्यास हेतु मुखपृष्ठ

4.7 सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

4.1 प्रस्तावना

कुछ ग्रन्थ ऐसे होते हैं जिनका कोई लेखक नहीं होता अपितु लेखक के स्थान पर सम्पादक (Editor) का उल्लेख होता है। यह ग्रन्थ एक प्रकार से अलग–अलग लेखकों द्वारा लिखित स्वतंत्र लेखों का संग्रह होता है तथा इन समस्त लेखों का उत्तरदायित्व किसी लेखक पर न होकर एक ऐसे व्यक्ति पर होता है जो उस ग्रन्थ संग्रहीत समस्त लेखों को एकत्रित करता है, सम्पादन करता है और एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित कर उन सभी लेखों के लिए स्वयं उत्तरदायी होता है। ऐसे व्यक्ति को सम्पादक (Editor) अथवा संकलनकर्त्ता (Compiler) की संज्ञा दी जाती है।

4.2 उद्देश्य

इस इकाई के निम्नलिखित उद्देश्य है–

1. सम्पादकीय निर्देशन का अर्थ स्पष्ट करना।
2. सम्पादकीय निर्देशन में प्रकाशित पुस्तकों के सूचीकरण हेतु उनके शीर्षक (Heading) के वरण एवं उपकल्पन के नियमों की विवेचना करना।
3. सूचीकृत उदाहरणों के माध्यम से शिक्षार्थियों को सम्पादकीय निर्देशन में प्रकाशित पुस्तकों के प्रसूचीकरण की जानकारी सरलता के साथ समझाना।

4.3 सम्पादकीय निर्देशन से तात्पर्य

ग्रंथालय में बहुत सारी पुस्तकें ऐसी भी क्रय की जाती हैं जिनमें लेखक नहीं होते। पुस्तक के आख्या पृष्ठ पर लेखक के स्थान पर सम्पादक के नाम का उल्लेख होता है। सम्पादक से तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से होता है जो विभिन्न लेखकों द्वारा लिखे गए स्वतंत्र लेखों को संग्रहीत कर एक पुस्तक का आकार प्रदान करता है। इस प्रकार सम्पादक लेखक नहीं होता परन्तु विभिन्न लेखों को एकत्रीकरण कर पुस्तक के रूप में प्रकाशित करता है तथा उस पुस्तक के लेख सामग्री हेतु वह उत्तरदायी होता है। ए0ए0सी0आर0–2 संशोधित के अन्तर्गत इस प्रकार के लघु लेख एकीकृत आख्या को सामूहिक आख्या (Collective Title) के नाम से भी जाना जाता है।

4.4 सम्पादकीय निर्देशन में शीर्षक का वरण एवं उपकल्पन के नियम

ए0ए0सी0आर0–2 संशोधित में नियम संख्या 21.7 में सम्पादकीय निर्देशन में प्रकाशित पुस्तकों के सूचीकरण हेतु निम्न नियमों का प्राविधान है–

- मुख्य प्रविष्टि (Main Entry) में शीर्षक (Heading) का निर्माण आख्या (Title) के अन्तर्गत किया जायेगा।
- आख्या के द्वारा शीर्षक (Heading) का निर्माण किये जाने की स्थिति में अनुवर्ती पंक्तियाँ प्रकाशन वितरण अनुच्छेद तक द्वितीय उर्ध्वरेखा (Second Indention) से वापस की जायेगी।

- आख्या के पश्चात/(Slash) लगाकर दायित्व कथन क्षेत्र में edited by लिखकर सम्पादक का नाम लिखते हैं। यहाँ भी संयुक्त लेखक की ही तरह नियम नाम अंकित करने का है। यदि एक सम्पादक है तो उसका नाम, यदि दो हैं तो प्रथम and द्वितीय, यदि तीन हैं तो प्रथम, द्वितीय and तृतीय। यदि तीन से अधिक/Highlighted सम्पादक हैं तो दायित्व कथन क्षेत्र में प्रथम सम्पादक/Highlighted सम्पादक का नाम लिख कर [et.al.] का उल्लेख करेंगें।
- संकेतन क्षेत्र (Tracing Area) में सन्दर्भानुसार एक सम्पादक, दो सम्पादक, तीन सम्पादक के लिए इतर संलेख का निर्माण किया जायेगा।
- आख्या से शीर्षक बनने के कारण संकेतन अनुच्छेद में इतर संलेख हेतु आख्या का उल्लेख नहीं होगा।

4.5 सूचीकृत उदाहरण

उदाहरण–1

INORGANIC POLYMER CHEMISTRY

Edited by

Dr. Abha Rastogi

Edition 2

Pragati Prakashan

Meerut,

1995

Other Information :

- Call No. : 547.28 N95
- Acc No. : 6234
- Pages : 16 + 320p.
- Size : 18 cm.
- ISBN : 978-93-5140-6

मुख्य संलेख (Main Entry)

547.28 N95		Inorganic Polymer Chemistry/edited by Abha Rastogi·– 2nd
6234		ed·–Meerut : Pragati Prakashan, 1995 xvi, 320p.; 18 cm. 1. PolymerChemistryI. Rastogi, Abha ○

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

547.28 N95		POLYMER CHEMISTRY. Inorganic Polymer Chemistry.
		Rest as in the main Entry. ○

सम्पादक इतर संलेख (Editor Added Entry)

547.28 N95		Rastogi, Abha Inorganic Polymer Chemistry
		Rest as in the main Entry.

उदाहरण–2

BASICS OF PHOTOCHEMISTRY

Edited by
Prof. J.D. Pandey
Prof. I.C. Shukla
Edition 4

Y. K. Publishers
Agra,
2004

Other Information :

- Call No. : 541.35 P04
- Acc No. : 7524
- Pages : 8 + 180p.
- Size : 22 cm.
- Note : Bibliography on page 175-180

मुख्य संलेख (Main Entry)

541.35 P04	Basics of Photochemistry/edited by J.D. Pandey and I.C. Shukla	
7524		·—4th ed·—Agra : Y.K. Publishers, 2004. viii, 180p.; 22 cm. Bibliography on Page 175-180 1. Photochemistry I. Pandey, J.D. II. Shukla, I.C. ○

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

541.35 P04		PHOTOCHEMISTRY Basics of Photochemistry
		Rest as in the main Entry. ○

सम्पादक इतर संलेख–1 **(Editor Added Entry-1)**

541.35 P04		Pandey, J.D. Basics of Photochemistry
		Rest as in the main Entry.

सम्पादक इतर संलेख–2 **(Editor Added Entry-2)**

541.35 P04		Shukla, I.C. Basics of Photochemistry
		Rest as in the main Entry.

उदाहरण–3

BOOK OF COOKERY
(4th Edition)

Edited by
Shobha Day
Tanima Paul
Rekha Rawat
Translated in Hindi

By
Suchitra Tiwari

Croom Helm
London and Sydney
1985

Other Information :

- Call No. : 392.37 N85
- Acc. No. : 3261
- Pages : 30 + 360p.
- Size : 24 cm.
- ISBN : 0-7099-3293

मुख्य संलेख **(Main Entry)**

392.37 P85	Book	of Cookery/edited by Shobha Day, Tanima Paul and
3261		Rekha Rawat; translated in Hindi by Suchitra Tiwari·– 4th ed·– London : Croom Helm, 1985 xxx, 360p.; 24 cm. ISBN : 0-7099-3293 1. Cookery I. Day, Sobha, II. Paul, Tanima III. Rawat,
	Rekha	IV. Tiwari, Suchitra

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

		COOKERY
392.37 P85	Book	of Cookery
		Rest as in the main Entry.

सम्पादक इतर संलेख (Editor Added Entry)

		Day, Sobha.
392.37 P85	Book	of Cookery
		Rest as in the main Entry.

सम्पादक इतर संलेख (Editor Added Entry)

392.37 P85	Book	Paul, Tanima. of Cookery
		Rest as in the main Entry. ○

सम्पादक इतर संलेख (Editor Added Entry)

392.37 P85	Book	Rawat, Rekha. of Cookery
		Rest as in the main Entry. ○

अनुवादक इतर संलेख (Translator Added Entry)

392.37 P85	Book	Tiwari Suchitra. of Cookery
		Rest as in the main Entry. ○

उदाहरण–4

(चार व्यक्तिगत संयुक्त सम्पादक – कोई प्रमुख नहीं)

BASICS OF HYDRAULIC ENGINEERING

Edited by

Prof. Anu Chaddha
Prof. Chanchal Kumar
Prof. Uma Narang
Dr. N. Mani
5th Edition

Sahitya Bhawan
Agra,
1986

Other Information :

- Call No. : 627 N86
- Acc. No. : 2196
- Pages : 16 + 340p.
- Size : 20 cm.
- Note : New Engineering Book Series no. 12

मुख्य संलेख (Main Entry)

627 P86	Basics of Hydraulic Engineering/edited by Anu Chaddha...	
		[et.al.]·– 5th ed·–Agra : Sahitya Bhawan, 1986.
2196		xvi, 340p.; 20 cm.– (New Engineering Book Series;
	no. 12).	
		1. Hydraulic EngineeringI. Chaddha, Anu, II. Series

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

		HYDRAULIC ENGINEERING.
627 P86	Basics of Hydraulic Engineering.	
		Rest as in the main Entry.

सम्पादक इतर संलेख (Editor Added Entry)

627 P86		Chaddha, Anu. Basics of Hydraulic Engineering.
		Rest as in the main Entry.

ग्रंथमाला इतर संलेख (Series Added Entry)

627 P86		New Engineering Book Series; no. 12. Basics of Hydraulic Engineering.
		Rest as in the main Entry.

उदाहरण–5

(चार व्यक्तिगत संयुक्त सम्पादक – प्रमुख सम्पादक का संकेत)

HISTORY OF INDIA DURING BRITISH RULE

Edited by

George Grove
James R. Hulbert
FELIX RAUGEL
P. J. Keating

Sunflower Publishers
London,
1980

Other Information :

- Call No. : 954.03 N80
- Acc. No. : 21961
- Pages : 28 + 280p.
- Size : 22 cm.

मुख्य संलेख (Main Entry)

954.03 N80		History of India during British rule/edited by Felix Raugel.....
21961		[et.al.].– London : Sunflower Publishers, 1980. xxviii, 280 p.; 22 cm. 1. IndianHistoryI. Raugel, Felix. ○

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

954.03 N80		INDIAN HISTORY History of India during British rule
		Rest as in the main Entry. ○

संपादक इतर संलेख (Editor Added Entry)

954.03 N80		Raugel, Felix History of India during British rule
		Rest as in the main Entry. ○

4.6 अभ्यास हेतु मुखपृष्ठ

उदाहरण –1

(एक सम्पादक)

PRINCIPLES OF PERSONNEL ADMINISTRATION

Edited by

Pushpinder Singh Gill

III Edition

Atlantic Publishers and Distributors

New Delhi,

2015

Other Information :

- Call No. : 350.1 P15
- Acc. No. : 8621
- Size : 22 cm.
- Pages : 15 + 334 p.

उदाहरण –2

(दो सम्पादक)

CRITICAL APPRAISAL OF EPIC POETRY

Edited by

William C. Odson

David S. McLaren

Oxford University Press

N. Delhi,

1965

Other Information :

- Call No. : 809.13 N65
- Acc. No. : 5963
- Pages : 13 + 320p.
- Size : 14 × 18 cm.
- ISBN : 03-00069-022

उदाहरण–3

(तीन सम्पादक)

HISTORY OF ANCIENT INDIA

Edited by

Prof. A. P. Mathur

Prof. V.D. Mishra

Dr. R. P. Tripathi

Ed. 4

Atlantic Publishers

New Delhi,

2010

Other Information :

- Call No. : 934 P10
- Acc. No. : 8412
- Pages : 32 + 340 P
- Size : 24 cm.
- ISBN : 06-91048-290

उदाहरण–4

(तीन सम्पादक – प्रमुख सम्पादक का बोध नहीं)

RIGHT TO INFORMATION

An Attempt for Best Citizenry

Edited by

Sukhendu Magumdar

K. S. Bharati

Tej Ram Sharma

Et. 6

Paradise Publishers

Indore,

2006

Other Information :

- Call No. : 323.4 N06
- Acc. No. : 6921
- Pages : 13 + 180 P
- Size : 22 cm.

उदाहरण–5

(तीन सम्पादक – प्रमुख सम्पादक का बोधं)

PUBLIC ECONOMICS IN INDIA

Theory and Practice

Edited by

Prof. Janak Raj Gupta

Robin Ghosh

PRASENGIT GUPTA

Et. 6

Princeton University Press

Princeton,

1997

Other Information :

- Call No. : 330.954 N97
- Acc. No. : 9261
- Pages : 28 + 340 p.
- Size : 14 × 18 cm.

उदाहरण–6

(तीन से अधिक सम्पादक)

EDUCATION FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT

How to Integrate in School Education

Edited by

Prof. Deepak Chaterjee

Dr. J. K. Mahapatra

Dr. B. M. Naik

Dr. Rashmi Soni

Ed. 6

Sagar Publications
Udaipur,
2004

Other Information :

- Call No. : 372 P04
- Acc. No. : 5189
- Size : 17.3 cm.
- Pages : 28 + 380 p.
- ISBN : 97-8812-6922

उदाहरण–7
(तीन सम्पादक अनुवादक एवं ग्रन्थमाला सहित)
SOUP FOR ACADEMIC LEADERS
acquire Teaching tools to achieve your Academic Leadership Success

Edited by
Prof. Kanshal K. Arora
Prof. S. H. Patil
Dr. Sharad S. Johri

Translated by
Dr. Rachana Sharma
and
Dr. Arun Kumar
Ed. 4

Homewood Publishers
Illinois,
2003

Other Information :

- Call No. : 371.2 P03
- Acc. No. : 9261
- Size : 14 × 17.2 cm.
- Pages : 18 + 380 p.
- ISBN : 97-8812-6922
- Note : Homewood Paperback book Series No. 7.

4.7 संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Joint Steering Committee for revision of A.A.C.R. : Anglo American Cataloguing Rules. 2nd ed. 1998. Edited by Michael Gorman and Paul W. Winkler, Canadian Library Association, 1988
2. Krishna Kumar, Introduction to A.A.C.R.-2, Delhi, Vikas Publishing House, 1986
3. Krishna Kumar, An Introduction to Cataloging Practice, Delhi, Vikas Publishing House, 1986
4. सूद, एस0 पी0, क्रियात्मक सूचीकरण : ए0ए0सी0आर0–2, जयपुर, राज पब्लिशिंग हाउस, 2002
5. गौतम, जे0 एन0, प्रैक्टिकल मैनुअल ऑफ ए0ए0सी0आर0–2, आगरा, एसोशियेटेड पब्लिशिंग हाउस, 2011

इकाई 5. बहुखण्डीय ग्रन्थों का सूचीकरण (CATALOGUING OF MULTIVOLUMED BOOKS)

इकाई की रूपरेखा

5.1 प्रस्तावना

5.2 उद्देश्य

5.3 बहुखण्डीय ग्रन्थ से तात्पर्य

5.4 बहुखण्डीय ग्रन्थों के प्रकार

5.4.1 प्रकार–1

5.4.2 प्रकार–2

5.5 विवरणात्मक तत्व

5.5.1 आख्या

5.5.2 प्रकाशन वर्ष

5.5.3 पृष्ठांकन

5.5.4 आकार

5.6 सूचीकृत उदाहरण

5.7 अभ्यास हेतु मुखपृष्ठ

5.8 सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

5.1 प्रस्तावना

लेखक द्वारा ज्यादातर ग्रन्थ एक ही खण्ड में प्रकाशित किया जाता है परन्तु ऐसे अनेक कारण है जिससे लेखक के विचार एक ही खण्ड में समायोजित नहीं किये जा पाते हैं। अतः ऐसी परिस्थितियों में ग्रन्थ कई खण्डों में प्रकाशित किये जाते है। इस प्रकार के ग्रन्थों को बहुखण्डीय ग्रन्थ कहते हैं। इससे ग्रन्थों में लेखक के विचारों, विषय, आकार प्रकार, रचना आदि की एकता एवं निरन्तरता बनी रहती है तथा साथ ही सभी खण्डों की एक समान आख्या भी होती है। एक समान आख्या के अतिरिक्त विभिन्न खण्डों की अपनी अलग–अलग आख्यायें भी होती है।

5.2 उद्देश्य

इस इकाई के निम्नलिखित उद्देश्य है–

1. बहुखण्डीय ग्रन्थ से शिक्षार्थियों को परिचित कराना।
2. बहुखण्डीय ग्रन्थों के सूचीकरण हेतु उनके शीर्षक के वरण एवं उपकल्पन तथा अन्य नियमों से शिक्षार्थियों को अवगत कराना।
3. सूचीकृत उदाहरणों के माध्यम से शिक्षार्थियों को बहुखण्डीय ग्रन्थों के प्रसूचीकरण की जानकारी सरलता के साथ कराना।

5.3 बहुखण्डीय ग्रन्थ से तात्पर्य

जब ग्रन्थ से सम्बन्धित सम्पूर्ण पाठ्य सामग्री एक ही खण्ड में न समाहित हो सकें तो उस सामग्री को पुस्तक के दीर्घ जीवन हेतु, तथा पाठ्क के सुविधाजनक अध्ययन हेतु, कई खण्डों में प्रकाशित किया जाता है। बहुखण्डीय ग्रन्थ के रूप में प्रकाशित करने का प्रमख कारण यह है कि यदि उनको एक ही खण्ड में प्रकाशित कर दिया जाय तो उनके विशाल आकार प्रकार के कारण ग्रन्थ को रख–रखाव में असुविधा होती है तथा उन ग्रन्थों की जिल्द शीघ्र ही जीर्ण–शीर्ण हो जाती है।

ए0ए0सी0आर–2 संशोधित के पृष्ठ संख्या 620 पर बहुखण्डों को बहुभाग (Multiparts)की संज्ञा देते हुये इसे ''पृथक भागों की अनंत संख्या में सम्पूर्ण या पूर्ण होने वाला एक मोनोग्राफ'' के रूप में परिभाषित किया गया है।

क्लासीफाइड कैटलाग कोड के अनुसार बहुखण्डीय ग्रन्थ से तात्पर्य ''अविच्छिन्न अभिव्यक्तीकरण प्रदान करते हुये दो या दो से अधिक खण्डों (Volumes)का ग्रन्थ और इस अथवा अन्य किसी कारणवश खण्डों में विचार–सामग्री का विभाजन, समस्त खण्डों का प्रतिपादन (Treatment)एक अविभाज्य संघात (Set)के रूप में करने के लिए विवश करता है, अर्थात जैसे वे सब मिलकर एक खण्ड का निर्माण करते हैं।''

5.4 बहुखण्डीय ग्रन्थों के प्रकार

बहुखण्डीय ग्रन्थों को प्रायोगिक सूचीकरण की दृष्टि से दो प्रकारों में विभक्त किया गया है–

1. बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–1
2. बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–2

5.4.1 बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–1

इस प्रकार के बहुखण्डीय ग्रन्थों में समस्त खण्डों की एक सामान्य आख्या (Common Title)होती है तथा अलग–अलग खण्डों की विशिष्ट आख्यायें (Specific Title)नहीं होती। इसमें विभिन्न खण्डों से सम्बन्धित कोई अतिरिक्त सूचना जैसे ग्रन्थकार का नाम, आख्या, सहकारक का नाम नही होता।

5.4.2 बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–2

बहुखण्डीय ग्रन्थ के दूसरे प्रकार के अन्तर्गत ऐसे ग्रन्थ आते हैं जिनके समस्त खण्डों की एक सामान्य आख्या (Common Title)के अतिरिक्त प्रत्येक खण्ड की अपनी विशिष्ट आख्या (Specific Title)भी होती हैं। इनमें विभिन्न खण्डों से सम्बन्धित अतिरिक्त सूचना होती है जैसे– ग्रन्थकार का नाम, आख्या, सहकारक का नाम आदि।

नियम संख्या 1.7B18 एवं 2.7B18 के अनुसार ऐसे बहुखण्डीय ग्रन्थ जिनके पूर्ण संघात आख्या के अतिरिक्त प्रत्येक खण्ड की स्वयं की भी विशिष्ट आख्या (Specific Title)दी गई हो, को टिप्पणी क्षेत्र में (Contents)लिखकर निम्नवत् अंकित करते है–

Contents : Vol.1 Ancient History–V.2- Mediewal History

व्यावहारिक सूचीकरण की दृष्टि से इन्हे पुनः तीन भागों में निम्नवत विभक्त किया जाता है–

1. पूर्ण संघात (Complete Set)

जब किसी बहुखण्डीय ग्रन्थ के सभी खण्ड प्रकाशित हो गये हो तथा पुस्तकालय में उपलब्ध हो तो उसे पूर्ण संघात कहते हैं।

नियम संख्या 2.5B17 के अनुसार पूर्ण संघात को सूचीकृत करने के लिए मुख्य प्रविष्टि (Main Entry) के भौतिक विवरण क्षेत्र में कुल खण्डों की संख्या निम्नवत् अंकित की जाती है :–

उदाहरणार्थ

5V.

6V.

2. अपूर्ण उपलब्ध संघात(Incomplete available Set)

जब किसी बहुखण्डीय ग्रन्थ के सभी खण्ड प्रकाशित हो गये हो परन्तु उनमें से कुछ खण्ड पुस्तकालय में अनुपलब्ध हो तो ऐसे संघात (Set) को 'अपूर्ण उपलब्ध संघात' कहते हैं।

नियम संख्या 1.7B20 एवं 2.7B20 के अनुसार जब पुस्तकालय में बहुखण्डीय संघात के सभी खण्ड उपलब्ध न हों तो इसकी सूचना टिप्पड़ी अनुच्छेद में अंकित की जायेगी। टिप्पड़ी अनुच्छेद (Note Section) में यह सूचना दो प्रकार से अंकित की जाती है :–

(अ) सकारात्मक टिप्पणी

Library has V. 1–6, 8 and 9 only.

(ब) नकारात्मक टिप्पणी

Library set lacks V. 6–9, 11, 13–15

यदि इस बात की संभावना हो कि ग्रन्थालय में अनुपलब्ध खण्ड पुस्तकालय द्वारा भविष्य में उपलब्ध करा लिये जायेंगे तो अस्थायी टिप्पणी (पेंसिल द्वारा) अंकित किया जाना चाहिए।

3. अपूर्ण संघात(Incomplete Set)

जब बहुखण्डीय ग्रन्थ के कुछ खण्ड तो प्रकाशित हो चुके हों एवं कुछ खण्ड प्रकाशनाधीन हों तो उसे अपूर्ण संघात (Incomplete) कहते है।

नियम संख्या 1.5B5 के अनुसार यदि बहुखण्डीय ग्रन्थ के सभी खण्ड प्रकाशित न हुये हों तो भौतिक विवरण क्षेत्र में तीन अक्षर की जगह छोड़कर (Small v) अंकित किया जाता है। ग्रन्थ के सभी खण्ड प्रकाशित हो जाने पर इस खाली स्थान पर खण्ड़ों की संख्या लिख दी जाती है।

5.5 विवरणात्क तत्व

बहुखण्डीय ग्रन्थों के सूचीकरण करते समय निम्नलिखित चार विवरणात्मक तत्वों में भिन्नतायें दृष्टिगोचर होती है–

5.5.1 आख्या

बहुखण्डीय ग्रन्थों में सामान्यतया दो प्रकार की आख्यायें होती है।

(1) समस्त खण्डों के लिए एक सामान्य आख्या

उदाहरणार्थ–

Pandey, Somesh.

Indian History/by Somesh Pandey·–

Indore : Pragya Prakashan, 1992

3v

तीन खण्डों के इस बहुखण्डीय प्रकाशन में तीनों खण्डों के आख्यापृष्ठ (Title Page)पर एक ही आख्या का उल्लेख है। अन्तर यह है कि प्रत्येक खण्ड में खण्ड की संख्या के स्थान पर खण्ड 1, खण्ड 2 एवं खण्ड 3 का उल्लेख है।

(2) समस्त खण्डों के लिए एक समान आख्या (Running Title) के अतिरिक्त प्रत्येक खण्ड की अलग–अलग विशिष्ट आख्या भी होती है।

उदाहरणार्थ–

	Tripathi, R.P.	
	Indian History/by R.P. Tripathi·– Varanasi : University Publishers, 2005 3V Contents : V. 1 Acient India–V.2 Mediaeval India –V.3 Modern India.	

5.5.2 प्रकाशन वर्ष

ए0ए0सी0आर0–2 संशोधित के नियम संख्या 1.4F8 के अनुसार प्रकाशन वर्ष का उल्लेख करने के सम्बन्ध में निम्नलिखित तीन स्थितियाँ होती है–

(अ) सभी खण्डों का प्रकाशन एक ही वर्ष में – 1970

(ब) अलग–अलग खण्डों का प्रकाशन भिन्न–भिन्न वर्षों में हो तो–
प्रकाशित प्रथम खण्ड का वर्ष – प्रकाशित अंतिम खण्ड का वर्ष 1975–1980

(स) यदि कुछ खण्ड प्रकाशनाधीन हों तो प्रकाशित पहला खण्ड –(Hyphen) 1980–

5.5.3 पृष्ठांकन

(अ) नियम संख्या 2.4B20 के अनुसार यदि खण्डों के मुख्य पृष्ठ अनवरत रूप से निरन्तरता में हों तो प्रथम खण्ड का प्रारम्भिक पृष्ठ एवं अंतिम खण्ड का मुख्य पृष्ठ निम्नवत् अंकित करते है–

4v. (xxi, 1040p)

(ब) नियम संख्या 2.4B21 के अनुसार यदि प्रत्येक खण्डों के मुख्य पृष्ठ निरन्तरता में न हों तो ऐसी स्थिति में निम्नवत् 2 प्रकार से अंकित करने का प्रविधान है–
उदाहरणार्थ–

(क) 2v (पृष्ठांकन का उल्लेख नहीं करेंगें)

(ख) 2v (x, 220; viii, 180p)

5.5.4 आकार (Size)

ए0ए0सी0आर0–2 संशोधित के नियमानुसार आकार (Size) का उल्लेख करने हेतु निम्न प्राविधान है–

(अ) समस्त खण्डों की साइज में यदि 2 से0मी0 तक का अन्तर है तो अधिकतम साइज का उल्लेख किया जाता है।

उदाहरणार्थ–

V1 – 20 cm.	अधिकतम साइज
V2 – 21 cm.	22 से0मी0
V3 – 22 cm.	

(ब) समस्त खण्डों की साइज में यदि 2 से0मी0 से अधिक का अन्तर है तो निम्नतम् साइज – (Hyphen) अधिकतम साइज

उदाहरणार्थ–

V1 – 18 cm.	न्यूनतम साइज – अधिकतम साइज
V2 – 20 cm.	18–22 से0मी0
V3 – 22 cm.	

5.6 सूचीकृत उदाहरण

उदाहरण–1

[बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–1 (पूर्ण संघात)]

THE BASICS OF COMMUNICATION

A Relational Perspective

(in two volumes)

By

Steve Duck

Sage Publication

London,

1980

Other Information-

- Call No. : – 001.51 N80
- Acc. No. : – 10511 – 10512
- Size :– V1 – 18 cm.
  V2 – 21 cm.
- Pages :– V.1 – 6 + 160
  V.2 – 8 + 161 – 310

मुख्य संलेख **(Main Entry)**

001.51 N80	Duck,	Steve.
		The basics of Communication : A Relational Perspective/By Steve Duck·–London : Sage Publications, 1980
10511-12		2v.(vi, 310p.) ; 18–21 cm.
		1. Communication I Title.
		○

विषय इतर संलेख **(Subject Added Entry)**

		COMMUNICATION
001.51 N80	Duck,	Steve.
		Rest as in the main Entry.
		○

आख्या इतर संलेख **(Title Added Entry)**

001.51 N80	Duck,	The basics of Communication. Steve.
		Rest as in the main Entry. ○

टिप्पणी–

1. नियम संख्या 2.5B17–19 के अनुसार भौतिक विवरण क्षेत्र में कुल खण्डों की संख्या 2v का उल्लेख हुआ है।
2. ए0ए0सी0आर0–2 संशोधित के नियम संख्या 2.5B20 के अनुसार चूँकि दोनों खण्डों के मुख्य पृष्ठों का अंकन निरन्तरता में हैं अतः खण्ड संख्या का उल्लेख करने के पश्चात् गोल कोष्ठक में प्रथम खण्ड का प्रारम्भिक पृष्ठ , (कामा) अन्तिम खण्ड का मुख्यपृष्ठ दोनों का उल्लेख हुआ है।
3. नियम संख्या 2.5D3 के अनुसार विभिन्न खण्डों की ऊँचाई के मध्य यदि 2से0मी0 से अधिक का अन्तर है तो न्यूनतम–अधिकतम् ऊँचाई दोनों का उल्लेख करते हैं।

उदाहरण–2

[बहुखण्डीय ग्रन्थ– प्रकार–2 (अपूर्ण संघात तथा ग्रन्थमाला)]

NEW BOOK OF MACRO ECONOMICS

A Mathematical Approach

(in 4 volumes)

By

Anita Ghatak

Rajmani Singh

Edited by
R.A. Yadav
3rd Edition

Pentagan Press,
New Delhi,

Other Information-

- Call No. :– 339 NEW
- Acc. No. :– 2425 – 27
- Size :– 20 cm.
- Note :– 1. Pentagan New Book Series, 15
  2. Library has Vol. 1–3
  3. V.1 - Published in 1974
  V.2 - Published in 1975
  V.3 - V4 Published in 1976

मुख्य संलेख (Main Entry)

339 NEW	Ghatak, Anita.
2425-27	New Book of Macro Economics : A Mathematical Approach/by Anita Ghatak and Rajmani Singh; edited by R.A. Yadav·–3rd ed·–New Delhi : Pentagan Press, 1974–1976. 4v; 20 cm·– (Pentagan New Book Series; no. 15) Library has V.1-3 1. Macroeconomics. I Singh, Rajmnai II. Yadav, R.A. Title. IV Series ○

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

339 NEW	Ghatak, Anita	MACRO ECONOMICS
		Rest as in the main Entry.

सहलेखक इतर संलेख (Joint Author Added Entry)

339 NEW	Ghatak, Anita	Singh, Rajmani.
		Rest as in the main Entry.

सम्पादक इतर संलेख (Editor Added Entry)

339 NEW	Ghatak, Anita	Yadav, R.A.
		Rest as in the main Entry. ○

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

339 NEW	Ghatak, Anita	New Book of Macroeconomics
		Rest as in the main Entry. ○

ग्रंथमाला इतर संलेख (Series Added Entry)

339 NEW	Ghatak, Anita	Pentagan New Book Series; no. 15.
		Rest as in the main Entry. ○

टिप्पणी–

1. नियम संख्या 1.7B20 एवं 2.7B20 के अनुसार बहुखण्डीय ग्रन्थ के विशिष्ट खण्ड की अनुपलब्धता को टिप्पणी क्षेत्र (Note Section) में सकारात्मक रूप से उल्लिखित किया गया है।
2. नियमानुसार प्रकाशन वर्ष चूँकि भिन्न–भिन्न खण्डों का अलग–अलग वर्ष हैं अतः प्रथम खण्ड का वर्ष –(Hyphen) अंतिम खण्ड का वर्ष दोनों का उल्लेख किया गया है।

उदाहरण–3

(बहुखण्डीय ग्रन्थ– प्रकार–2)

CONCISE CLASSIFIED DICTIONARY OF HINDUISM

(In Four Volumes)

By

Walter Hutchinson

John Henry Barrows

(2nd Revised Edition)

Edited by

D.P. Chattopadhyaya

Holt Rinehart and Winston
New York

Other Information

- Call No. : – 294.5 HUT
- Acc. No. : – 18401 – 4
- Titles of Volumes are :–

  V.1 - Essence of Hinduism. V.2 - Dharma – Karma Base

  V.3 - Ritual Spritual Twine V.4 - Kama and Kala

Vol. No.	Size	Year of Pub.	Pages.
Vol. 1.	20 cm.	1975	vi, 240
Vol. 2.	21 cm.	1976	x, 241-380
Vol. 3.	22 cm.	1978	ix, 381-490
Vol. 4.	23 cm.	1980	viii, 491-610

- H.T.P. - Religious Paper back Book Series No. 13

मुख्य संलेख (Main Entry)

294.5 HUT	Hutchinson, Walter..	
18401-4	Concise Classificed Dictionary of Hinduism/By Walter Hutchinson and John Henry Barrows; edited by D.P. Chattopadhyaya·– 2nd rev.ed·–New York : Holt Rinehart and Winston, 1975–1980 4v. (vi, 610P); 20-23cm·– (Religious Paper back Book series; no. 13) Contents : v.1. Essence of Hinduism–V.2 Dharma-Kama base-V.3 Ritual Spritual twine-V.4 Kama and kala. 1. Hindusim. I Barrows, John Henry II.Chattopadhyaya,D.P. III Title IV Series. O	

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

		HINDUISM
294.5		
HUT	Hutchinson, Walter	
		Rest as in the main Entry.

सहलेखक इतर संलेख (Joint Author Added Entry)

		Barrows, John Henry
294.5		
HUT	Hutchinson, Walter.	
		Rest as in the main Entry.

सम्पादक इतर संलेख (Editor Added Entry)

294.5 HUT		Chattopadhyaya, D.P.
	Hutchinson, Walter	
		Rest as in the main Entry.

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

294.5 HUT		Concise Classified Dictionary of Hinduism.
	Hutchinson, Walter	
		Rest as in the main Entry.

ग्रंथमाला इतर संलेख (Series Added Entry)

294.5 HUT	Hutchinson, Walter.	Religions Paperback Book Series ; no. 13.
		Rest as in the main Entry.

टिप्पणी–

1. नियम संख्या 1.7B8 एवं 2.7B18 के अनुसार ऐसे बहुखण्डीय ग्रन्थ जिनके एक सामान्य आख्या के अतिरिक्त अलग–अलग खण्डों की विशिष्ट आख्या हो तो उसे टिप्पणी क्षेत्र Note Section में Content Note के रूप में उल्लिखित करते है।

उदाहरण–4

(अलग–अलग खण्डों की आख्या एवं लेखक के साथ)

PRACTICAL AND PROFESSIONAL ETHICS

(In Two Volumes)

Edited by

Debashis Guha

Vol. 1 - Economic and Business Ethics by M. Stephens

Vol. 2 - Socio- Political Ethics By J.N. Nanda

Ess Ess Publishers

New Delhi,

1992

Other Information

- Call No. :– 170 N92
- Acc. No. :– 1645 – 46
- Size :– 22 cm

मुख्य संलेख (Main Entry)

170 N92	Practical and Professional Ethics/edited by Debashis Guha:–	
1645-46		New Delhi : Ess Ess Publishers, 1992 2v.; 22 cm. Contents : v.1. Economic and Business ethics/by M. Stephens–V.2 Socio–Political Ethies/by J.N. Nanda. 1. Ethics. I Guha, Debashis II. Stephens, M. Economics. III. Nanda, J.N. Socio IV. Title : Economic and Bussiness Ethics. v.1. V. Title : Socio Political Ethics. v2.

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

170 N92	Practical and Professional Ethics	ETHICS
		Rest as in the main Entry.

सम्पादक इतर संलेख (Editor Added Entry)

170 N92		Guha, Debasish. Practical and Professional Ethics
		Rest as in the main Entry. ○

लेखक इतर संलेख–खण्ड–1 (Author Added Entry-Vol.1)

170 N92		Stephens, M. Economic and Business ethics. v.1, Practical and Professional Ethics
		Rest as in the main Entry. ○

लेखक इतर संलेख–खण्ड–2 (Author Added Entry-Vol.2)

170 N92		Nanda, J.N. Socio–Political Ethics. v.2 Practical and Professional Ethics
		Rest as in the main Entry. ○

आख्या इतर संलेख–खण्ड–1 (Title Added Entry-Vol.1)

170 N92		Economic and Business ethics. v.1 Stephens, M. Practical and Professional Ethics
		Rest as in the main Entry. ○

आख्या इतर संलेख–खण्ड–2 (Title Added Entry-Vol.2)

170 N92		Socio-Political Ethics. v.2 Nanda, J.N. Practical and Professional Ethics
		Rest as in the main Entry. ○

टिप्पणी–

1. ए0ए0सी0आ0–2 संशोधित के नियमानुसार यदि अलग–अलग खण्डों की आख्या के साथ–साथ उनके लेखक/सहकारक का भी उल्लेख है तो ऐसी स्थिति में विशिष्ट आख्या एवं लेखक के लिए इतर संलेखों का निर्माण किया जायेगा।

उदाहरण–5

(बहुखण्डी ग्रन्थ प्रकार–2 : कुछ खण्ड प्रकाशित होना शेष)

QUALITY EDUCATION IN INDIA

(In Four Volumes)

Vol. 1 - Elementary Education

Vol. 2 - Secondary Education

Vol. 3 - Higher Education

Vol. 4 - Adult Education

By

Dr. Jagdishwar Dwivedi

Edition Four

Concept Publishers
New Delhi,
2005

Other Information

- Call No. :– 370 P05
- Acc. No. :– 2001 – 3
- Pages :– V.1 – x, 180
  V.2 – vi, 181–260
  V.3 – ix, 261–400
- Size :– 22 cm.
- Note :– Vol.4 is yet to be Published.

मुख्य संलेख (Main Entry)

370 P05	Dwivedi, Jagdishwar.	
2001-3		Quality Education in India/by Jagdiswar Dwivedi·–4th ed·–New Delhi : Concept Publishers, 2005 – ••• v. (x, 400p.); 22 cm. Contents : v.1. Elementry Education– v.2 Secondary Education–v.3 Higher Education. 1. Education – IndiaI. Title ○

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

370 P05	Dwivedi, Jagadishwar.	EDUCATION - INDIA
		Rest as in the main Entry.
		○

सम्पादक इतर संलेख (Editor Added Entry)

370 P05	Dwivedi, Jagadishwar.	Quality Education in India.
		Rest as in the main Entry.
		○

टिप्पणी–

1. नियम संख्या 1.5B5 के अनुसार यदि कुछ खण्ड प्रकाशित होना शेष हो तो भौतिक विवरण क्षेत्र में तीन अक्षर की जगह छोड़कर Small v. अंकित किया जाता है। जिससे कि शेष खण्ड प्रकाशित होने पर उस खाली स्थान पर उन खण्डों की संख्या लिख दी जाती है।

2. नियम संख्या 1.4F8 के अनुसार यदि कुछ खण्ड प्रकाशित होने के लिए शेष हो तो प्रकाशन वितरण अनुच्छेद में पहले खण्ड के प्रकाशन वर्ष का उल्लेख कर छोटी आड़ी रेखा (Hyphen) लगाकर चार अक्षरों की जगह छोड़ दी जाती है। इसका तात्पर्य है कि जब सभी खण्ड प्रकाशित हो जाते हैं तो इस खाली स्थान को अन्तिम खण्ड के प्रकाशन वर्ष का उल्लेख कर भर दिया जाता है।

5.7 अभ्यास हेतु मुखपृष्ठ (Title Page for Practice)

मुख्यपृष्ठ–1 (पूर्ण संघात)

GLOBAL TRADE IN SERVICES

A WTO Perspective

By

O. S. Deol

Ed. by

A. N. Sarkar

Niharika Publishers,

Indore,

1999

Other Information

- Call No. : – 382 Pol. - P040 The Book is in Four volumes

Vol. No.	Pages	Size	Acc.No.
I.	9 + 180	20 cm.	2001
II.	18 + 181 – 320	22 cm.	2002
III.	12 + 321 – 430	22 cm.	2003
IV.	6 + 431 – 540	23 cm.	2004

मुख्यपृष्ठ–2

(बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–1, अपूर्ण संघात)

THE GENERAL THEORY OF EMPLOYMENT

(In Four Volumes)

By
K. R. Gupta
Anupama Tandon

Springer
New York
1986

Other Information-
- Call No. :– 331.2 GUP.1 – GUP.3
- Acc. No. :– 14541 – 43
- Pages :– V.1 – x, 270; V.2– II, 271– 350, V.3– ix, 351– 480
- Size :– V.1– 20 cm.; V.2– 23 cm.; V.3– 24 cm.
- Note :– V.4 Not accquired by the Library.

मुख्यपृष्ठ–3
(बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–2, पूर्ण संघात)
BASICS OF PUBLIC FINANCE
Principles, Policies and Practices

By
Uma Narula
Abhirup Bhuna
Vol. - Revenue from Public Lands by K.C. Roy
Vol. 2 - Revenue from Lotteries/by Janak Raj Gupta

Shilpi Prakashan
Varanasi,
1974

Other Information
- Call No. : – 336 NAR
- Acc. No. :– 25201 – 02
- Pages :– V.1 - 12 + 120
  V.2 - 06 + 125
- Size :– 14 × 18 cm.
- Note :– New Books in Economics Series no. 1

मुख्यपृष्ठ–4

(बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–2, अपूर्ण संघात)

LABOUR ECONOMICS AND LABOUR PROBLEMS

(In Three Volumes)

Edited by

M. V. Joshi

Ess Ess Publishers,

New Delhi

1999

Other Information

- Call No. :– 331 N99
- Acc. No. :– 28201 – 02
- Pages :– V.1 - V + 210
  V.2 - X + 211– 410
- Size :– 22 cm.
- Note :– The volumes are following :–
  V.1 - Rights and Position of Labour by Sikha Sarkar.
  V.2 - Freedom, dignity and value of Labour By Ranjana Seth.
  V.3 - Job satisfaction of Labour By Dr. Radha Yadav.
- Note :– 1. Vol. 3 is not available in the Library.
  2. The Book is Coloured illustrated.

मुख्यपृष्ठ–5

(बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–2, कुछ खण्ड प्रकाशित होना शेष)

BANKING IN INDIA

(In Three Volumes)

By

Prof. M.S. Shetty

Vol. 1 - Central Banks

Vol. 2 - Commercial Banks

Vol. 3 - International Banks

Prabhat Publishers

New Delhi

2003

Other Information

- Call No. :– 332.1 P03
- Acc. No. :– 3001 – 02
- Pages :– V.1 - XII + 210
  V.2 - IX + 211– 400
- Size :– 24 cm.
- Note :– Volume 3 is yet to be Publish.

मुख्यपृष्ठ–6
(बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–2, सहकारक सहित)

INFLATION IN INDIA
(In Two Volumes)
Issues and Concerns

By
H.K. Mantrawadi

Translated in English

By
J. N. Rampal
IV Edition
Vol. 1 - Factor related to fluctuations in value.
Vol. 2 - Stabilization measures.

Romi Publishers
Agra,
2006

Other Information

- Call No. :– 332.41 P06
- Acc. No. :– 46501
- Pages :– V.1 - XII + 410P
- Size :– 24 cm.
- Note :– Vol. 2 not subscribed by the Library.

5.8 सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. Joint Steering Committee for revision of A.A.C.R. : Anglo American Cataloguing Rules. 2nd ed. 1998. Edited by Michael Gorman and Paul W. Winkler, Canadian Library Association, 1988
2. Krishna Kumar, Introduction to A.A.C.R.-2, Delhi, Vikas Publishing House, 1986
3. Krishna Kumar, An Introduction to Cataloging Practice, Delhi, Vikas Publishing House, 1986
4. सूद, एस0 पी0, क्रियात्मक सूचीकरण : ए0ए0सी0आर0–2, जयपुर, राज पब्लिशिंग हाउस, 2002
5. गौतम, जे0 एन0, प्रैक्टिकल मैनुअल ऑफ ए0ए0सी0आर0–2, आगरा, एसोशियेटेड पब्लिशिंग हाउस, 2011

द्वितीय खण्ड (Block-2)

AACR-II R द्वारा प्रसूचीकरण

भाग–2

इकाई 6. शासन तथा उसके अंगों द्वारा रचित पुस्तकों का सूचीकरण (CATALOGUING OF BOOKS BY GOVERNMENT AND ITS ORGANS)

इकाई की रूपरेखा

6.1 प्रस्तावना

6.2 उद्देश्य

6.3 समष्टि निकाय से तात्पर्य

6.4 शासन से तात्पर्य

6.5 शासन एवं उसके अंग

6.6 अस्थायी अंग

6.7 शीर्षक का चयन एवं उपकल्पन

6.8 प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष शीर्षक

6.9 सूचीकृत उदाहरण

6.10 अभ्यास हेतु मुखपृष्ठ

6.11 सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

6.1 प्रस्तावना

पुस्तकालय में अन्यान्य पुस्तकें ऐसी अधिग्रहीत की जाती है जिसका लेखक व्यक्ति नहीं होता, अपित व्यक्तियों का एक समूह होता है और उस समूह को सामूहिक रूप से एक नाम विशेष से सन्दर्भित किया जाता है। ऐसे समूह, संगठनों अथवा इकाइयों के रूप में कार्य करते है तथा ये समस्त इकाईयाँ अपने व्यक्तिगत स्वरूप के कारण समष्टि निकाय कहलाते है। समष्टि निकाय उनके द्वारा लिखित कृति में निहित बौद्धिक अन्तर्वस्तु के लिए उत्तरदायी होते हैं। अतः इन्हें व्यक्तिगत लेखक न कहकर समष्टि लेखक कहते है।

6.2 उद्देश्य

इस इकाई के निम्नलिखित उद्देश्य है–

1. समष्टि निकाय की अवधारणा को स्पष्ट करना।
2. समष्टि निकाय के अंगों का वर्णन करना।
3. शासन एवं उसके अंगों को शीर्षक के चयन एवं उपकल्पन हेतु शिक्षार्थियों को बोधगम्य बनाना।
4. सूचीकृत उदाहरणों के माध्यम से शिक्षार्थियों को शासन से सम्बन्धित ग्रन्थों के प्रसूचीकरण की जानकारी सरलता के साथ उपलब्ध कराना।

6.3 समष्टि निकाय से तात्पर्य एवं प्रकार

एंग्लो अमेरिकन कैटलागिंग रूल्स–2 संशोधित में समष्टि निकाय के सम्बन्ध में निम्नलिखित व्याख्या की गई है–

''एक संगठन अथवा व्यक्तियों का वह समूह, जो एक विशेष नाम से जाना जाता है तथा एक सत्ता (Entity) के रूप में कार्य करता है अथवा कर सकता है।''

ए0ए0सी0आर0–2 संशोधित के अध्याय–24 में वर्णित नियमों के आधार पर इसे मुख्यतया निम्नलिखित प्रकारों में बाँटा जा सकता है–

1. शासन (Government)
2. संस्था (Institution)
3. सम्मेलन (Conference)

इसके अतिरिक्त 2 और प्रकारों का उल्लेख है–

1. प्रदर्शनियाँ, मेले एवं उत्सव (Exhibition , Fares and Festivals)
2. रेडियो एवं टेलीवीजन केन्द्र (Radio and Television Centres)

इस अध्याय में शासन द्वारा लेखक के रूप में लिखित पुस्तकों के प्रायोगिक सूचीकरण के सम्बन्ध में विस्तृत व्याख्या की जायेगी।

6.4 शासन से तात्पर्य

ऐसी पुस्तकें, जिनमें अभिव्यक्त विचारों के लिए शासन अथवा उसका कोई अंग उत्तरदायी हो, को शासकीय प्रकाशन की संज्ञा प्रदान की जाती है।

ए0ए0सी0आर0–2 के अनुसार– ''शासन शब्द के समष्टि निकायों–कार्यपालिका, विधायिका तथा न्यायपालिका जिनका एक निश्चित भू–भाग पर आधिपत्य होता है, की सम्पूर्णता का बोध होता है।''

उदाहरणार्थ–

Japan Government, India Government आदि।

6.5 शासन और उसके अंग

निम्नलिखित तालिका के अनुसार शासन के विभिन्न अंगों का बोध किया जा सकता है–

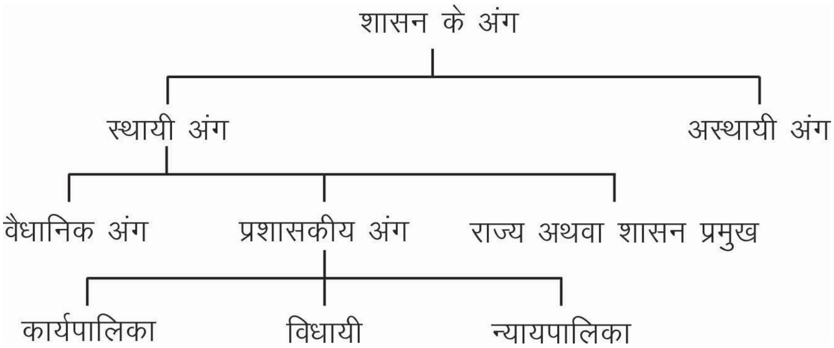

6.6 शासन का अस्थायी अंग

अस्थायी अंग से तात्पर्य शासन द्वारा बनाये गए किसी कमीशन अथवा कमेटी से हैं। कमीशन अथवा कमेटी की प्रकृति अस्थायी होती है। तात्पर्य इनका निर्माण एक विशेष उद्देश्य की पूर्ति तथा एक निश्चित अवधि के लिए होता है। इसलिए इन्हें अस्थायी अंग से सम्बोधित किया जाता है। अस्थायी अंग का बोध होने के लिए यह आवश्यक है कि किसी भी कमीशन/कमेटी का एक अध्यक्ष भी होगा। इसलिए चेयरमैन के नाम से एक अतिरिक्त संलेख का भी निर्माण किया जायेगा।

6.7 शीर्षक का चयन एवं उपकल्पन

ए0ए0सी0आर0–2 संशाधित के अनुसार शासन के अन्तर्गत शीर्षक का चयन एवं उपकल्पन तभी होगा जब कोई शासन एवं उसका अंग किसी ग्रन्थ में दिये गए विचारों के लिए उत्तरदायी हो और शासन से जुड़े हुये व्यक्तियों में से कोई भी व्यक्ति निजी या व्यक्तिगत रूप से उन विचारों के प्रति उत्तरदायी न हो।

शासन के अन्तर्गत शीर्षक का उपकल्पन सर्वप्रथम भौगोलिक भू–भाग (राष्ट्र, राज्य, प्रदेश या उससे सम्बन्धित भौगोलिक इकाई) के द्वारा किया जाता है। तत्पश्चात यदि भौगोलिक भू–भाग के साथ–साथ पुस्तक के मुखपृष्ठ (Title Page)पर उसके अधीनस्थ अंगों का भी उल्लेख है तो • (डाट) लगाकर उन अधीनस्थ अंगों के नाम का भी उल्लेख होता है। भौगोलिक भू–भाग को छोड़कर जुड़े हुये अन्य अधीनस्थ अंगों को रेखांकित (Underline)किया जाता है। महत्वपूर्ण है कि यदि शीर्षक (Heading)अग्ररेखा(Leading Line)पर पूर्णरूपेण समाहित नही हो पाता तो उसके अवशेष भाग की वापसी अगली पंक्ति पर तृतीय काल्पनिक रेखा से की जाती है।

उदाहरणार्थ–

(i) Department of School Education, Ministry of Human Resource Development, Goverment of India. को सूचीपत्रक पर शीर्षक के रूप में

India. Ministry of Human Resource Development. Department of School Education

(ii) Department of Mines, Government of Rajasthan.

को सूचीपत्रक पर शीर्षक के रूप में

Rajasthan. Department of Mines.

6.8 प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष शीर्षक

पुस्तक के मुखपृष्ठ (Title Page)पर यदि शासन के दो या दो से अधिक अधीनस्थ अंगों (Subordinate Organs)के नाम का उल्लेख हो तो कौन से अंग के नामों का प्रयोग शीर्षक (Heading)हेतु किया जायेगा। इसके लिए ए0ए0सी0आर0–2 के नियम संख्या 24.19 में प्राविधानित है कि ऐसी स्थिति में शासन के नाम अथवा एजेन्सी के नाम के मध्य श्रृंखला के अन्तर्गत आने वाले निचले तत्व के नाम का उपकल्पन किया जाता है और मध्य श्रृंखला में उस तत्व को छोड़ दिया जाता है जो निचले तत्व के उपकल्पन में न रहते हुए भी पर्याप्त व्यष्टिकृत बन रहा हो लेकिन यदि निचले तत्व को मध्य तत्व के बिना व्यष्टिकृत बनाने में कोई असुविधा हो रही हो तो मध्य श्रृंखला में उस तत्व के बाद ही निचले तत्व का उपकल्पन किया जायेगा।

सामान्य शब्दों मे कहा जाय तो यदि अधीनस्थ अंगों में निम्नतम एवं मध्यम अंगों के बीच भाव और भाषा की समानता हो तो मध्यम अंग को उपशीर्षक के रूप में नहीं उपकल्पित करते हैं। ऐसा इसलिए कि निम्नतम अंग से ही स्पष्ट हो जाता है कि वह स्वाभाविक रूप से मध्यम अंग का ही अधीनस्थ अंग है।

उदाहरणार्थ–

(i) Department of Medical Health, Ministry of Health, Government of Rajastha.

उपकल्पन–
Rajasthan . Department of Medical Health.

उपरोक्त उदाहरण में मध्यम अंग Ministry of Health का उपकल्पन करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि Department of Medical Healthनिश्चित रूप से Ministry of Healthके ही अन्तर्गत आता है।

(ii) Department of Internal Security, Ministry of Home affairs, Government of India.

उपकल्पन–
India . Ministry of Home Affairs . Department of Internal Security.

उपरोक्त उदाहरण में Department of Internal Security को व्यष्टिकृत बनाने की दृष्टि से Ministry of Home Affairs का उल्लेख करना आवश्यक है।

6.9 सूचीकृत उदाहरण

उदाहरण–1

(सम्पूर्ण शासन)

INDIAN TRIBES THROUGH THE AGES

India

Manager of Publications

New Delhi, **1995**

Other Information-

- Call No. :– 307.7 IND
- Acc. No. :– 6213
- Pages :– 18 + 320
- Size :– 20 cm.

मुख्य संलेख (Main Entry)

307-7 IND	India.	
6213		Indian Tribes through the Ages·—New Delhi : Manager of Publications, 1995. xviii, 320p. ; 20 cm. 1. Tribal Communities. I Title.

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

307.7 IND	India.	TRIBAL COMMUNITIES.
		Rest as in the main Entry.

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

307.7 IND	India.	Indian Tribes through the Ages.
		Rest as in the main Entry. ○

उदाहरण–2

(शासन का विधायी अंग)

FUTURE OF HIGHER EDUCATION IN INDIA

Government of India

Rajya Sabha

Manager of Publications

New Delhi,

2005

Other Information

- Call No. :– 378.54 P05
- Acc. No. :– 9216
- Size :– 20 cm.
- Pages :– 9 + 410p.

मुख्य संलेख (Main Entry)

378.54 P05	India. Parliament . Rajya Sabha.	
	Future of Higher Education in India/Government of India, Rajya Sabha·–New Delhi : Manager of Publications, 2005	
9216		ix, 410p.; 20 cm.
		1. Higher Education. I Title

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

		HIGHER EDUCATION
378.54 P05	India. Parliment . Rajya Sabha.	
		Rest as in the main Entry.

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

378.54 P05	India.	Future of Higher Education in India. Parliment . Rajya Sabha.
		Rest as in the main Entry. ○

उदाहरण–3

(शासन एवं उसका प्रशासनिक अंग)

DEPARTMENT OF OLD AGE PENSION.

Ministry of Social Welfare.

Government of Uttar Pradesh

Satistics of Old Age Pension

Manager

Government Printing Press

Allahabad, 1987

Other Information

- Call No. :– 361 N87
- Acc. No. :– 22963
- Size :– 14 × 16 cm.
- Pages :– 22 + 340p.

मुख्य संलेख (Main Entry)

361 N87	Uttar Pradesh . Ministry of Social Welfare. Department of Old Age Pension.	
22963	Statistics of old Age Pension/Department of old Age Pension, Ministry of Scoial Welfare, Government of Uttar Pradesh·– Allahabad : Government Printing Press, 1987 xxii, 340p.; 16 cm. 1. Social Welfare I Title ○	

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

361 N87	SOCIAL WELFARE Uttare Pradesh . Ministry of Social Welfare . Department of Old Age Pension. Rest as in the main Entry. ○	

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

361 N87		Statistics of Old Age Pension. Uttare Pradesh . Ministry of Social Welfare . Department of Old Age Pension. Rest as in the main Entry.

टिप्पड़ी–

1. शासन के इस प्रशासकीय अंग के उदाहरण में लेखक के सम्बन्ध में तीन चरण (अंग) का उल्लेख है–

   Uttar Pradesh.
   Ministry of Social Welfare.
   Department of Old Age Pension.

   उपरोक्त स्थिति में Ministry को द्वितीय, अंग के रूप में लेना आवश्यक है क्योंकि द्वितीय एवं तृतीय अंगों में भाव एवं भाषा की दृष्टि से समानता नहीं है। अतः शासन के तीनों अंगों का उल्लेख पदानुक्रम (Hierarchy) में किया गया है।

2. नियमानुसार समष्टि निकाय लेखक एवं उसके अंग यदि अग्ररेख (Leading Line) पर समाहित नहीं होते तो उनकी वापसी अगली पंक्ति पर तृतीय काल्पनिक रेखा से की जाती है।

उदाहरण–4

(शासन एवं उसका न्यायपालिकीय अंग)

DEBATE ON MATERNITY INSUERENCE LAW

U.P.
High Court
Allahabad.

Manager
Government Printing Press,
2002

Other Information

- Call No. :– 344.0224 P02
- Acc. No. :– 9264
- Pages :– 12 + 340
- Size :– 20 cm.

मुख्य संलेख (Main Entry)

344.0224 P02	Uttar Pradesh . High Court.	
9264	Manager, Government Printing Pess, 2002.	Debate on Maternity Insuerence Law·– Allahabad : xii; 340p.; 20 cm. 1. Maternity Insuerence. I. Title ○

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

344.0224 P02		MATERNITY INSUERENCE
	Uttar Pradesh . High Court.	
		Rest as in the main Entry.
		○

सम्पादक इतर संलेख (Editor Added Entry)

344.0224 P02		Debate on Maternity Insuerence Law.
	Uttar Pradesh . High Court.	
		Rest as in the main Entry.
		○

उदाहरण–5

[राज्याध्यक्ष (Head of the State)]

A NEW ERA OF RESPONSIBILITY

Renewing America's Promise

Edited by

Peter R. Orszag

U S Office of Management

New York

2009

Other Information

- Call No. :– 973 P09
- Acc. No. :– 6294
- Pages :– 6 + 280p.
- Size :– 22 cm.
- Note :– Barack Obama was US President during 2009–2017

मुख्य संलेख (Main Entry)

973 P09	United States . President (2009 : 2017 : Barack Obama).
6294	A new Era of Responsibility : Renewing America's Promise/edited by Peter, R. Orszag·– New Yark : US Office of Management, 2009 vi, 280p.; 22 cm. 1. United Sates – History. I Orszag, Peter R. II Title

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

		UNITED STATES – HISTORY
973		
P09	United States . President (2009 : 2017 : Barack Obama.)	
		Rest as in the main Entry.

सम्पादक इतर संलेख (Editor Added Entry)

		Orszag, Peter R.
973		
P09	United States . President (2009 : 2017 :Barack Obama.)	
		Rest as in the main Entry.

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

973 P09	United States . President (2009 : 2017 :Barack Obama.)	A New Era of Responsibility.
		Rest as in the main Entry. ○

टिप्पणी–

1. नियम संख्या 21.4D1 के अनुसार राज्याध्यक्ष, शासनाध्यक्ष तथा अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों के प्रमुखें के शासकीय पत्र व्यवहार जैसे विधान मण्डलों को दिए गए सन्देश, उद्घोषणायें एवं प्रशासनिक आदेश हेतु समष्टि शीर्षक शासन के अन्तर्गत निर्मित किया जाता है।
2. नियम संख्या 24.20B के अनुसार राष्ट्र के प्रधान (राष्ट्रपति, राजा, रानी) अथवा राज्य के प्रधान (राज्यपाल) के उपशीर्षक के लिए अंग्रेजी भाषा में उनके पद के नाम का उल्लेख करते हैं। उसके पश्चात पदासीन रहने के समावेशित वर्ष (Inclusive Years) तथा व्यक्ति के नाम का उल्लेख निम्नवत् किया जाता है–

उदाहरणार्थ–

(i) प्रजातांत्रिक देशों में–

India. President (1962–1967 : S Radha Krishnan)
Uttar Pradesh. Governer(2004–2009 : TV Rajeshwar)

(ii) राजतंत्रात्मक देशों में–

United Kingdom . Sovereign(1837–1901 : Victoria)
Spain . Soverign(1886 – 1931 : Alfanso xiii)

उदाहरण–6

[शासनाध्यक्ष (Head of the Government)]

DEMOCRACY IN INDIA

Speech in Lok Sabha

India.

By

Sri Narendra Modi

Prime Minister of India

Manager of Publications

New Delhi, 2017

Other Information

- Call No. :– 321.4 P17
- Acc. No. :– 2614
- Pages :– 18 + 340p.
- Size :– 22 cm.

मुख्य संलेख (Main Entry)

321.4 P17	India	. Prime Minister..
2614	Modi	Democracy in India : Speech in Lok Sabha/by Narendra – New Delhi: Manager of Publications , 2017 xviii, 340p.; 22 cm. 1. Democracy. I Title ○

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

321.4 P17		DEMOCRACY India . Prime Minister
		Rest as in the main Entry. ○

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

321.4 P17		Democracy in India. India . Prime Minister
		Rest as in the main Entry. ○

देखें इतर संलेख (See Reference Added Entry)

321.4 P17	Modi,	Narendra
		See :India . Prime Minister

टिप्पणी–

1. नियम संख्या 24.20C के अनुसार शासन के प्रमुख तथा अर्न्तशासकीय निकायों के प्रमुख के रूप में कार्यरत शासन के प्रमुख के उपशीर्षक के लिए यदि वह राष्ट्र का प्रधान नहीं है, तो उसके पदनाम को उल्लिखित किया जाता है। उसके कार्यावधि तथा नाम का उल्लेख नहीं किया जाता।

उदाहरणार्थ–

United Kingdom . Prime Minister
United Nations . Secretary General

उदाहरण–7

(शासन के दो समान विभागीय प्रशासकीय अंग)

FARMER'S HANDBOOK OF BASIC AGRICULTURE

India.

Department of Agriculture, Cooperation and Farmers Welfare

Ministry of Agriculture and Farmers Welfare

Government of India.

Pentagen Press.

New Delhi,

2014

Other Information-

- Call No. :– 630 P14
- Acc. No. :– 9214
- Pages :– 16 + 320p.
- Size :– 22 cm.

मुख्य संलेख (Main Entry)

630 P14	India	. Department of Agriculture, Cooperation and Farmer's Welfare
9214		Farmer's Handbook of Basic Agricultrue/Department of Agriculture, Cooperation and Farmers Welfare, Ministry of Agriculture and Farmers welfare, Government of India.— New Delhi : Pentagan Press, 2014
		xvi, 320p.; 22 cm.
		1. Agriculture. I Title
		○

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

		AGRICULTURE
630 P14	India.	Department of Agriculture, Cooperation and Farmers Welfare.
		Rest as in the main Entry.
		○

आख्या इतर संलेख **(Title Added Entry)**

630 P14		Farmer's Handbook of Basic Agriculture. India. Department of Agriculture, Cooperation and Farmers Welfare. Rest as in the main Entry.

टिप्पड़ी–

1. नियम संख्या 24.19 के अनुसार यदि अधीनस्थ अंगों (Suordinate Organs) में निम्नतम् तथा मध्यम अंगों के बीच भाव और भाषा की समानता हो तो मध्यम अंग को उपशीर्षक के रूप में नहीं अंकित किया जाता क्योंकि निम्नतम् अंग से ही स्पष्ट हो जाता है कि वह स्वाभाविक रूप से मध्यम निकाय का ही अधीनस्थ अंग है–

उदाहरणार्थ–

Department of Chemicals and Petrochemicals.
Ministry of Chemicals and Fertilizers.
Government of India.
को
India. Department of Chemicals and Petrochemicals.
उपकल्पित करेंगें।

उदाहरण–8

(शासन का अस्थायी अंग–कमेटी)

REPORT OF THE NATIONAL COMMISSION ON FARMERS

Govt. of India

Ministry of Agriculture

Department of Farmers Welfare

Manager of Publications

New Delhi,

2006

Other Information

- Call No. :– 630 P06
- Acc. No. :– 4546
- Pages :– 12 + 280p.
- Size :– 20 cm.
- Note :– Chairman of the Natinal Commission on farmers was Prof. M.S. Swaminathan. The Report is also known as Swaminathan Commission Report.

मुख्य संलेख (Main Entry)

630 P06	India . National Commission on Farmers.	
4546	Report of the National Commission on Farmers/Govt. of India, Ministry of Agriculture, Department of Farmers Welfare.– New Delhi : Manager of Pubications, 2006. xii, 280p.; 20 cm. Chairman : M.S. Swaminathan. Also Known as : Swaminathan Commission Report 1. Agriculture. I Swaminathan, M.S. II Title. III Title : Swaminathan Commission Report. ○	

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

630 P06	AGRICULTURE India . National Commission on Farmers.	
	Rest as in the main Entry. ○	

अध्यक्ष इतर संलेख (Chairman Added Entry)

630 P06	India	Swaminathan, M.S. . National Commission on Farmers.
		Rest as in the main Entry.

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

630 P06	India	Report of the National Commission on Farmers. . National Commission on Farmers.
		Rest as in the main Entry.

विशिष्ट आख्या इतर संलेख (Special Title Added Entry)

630 P06	India.	Swaminathan Commission Report. National Commission on Farmers.
		Rest as in the main Entry.

टिप्पणी–

1. नियमानुसार शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section) में सबसे पहले शासन के भौगोलिक भू–भाग के नाम के पश्चात् पूर्ण विराम (.) उसके पश्चात् कमीशन/कमेटी के नाम का उल्लेख किया जाता है तथा उसे Underline किया जाता है।

2. उपरोक्त उदाहरण में कमेटी के चेयरमैन के नाम से एक इतर संलेख का निर्माण किया जाता हे साथ ही उक्त कमेटी की रिपोर्ट के उपयोगकर्ताओं के द्वारा उनमें चेयरमैन के नाम से माँगें जाने की सम्भावना होती है। अतः उक्त रिपोर्ट को चेयरमैन के नाम से भी एक विशिष्ट आख्या के रूप में इतर संलेख निर्मित किया गया है।

6.10 अभ्यास हेतु मुखपृष्ठ (Title Page for Practice)

उदाहरण–1

(सम्पूर्ण शासन)

STUDY OF INTERNATIONAL ECONOMICS

India.

Manger of Publications

New Delhi,

2005

Other Information

- Call No. :– 337 P05
- Acc. No. :– 9216
- Size :– 22 cm.
- Pages :– 16 + 280p.

उदाहरण–2

(शासन एवं न्यायपालिकीय अंग)

STATISTICS OF THE PENDING CASES IN SUPREME COURT OF INDIA

Supreme Court

Supreme Court Printing Press

New Delhi,

2017.

Other Information

- Call No. :– 347 P17
- Acc. No. :– 4216
- Size :– 18 cm.
- Pages :– 28 + 480p.

उदाहरण–3

(शासन एवं उसका प्रशासनिक अंग)

ALLOTMENT OF REGULAR LPG DISTRIBUTORSHIP

Department of Ex. Serviceman Welfare

Ministry of Defence

Govt. of India.

Controller of Publications

New Delhi,

2015

Other Information

- Call No. :– 333.823 P15
- Acc. No. :– 4215
- Size :– 20 cm.
- Pages :– 18 + 380p.

उदाहरण–4

(शासन व उसका विधायी अंग)

WOMEN MEMBERS OF RAJYA SABHA, 2003

Rajya Sabha

Government of India.

Manager of Publications
New Delhi,
2004

Other Information

- Call No. :– 328.31 P04
- Acc. No. :– 6213
- Size :– 22 cm.
- Pages :– 18 + 430p.

उदाहरण–5

राज्याध्यक्ष (Head of the State)

QUALITY IN HIGHER LEARNING : COLLECTION OF SPEECHES

by

President of India

Edited by

Prof. N. R. Sitaraman

Manager of Publicatoins
New Delhi,
2017

Other Information

- Call No. :– 378 P16
- Acc. No. :– 2136
- Size :– 20 cm.
- Pages :– 13 + 410p.
- Note :– Sri Pranab Mukherjee was President of India during – 2012–2017

उदाहरण–6

शासनाध्यक्ष (Head of the Government)

STRENTH OF PUBLIC OPINION

Speech in Lok Sabha

India

By

Sri Narendra Modi

Prime Minister of India

Manager of Publicatoins

New Delhi,

2017

Other Information

- Call No. :– 303.38 P17
- Acc. No. :– 9216
- Size :– 20 cm.
- Pages :– 18 + 348p.

उदाहरण–7

(शासन के दो प्रशासकीय अंग)

DEPARTMENT OF BORDER MANAGEMENT

Ministry of Home Affairs

Govtt. of India

Strengthening of Border Gaurding and Creation of related infrastructure

Secret Press

New Delhi, 2016

Other Information

- Call No. :– 363.285 P16
- Acc. No. :– 9216
- Size :– 22 cm.
- Pages :– 12 + 320p.

उदाहरण–8

(शासन का अस्थायी अंग कमेटी–कमीशन)

Report of the

COMMITTEE ON REENGINEERING OF THE DEFENCE MANAGEMENT

Ministry of Defence

Govt. of India.

Manager of Publicatoins

New Delhi,

2012

Other Information

- Call No. :– 355.6 P12
- Acc. No. :– 6925
- Size :– 20 cm.
- Pages :– 18 + 410p.
- Note :– Chairman of this committee was Sri Naresh Chandra.
  The Report is also known as Chandra Committee Report.

6.11 सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. Joint Steering Committee for revision of A.A.C.R. : Anglo American Cataloguing Rules. 2nd ed. 1998. Edited by Michael Gorman and Paul W. Winkler, Canadian Library Association, 1988
2. Krishna Kumar, Introduction to A.A.C.R.-2, Delhi, Vikas Publishing House, 1986
3. Krishna Kumar, An Introduction to Cataloging Practice, Delhi, Vikas Publishing House, 1986
4. सूद, एस0 पी0, क्रियात्मक सूचीकरण : ए0ए0सी0आर0–2, जयपुर, राज पब्लिशिंग हाउस, 2002
5. गौतम, जे0 एन0, प्रैक्टिकल मैनुअल ऑफ ए0ए0सी0आर0–2, आगरा, एसोशियेटेड पब्लिशिंग हाउस, 2011

इकाई 7. संस्था तथा उसके अंगों द्वारा रचित पुस्तकों का सूचीकरण (CATALOGUING OF BOOKS BY INSTITUTIONS AND ITS ORGANS)

इकाई की रूपरेखा

7.1 प्रस्तावना

7.2 उद्देश्य

7.3 संस्था से तात्पर्य

7.4 शीर्षक का चयन एवं उपकल्पन

7.5 सूचीकृत उदाहरण

7.6 अभ्यास हेतु मुखपृष्ठ

7.7 सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

7.1 प्रस्तावना

समष्टि निकाय लेखकत्व के अन्तर्गत शासन के समान ही संस्था भी एक श्रेणी है। इस श्रेणी के अन्तर्गत रचित ग्रन्थों को संस्था के नाम से जाना जाता है। संस्थागत प्रकाशनों में वर्णित विचार के लिए संस्था ही उत्तरदायी होती है। अतः इन प्रकाशनों को लेखकत्व की दृष्टि से संस्था का प्रकाशन कहा जाता है।

7.2 उद्देश्य

इस इकाई के निम्नलिखित उद्देश्य है–

1. शिक्षार्थियों को संस्था से परिचित कराना।
2. संस्थाओं के प्रकार तथा तदनुसार सूचीकरण हेतु शिक्षार्थियों को योग्य बनाना।
3. लेखक के रूप में संस्था को शीर्षक (Heading) हेतु चयन एवं उपकल्पन के सम्बन्ध में शिक्षार्थियों को बोधगम्य बनाना।
4. सूचीकृत उदाहरणों के माध्यम से शिक्षार्थियों को संस्था से सम्बन्धित ग्रन्थों के प्रसूचीकरण की जानकारी सरलता के साथ उपलब्ध कराना।

7.3 संस्था से तात्पर्य

संस्था शासन के अतिरिक्त एक स्वायत्तशासी समष्टि निकाय हैं। ऐसे निकायों को वित्तीय सहायता भले ही शासन द्वारा प्राप्त हो परन्तु स्वशासन की दृष्टि से यह श्रेणी अपने प्रशासनिक निर्णय लेने में स्वयं सक्षम होती है।

संस्था के भी तीन स्तर हो सकते है–

(अ) अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर–
उदाहरणार्थ–

- World Health Organisation (WHO).
- UNESCO
- UNISEF
- United Nations. टादि

(ब) राष्ट्रीय स्तर पर–
उदाहरणार्थ–

- Indian Council of Medical Research (ICMR).
- University Grants Commission (UGC).
- Indian Library Association (ILA). टादि

(स) स्थानीय स्तर पर–
उदाहरणार्थ–

- Bengali Welfare Association - Allahabad.

- Chitragupta Vansaj Sabha - Varanasi.
- Yadav Mahasabha - Chandauli. टादि

ए0ए0सी0आर0–2 संशोधित के अनुसार संस्थागत लेखकों के अन्तर्गत संघ (Association),संस्था (Institution),व्यापारिक संघ (Business Firms),लाभ निरपेक्ष उद्यम (Non-Profit Enterprises),स्थानीय गिरिजाघर (Local Church)आदि आते हैं।

7.4 शीर्षक का चयन एवं उपकल्पन

7.4.1 जब किसी ग्रन्थ के अन्तर्निहित विषय वस्तु के लिए कोई संस्था उत्तरदायी हो तो शीर्षक (Heading)का चयन एवं उपकल्पन संस्था के नाम से किया जाता है।

उदाहरणार्थ–

International Labour Organization

उपकल्पन

International Labour Organization

7.4.2 यदि एक ही नाम की संस्था का बोध कई स्थानों पर होने की संभावना हो तो संस्था को वैशिष्ट्य प्रदान करने हेतु संस्था के नाम के पश्चात गोल कोष्ठक ( ) के अन्तर्गत उसके स्थान का नाम भी उल्लिखित करते हैं–

उदाहरणार्थ–

Central Drug Research Institute

उपकल्पन

Central Drug Research Institute (Lucknow)

7.4.3 यदि किसी संस्था का कोई अधीनस्थ अंग भी उस रचना के लिए उत्तरदायी है तो द्वितीय अंग (Second Organ)के रूप में उसका भी उल्लेख करेंगें।

उदाहरणार्थ स्वरूप–

Department of Publications, Indian Council of Historical Research

उपकल्पन

Indian Council of Historical Research. Department of Publicalions.

7.5 सूचीकृत उदाहरण

उदाहरण–1

(संस्था)

LIGHT ON YOGA

The Classic Guide to Yoga

Morarji Desai National Institute of Yoga : New Delh

Arihant Publishers,

New Delhi,

2006

Other Information

- Call No. :– 613.7046 P06
- Acc. No. :– 2361
- Pages :– 8 + 310p.
- Size :– 22 cm.
- ISBN :– 03-09261-34

मुख्य संलेख (Main Entry)

613.7046 P06	Morarji Desai National Institute of Yoga. (New Delhi).	
2361		Light on Yoga : The Classic guide to yoga/ Morarji Dasai National Institute of Yoga, New Delhi·–New Delhi : Arihant Publishers, 2006. viii, 310p. ; 22 cm. ISBN : 03-09261-34 1. Physical Yoga. I Title.

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

		PHYSICAL YOGA.
613.7046 P06	Morarji Desai National Institute of Yoga (N. Delhi)	
		Rest as in the main Entry.

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

613.7046 P06		Light on Yoga. Morarji Desai National Institute of Yoga (N. Delhi)
		Rest as in the main Entry. ○

उदाहरण–2

(संस्था एवं उसका प्रथम श्रेणी का अंग)

SOIL GENESIS, CLASSIFICATION SURVEY AND EVALUATION

Division of Soil Testing

NationalAcademy of Agricultural Sciences (N. Delhi)

Taxmann Publishers

New Delhi,

2013

Other Information-

- Call No. :– 631. 4 P13
- Acc. No. :– 7234
- Size :– 20 cm.
- Pages :– 18 + 310p.

मुख्य संलेख (Main Entry)

631. 4
P13 National Academy of Agricultureal Sciences (N. Delhi).Division of Soil Testing.

Soil Genesis, Classifications Survey and Evaluation/ Division of Soil testing, National Academy of Agricultural Sciences, N. Delhi·– New Delhi : Taxmann Publishers, 2013

xviii, 310p.; 20 cm.

7234

1. Soil Conservation. I Title

○

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

SOIL CONSERVATION.

631.4
P13 National Academy of Agricultureal Sciences (N. Delhi).Division of Soil Testing.

Rest as in the main Entry.

○

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

631.4 P13		Soil Genesis, Classification Survey and Evaluation.
	National Academy of Agricultural Sciences (N. Delhi). Division of Soil Testing.	
		Rest as in the main Entry.
		○

उदाहरण–3

(संस्था एवं उसके अंग)

ARCHITECTURAL CONSTRUCTION IN REINFORCED CONCRETE

Department of Architectural Construction

Regional Centre for Planning

National Academy of Construction,

Hyderabad

Classic Publishing Company

Hyderabad,

2015

Other Information

- Call No. :– 721 P15
- Acc. No. :– 3215
- Size :– 18 cm.
- Pages :– 16 + 410p.

मुख्य संलेख (Main Entry)

721 P15		National Academy of Construction (Hyderabad).
3215		RegionalCentre for Planning. Department of Architectural Construction. Architectureal Construction in Reinforced Concrete/Department of Architectural Construction, Regional Centre for Planning, National Academy of Construction, Hyderabad·–Hyderabad : Classic Publishing Company, 2015 xvi, 410p.; 18 cm. 1. Construction. I Title

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

721 P15		CONSTRUCTION NationalAcademy of Construction (Hyderabad).
		Regional Centre for Planning. Department of Architectural Construction. Rest as in the main Entry.

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

Architectural Construction in Reinforced Concrete.

721
P15 National Academy of Construction (Hyderabad).
Regional Centre for Planning. Department of Architectural Construction.

Rest as in the main Entry.

उदाहरण–4

(संस्था एवं उसका स्थायी अंग)

WAYS TO MANAGE DIABETES

Report of the

Working Committee on Prevention of Diabetes

Shalimar Publishers,

New Delhi,

2015

Other Information-

- Call No. :– 616.462 P15
- Acc. No. :– 7261
- Pages :– 12 + 280p.
- Size :– 20 cm.
- Note :– The Committee was set up by All India Institute of Medical Sciences New Delhi in the Year, 2013 Under the Chairmanship of Dr. Nikhil Tandan.

मुख्य संलेख (Main Entry)

616.462 P15	All India Institute of Medical Science &(New Delhi).Working Committee on Prevention of Diabetes.	
7261	Ways to Manage Diabetes : Report of the Working Committee on Prevention of Diabetes/All India Institute of Medical Sciences, New Delhi·– New Delhi : Shalimar Publishers, 2015 xii; 280p.; 20 cm. 1. Diabetes. I Tandon, Nikhil. II Title. ○	

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

616.462 P15	DIABETES All India Institute of Medical Science (New Delhi). Working Committee on Prevention of Diabetes.	
	Rest as in the main Entry. ○	

अध्यक्ष इतर संलेख (Chairman Added Entry)

616.462 P15		Tandon, Nikhil. All India Institute of Medical Science (New Delhi). Working Committee on Prevention of Diabetes. Rest as in the main Entry.

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

616.462 P15		Ways to manage Diabetes. All India Institute of Medical Science (New Delhi). Working Committee on Prevention of Diabetes. Rest as in the main Entry.

उदाहरण–5

AMA MANAGEMENT HAND BOOK

Edited by

Russell F. Moore and Nicholas Nickleby

American Management Association

New York,

1970

Other Information-

- Call No. :– 658.02 N70
- Acc. No. :– 4032
- Pages :– 12 + 210p.
- Size :– 22 cm.
- Note :– On the back of the title page it is stated that the Copyright is with the American Management Association.

मुख्य संलेख (Main Entry)

658.02 N70	American Management Association.
4032	AMA Management handbook/edited by Russell F. Moore and Nicholas Nickleby·– New York : American Management Association, 1970. xii, 210p.; 22cm. 1. Management. I Moore, Russell F. II Nickleby, Nicholas. III Title ○

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

658.02 N70		MANAGEMENT American Management Association.
		Rest as in the main entry.
		○

संपादक इतर संलेख–1 (Editor Added Entry-1)

658.02 N70		Moore, Russell F. American Management Association.
		Rest as in the main entry.
		○

संपादक इतर संलेख–2 (Editor Added Entry-2)

658.02 N70		Nickleby, Nicholus. American Management Association. Rest as in the main entry.

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

658.02 N70		AMA Management Hand book. American Management Association. Rest as in the main entry.

उदाहरण–6

ROYAL INSTITUTE OF INTERNATIONAL AFFAIRS

Introduction to International Relations

Edited by

Jackson Robert and Sorensen George.

Royal Institute of International Affairs

London,

2010

Other Information

- Call No. :– 327 P70
- Acc. No. :– 4521
- Pages :– 16 + 210p.
- Size :– 20 cm.

मुख्य संलेख (Main Entry)

327 P10	Royal Institute of International Affairs.
4521	Introduction to International Relations/edited by Jackson Robert and Sorensen George·– London : Royal Institute of International Affairs, 2010. xvi, 210p.; 20cm. 1. Foreign Policy. I Robert, Jackson. II George, Sorensen. III Title

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

		FOREIGN POLICY
327 P10		Royal Institute of International Affairs.
		Rest as in the main entry.

संपादक इतर संलेख–1 (Editor Added Entry-1)

		Robert, Jackson
327 P10		Royal Institute of International Affairs.
		Rest as in the main entry.

संपादक इतर संलेख–2 (Editor Added Entry-2)

327 P10	Royal	George, Sorensen. Institute of International Affairs.
		Rest as in the main entry. ○

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

327 P10	Royal	Introduction to International Relations. Institute of International Affairs.
		Rest as in the main entry. ○

उदाहरण–7

DIVISION OF INTELLIGENCE
Institute of World Politics (Washington).

The Craft of Intelligence
Legendary Spy Master on the Fundamentals of Intelligence gathering for a free World.

Edited by
Allen W. Dullas and Michael Parkin

The Lyons Press
Washington,
2010

Other Information

- Call No. :– 355.3432 P16
- Acc. No. :– 2156
- Pages :– 18 + 310p.
- Size :– 22 cm.

मुख्य संलेख (Main Entry)

355.3432 P16	Institute of World Politics (Washington).
2156	<u>Division ofIntelligence.</u> The craft of Intelligence : Legendary Spy master on the fundamentals of Intelligence gathering for a free world/edited by Allen W. Dullas and Michael Parkin·−Washington : The Lyons Press, 2016. xviii, 310p.; 22cm. 1. Intelligence. I Dullas, Allen W. II Parkin, Michael. III Title

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

355.3432 P16		INTELLIGENCE Institute of World Politics (Washington).
		Division ofIntelligence. Rest as in the main entry.

संपादक इतर संलेख–1 (Editor Added Entry-1)

355.3432 P16		Dullas, Allen W. Institute of World Politics (Washington).
		Division ofIntelligence. Rest as in the main entry.

संपादक इतर संलेख–2 **(Editor Added Entry-2)**

355.3432 P16		Parkin, Michael. Institute of World Politics (Washington). Division ofIntelligence. Rest as in the main entry.

आख्या इतर संलेख **(Title Added Entry)**

355.3432 P16		The Craft of Intelligence. Institute of World Politics (Washington). Division ofIntelligence. Rest as in the main entry.

7.6 अभ्यास हेतु मुखपृष्ठ (Title Page for Practice)

उदाहरण–1

(संस्था)

PRACTICAL PROBLEMS OF SPEECH AND LANGUAGE DISORDERS

All India Institute of Speech and Hearing,
Mysore

Chaturbhuj Publications
Mysore,
2010

Other Information

- Call No. :– 616.855 P10
- Acc. No. :– 39261
- Size:– 20 cm.
- Pages :– 8 + 280p.

उदाहरण–2

(संस्था एवं उसका प्रथम श्रेणी का अंग)

PHOTOMETRY

Special Method of Observation

Department of Astrophysics

Aryabhatta Research Institute of Observational Sciences

Green Publishers
Nainital,
2006

Other Information

- Call No. :– 522.62 P06
- Acc. No. :– 1236
- Size:– 25 cm.
- Pages :– 28 + 320p.
- Note:– Institute Book Series, 18

उदाहरण–3
(संस्था के दो प्रशासनिक अंग)

BOOK ON FRESH - WATER FOSSIL PLANTS
Scientific Activities Section
of the
Department of Marine Micropalaeontology
of
Birbal Sahni Institute of Palaeobotany (Lucknow)

Chopra Books
Lucknow,
2015

Other Information
- Call No. :– 561.1929 P02
- Acc. No. :– 9216
- Size :– 20 cm.
- Pages :– 14 + 340p.
- ISBN :– 924-6271-231

उदाहरण–4
(संस्था एवं उसके दो अधीनस्थ अंग)

INTRODUCTION TO MICROWAVE ELECTRONICS
Division of Research and Development
of the
Department of Microwave Tubes
of
Central Electronics Engineering Research Institute,
Pilani

Science Publications
Pilani,
2010

Other Information
- Call No. :– 621.3813 P10
- Acc. No. :– 9216
- Size :– 22 cm.
- Pages :– 18 + 310p.

उदाहरण–5

(संस्था का अस्थायी अंग)

TRADITIONAL POTTERY OF INDIA

Report of the

Committee on Ceramics of Ancient India

Central Glass and Ceramic Research Institute, Kolkata

Delight Publicatoins

Kolkata,

1985

Other Information

- Call No. :– 666.3954 N85
- Acc. No. :– 29345
- Size :– 20 cm.
- Pages :– 16 + 430p.
- Note :– Committe was set up by Central Glass and Ceramic Research Institute Kolkata in the Year 1983 Under the Chairmanship of Prof. Rakhal Das Banerji.

उदाहरण–6

(संस्था का अस्थायी अंग)

CHALLANGES OF COTTON PRODUCTION

Report of the

Committee on Hybrid Cotton Production Technologies

Published by

Info Publishers

Nagpur,

2007

Other Information

- Call No. :– 633.51 P07
- Acc. No. :– 9215
- Size :– 20 cm.
- Pages :– 12 + 280p.

- Note :– Committe was set up by Central Institute for Cotton Research Nagpur in the Years 2005 under the Chairmanship of Dr. K. R. Kranthi.

उदाहरण–7

EDUCATION AND THE NEW INTERNATIONAL ORDER

National Institute of Educational Planning and Administration,

New Delhi

Concept Publishers,

New Delhi,

1983

Other Information

- Call No. :– 370 N83
- Acc. No. :– 9214
- Size :– 24 cm.
- Pages :– 12 + 230p.

उदाहरण–8

LINKING SCIENCE AND TECHNOLOGY TO SOCIETY'S

Bold as upper

Policy Division, National Research Council (US)

National Academy Press

Washington, D.C.

1996.

Other Information

- Call No. :– 363.7 N96
- Acc. No. :– 6281
- Size :– 24 cm.
- Pages :– 12 + 280p.
- ISBN :– 03-09055-784

उदाहरण–9

THE NEW AMERICANS

Economic, Demographic and Fiscal Effects of Immigration.Environmental Goals.

Prepared by

Demographic Section

Department of Economic Affairs of National Research Council (US)

National Academy Press

Washington, D.C.

1997.

Other Information

- Call No. :– 330.973 N96
- Acc. No. :– 46412
- Size :– 24 cm.
- Pages :– 18 + 410p.
- ISBN :– 03-09063-566

उदाहरण–10

STATISTICAL TABLES ON SCIENTIFIC AND TECHNICAL MANPOWER

Statistical Division

of

Division for Scientific and Technical Personal

Council of Scientific and Industrial Research (CSIR)

New Delhi,

1986

Other Information

- Call No. :– 310 N86
- Acc. No. :– 8912
- Size :– 20 cm.
- Pages :– 10 + 280p.

उदाहरण–11

EDUCATIONAL PSYCHOLOGY IN TEACHER EDUCATION

Report of the

Comittee on Educational Psychology

National Society of College Teachers of Education.

J. Wiley and Sons,

New York

1953.

Other Information

- Call No. :– 370.15 N53
- Acc. No. :– 43276
- Size :– 23 cm.
- Pages :– 8 + 110p.

7.7 सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. Joint Steering Committee for revision of A.A.C.R. : Anglo American Cataloguing Rules. 2nd ed. 1998. Edited by Michael Gorman and Paul W. Winkler, Canadian Library Association, 1988
2. Krishna Kumar, Introduction to A.A.C.R.-2, Delhi, Vikas Publishing House, 1986
3. Krishna Kumar, An Introduction to Cataloging Practice, Delhi, Vikas Publishing House, 1986
4. सूद, एस0 पी0, क्रियात्मक सूचीकरण : ए0ए0सी0आर0–2, जयपुर, राज पब्लिशिंग हाउस, 2002
5. गौतम, जे0 एन0, प्रैक्टिकल मैनुअल ऑफ ए0ए0सी0आर0–2, आगरा, एसोशियेटेड पब्लिशिंग हाउस, 2011

इकाई 8. सम्मेलन तथा उसके अंगों द्वारा रचित पुस्तकों का सूचीकरण(CATALOGUING OF BOOKS BY CONFERENCE AND ITS ORGANS)

इकाई की रूपरेखा

8.1 प्रस्तावना

8.2 उद्देश्य

8.3 सम्मेलन से तात्पर्य

8.4 सम्मेलन के अधीनस्थ अंग

8.5 शीर्षक का चयन एवं उपकल्पन

8.6 सूचीकृत उदाहरण

8.7 अभ्यास हेतु मुखपृष्ठ

8.8 सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

8.1 प्रस्तावना

ग्रन्थालय में कुछ ऐसे प्रकाशन भी अधिगृहीत किये जाते हैं जिनके लेखक सभायें (Meetings), सम्मेलन (Conference), अधिवेशन (Conventions) एवं संगोष्ठियाँ (Symposiums) आदि होते हैं। इस प्रकार के प्रकाशनों में मुख्यतया उनकी कार्यावली (Agenda), कार्यवृत्तों, प्रस्तावों, कार्यवाहियों आदि का विवरण दिया रहता है। कुछ सम्मेलन, सभायें तथा संगोष्ठी प्रत्येक वर्ष आयोजित की जाती हैं तथा कुछ एक निश्चित अन्तराल के बाद आयोजित की जाती हैं। इन सम्मेलन एवं सभाओं मे विशेषज्ञ अपने–अपने आलेख प्रस्तुत करते हैं उन्हें एक कार्यवाही के रूप में प्रकाशित किया जाता है।

8.2 उद्देश्य

इस इकाई के निम्नलिखित उद्देश्य है–

1. सम्मेलन एवं उसके महत्व को स्पष्ट करना।
2. सम्मेलन को परिभाषित करना।
3. शिक्षार्थियों को सम्मेलन की श्रेणियों से अवगत कराना।
4. सम्मेलन एवं उसके अंगों (Organs) द्वारा प्रकाशित ग्रन्थों को ए0ए0सी0आर0–2 संशोधित के अनुसार सूचीकृत करने के नियमों का बोध कराना।

8.3 सम्मेलन से तात्पर्य

ए0ए0सी0आर0–2 संशोधित में सम्मेलनों के दो प्रकारों का उल्लेख है–

1. सावधिक (Periodic)
2. तदर्थ (Ad-hoc)

सावधिक सम्मेलन से तात्पर्य है कि वे सम्मेलन जो एक निश्चित अवधि के बाद नियमित रूप से आयोजित किये जाते हैं, इसीलिए इन्हें वार्षिक (Annual Conference)अथवा अंकीय सम्मेलन (Numbered Conference)की भी संज्ञा प्रदान की जाती है।

उदाहरणार्थ–

IVth Annual Conference on Botany held at Agra in 1975

स्पष्ट हो रहा है कि इस Conference का जन्म वर्ष अर्थात पहला सम्मेलन सन 1972 में आयोजित हुआ।

तदर्थ सम्मेलन से तात्पर्य किन्हीं विशेष प्रयोजन हेतु कभी–कभार होने वाले सम्मेलन से हैं–

उदाहरण स्वरूप–

National Conference on Goods and Service Tax (GST)
held at RajasthanUniversity, Jaipur in the Year 2017

8.4 सम्मेलन के अधीनस्थ अंग

ए0ए0सी0आर0–2 संशोधित के नियम संख्या 24.13 ए0 के अनुसार सम्मेलन के अधीनस्थ अंग को उस निकाय के साथ प्रविष्ट किया जाना चाहिए जिसका वह अधीनस्थ व सम्बन्धित निकाय है।

उदाहरणार्थ–

- National Conference of Library Science (10th : 1970 : Ujjain).
  Registration Committee.
- International Conference on Neuro Diseses (35th : 1980 : Varanasi).
  Transport Committee

8.5 शीर्षक का चयन एवं उपकल्पन

सावधिक एवं तदर्थ सम्मेलनों के सम्बन्ध में ए0ए0सी0आर0–2 संशोधित के नियम संख्या 24.3F1 एवं 24.3F2 में सूचीकरण हेतु नियमों को प्राविधान है।

सम्मेलन हेतु शीर्षक (Heading) के चयन के सम्बन्ध में सम्मेलन के नाम को ही ग्रहण किया जाता है। तद्पश्चात गोल कोष्ठक के अन्तर्गत Number : Year : Place का उल्लेख किया जाता है। विद्यार्थियों की सुविधा की दृष्टि से यदि एक सूत्रवाक्य के रूप में सम्मेलन के शीर्षक (Heading) के चयन एवं उपकल्पन की बात कही जाय तो वह निम्नवत् होगी–
Name of the Conference (Number : Year : Place).

उदाहरण स्वरूप–

1. Sixth Annual Conference on Family Planning held at Mumbai in the year of 2015 का
   उपकल्पन निम्नवत् होगा
   Annual Conference on Family Planning (6th : 2015 : Mumbai).
2. National Festival of Automobiles held at New Delhi in the year of 2010 का
   उपकल्पन निम्नवत् होगा
   National Festival of Automobiles (2010 : New Delhi).
3. Reception Committee of Ramayan Mela Festival held at Allahabad in the year of 2016 का
   उपकल्पन निम्नवत् होगा
   Ramayan Mela Festival (2016 : Allahabad). Reception Committee.

8.6 सूचीकृत उदाहरण

उदाहरण–1

BEHAVIORAL MARKETING
Report of the
Sixth Annual Conference on Behavioural Sciences
held in Jaipur, 6–8 Decembar 2003

Edited by
Prof. Raja Dey

Tata Institute of Social Sciences
Mumbai
2003

Other Information-

- Call No. :– 300 P03
- Acc. No. :– 9214
- Pages :– 12 + 250p.
- Size :– 20 cm.

मुख्य संलेख (Main Entry)

300 P03		Annual Conference on Bahavioural Sciences
9214		(6th : 2003 : Jaipur) Behavioural Maketing : Report of the Sixth Annual conference on Behavioural Sciences held in Jaipur, 6–8 Decbmber 2003/edited by Raja Dey·– Mumbai : Tata Institute of Social Sciences, 2003 xii, 250p. ; 20 cm. 1. Social Sciences. I Dey, Raja. II Title.

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

		SOCIAL SCIENCES
300 P03	Annual Conference on Bahavioural Sciences (6th : 2003 :Jaipur)	
		Rest as in the main Entry.

संपादक इतर संलेख (Editor Added Entry)

		Dey, Raja
300 P03	Annual Conference on Bahavioural Sciences (6th : 2003 :Jaipur)	
		Rest as in the main Entry.

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

		Behavioural Marketing
300 P03		Annual Conference on Bahavioural Sciences (6th : 2003 :Jaipur) Rest as in the main Entry.

उदाहरण–2

PROCEEDINGS OF THE WORKSHOP ON PHYSICS EDUCATION
held at B.R. Ambedkar Universtiy Agra
From 13–16 October 2012

Published by
Shilpa Publishers
Agra,
2012

Other Information

- Call No. :– 530 P12
- Acc. No. :– 6212
- Size :– 20 cm.
- Pages :– 30 + 410p.

मुख्य संलेख **(Main Entry)**

```
 530
 P12         Workshop on Physics Education (2012 : Agra)
                   Proceedings of the Workshop on Physics Education
             held at B.R. AmbeakarUniversity, Agra from 13–16 October
 6212        2012.—Agra : Shilpa Publishers, 2012.
                   xxx, 410p.; 20 cm.

                   1. Physics. I Title
```

विषय इतर संलेख **(Subject Added Entry)**

```
                   PHYSICS.
 530
 P12         Workshop on Physics Education (2012 : Agra)

                   Rest as in the main Entry.
```

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

530 P12	Workshop on Physics Education (2012 : Agra)	Proceedings.
		Rest as in the main Entry. ○

उदाहरण–3

CONCRETE ARCHITECTURAL CONSTRUCTION

Report ot the

Concrete Construction Division

T. P. Mehrotra

Chairman

5th Annual Conference on Architectural Construction
held at Indore from 3–4 March 1995

Diomand Publications

Indore,

1995

Other Information

- Call No. :– 721 N95
- Acc. No. :– 9216
- Size :– 20 cm.
- Pages :– 22 + 340p.
- Note :– The conference established the Division on Concrete Architectureal Construction.

मुख्य संलेख (Main Entry)

721 N95		Annual Conference on Architectural Construction (5th : 1995 : Indore).Concrete Construction Division.
9216		Concrete Architectural Construction : Report of the concrete construction Division, 5th Annual conference on Architectureal construction held at Indore from 3–4 March 1995·–Indore : Diomand Publications, 1995 xxii, 340p.; 20 cm. T.P.Mehrotra-Chairman concrete construction Division. 1. Architectural construction. I Mehrotra, T.P. II Title.

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

721 N95		ARCHITECTURAL CONSTRUCTION. Annual Conference on Architectural Construction (5th : 1995 : Indore).Concrete Construction Division.
		Rest as in the main Entry.

चेयरमैन इतर प्रविष्टि (Chairman Added Entry)

Mehrotra, T.P.

721
N95 Annual Conference on Architectural Construction (5th : 1995 : Indore).Concrete Construction Division.

Rest as in the main Entry.

○

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

Concrete Architectureal Construction.

721
N95 Annual Conference on Architectural Construction (5th : 1995 : Indore).Concrete Construction Division.

Rest as in the main Entry.

○

उदाहरण–4

GREEN CHEMISTRY AND CATALYSIS

Twelve Annual Conference on

Advances in Catalysis for Energy and Environment

held in Mumbai from January 10-2-2017

Edited by

Dr. Naresh Mathur

Macmillan Publishers,

Mumbai

2017

Other Information

- Call No. : – 541.395 P17
- Acc. No. : – 9216
- Size :– 22 cm.
- Pages :– 9 + 310p.
- ISBN :– 186-342-9216

मुख्य संलेख (Main Entry)

541.395
P17 Annual Conference on advances in Catalysis for energy and
Environment (12th : 2017 : Mumbai).
Green Chemistry and Catalysis : Twelve annual confence
9216 on advances in Catalysis for energy and
environment held in Mumbai from January 10-
12-2017/edited by Naresh Mathur·−Mumbai :
Macmillan Publishers, 2017.
ix, 310p.; 22 cm.
ISBN : 186-342-9216

1. Architectural construction. I Mehrotra, T.P. II Title.

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

541.395 P17		CATALYSIS Annual Conference on advances in Catalysis for energy and Environment (12th : 2017 : Mumbai). Rest as in the main Entry.

संपादक इतर संलेख (Editor Added Entry)

541.395 P17		Mathur, Naresh. Annual Conference on advances in Catalysis for energy and Environment (12th : 2017 : Mumbai). Rest as in the main Entry.

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

541.395 P17		Green Chemistry and Catalysis. Annual Conference on advances in Catalysis for energy and Environment (12th : 2017 : Mumbai). Rest as in the main Entry. ○

उदाहरण–5

PROCEEDINGS OF THE INTERNATIONAL MANAGEMENT CONVENTION

held at Asian School of Business Management,

Bhubaneswar from 12-13 Decembar 2016

Published by
Kalyani Publishers
Cuttack,
2016.

Other Information

- Call No. : – 658 P16
- Acc. No. : – 2316
- Size :– 18 cm.
- Pages :– 13 + 220p.

मुख्य संलेख (Main Entry)

658 P16	International Management Convention (2016 : Bhubneswar).	
2316	Proceedings of the International Management Convention held at Asian School of Business Management, Bhubneswar from 12-13 Decembar 2016.— Cuttack : Kalyani Publishers, 2016. xiii, 220p.; 18 cm. 1. Management. I Title.	

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

658 P16	International Management Convention (2016 : Bhubneswar).	
	Rest as in the main Entry.	

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

658 P16		Proceedings International Management Convention (2016 : Bhubneswar).
		Rest as in the main Entry. ○

उदाहरण–6

CLINICAL PROBLEMS OF DENTISTRY

Report of the

2nd International Conference on Dentistry and

Oral Health held at Saveetha Dental College and Hospital,

Chennai, India

from 15-17 October 2016.

Tulika Publishers

Chennai,

2016

Other Information

- Call No. :– 617.6 P16
- Acc. No. :– 9216
- Size :– 18 cm.
- Pages :– 8 + 220p.

मुख्य संलेख (Main Entry)

617.6 P16		International Conference on Dentistry and Oral Health (2nd : 2016 : Chennai). Clinical Problems of Dentistry : Report of the Second International conference on Dentistry and Oral Health held at Saveetha Dental College and Hospital, Chennai, India from 15-17 October 2016.—Chennai : Tulika Publishers, 2016. xiii, 220p.; 18 cm. 1. Dentistry. I Title.
9216		

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

617.6 P16		DENTISTRY International Conference on Dentistry and Oral Health (2nd : 2016 : Chennai). Rest as in the main Entry.

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

617.6 P16		Clinical Problems of Dentistry
	International Conference on Dentistry and Oral Health (2nd : 2016 : Chennai).	
		Rest as in the main Entry.

उदाहरण–7

CHALLENGES OF AVIATION SECURITY
Report of the Committee on Air Defence

Prof. N. Natrajan
Chairman

Third National conference on Aeronautical Engineering held at ACE college of Engineering Thiruvananthpuram, Kerala
from 14-15 August 2015.

Green Books,
Kerala,
2015

Other Information

- Call No. : – 629.1 P15
- Acc. No. : – 3421
- Size :– 20 cm.
- Pages :– 16 + 240p.
- Note :– Conference established commitee on Air Defence and Prof. N. Natrajan was Chairman of the Committee.

मुख्य संलेख (Main Entry)

629.1 P15		National Conference on Aeronautical Engineering (3rd : 2015 : Thiruvananthpuram).Committee on Air Defence.
3421		Chalanges of Aviation Security : Report of the committee on Air Defence/Third National conference on Aeronautical Engineering held at ACE College of Engineering, Thiruvananthpuram, Kerala from 14-15 August 2015.--Kerala : Green Books, 2015. xvi, 240p.; 20 cm. Chairman : N. Natrajan 1. Aerospace Engineering. I Natrajan, N. II Title.

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

629.1 P15		AEROSPACE ENGINEERING. National Conference on Aeronautical Engineering (3rd : 2015 : Thiruvananthpuram).Committee on Air Defence.
		Rest as in the main Entry.

अध्यक्ष इतर संलेख (Chairman Added Entry)

629.1 P15		Natrajan, N. National Conference on Aeronautical Engineering (3rd : 2015 : Thiruvananthpuram).Committee on Air Defence. Rest as in the main Entry.

आख्या इतर संलेख (Title Added Entry)

629.1 P15		Chalanges of Aviation Security National Conference on Aeronautical Engineering (3rd : 2015 : Thiruvananthpuram).Committee on Air Defence. Rest as in the main Entry.

7.6 अभ्यास हेतु मुखपृष्ठ (Title Page for Practice)

मुख्यपृष्ठ–1

THIRD NATIONAL SEMINAR ON RADIOTHERAPY

held at Srinagar

from 4–5 May 2003

Sher–I Kashmir Institute of Medical Science

Sri Nagar

2003

Other Information

- Call No. : – 615.842 P03
- Acc. No. : – 3214
- Size :– 22 cm.
- Pages :– 12 + 360p.

मुख्यपृष्ठ–2

NATIONAL SEMINAR ON CINEMA IN THE AGE OF NEW MEDIA

held at Kolkata

from 12–13 Jannuary 2006

Satyajit Ray Film and Television Institute

Kolkata

2006

Other Information

- Call No. : – 791.43 P06
- Acc. No. : – 9216
- Size :– 24 cm.
- Pages :– 8 + 310p.

मुख्यपृष्ठ–3

ANCIENT ARCHITECTURE
Twenty Fifth Annual Conference of the Society of
Architectural Historians, India
held at Jaipur
from 10–12 January 2006

Edited by
Prof. N. T. Chaturvedi

Indian Society for Architectural Historians
New Delhi,
2006

Other Information

- Call No. : – 720.214 P06
- Acc. No. : – 3324
- Size :– 24 cm.
- Pages :– 16 + 240p.

मुख्यपृष्ठ–4

ALGEBRA STRUCTURES AND APPLICATIONS
Proceedings of the first Western Australian
Conference on Algebra,
Australia, 1980

Edited by
Phillip Scgutz
Chery E. Pragaper

Marcel - Dekker
New York
1928

Other Information

- Call No. :– 512 N28
- Acc. No. :– 2368
- Size :– 22 cm.
- Pages :– 28 + 410p.

मुख्यपृष्ठ–5

DISTANCE EDUCATION FOR 21ST CENTURY

16th World Conference of the International Council for Distence Education,

Thailand 1992

Edited by

Bruce Scriven
Roy Lundin
and
Yoni Ryan

I C D E
Norway
1993

Other Information

- Call No. :– 378.03 N93
- Acc. No. :– 44256
- Size :– 22 cm.
- Pages :– 16 + 310p.

मुख्यपृष्ठ–6

SIXTH INTERNATIONAL CONFERENCE ON PURE AND APPLIEDMATHEMATICS,

Kanchipuram, 2010

Tata Institute of Fundamental Research.
Mumbai
2010

Other Information

- Call No. :– 510 P10
- Acc. No. :– 9216
- Size :– 22 cm.
- Page

मुख्यपृष्ठ–7

WORLD CANCER CONGRESS

held at All India Institute of Medical Science, New Delhi

from 16-18 March, 1996.

Goodwill Publishing House

New Delhi,

1996.

Other Information

- Call No. :– 616.994 P10
- Acc. No. :– 5313
- Size :– 22 cm.
- Pages :– 28 + 310p.

मुख्यपृष्ठ–8

WORLD CONGRESS ON GYNECOLOGY AND OBSTETRICS

20-21 January 2016 at Institute of Medical Science

University of Toranto

Thompson Educational Publishing House

Toranto, Canada., 2016

Other Information

- Call No. :– 618.1 P16
- Acc. No. :– 9216
- Size :– 20 cm.

मुख्यपृष्ठ–9

ANCIENT ARCHITECTURE
Twenty Fourth Conference of the Society of Architectural Historians,
India.
10-14 January 2010.

Edited by
Prof. R.K. Dwivedi
Prof. R.R. Yadav

Indian Society for Architectural Historians
New Delhi,
2010.

Other Information

- Call No. :– 720.214 P10
- Acc. No. :– 34216
- Size :– 22 cm.
- Pages :– 18 + 310p.

मुख्यपृष्ठ–10

ALGEBRA STRUCTURES AND APPLICATIONS
Proceedings of the First Western Australian Conference on Alzebra,
Australia, 1980

Edited by
Philip Norvey
Chery Peter
and
Rosa Philip

Marcel - Dekkar
New York
1982

Other Information

- Call No. :– 512 N82
- Acc. No. :– 2346
- Size :– 22 cm.
- Pages :– 15 + 250p.

8.8 सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. Joint Steering Committee for revision of A.A.C.R. : Anglo American Cataloguing Rules. 2nd ed. 1998. Edited by Michael Gorman and Paul W. Winkler, Canadian Library Association, 1988
2. Krishna Kumar, Introduction to A.A.C.R.-2, Delhi, Vikas Publishing House, 1986
3. Krishna Kumar, An Introduction to Cataloging Practice, Delhi, Vikas Publishing House, 1986
4. सूद, एस0 पी0, क्रियात्मक सूचीकरण : ए0ए0सी0आर0–2, जयपुर, राज पब्लिशिंग हाउस, 2002
5. गौतम, जे0 एन0, प्रैक्टिकल मैनुअल ऑफ ए0ए0सी0आर0–2, आगरा, एसोशियेटेड पब्लिशिंग हाउस, 2011

इकाई 9. सामान्य सावधिक प्रकाशनों का सूचीकरण (CATALOGUING OF SIMPLE PERIODICAL PUBLICATIONS)

इकाई की रूपरेखा

9.1 प्रस्तावना

9.2 उद्देश्य

9.3 सावधिक प्रकाशनों से तात्पर्य

9.4 मुख्य संलेख की संरचना

9.5 इतर संलेखों की संरचना

9.6 सूचीकृत उदाहरण

9.7 अभ्यास हेतु मुखपृष्ठ

9.8 सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

9.1 प्रस्तावना

सावधिक प्रकाशन से तात्पर्य ऐसे प्रकाशन से हैं जो नियमित रूप से, निश्चित समय अन्तराल पर, विशिष्ट अंक संख्या सहित क्रमिक रूप से प्रकाशित होता है। आधुनिक युग में दिन प्रतिदिन के अनुसन्धानों से सम्बन्धित सूचना–सामग्री प्रायः सावधिक (Periodicats) तथा क्रमिक प्रकाशनों (Serials) में शीघ्रता से प्रकाशित होती है।

9.2 उद्देश्य

इस इकाई के निम्नलिखित उद्देश्य है–

1. शिक्षार्थियों को सावधिक प्रकाशन का अर्थ समझाना एवं उसे परिभाषित करना।
2. ए0ए0सी0आर0–2 संशोधित के अनुसार सावधिक प्रकाशन के मुख्य संलेख एवं इतर संलेखों की संरचना से शिक्षार्थियों को परिचित कराना।
3. सावधिक प्रकाशनों के सूचीकरण में आने वाली जटिलताओं एवं उनके समाधान हेतु शिक्षार्थियों को अवगत कराना।

9.3 सावधिक प्रकाशनों से तात्पर्य

क्रमिक रूप से प्रायः नियमित अवधि में विशिष्ट अंक संख्या सहित प्रकाशित किये जाने वाले एवं नियमित रूप से अनिश्चित काल तक चलने वाले प्रकाशन को सावधिक प्रकाशन कहते हैं। इसके प्रत्येक अंक में विभिन्न अंशकारों के अंशदान साधारणतया इसमें किसी एक विषय के विभागों तथा उपविभागों से सम्बन्धित सामग्री संग्रहीत होती है। सावधिक प्रकाशनों को निम्नवत परिभाषित किया जा सकता है–

A.A.C.R.2 R के अनुसार– ''एक क्रमिक जो अनिश्चित काल तथा नियमित अथवा निश्चित अन्तराल, सामान्यतया एक वर्ष में एक बार या एक से अधिक बार के पश्चात प्रकाशित होता है। सामान्यतया इसके प्रत्येक अंक में पृथक–पृथक लेख, कहानियाँ अथवा अन्य रचनायें दी हुई होती हैं।''

क्लासीफाइड कैडलाग कोड के अनुसार– ''ऐसे सावधिक प्रकाशन को सामयिकी कहा जाता है। जिसका प्रत्येक खण्ड सामान्यतया दो या अधिक व्यक्तिगत लेखों के स्वतंत्र अंशदानों का बना हो, जिसमें सामान्यतया उसके क्रमिक खण्डों में विशिष्ट विषय और अंशदान देने वाले लेखक भी भिन्न हों, परन्तु सभी विषय ज्ञान के क्षेत्र के अन्तर्गत आते हैं। यह अधिकतर पूर्ण खण्ड के रूप में प्रकाशित नहीं होता बल्कि यह आंशिक अथवा अंकों में प्रकाशित होता है।''

9.4 मुख्य संलेख की संरचना

एंग्लो अमेरिकन कैटालागिंग रूल्स–2 संशोधित के नियम संख्या 12 के अन्तर्गत सावधिक प्रकाशनों के मुख्य संलेख के निर्माण के सम्बन्ध में उल्लेख हैं। सावधिक प्रकाशन के प्रसूचीकरण हेतु मुख्य संलेख (Main Entry) में निम्नलिखित अनुच्छेदों का उल्लेख हैः

1. **वर्ग संख्या अनुच्छेद (Class Number Section):–** इस अनुच्छेद को बाँये हाशियें में अग्र रेखा के ऊपर ग्रन्थ के मुख्य संलेख की भाँति ही अंकित किया जाता है।

Class No:– 350

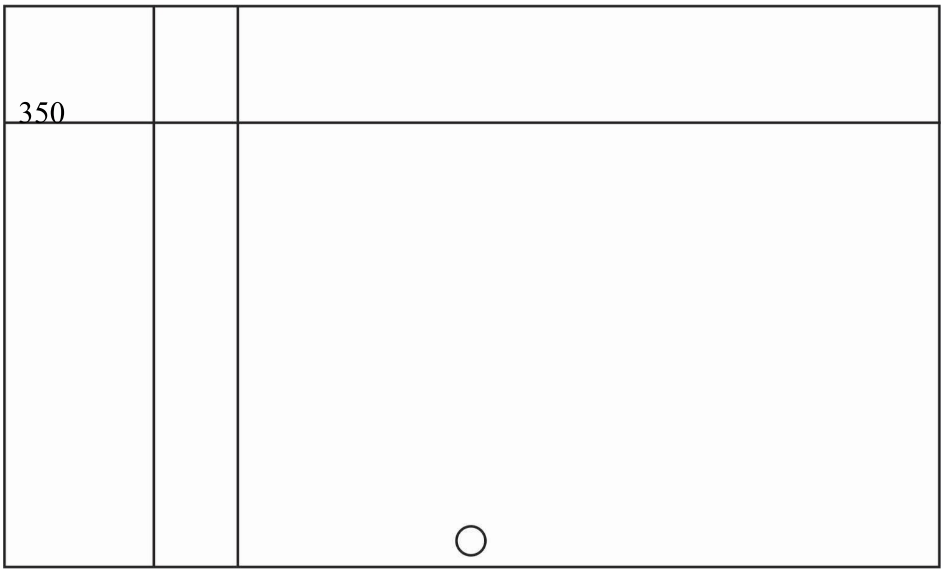

2. **आख्या एवं दायित्व कथन अनुच्छेद (Title and Statement of Responsibility Section) :–** सावधिक प्रकाशनों के शीर्षक (Headings) का निर्माण उसके नाम से किया जाता है। ऐसी स्थिति में अग्र रेखा पर प्रथम उर्ध्वरेखा से यह अनुच्छेद प्रारम्भ होता है। सर्वप्रथम (Title) उसके पश्चात उत्तरदायित्व से सम्बन्धित व्यक्तियों अथवा निकायों को उपकल्पित किया जाता है।

उदाहरणार्थ :–

Quarterly Journal of Public Administration Sponsored By Indian Institute of Public Administration.

350	Quarterly journal of Public Administration/Sponsored by	
		Indian Institute of Public Administration.
		○

नियमानुसार दायित्व कथन क्षेत्र में सावधिक प्रकाशन के सम्पादक का विवरण नहीं दिया जाता है। परन्तु यदि सम्पादक का विवरण दिया जाना सूचीकार द्वारा आवश्यक समझा जाता है तो नियमानुसार उसे टिप्पणी अनुच्छेद (Note Section) में अंकित करते हैं।

3. **संस्करण अनुच्छेद (Edition Section):**–आख्या एवं दायित्व कथन विवरण के पश्चात Space dot dash space (·–) लगाकर संस्करण विवरण अंकित करते हैं। सामान्यतः सावधिक प्रकाशनों में संस्करण विवरण बहुत कम देखने को मिलता है।

4. आंकिक और/अथवा आनुवर्णिक, कालानुक्रम अन्य पदनाम अनुच्छेद (Numeric and/or Alphabetic, Chronological or other designation Section) संस्करण अनुच्छेद के पश्चात् (·–) डाट डैश लगाने के बाद सावधिक प्रकाशन के इस अनुच्छेद में विभिन्न सूचनाओं को नियम संख्या 12.3G1 के अनुसार निम्न प्रकार से अंकन किया जाता है:–

350		Quarterly journal of Public Administration/Sponsored by Indian Institute of Public Administration·– Vol. 1, no. 1 (Jan 1980)– V.11, no. 12 (Dec. 1990)
		○

5. **प्रकाशन वितरण अनुच्छेद (Publication Distribution Section):–**अनुच्छेद 4 के पश्चात् (·–) डाट डैश लगाकर प्रकाशन स्थल का नाम : (कोलन) प्रकाशक/वितरक का नाम,(कामा) प्रथम प्रकाशन वर्ष का उल्लेख करते है। परन्तु यदि सावधिक प्रकाशन का मुद्रण बन्द हो चुका हो तो ऐसी स्थिति में प्रारम्भ होने का वर्ष – (डैश) बन्द होने का वर्ष दोनों का उल्लेख करेंगें।

उदाहरणार्थः–

350		Quarterly journal of Public Administration/Sponsored by Indian Institute of Public Administration·–Vol. 1, no. 1 (Jan 1980)– V.11, no. 12 (Dec. 1990)·–New Delhi : Neha Publishers, 1980–1990
		○

ध्यान देने योग्य बात है कि ए0ए0सी0आर0–2 संशोधित के नियमानुसार जब शीर्षक (Heading) Title से बनती है तो Publication Distribution Area तक यानी दूसरा, तीसरा, चौथा एवं पाँचवा अनुच्छेद की निरंतरता 2nd Indention से ही होगी तथा एक अनुच्छेद से दूसरे अनुच्छेद को अलग करने के लिए विभाजक के रूप में (·–) डाट डैश का प्रयोग होता है।

6. **भौतिक विवरण अनुच्छेद (Physical Description on Section):**–प्रकाशन वितरण अनुच्छेद की समाप्ति के पश्चात् अगली पंक्ति पर द्वितीय उर्ध्वरेखा (Second Indention) से यह अनुच्छेद प्रारम्भ होता है। सावधिक प्रकाशन के भौतिक स्वरूप से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार की सूचनाओं को निम्न प्रकार से इस अनुच्छेद में वर्णित करते हैः–

उदाहरणार्थ :–

(1) ••• v ; 20 cm. (सावधिक प्रकाशन का मुद्रण सत्त है)

(2) 11 v ; 20 cm. (सावधिक प्रकाशन का 11वें Volume के बाद मुद्रण बन्द) उपरोक्त दोनों उदाहरणों में ; (सेमीकोलन) के पश्चात् सावधिक प्रकाशन की Size का उल्लेख है।

7. **ग्रन्थमाला अनुच्छेद (Series Section):**–भौतिक वितरण अनुच्छेद के पश्चात् (·–) डाट, डैश लगाकर यह अनुच्छेद गोल कोष्ठक के अन्तर्गत पुस्तक के समान ही लिखा जाता है। सामान्यतया सावधिक प्रकाशनों में ग्रन्थमाला का उल्लेख कम ही देखने को मिलताह है।

उदाहरणार्थ :–

(Public Administration Paperback Book Series ; no. 13)

8. **टिप्पणी अनुच्छेद (Note Section):**–नियमानुसार निम्न प्रकार की सूचनायें जो पाठक की दृष्टि से महत्वपूर्ण होती है, उन्हें टिप्पणी अनुच्छेद में अंकित किया जाता हैः–

उदाहरणार्थ :–

A. आवधिक टिप्पणी (Ferequency Note)

उदाहरणार्थ :–

Monthly, Biomonthly, Quarterly, Half yearly, Irregular.

B. भाषा टिप्पणी (Language Note)

उदाहरणार्थ :–

- Text in German and English.
- Text in Hindi and English.

C. विशिष्ट आख्या का श्रोत (Source of Title Proper)

उदाहरणार्थ :–

- Title from Cover.
- Title form Caption
- Title from Editonal Pages.

D. अनुपलब्धता टिप्पणी (Non-Availablity note)

उदाहरणार्थ :–

- Library set Lacks Vol. 4 and 6.
- Library has Vol. 12-14 only.

E. अन्य प्रकाशनों के साथ सम्बन्ध टिप्पणी (Relationship with other Periodical Note)

E. 1.1- निरंतरता हेतु (For Continuation)

उदाहरण :–

- Continues : Quarterly Journal of Botany.

E.- 1.2- निरंतरता द्वारा (Continuation)

उदाहरण :–

- Continues by : Journal of Botany

E. 2- विलय (Merger)

उदाहरण :–

E.2.1- Merged with : Annals of Library Science, Faces of Library Science, New Trends in Library Science

E. 2.2- Merger of : Annals of Library Science, Faces of Library Science and New Trends in Library Science.

E. 3- विभाजन (Split)

यदि कोई सावधिक प्रकाशन दो या दो से अधिक भागों में विभाजित होता है तो टिप्पणी क्षेत्र में उसका उल्लेख निम्नवत् करते है:–

Split into : Journal of Radio Engineering and journal of T V Engineering.

जब इन दोनों सावधिक प्रकाशनों का अलग–अलग मुख्य संलेख बनायेंगे तो टिप्पणी क्षेत्र में निम्नवत् लिखेंगें।

उदाहरणार्थ :–

Seperated From : Journal of Radio and TV Engineering.

E. 4- शीर्षक परिवर्तन टिप्पणी (Change of Title Note)

जब कोई सावधिक प्रकाशन एक नाम से कुछ वर्ष प्रकाशित होने के पश्चात् नये नाम से प्रकाशित होने लगता है, तो पुराने नाम के मुख्य संलेख के टिप्पणी अनुच्छेद में नये नाम का उल्लेख निम्न प्रकार से करते हैं:–

उदाहरणार्थ :–

Continued by : Journal of Biochemistry.

नये नाम के सावधिक प्रकाशन के टिप्पणी अनुच्छेद में सावधिक प्रकाशन के पुराने नाम का उल्लेख निम्नवत् किया जायेगा।

Continues : Biochemistry Bulletin.

9. **अन्तर्राष्ट्रीय मानक क्रमिक संख्या अनुच्छेद (International Standard Serial Number Section):**–टिप्पणी अनुच्छेद के पश्चात् अगली पंक्ति पर द्वितीय उर्ध्व रेखा से (ISSN) अनुच्छेद का उल्लेख निम्नवत् जाता है:–
उदाहरणार्थ :–
ISSN : 2049 – 3630

10. **संकेत अनुच्छेद (Tracing Section):**–इतर संलेखों हेतु आवश्यकतानुसार ग्रन्थ के इतर संलेखों की भाँति की पदों (Terms) का अंकन किया जाता है।
शिक्षार्थियों की सुविधा की दृष्टि से उपरोक्त समस्त अनुच्छेदों का वर्णन निम्नवत् सूचीपत्रक पर और अधिक स्पष्टता के साथ प्रस्तुत है।

मुख्य संलेख (Main Entry)

Class No. Area	Title/	Statement of Responsibility Area·—Edition·—Numeric
		and/or alphabetic Chronological or other Designation Area·— Publication Distribution Area. Physical Description·— (Series Area) Note Area. ISSN Area. Tracing.

9.5 इतर संलेखों की संरचना

एंग्लों अमेरिकन कैटालागिंग रूल्स–2 संशोधित में आधार पत्रक प्रणाली (Unit Card System) को धारित किया गया है। इसलिए इसके इतर संलेख को मुख्य संलेख की छायाकृति ही माना जा सकता है। ग्रन्थों के लिए इतर संलेखों की भाँति सावधिक प्रकाशनों के इतर संलेखों में भी मुख्य संलेख (Main Entry) के दो अनुच्छेदों वर्ग अंक अनुच्छेद (Class Number Section) एवं शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section) में दी गई सूचना को ज्यों का त्यों लिखा जाता है तथा अग्र रेखा के नीचे द्वितीय उर्ध्व रेखा से निर्देश सूचक पद (Directing Term) - Rest as in the main Entry सभी इतर संलेखों में अंकित किया जाता है। संकेत अनुच्छेद (Tracing Section) में दी हुई सूचनाओं के लिए जिन इतर संलेखों का निर्माण किया जाना है उन्हें शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section) के ऊपर द्वितीय उर्ध्व रेखा (Second Indention) से प्रारम्भ करते हैं। जैसे–

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

		PUBLIC ADMINISTRATION-PERIODICAL
350	Journal of Public Administration.	
		Rest as in the main Entry.
		○

प्रायोजक इतर संलेख (Sponser Added Entry)

		Indian Institute of Public Administration.
350	Journal of Public Administration.	
		Rest as in the main Entry.

9.6 सूचीकृत उदाहरण

उदाहरण–1

INDIAN JOURNAL OF BIOCHEMISTRY AND BIOPHYSICS
Sponsored by National Institute of Science Communications and Information Resources
Vol. 1, No. June 1964

Editor
Dr. N. K. Prashanna
New Delhi

National Institute of Science Communication and Infromation Resources
1964

Other Information

- Class No. :– 574.192
- Size :– 24 cm.
- Note :–
  - First Published – 1964
  - Frequency – Biomonthly
  - Library has full set of journal except Vol. 11 and 12
  - One Volume Completed in one non calander year.

- N.K. Prashanna edited this journal from its beginning.

मुख्य संलेख (Main Entry)

574.192	Indian	journal of Biochemistry and Biophysics/sponsored. by National Institute of Science Communication and Information Resources·– Vol. 1, no. 1 (June 1964)·–New Delhi : National Institute of Science Communication and Information Resources, 1964– ••• v ; 24 cm. Biomonthly Editor : N. K. Prashanna Library set Lacks v. 11–12 1. Biochemistry. 2. Biophysics I National Institute of Science Communication and Information Resources. II Prashnna, N. K.

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry) I

		BIOCHEMISTRY
574.192	Indian	journal of Biochemistry and Biophysics Rest as in the main Entry.

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry) II

		BIOPHYSICS
574.192	Indian journal of Biochemistry and Biophysics	
		Rest as in the main Entry.
		○

प्रायोजक इतर संलेख (Sponsor Added Entry) I

		National Institute of Science Communicatino and Information Resources.
574.192	Indian journal of Biochemistry and Biophysics.	
		Rest as in the main Entry.
		○

सम्पादक इतर संलेख (Editor Added Entry)

		Prashnna, N. K.
574.192	Indian journal of Biochemistry and Biophysics	
		Rest as in the main Entry.

टिप्पड़ी–

1. शीर्षक (Heading) का निर्माण नियमानुसार आख्या (Title) के अन्तर्गत किया गया है।
2. Responsibility Area में Sponsoring Body का उल्लेख है।
3. नियम संख्या 12.3C4 के अनुसार संख्यात्मक एवं कालक्रम पद का उल्लेख है।
4. Journal चल रहा है अतः प्रकाशन वर्ष के पश्चात् – हाइफन का प्रयोग है।
5. भौतिक विवरण क्षेत्र में Journal चल रहा है अतः तीन अक्षर की जगह छोड़कर Small v का प्रयोग है।
6. संपादक Journal के प्रारम्भ से ही जुड़े हैं अतः नियमानुसार उन्हें टिप्पणी (Note) अनुच्छेद में उल्लिखित किया गया है।
7. Journal की Frequency Biomonthly को नियमानुसार टिप्पणी अनुच्छेद में अंकित किया गया है।
8. अनुपलब्ध खण्डों की सूचना को भी नियमानुसार टिप्पणी अनुच्छेद (Note Section) में अंकित किया गया है।
9. नियमानुसार अन्य इतर संलेखों का निर्माण किया गया है।

उदाहरण–2

(सावधिक प्रकाशन – प्रायोजक निकाय का नाम सावधिक प्रकाशन की आख्या के साथ संलग्न)

Journal of
INDIAN MEDICAL ASSOCIATON

Vol. 10, No. 1 Jan. – March 2010

Published by
Indian Medical Association
New Delhi, 2001

Other Information

- Class No. :– 610
- Size :– 22 cm.
- Note :– 1. Frequenc is Quarterly
  2. Library does not have Vol. 13 and 15
  3. Periodical stopped Publication in the year 2016
  4. First Published in the year 2001

मुख्य संलेख (Main Entry)

610	Journal of Indian Medical Association·– Vol. 1,	
		no. 1 (Jan. 2001)– V.16 (2016)·–New Delhi : Indian Medical Association, 2001– 2016. 16v. ; 22 cm. Quarterly Library set lacks vol. 13 and 15 1. Medical Sciences. I Indian Medical Association. ○

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

		MEDICAL SCIENCES.
610	Journal of Indian Medical Association.	
		Rest as in the main Entry.
		○

प्रायोजक इतर संलेख (Sponsor Added Entry)

		Indian Medical Association
610	Journal of Indian Medical Association.	
		Rest as in the main Entry.
		○

टिप्पड़ी–

1. सावधिक प्रकाशन प्रारम्भ होने एवं बन्द होने का वर्ष एवं खण्ड संख्या दोनों का उल्लेख नियमानुसार संख्यात्मक एवं कालक्रम अनुच्छेद में किया गया है।

2. सावधिक प्रकाशन प्रारम्भ होने का वर्ष – (हाइफन) बन्द होने का वर्ष दोनों का ही उल्लेख प्रकाशन वितरण अनुच्छेद में किया गया है।

3. भौतिक विवरण अनुच्छेद (Physical Description Area) में सावधिक प्रकाशन बन्द होने के खण्ड संख्या का उल्लेख किया गया है।

4. नियमानुसार अन्य इतर संलेखों का निर्माण किया गया है।

उदाहरण–3

(आवधिकता युक्त सावधिक प्रकाशन)

QUARTERLY JOURNAL OF INORGANIC CHEMISTRY

(Sponsored by Indian Chemical Society)

Vol. 13, No. 2 June –1963

Indian Chemical Society

New Delhi,

1951

Other Information

- Class No. :– 546 N51
- Size :– 22 cm.
- Note :– 1. First Published – 1951
  2. Completes one volume in one Calander year.
  3. Library has vol. 6 onwards.

मुख्य संलेख **(Main Entry)**

546 Quarterly Journal of Inorganic
Chemistry/Sponsored by Indian
Chemical Society·– vol. 13, no. 1 (June
1963)–·–New Delhi : Indian Chemical
Society, 1951–Medical
Association, 2001– 2016.
•••v. ; 22 cm.
Library set lacks vol. 1 – 5

1. Inorganic Chemistry. I Indian Chemical Society.

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

546		INORGANIC CHEMISTRY. Quarterly Journal of Inorganic Chemistry.
		Rest as in the main Entry. ○

प्रायोजक इतर संलेख (Sponsor Added Entry)

546		Indian Chemical Society. Quarterly Journal of Inorganic Chemistry.
		Rest as in the main Entry. ○

टिप्पणी–

1. Journal के नाम से आवधिकता (Periodicity) को बोध स्पष्ट हो रहा है। अतः टिप्पणी अनुच्छेद में Frequency Note का उल्लेख नियमानुसार नहीं हुआ है।
2. अन्य इतर संलेखों का निर्माण नियमानुसार किया गया है।

उदाहरण–4

(प्रायोजक निकाय का नाम सावधिक प्रकाशन के साथ संलग्न नहीं)

JOURNAL OF COLD - BLOODED VERTEBRATES

Vol. 12, Number 1962

New Delhi

Zoological Society of India

1951

Other Information

- Class No. :– 597 N51
- Size :– 24 cm.
- Note :– 1. It is Quarterly Journal started in 1951
2. Library has volume 3 onwards.

मुख्य संलेख (Main Entry)

597	Journal	of Cold - Blooded
	India.	Vertebrates/Zoological Society of India·– vol.1, no.1 (1951)–·–New Delhi : Zoological Society of India, 1951– •••v. ; 24 cm. Quarterly Library set lacks vol. 1– 2 1. Cold-Blooded Vertibrates. I Zoological Society of

विषय इतर संलेख (Subject Added Entry)

		COLD-BLOODED VERTIBRATES.
597	Journal of Cold - Blooded Vertebrates.	
		Rest as in the main Entry.

प्रायोजक इतर संलेख (Sponsor Added Entry)

		Zoological Society of India.
597	Journal of Cold - Blooded Vertebrates.	
		Rest as in the main Entry.

टिप्पणी–

1. सावधिक प्रकाशन के दायित्व कथन का उल्लेख नियम संख्या 12.1B एवं 12.F1 के अनुसार किया गया है।
2. अन्य इतर संलेख नियमानुसार बनाये गए हैं।

9.7 अभ्यास हेतु मुखपृष्ठ

मुखपृष्ठ–1

ASIAN JOURNAL OF HORTICULTURE

Vol. 1 No. 1 June 1964

Hind Agricultural Research and Training Institute

Indore

Other Information

- Class No. :– 635
- First Issue Published :– 2007
- Frequency :– Quartely
- Holding :– Library has all the Volumes.

मुखपृष्ठ–2

INDIAN JOURNAL OF ANIMAL SCIENCES

Vol.13 January 1983

Indian Council for Agricultureal Research

New Delhi

Other Information-

- Class No. :– 591
- First Issue Published :– 1971
- Frequency :– Monthly
- Holding :– Library has all the Volumes

मुखपृष्ठ–3

JOURNAL OF PUBLIC ADMINISTRATION

Vol.56 Number 1 2005

Sponsored by

Indian Institute of Public Administration, New Delhi

Caxton Press,

New Delhi

Other Information

- Class No. :– 350
- First Issue Published :– 1950
- Frequency :– Quarterly

मुखपृष्ठ–4

INDIAN JOURNAL OF PURE AND APPLIED PHYSICS

Vol.23 Number 1 2002

National Institute of Science Communications

and Information Resources.

New Delhi

Other Information

- Class No. :– 530
- First Issue Published :– 1980
- Frequency :– 4/year
- Library has all volumes 10 onwards.
- Note :– Periodical completes one vol. in one Non calander year.

मुखपृष्ठ–5

Journal of Palentological Society of India

Vol.21 Issue 4 November 1961

Sophia - Publishers

Lucknow

Other Information

- Class No. : – 560
- First Issue Published :– 1941
- Frequency : – Bio-Monthly
- Library has all volumes except vol. 10 and 13.

मुखपृष्ठ–6

NATIONAL MEDICAL JOURNAL OF INDIA

Vol.18 Issue 10 October 1998

Editor

Padmshri Prof. Raj Baweja

All India Institute of Medical Sciences

New Delhi

Other Information

- Class No. : – 610
- First Issue Published :– 1981
- Library has volumes 8 onwards.
- Note :– Editor is associated with the journal from its beginning.

9.10 सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. Joint Steering Committee for revision of A.A.C.R. : Anglo American Cataloguing Rules. 2nd ed. 1998. Edited by Michael Gorman and Paul W. Winkler, Canadian Library Association, 1988
2. Krishna Kumar, Introduction to A.A.C.R.-2, Delhi, Vikas Publishing House, 1986
3. Krishna Kumar, An Introduction to Cataloging Practice, Delhi, Vikas Publishing House, 1986
4. सूद, एस0 पी0, क्रियात्मक सूचीकरण : ए0ए0सी0आर0–2, जयपुर, राज पब्लिशिंग हाउस, 2002
5. गौतम, जे0 एन0, प्रैक्टिकल मैनुअल ऑफ ए0ए0सी0आर0–2, आगरा, एसोशियेटेड पब्लिशिंग हाउस, 2011

तृतीय खण्ड (Block-3)

क्लासीफाइड कैटलाग कोड द्वारा सूचीकरण

भाग-1

इकाई 10. क्लासीफाइड कैटलाग कोड का परिचय, संलेखों के प्रकार एवं संरचना (INTRODUCTION TO CLASSIFIED CATALOGUE COED, TYPES OF ENTRIES AND THEIR STRUCTURE)

इकाई की रूपरेखा

10.1 प्रस्तावना

10.2 उद्देश्य

10.3 क्लासीफाइड कैटलाग कोड का परिचय

10.4 संलेखों के प्रकार

10.5 संलेखों की संरचना

10.5.1 मुख्य संलेख

10.5.2 इतर संलेख

9.6 सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

10.1 प्रस्तावना

ग्रन्थालय में नवीन विषयों पर प्रकाशित पाठ्य–सामग्री को क्रय एवं संग्रह करना जितना आवश्यक है, उससे अधिक आवश्यकता ग्रन्थालय में संग्रहीत पाठ्य–सामग्री को पाठकों, अध्येताओं, शोधार्थियों को उनके उद्देश्यों की पूर्ति हेतु अतिशीघ्र वांछित ग्रन्थ उपलब्ध कराना है। ग्रन्थालय में संग्रहीत पाठ्य–सामग्री को पाठकों एवं अध्येताओं के मध्य अधिकाधिक उपयोग तथा डॉ. रंगनाथन के पंचसूत्रों की पूर्ति तथा ग्रन्थालय की उपयोगिता में अभिवृद्धि के लिए पुस्तकालय में विभिन्न प्रक्रियाओं (Processes) को अपनाया जाता है, जिनमें से प्रसूची (Catalogue) एक महत्वपूर्ण उपकरण है। प्रसूची ग्रन्थालय का वह दर्पण है जिसके द्वारा ग्रन्थालय में संग्रहीत पाठ्यसामग्री की सूचना पाठकों को उनकी आवश्यकतानुसार सुलभ होती है।

10.2 उद्देश्य

इस इकाई के निम्नलिखित उद्देश्य है–

1. क्लासीफाइड कैटलाग कोड (Classified Catalogue Code) के ऐतिहासिक विकास क्रम से परिचित कराना।
2. क्लासीफाइड कैटलाग कोड के विभिन्न संलेखों (Entries) की संरचना से अवगत कराना।
3. सूचीकृत उदाहरण के माध्यम से क्लासीफाइड कैटलाग कोड के अनुसार विभिन्न संलेखों से शिक्षार्थियों को अवगत कराना।

10.3 क्लासीफाइड कैटलाग कोड का परिचय

क्लासीफाइड कैटलाग कोड की संरचना डॉ. एस0 आर0 रंगनाथन के द्वारा की गई है। यदि इसके ऐतिहासिक विकास की ओर दृष्टि डालें तो वो निम्नवत् हैः–

वर्ष 1934 :– इसका प्रथम संस्करण मद्रास लाइब्रेरी एसोशियेसन द्वारा प्रकाशित किया गया। यह कोड उस समय चार खण्डों में था।

वर्ष 1938 :– इस वर्ष इस संहिता का प्रकाशन प्रसूचीकरण के उपसूत्रों के अनुप्रयोग सहित प्रकाशित हुआ। वर्ग संख्या (Class Number) से 'वर्ग निर्देशि–प्रविष्टि' (Class Index Entry) बनाने हेतु 'श्रंखला प्रक्रिया' (Chain Procedure) का अन्वेषण इसी समय हुआ।

वर्ष 1951 :– इस वर्ष इस संहिता का तृतीय संस्करण प्रकाशित हुआ। इसमें संघ प्रसूची (Union Catalogue) अथवा सामयिकी प्रकाशन और सारांशीकरण सामयकियों

(Abstracting Periodical) के नियमों को सम्मिलित किया गया। इस संस्करण में विभिन्न भारतीय भाषाओं में प्रसूचीकरण पदों के लिए हिन्दी–अंग्रेजी शब्दावली भी उद्घृत की गई है।

वर्ष 1955 :– इस पद्धति का चतुर्थ संस्करण प्रकाशित हुआ। इसमें राष्ट्रीय वाङ्मय सूची (National Bibliography) निर्मित करने हेतु आवश्यक नियमों का समावेश किया गया। इसी संस्करण में शीर्षक लेखन (Heading Writing) तथा वर्णानुक्रम (Alphabetisation) के नियमों में भी आवश्यकतानुसार संशोधन किये गए।

वर्ष 1964 :– इस पद्धति का पंचम संस्करण प्रकाशित हुआ। इस संस्करण में 19 भाग (19 Parts) है। डॉ. रंगनाथन के अनुसार वर्गीकृत सूची (Classified Catalogue) से तात्पर्य ऐसी सूची से है जिसमें कुछ संलेख संख्या संलेख (Number Entries) तथा कुछ संलेख शब्द संलेख (Word Entries) होते हैं।

अतः वर्गीकृत सूची (Classified Catalogue) एक द्विभागीय सूची हैं। जो निम्नवत् है :–

(क) वर्गीकृत भाग (Classified Part)

(ख) अनुवर्ण भाग (Alphabetical Part)

वर्गीकृत भाग मुख्य भाग होता है। इसमें संलेख वर्गीकृत क्रम (Classified Order) से व्यवस्थित किये जाते हैं। अनुवर्ण भाग इसके पूरक (Supplement) के रूप में कार्य करता है जिसको अनुक्रमणिका (Index) की भी संज्ञा दे सकते हैं। इसमें संलेखों का व्यवस्थापन अनुवर्ण क्रम (Alphabetical) में किया जाता है। इसका उपयोग मुख्य भाग (Classified Part) से वांछित सूचना प्राप्त करने के लिए भी किया जाता है।

10.4 संलेखों के प्रकार (Types of Entries)

क्लासीफाइड कैटलाग कोड के अनुसार निम्न प्रकार के संलेख (Entries) निर्मित किये जाते है जो कि निम्न तालिका से अधिक स्पष्ट हो रहा है।

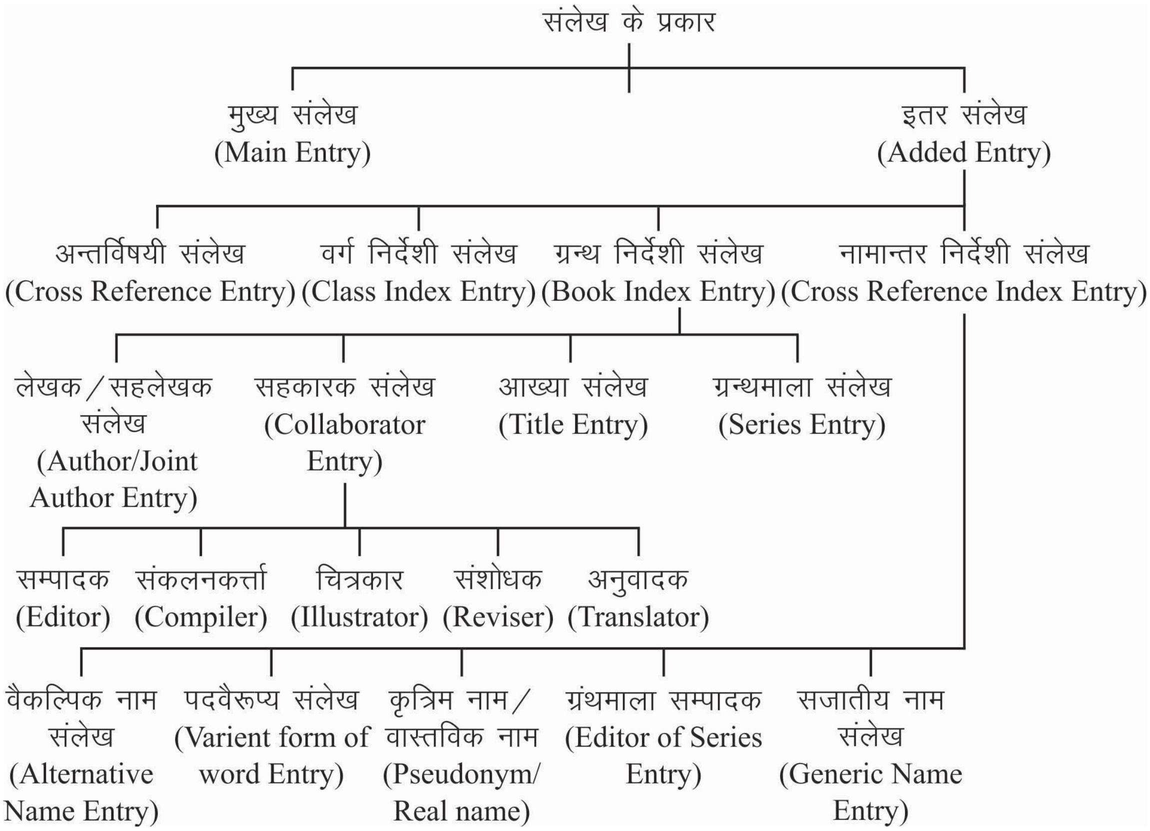

10.5 संलेखों की संरचना

क्लासीफाइड कैटलाग कोड में ऊपर वर्णित प्रकार के संलेख होते हैं। इन संलेखों का अलग–अलग विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से है :–

10.5.1 मुख्य संलेख (Main Entry)

जैसा की मुख्य संलेख नाम से ही प्रकट होता है, पुस्तक से सम्बन्धित सभी प्रकार की महत्वपूर्ण सूचनायें इस संलेख में अंकित की जाती है।

डॉ0 रंगनाथन के अनुसार– ''वह विशिष्ट संलेख जो पूरे ग्रन्थ के सम्बन्ध में अधिकतम सूचना प्रदान करता है, मुख्य संलेख (Main Entry) के नाम से जाना जाता है। ग्रन्थ से सम्बन्धित अन्य सभी इतर संलेख (Added Entry) सामान्यतया मुख्य संलेख से ही व्युत्पन्न (Derived) होते हैं।

क्लासीफाइड कैटलाग कोड के मुख्य संलेख में निम्न अनुच्छेद होते हैं:–

1. अग्र अनुच्छेद (Leading Section)
2. शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section)
3. आख्या अनुच्छेद (Title Section)
4. टिप्पड़ी अनुच्छेद (Note Section)
5. परिग्रहण संख्या अनुच्छेद (Accession Number Section)
6. संकेत अनुच्छेद (Tracing Section)

उपरोक्त वर्णित अनुच्छेदों का विस्तृत विवरण निम्नवत् हैः–

1. **अग्र अनुच्छेद (Leading Section):–**मुख्य संलेख के इस प्रथम अनुच्छेद को सूची पत्रक के ऊपर अग्र रेखा (Leading Line) पर प्रथम उर्ध्व रेखा (First Indention) से प्रारम्भ करते हुए पहले वर्ग संख्या (Class Number) उसके पश्चात् दो अक्षरों का स्थान छोड़कर ग्रन्थ संख्या (Book Number) का उल्लेख करते हैं। इस अनुच्छेद में दी जाने वाली सूचना पेन्सिल से अंकित करते हैं।

उदाहरणार्थः–

	V44	N85
		○

2. **शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section):–** यह अनुच्छेद अग्र रेख (Leading Line) के पश्चात् अगली पंक्ति पर द्वितीय उर्ध्व रेखा (Second Indention) से लिख जाता है। इसमें पुस्तक के लेखन हेतु उत्तरदायी व्यक्ति के नाम का उल्लेख करते हैं। लेखक/सहकारक के नाम को तीन भागों में विभाजित किया जाता हैः–

(A) **प्रविष्टि पद (Entry Element):–** नाम का वह पद (Term) जिससे लेखक के जाति अथवा कुल का बोध होता है। दूसरे शब्दों में Sirname कह सकते है। सूची पत्रक पर द्वितीय उर्ध्व रेखा से इसे बड़े अक्षरों (Capital letters) में लिखा जाता है।

(B) **गौण पद (Secondary Element):–**इसमें लेखक/सहकारक के नाम का वह पद जो (Sirname) के पश्चात् बचता है उसे Forename कहते हैं। Forename को वृत्ताकार कोष्ठक (Circular Bracket) में अंकित करते हैं।

(C) **व्यष्टिकारक पद (Individualising Element):–**इसमें लेखक/सहकारक के जन्म–मृत्यु वर्ष का उल्लेख होता है। इसे अगले वृत्ताकार कोष्ठक में अंकित करते हैं।

उदाहरणार्थ :–

	V44	N85
		PANDEY (Ram Gopal) (1945–2015)

महत्वपूर्ण है कि यदि किसी ग्रन्थ में लेखक के स्थान पर कोई सहकारक है तो उसके नाम के पश्चात् ,(कामा) लगाकर उसका विवरणात्मक पद (Descriptive Term) लिखकर उसे रेखांकित करते हैं:–

उदाहरणार्थ :–

	V44	N85
		PANDEY (Ram Gopal) (1945–2015), Ed.

3. **आख्या अनुच्छेद (Title Section):–** शीर्षक अनुच्छेद की समाप्ति के पश्चात् अगली पंक्ति पर द्वितीय उर्ध्वरेखा (Second Indention) से यह अनुच्छेद लिखा जाता है। इस अनुच्छेद में तीन सूचनायें एक ही पैराग्राफ में लिखी जाती है।

(अ) **मुख्य आख्या (Main Title):–**क्लासीफाइड कैटलाग कोड के नियमानुसार यदि मुख्य आख्या के पूर्व A, An या The है तो सूचीपत्रक पर अंकित करते समय इसे हटा दिया जाता हैं। उप आख्या (Sub Title) मुख्य आख्या के पश्चात् : (कोलन) लगाकर अंकित किया जाता है।

(ब) **संस्करण विवरण (Edition Statement):–**मुख्य आख्या एवं उप आख्या के पश्चात् पूर्ण विराम का प्रयोग कर संस्करण विवरण निम्नवत् अंकित करते हैं:–

आख्या पृष्ठ पर	सूचीपत्रक पर अभिकल्पन
4th edition	Ed. 4
5th revised edition	Rev. ed. 5
New Edition	New ed.

(स) **सहकारक विवरण (Collaborator Statement):–**संस्करण विवरण के पश्चात् पूर्ण विराम लगाकर सहकारक (संपादक, अनुवादक, संशोधनकर्त्ता, संलकनकर्त्ता अथवा चित्रकार) के नाम का उल्लेख निम्नवत् करते हैं:–

	V44	N85
		PANDEY (Ram Gopal) (1945–2015), <u>Ed.</u> Indian History : Ancient to ModernTime. Ed. 4. Ed. by R. K. Dwivedi.

यदि दो सहकारक एक ही कोटि के हैं तो

उदाहरणार्थ –

Ed. by R. K. Dwivedi and S. R. Chopra.

- यदि दो से अधिक सहकारक एक ही कोटि के हैं तो पहले सहकारक का उल्लेख कर and others का उल्लेख करते हैं।

उदाहरणार्थ –

Ed. by R. K. Dwivedi and Others.

- यदि किसी ग्रन्थ में एक कोटि से अधिक कोटि के सहकारक है तो आख्या पृष्ठ पर जो सहकारक पहले आया है उसको पहले अंकित कर पूर्ण विराम लगाते हैं। तत्पश्चात् दूसरे सहकारक को भी अंकित करते हैं:–

उदाहरणार्थ :–

Ed. by R. K. Dwived and S. R. Chopra. Translated by Tripti Rathor.

	V44	N85
	R. K.	PANDEY (Ram Gopal) (1945–2015). Indian History : Ancient to Modern Time. Ed. 4. Ed. by Dwivedi. and S. R. Chopra. Tr. by Tripti Rathor. ○

ध्यातव्य है कि आख्या : उपआख्या . संस्करण विवरण . सहकारक विवरण ये तीनों सूचनायें द्वितीय उर्ध्वरेखा (Second Indention) से प्रारम्भ होकर वापसी प्रथम उर्ध्वरेखा (First Indention) से होगी। तीनों सूचनायें एक ही पैराग्राफ में अंकित की जायेंगी।

4. **टिप्पणी अनुच्छेद (Note Section):**–आख्या अनुच्छेद (Title Section) की समाप्ति के पश्चात् अगली पंक्ति पर द्वितीय उर्ध्व रेखा से यह अनुच्छेद अंकित किया जाता है।

क्लासीफाइड कोड के अनुसार टिप्पड़ी (Note) निम्न प्रकार की हो सकती हैं:–

(1) ग्रन्थमाला टिप्पड़ी (Series Note)

(2) बहुग्रन्थमाला टिप्पड़ी (Multiple Series Note)

(3) उद्गृहीत टिप्पड़ी (Extract Note)

(4) आख्या परिवर्तन टिप्पड़ी (Change of title Note)

(5) उद्ग्रहण टिप्पड़ी (Extraction Note)

(6) सम्बद्ध ग्रन्थ टिप्पड़ी (Associated Book Note)

सामान्यतया शिक्षार्थियों की दृष्टि से संलेख निर्माण में ग्रन्थमाला टिप्पड़ी (Series Note) का ही सर्वाधिक प्रयोग होता है।

ग्रन्थमाला टिप्पणी में तीन सूचनायें होती हैं:–

(अ) ग्रन्थमाला का नाम (Name of Series)

(ब) ग्रन्थमाला का सम्पादक (Editor of Series)

(स) ग्रन्थमाला की संख्या (Number of Series)

ग्रन्थमाला टिप्पणी को सूचीपत्रक पर निम्नवत् अंकित किया जाता है:–

उदाहरणार्थ :–

	V44	N85
		PANDEY (Ram Gopal) (1945–2015).
		Indian History : Ancient to Modern Time. Ed. 4. Ed
	by R. K. Dwivedi. and S. R. Chopra. Tr. by Tripti Rathor.	
		(New Book in History Series. Ed by Rita Verma and
	Sita Yadav. 9)	
		○

5. **परिग्रहण संख्या अनुच्छेद (Aeccession Nmnber Section):–**परिग्रहण संख्या सूची पत्रक के अन्तिम लाइन पर प्रथम उर्ध्व रेखा (First Indention) से प्रारम्भ कर लिखा जाता है।

उदाहरणार्थ :–

	V44	N85
		PANDEY (Ram Gopal) (1945–2015).
		Indian History : Ancient to Modern Time. Ed. 4. Ed
	by R. K. Dwivedi. and S. R. Chopra. Tr. by Tripti Rathor.	
		(New Book in History Series. Ed by Rita Verma and
	Sita Yadav. 9)	
	7212	○

6. **संकेत अनुच्छेद (Tracing Section):**–यह अनुच्छेद मुख्य संलेख सूची पत्रक (Main Entry Catalogue Card) के पश्च भाग (Back Portion) पर अंकित किया जाता है। मुख्य संलेख से सम्बन्धित इतर संलेखों (Added Entries) की सूचना इस अनुच्छेद में वर्णित की जाती है।

सर्वप्रथम जो चार प्रकार के इतर संलेख (Added Entry) का निर्माण किया जाता है उसके लिए सूचीपत्रक के पृष्ठ भाग को चार भागों में बाँट कर चारों प्रकार की इतर सूचनाओं (Added Information) के लिए नियत स्थान को काल्पनिक रूप से बनाया जाता है।

उदाहरणार्थ :–

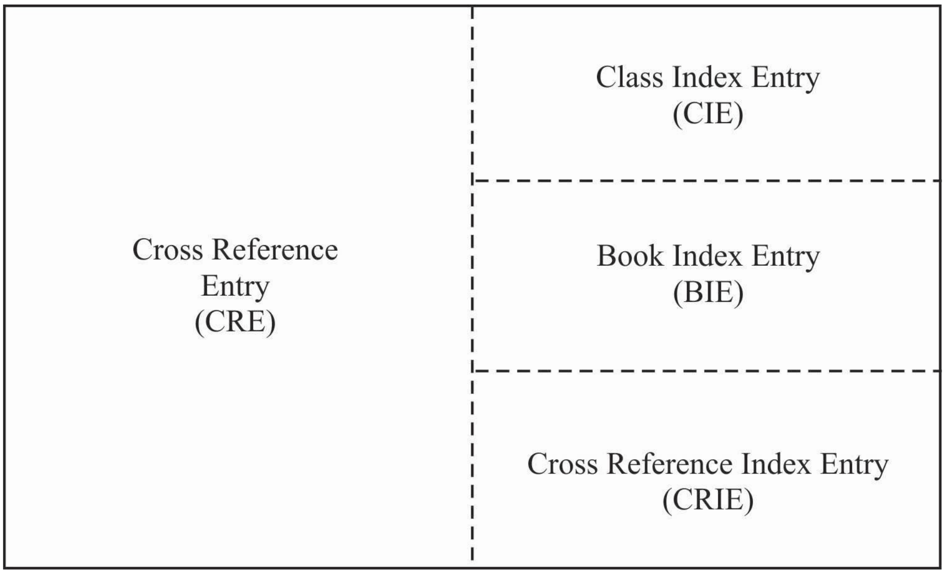

सतत् पत्रक (Continuation Card):–सूचीपत्रक पर संकेत अनुच्छेद (Tracing Section) की सूचना यदि एक कार्ड पर समाहित नहीं होती तो आवश्यकतानुसार नवीन सतत् सत्रक (Continuation Card) की आवश्यकता होती है। संकेत अनुच्छेद (Tracing Section) की अवशेष सूचना सतत् पत्रक के अग्र भाग पर निम्नवत् अंकित की जायेगी।

सतत् पत्रक (Continuation Card)

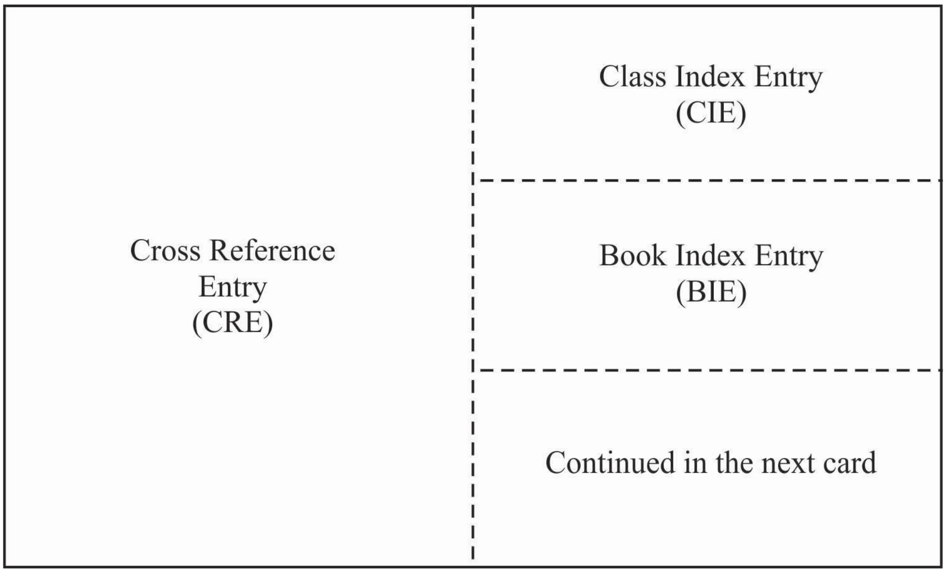

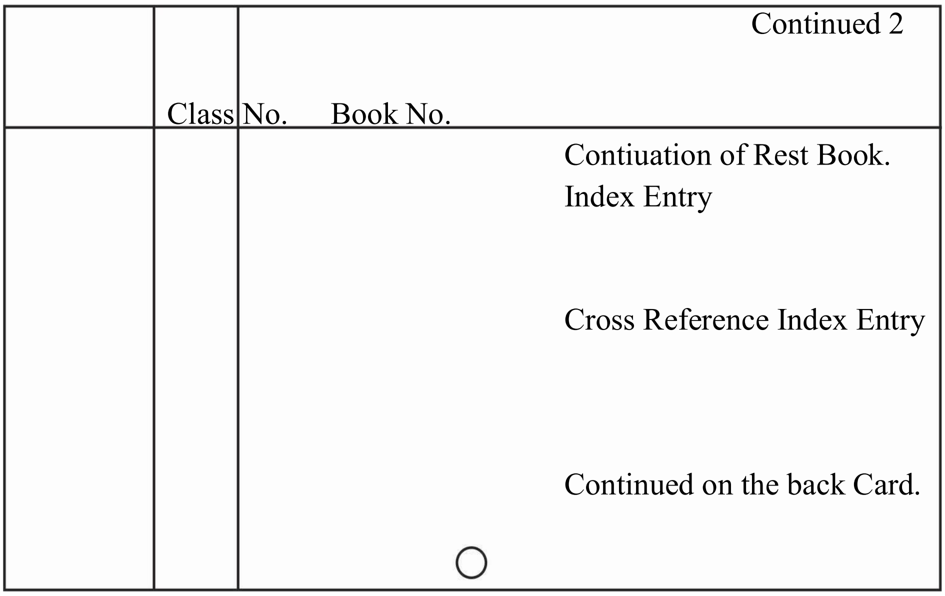

मुख्य संलेख (Main Entry): के समस्त अनुच्छेदों (Sections) को भली–भाँति निम्न उदाहरण के माध्यम से अधिक स्पष्टता के साथ समझा जा सकता है।

उदाहरण–

Principles of Electrical Engineering

By

William H. Timble

4th Revised Edition

By

George B. Hodley

John Wiley and Sons, New York, 1951

Other Information-

- Call No. : – D66 N51
- Acc. No. : – 9621
- Note :– 1. Pages 240–308 devoted to Alternating Current and its Class No. 13 D664

  2. John Wiley New Book Series No. 16. Edited by C.N. Busale.

  3. Author born in the year 1951.

मुख्य संलेख (Main Entry)

Sec. 1. → D66 N51
Sec. 2. → TIMBLE (William H.) (1951–).
Sec. 3. → Principles of Electrical Engineering. Rev. ed. 4. Ed. by George B. Hodley.
Sec. 4. → (John Wiley New Book Series. Ed. by C. N. Busale. 16)

Sec. 5. 9621

Sec. 6. → संकेत (Tracing)

D664 P240-308	Electrical Engineering, Engineering Engineering Alternating current, Electrical Engineering	C I E B I E
C R E	Timble (William H) Hodley (George B), Rev. John willey new Book Series.	
	Busale (C N), Ed.	C R I E

10.5.2 इतर संलेख (Added Entries)

डॉ. रंगनाथन के अनुसार किसी भी ग्रन्थ के लिए मुख्य संलेख के अतिरिक्त निर्मित किये गए संलेखों को इतर संलेख (Added Entry) कहते हैं जो निम्न प्रकार के होते हैः–

1. अर्न्तविषयी संलेख [Cross Reference Entry (CRE)]
2. वर्ग निर्देशी संलेख [Class Index Entry (CIE)]
3. ग्रन्थ निर्देशी संलेख [Book Index Entry (BIE)]
4. नामान्तर निर्देशी संलेख [Cross Reference Index Entry (CRIE)]

10.5. 2.1 अर्न्तविषयी संलेख (Cross Reference Entry):–

अर्न्तविषयी संलेख अनुवर्ग सूची में विशिष्ट सहायक वर्गाक संलेख है। यह ग्रंथ के अंश के वर्गाक से मुख्य ग्रन्थ में वर्णित विषय की ओर निर्देशित करती है। अंश संलेख होने के कारण अनुवर्ग सूची (Classified Catalogue) के वर्गीकृत भाग में इन्हें भी व्यवस्थित किया जाता है।

उदाहरणार्थः–

Sec. 1. → D664

Sec. 2. → See also

Sec. 3. → D66 N51

Sec. 4. → Timble

Sec. 5. → Principles of Electrical Engineering. Rev. ed. 4. P. 240–308

स्पष्टीकारण

See. 1 अंश पृष्ठ का वर्गाक (Class No.)

See. 2 निर्देशक पद (Directing Word)

See. 3 मुख्य पुस्तक की क्रामक संख्या (Call Number)

See. 4 मुख्य पुस्तक के लेखक का Sirname

See. 5 मुख्य पुस्तक की आख्या (Title). संस्करण विवरण, अंश पृष्ठ संख्या।

10.5.2.2 वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry)

इस संलेख के माध्यम से ग्रन्थ की वर्ग संख्या (Class Number) को प्राकृतिक भाषा में अनुवादित कर ग्रन्थ के विषय शीर्षक (Subject Heading) निकाले जाते हैं तथा उन विषय शीर्षकों को सूचीपत्रक पर प्राकृतिक भाषा में लिखा जाता है। इसमें प्राकृतिक विषय को अग्र रेखा पर लिखकर उपयोगकर्त्ता को वर्गांक की ओर निर्दिष्ट किया जाता है। वर्गांक प्राप्त कर उपयोगकर्त्ता सूची के वर्गीकृत भाग में पहुँचकर उस विषय से सम्बन्धित सभी ग्रन्थों की सूचना एक साथ प्राप्त कर लेता है।

वर्गसंख्या से सामान्य विषय निकालने के लिए डॉ. रंगनाथन ने एक विधि का प्रतिपादन किया है जिसे श्रंखला प्रक्रिया (Chain Procedure) कहते हैं जिसका संक्षेप में विवरण निम्नवत हैः—

10.5.2.2.1 श्रंखला प्रक्रिया (Chain Procedure):—डॉ. रंगनाथन के अनुसार ''श्रंखला प्रक्रिया किसी भी वर्गांक से विषय शीर्षक संलेख (Subject Heading Entry) निर्मित करने की एक लगभग यांत्रिक प्रक्रिया हैं। इस प्रक्रिया में विषय शीर्षक निकालने के लिए निम्नलिखित कड़ियाँ (Links) होती हैः—

(अ) **मिथ्या कड़ी (False Link):**—किसी योजक चिन्ह (Connecting Symbols), दशा सम्बन्ध (Phase relation) प्रदर्शित करने वाली कड़ियाँ मिथ्या कड़ी होती हैं। इसके अलावा काल पक्ष (Time Isolate) से भी जो कड़ी खुलती है वह भी मिथ्या कड़ी होती है।

उदाहरणार्थः—

- योजक चिन्ह = , ; : . ` – ( )
- दशा सम्बन्ध चिन्ह = Oa, Ob, Og आदि
- काल एकल = N68, N19 आदि।

(ब) **अखोज कड़ी (Unsought Link):**—यह वह कड़ी होती है, जिसके द्वारा पाठ्य सामग्री उपयोगकर्त्ताओं द्वारा खोजे जाने की संभावना नहीं होती।

(स) **खोज कड़ी (Sought Link):**—उस कड़ी को कहते हैं जिसके माध्यम से उपयोगकत्ताओं द्वारा पाठ्य सामग्री खोजे जाने की संभावना होती है।

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry)

Sec. 1 → ELECTRICAL ENGINEERING, ENGINEERING

Sec. 2 → For documents in this Class and its Subdivisions, see

the Classified Part of the catalogue under the Class Number

Sec. 3 → D66

उपरोक्त संलेख का अनुच्छेदवार विवरण निम्नवत हैः–

Section 1. मुख्य संलेख के संकेत अनुच्छेद से ली गई शीर्षक। शीर्षक बड़े अक्षरों में (Capital Latters) को लिखा जाता है। यदि शीर्षक एक पंक्ति में नहीं समाहित होता तो अनुवर्ती पंक्तियों में प्रथम उर्ध्व रेखा से लिखा जाता है।

Section 2. निर्देशक पद (Directing Term) का उल्लेख द्वितीय उर्ध्व रेखा से प्रारम्भ किया जाता है। इसमें रेखोंकित सात अक्षर (Capitals) में लिखे जाते हैं।

Section 3. शीर्षंक (Subject Heading) को दर्शाने वाला निर्देशांक (Index Number) लिखा जाता हैं।

10.5.2.3 ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Book Index Entry)

क्लासीफाइड कैटलाग कोड में निम्नलिखित प्रकार के ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Book Index Entry) बनाने का प्राविधान हैंः–

(अ) ग्रन्थकार ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

(ब) सहग्रन्थकार ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Joint Author Book Index Entry)

(स) सहकारक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Collaborator Book Index Entry)

(स1) संपादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Editor Book Index Entry)

(स2) अनुवादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Translator Book Index Entry)

(स3) संशोधक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Reviser Book Index Entry)

(स4) चित्रकार ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Illustrator Book Index Entry)

(स5) संकलनकर्त्ता ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Compiler Book Index Entry)

(द) आख्या ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Title Book Index Entry)

(क) ग्रन्थमाला ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Series Book Index Entry)

उपरोक्त वर्णित ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry) की संरचना निम्नवत् है:–

(अ) **ग्रन्थकार ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)**

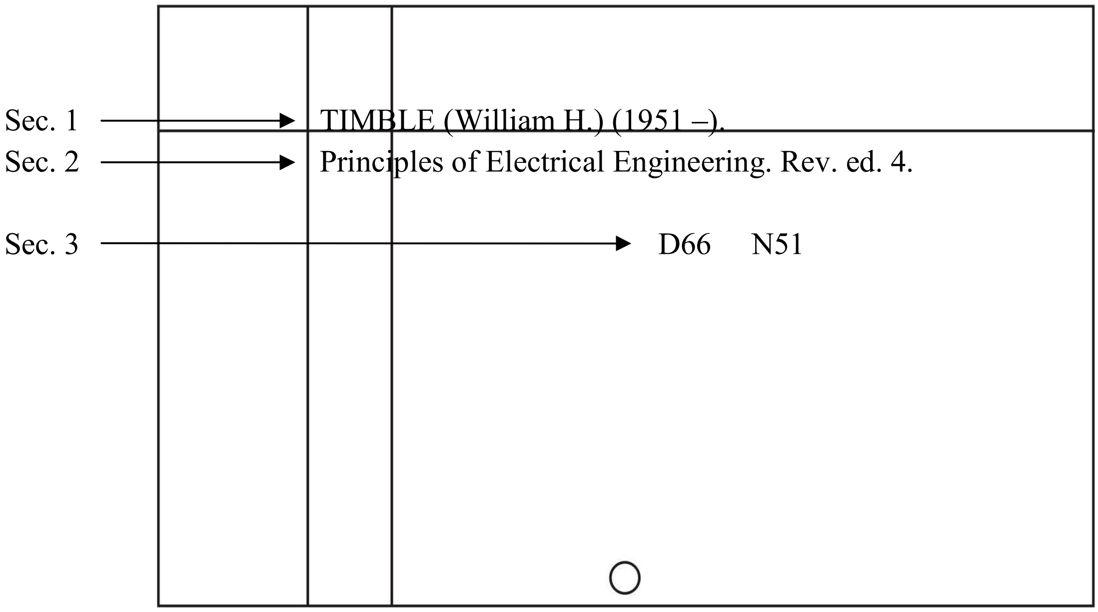

स्पष्टीकारण

See. 1 ग्रन्थ के लेखक का नाम

See. 2 ग्रन्थ की आख्या • (पूर्ण विराम) संस्करण विवरण

See. 3 ग्रन्थ की क्रामक संख्या (Call Number)

(ब) सहग्रन्थकार ग्रन्थ निर्देशी संलेख **(Joint Author Book Index Entry)**

Sec. 1 → TIMBLE (William H.) (1951) and ROSAK (Peter N.).

Sec. 2 → Principles of Electrical Engineering. Rev. ed. 4.

Sec. 3 → D66 N51

स्पष्टीकारण

See. 1 ग्रन्थ के दो लेखकों का नाम and योजक पद लगाकर

See. 2 ग्रन्थ की आख्या (Title) • (पूर्ण विराम) संस्करण विवरण

See. 3 ग्रन्थ की क्रामक संख्या (Call Number)

(स) सहकारक (संपादक) ग्रन्थ निर्देशी संलेख **[Collaborator (Editor) Book Index Entry]**

Sec. 1 → HODLEY (George B.), Ed.

Sec. 2 → Timble : Principles of Electrical Engineering Rev.ed. 4.

Sec. 3 → D66 N51

स्पष्टीकारण

See. 1 ग्रन्थ के संपादक का नाम , (कामा) विवरणात्मक पद (Descriptive Term) Ed. विवरणात्मक पद को रेखांकित किया जाता है।

See. 2 ग्रन्थ के लेखक का Sirname : (कोलन) ग्रन्थ की आख्या (Title) • (पूर्ण विराम) संस्करण विवरण

See. 3 ग्रन्थ की क्रामक संख्या (Call Number)

उपरोक्तानुसार ही अन्य सहकारक (अनुवादक, संशोधक, चित्रकार, संकलनकर्त्ता) ग्रन्थ निर्देशी संलेखों का निर्माण किया जाता है।

(द) **आख्या ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Title Book Index Entry)**

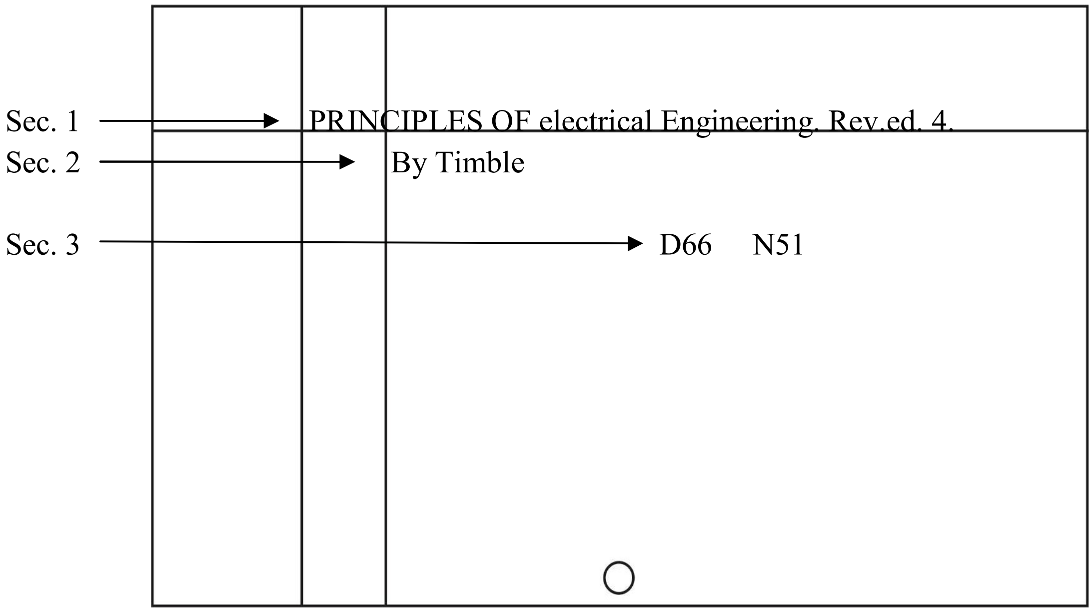

स्पष्टीकारण

See. 1 ग्रन्थ की आख्या (Title) के प्रथम दो शब्द दीर्घ अक्षरों (Capital Letters) में अंकित किये जाते हैं तथा अन्य शब्द सामान्य अक्षरों में लिखे जाते हैं • (पूर्ण विराम) के पश्चात् संस्करण विवरण।

See. 2 By लिखकर ग्रन्थ के लेखक का कुलनाम (Sirname)

See. 3 ग्रन्थ की क्रामक संख्या (Call Number)

क्लासीफाइड कैटलाग कोड के नियमानुसार आख्या निर्देशी संलेख का निर्माण तभी होता है जब आख्या (Title) अलंकारिक होती है तात्पर्य ग्रन्थ की आख्या से जब वास्तविक विषय का बोध न हो।

(क) ग्रन्थमाला ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Series Book Index Entry)

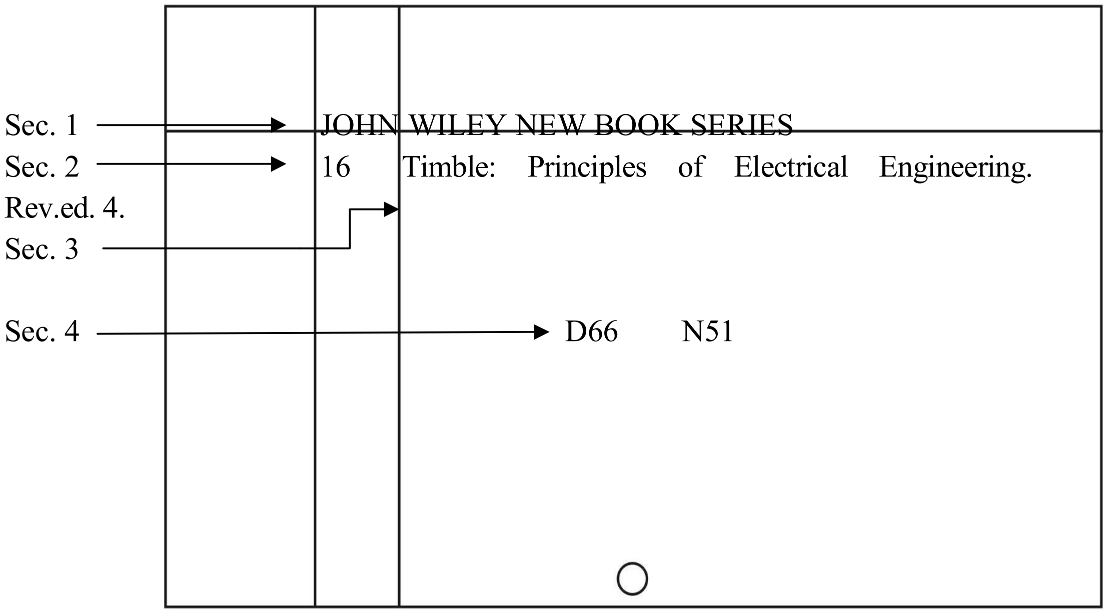

स्पष्टीकरण

See. 1 ग्रन्थमाला का नाम बड़े अक्षरों (Capital Letters) में अंकित किया जाता है।

See. 2 ग्रन्थमाला का नाम लिखने के पश्चात् अगली पंक्ति पर प्रथम उर्ध्वरेखा एवं द्वितीय उर्ध्व रेखा के मध्य ग्रन्थमाला की संख्या (Number) लिखी जाती है।

See. 3 ग्रन्थ के लेखक का कुल नाम (Sirname) :(कोलन) ग्रन्थ की आख्या (Title) • (पूर्ण विराम) संस्करण विवरण।

See. 4 ग्रन्थ की क्रामक संख्या (Call Number)

10.5.2.4 नामान्तर निर्देशी संलेख (Cross Reference Index Entry)

ग्रन्थमाला नामान्तर निर्देशी संलेख

(Editor of Series Cross Reference Index Entry)

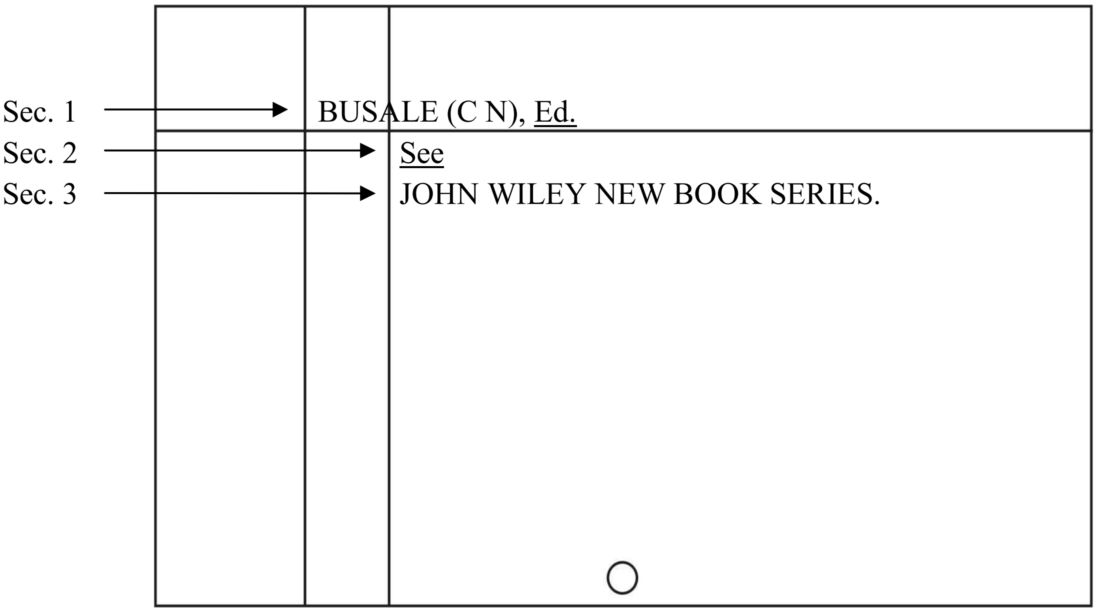

स्पष्टीकारण

See. 1 ग्रन्थमाला सम्पादक का नाम , (कामा) विवरणात्मक पद, Ed.

See. 2 निर्देशक पद See

See. 3 ग्रन्थमाला का नाम दीर्घ अक्षरों (Capital Letters)में।

उपरोक्तानुसार अन्य नामान्तर निर्देशी संलेखों (वैकल्पिक नाम, पद वैरुप्य, कृत्रिम नाम/वास्तविक नाम, सजातीय नाम) का निर्माण होता है।

10.6 सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. Ranganathan (SR) : Classified Catalogue Code. Ed6. Banglore, Sharda Ranganathan Endowment for Library Science, 1992

2. Ranganathan (SR) : Cataloguing Practice. Ed2. Banglore, Sharda Ranganathan Endowment for Library Science, 1994

3. Krishna Kumar : An Introduction to Catologuing Practice, N. Delhi, 1996

4. सूद (एस0डी0) : सूचीकरण प्रक्रिया, जयपुर, आर0बी0एस0ए0, 1998

5. शर्मा (बी0डी0) : अनुवर्ग प्रसूची नियमावली : एक व्यावहारिक अध्ययन, वाई0के0 पब्लिशर्स, आगरा, 1999

6. गौतम (जे0एन0) : एडवान्स्ड कैटलांगिग प्रैक्टिस, आगरा, वाई0के0 पब्लिशर्स, 2010

7. वर्मा (ए0के0) : क्रियात्मक अनुवर्ग सूचीकरण, रामपुर, सेन्ट्रल बुक हाउस, 1999

इकाई 11. एक व्यक्ति लेखक द्वारा रचित पुस्तकों का सूचीकरण (CATALOGUING OF BOOKS BY SINGLE PERSONAL AUTHOR)

इकाई की रूपरेखा

11.1 प्रस्तावना

11.2 उद्देश्य

11.3 व्यक्तिगत लेखक से तात्पर्य

11.4 एकल व्यक्तिगत लेखक हेतु शीर्षक का चयन एवं उपकल्पन

11.5 सूचीकृत उदाहरण

11.6 अभ्यास हेतु उदाहरण

11.7 संदर्भ ग्रन्थ सूची

11.1 प्रस्तावना

प्रत्येक ग्रंथ की संरचना लेखक के अभाव में सम्भव नहीं है। सामान्यतः लेखक से तात्पर्य ग्रन्थ का आविर्भाव एवं संरचना करने वाले से है जो अपने विचारों एवं विशिष्ट ज्ञान को विषय से सम्बन्धित ग्रन्थ में अभिव्यक्त कर लिपिबद्ध करता है। लेखक अपने ग्रन्थ की विषय–वस्तु एवं मौलिक विचारों के लिए उत्तरदायी होता है।

11.2 उद्देश्य

इस इकाई के निम्नलिखित उद्देश्य है–

- व्यक्तिगत लेखक को परिभाषित करना।
- एकल व्यक्तिगत लेखकों द्वारा रचित पुस्तकों हेतु सूचीकरण नियमों से शिक्षार्थियों को परिचित कराना।
- सूचीकृत उदाहरणों के माध्यम से शिक्षार्थियों को एकल व्यक्तिगत लेखकों द्वारा रचित पुस्तकों के प्रायोगिक सूचीकरण हेतु सक्षम बनाना।

11.3 व्यक्तिगत लेखक से तात्पर्य

सामान्यतः ग्रन्थ एक लेखक, दो लेखक अथवा तीन लेखक द्वारा विरचित होते हैं। जब किसी ग्रन्थ की संरचना में एक लेखक सहभागी होते हैं, वह व्यक्तिगत लेखक कहलाते हैं। डॉ0 रंगनाथन के अनुसार– ''लेखक के रूप में व्यक्ति, कृति में प्रस्तुत विचारों एवं अभिव्यक्ति का पूर्ण उत्तरदायित्व स्वयं के व्यक्तिगत क्षमता पर होता है। अन्य किसी पद, समष्टि निकाय के अन्तर्गत नहीं होता और न ही उस निकाय की क्षमता में होता है।'' प्रसूचीकरण की सुविधा की दृष्टि से रंगनाथन ने व्यक्तिगत लेखक को दो भागों में विभाजित किया हैः–

(1) एकल व्यक्तिगत लेखक (Single Personal Author)
(2) व्यक्तिगत सहलेखक (Joint Personal Author)

इस अध्याय में एकल व्यक्तिगत लेखक से सम्बन्धित प्रायोगिक सूचीकरण की चर्चा करेंगें।

11.4 एकल व्यक्तिगत लेखक हेतु शीर्षक का चयन एवं उपकल्पन (Choice of Heading and Rendering for Single Personal Author)

अग्र अनुच्छेद (Leading Section) के पश्चात् अगली पंक्ति पर द्वितीय उर्ध्वरेखा (Second Indention) से शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section) का उल्लेख किया जाता है। इसमें लेखक के नाम का उल्लेख किया जाता है।

प्रायोगिक सूचीकरण की दृष्टि से शीर्षक (Heading) का उपकल्पन करते समय क्लीसाफाइड कैटलाग कोड में निम्न नियमों का प्राविधान हैः–

- लेखक के नाम के पूर्व लगे सम्मान सूचक शब्द, पद्‌वीधारक शब्द उपकल्पन करने के पूर्व हटा दिये जाते हैं।

  उदाहरणार्थ :–

  Dr., Shri, Shrimati, Mr., Mrs., Ms. Sir., Raisahab, Maulana, Padmshri, Bharat Ratna आदि।

- नियम संख्या JA2 के अनुसार लेखक का नाम निम्नानुसार सूचीपत्रक पर अंकित करेंगें:–

  उदाहरणार्थ :–

  Ramesh Kumar Mishra
  author born in the year 1929 and died in 2010

  उपकल्पन (सूचीपत्रक पर)

MISHRA	(Ramesh Kumar)	(1929–2010)
↓	↓	↓
Sirname (Entry Element)	Forename (Secondary Element)	Year of Birth and Death (Individualising Element)

- क्लासीफाइड कैटलाग कोड के नियम संख्या JA3 के अनुसार एक शब्दीय नाम (One worded name) को आख्या पृष्ठ (Title Page) के अनुसार ज्यों का त्यों ही लिखा जाता है।

  उदाहरणार्थ :–

  SHUK RACHARYA
  PATANJALI
  LOPAMUDRA

- नियम संख्या JA62 के अनुसार योजकीय प्रविष्टि पद (Hyphenated Entry Element) को निम्नवत् उपकल्पित करेंगें:–

  उदाहरणार्थ :–

  Repecca Tuhus — Dubrow को

  उपकल्पन:–

  TUHUS — DUBROW (Repecca)

- कंजक्शन के साथ प्रविष्टि पद (Entry Element with Conjunction) को निम्नवत् उपकल्पित किया जाता है:–

  उदाहरणार्थ :–

  Juan Pablo Fernandez de calderoy born in 1956

  उपकल्पन :–

  FERNANDEZ DE CALEROY (Juan Pablo) (1956–).

- नियम संख्या JA64 योजकीय एवं कंजक्शन रहित दो शब्दीय प्रविष्टि पद (Two worded Entry Element without Hyphen and Conjunction) को निम्नवत् उपकल्पित हेतु निर्देश हैः–

  उदाहरणार्थ :–

  Prof. Rituparna Sen Gupta को

  उपकल्पन :–

  SEN GUPTA (Rituparna).

- बिना कुलनाम वाले लेखकों के नाम को आख्या पृष्ठ के अनुसार ज्यों क त्यों उपकल्पित करेंगेः–

  उदाहरणार्थ :–

  Prof. Dinesh Kumar को

  उपकल्पन :–

  DINESH KUMAR.

11.5 सूचीकृत उदाहरण (Catalogued Examples)

उदाहरण–1

(एक लेखक, सहकारक एवं ग्रन्थमाला)

FUNCTION OF THE PRESIDENT OF INDIA

By

Prof. R.G.Menon

Ed by

Dr. Raghubansh Tiwari

Ed6

Allied Publishers

New Delhi,

2017

Other Information :

- Call No : V44, 1:3 P17
- Acc No. : 9216
- Note : •Prof. R.G. Menon (1950-2016)
  •Paperback New Book Series No. 6 Edited byDr. Ranjana Pathak

मुख्य संलेख (Main Entry)

	V44, 1:3 P17	
	MENON (RG) (1950-2016) Functions of the President of India. Ed 6 Ed by Raghubansh Tiwari (Paperback New Book Series. Ed by Ranjana Pathak.6) 9216	

वर्ग निर्देशी संलेख(Class Index Entry)हेतु श्रृंखला प्रक्रिया (Chain Procedure)

वर्ग संख्या = V44, 1:3

V	=	History	—	Sought Link
V4	=	Asia, History	—	Unsought Link
V44	=	India, History	—	Sought Link
V44,	=	False Link	—	Fasle Link
V44,1	=	Head, India	—	Sought Link
V44,1:	=	False India	—	False Link
V44,1:3	=	Function, Head	—	Sought Link

उपरोक्त विवरणानुसार खोज कड़ी (Sought Link) के रूप में निम्न कड़ियों के लिए वर्ग निर्देशीसंलेख (Class Index Entry) निर्मित की जायेगी :–

1- Function, Head

2- Head, India

3- India, History

4- History

संकेत (Tracing)

Function, Head
Head, India
India, History
History.

Menon (RG) (1950-2016)
Tiwari (Raghubansh), Ed
Paperbadck New Book Series.

Pathak (Ranjana), Ed.

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

FUNCTION, HEAD
For ducuments in this Class and its Subdivisinos, see the Classified Part of the Catalogoue Under the class Number
V44, 1:3

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

	HEAD, INDIA
	For documents in this Class and its subdivision, see the classified Part of the catalogue under the Class Number V44, 1 ○

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

	INDIA, HISTORY
	For ducuments in this class and ts subdivision, <u>see</u> theclassified Part of the catalogue under the class Number V44 ○

वर्ग निर्देशी संलेख–4 **(Class Index Entry-4)**

	HISTORY	
	For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the catalogue undet Class Numder V	

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख **(Author Book Index Entry)**

	MENON (RG) (1950-2016)	
		Functions of the President of India. Ed 6. V44, 1:3 P17

संपादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Editor Book Index Entry)

	TIWARI (Raghubansh), Ed.	
		Menon: Fuctions of the President of India. Ed6.
		V44, 1:3 P17

ग्रन्थमाला ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Series Book Index Entry)

	PAPERBACK NEW BOOK SERIES.	
	6	Menon : Functions of the President of India. Ed 6.
		V44, 1:3 P17

ग्रन्थमाला सम्पादक नामान्तर निर्देशी संलेख (Editor of Series Cross Reference Index Entry)

	PATHAK (Ranjana), Ed.	
		See PAPERBACK NEW BOOK SERIES.

महत्वपूर्ण बातें –

- मुख्य संलेख में शीर्षक (Heading)को नियमानुसार ग्रन्थ के लेखक से उपकल्पित किया गया है।
- संकेत अनुच्छेद (Tracing Section) में सबसे पहले दाहिने ऊपर के भाग में वर्ग निर्देशी खोज कड़ियों, (Class Index Sought Links)को अंकित किया गया है। वर्गांक को श्रंखला प्रक्रिया (Chain Procedure) के द्वारा कड़ियों को ऊपर से नीचे लिखा गया है, परन्तु संकेत पत्रक (Tracing Card) में नियमानुसार नीचे से ऊपर का क्रम बनाते हुए अंकित किया गया है।
- अन्य इतर संलेख– सहकारक, ग्रन्थमाला का निर्माण क्लीसीफाइड कैटलाग कोड के नियमानुसार किया गया है।

उदाहरण–2

(एकल लेखक, सहकारक एवं अन्र्तविषयी सूचना के साथ)

PREACHING OF BUDDHA

By

Alfreid Daniell

Third Revised Edition

Ed by

George G. Scott

Macmillan and Company

New York, 1987

Other Information :

- Call No. : Q4:51 N87
- Acc. No. : 2136
- Note : Pages 260– 310 devoted to Lamaism and its Class No. is Q43

मुख्य संलेख (Main Entry)

	Q4 : 51 N87	
		DANIELL (Alfreid). Preaching of Buddha. Rev. ed. 3. Ed by George G. Scott. 2136 ○

संकेत पत्रक (Tracing)

		Preaching, Buddhism.
Q 43	P 260– 310	Buddhism,Religion.
		Religion
		Lamaism, Buddhism.
		Daniell (Alfreid)
		Scott (George G.), Ed.

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) हेतु श्रृंखला प्रक्रिया (Chain Procedure)

वर्ग संख्या =Q4:51

Q	=	Religion	—	(Sought Link)
Q4	=	Buddhism, Religion	—	(Sought Link)
Q4:	=	Symbol	—	(False Link)
Q4:5	=	Preaching ect.	—	(Unsought Link)
Q4:51	=	Preaching,Buddhism	—	(Sought Link)
Q43	=	Lamaism, Buddhism	—	(Sought Link)

उपरोक्त विवरणानुसार खोज कड़ी (Sought Link)के रूप में निम्न चार कड़ियों के लिए वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry)निर्मित किये जायेंगेः–

1. Preaching, Buddhism.
2. Buddhism, Religion
3. Religion
4. Lamaism, Buddhism.

उपरोक्त वर्णित चौथी खोज कड़ी पुस्तक के अन्दर विशेष पृष्ठ संख्या 260–310 से सम्बन्धित है। अतः पहले मुख्य पुस्तक के वर्ग संख्या को खोलकर उसकी खोज कड़ी संकेत पत्रक पर लिखते है उसके बाद विशेष सामग्री के वर्ग संख्या को खोलकर संकेत पत्रक पर अंकित करते है।

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry-1)

PREACHING, BUDDHISM

For dcuments in this Class and its Subdivisionthe Clissified Part at the catalogu, under the Class Number

Q4 :51

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

BUDDHISM, RELIGION

For documents in this Class and its Subdivision, see the Classified Part of the catalogue, under the Class Number

Q4

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

RELIGION

For documents in this Class and its Subdivisions,see the classified Part of the catalogue, under the Class Number

Q

वर्ग निर्देशी संलेख–4 (Class Index Entry-4)

LAMAISM, BUDDHISM

For documents in this Class and its Subdivisions,see the classified Part of the catalogue, under the Class Number

Q43

लेखक ग्रंन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

DANIELL (Alfried)
Preaching of Buddha. Rev.ed.3.
Q4:51 N87

संपादक ग्रंन्थ निर्देशी संलेख (Editor Book Index Entry)

SCOTT (George G.), Ed.
Daniell: Preaching of Buddha. Rev.ed. 3.
Q4:51 N87

अन्र्तविषयी संलेख (Cross Refrence Entry)

	Q43	
		<u>See also</u> Q4:51 N87 Daniell Preaching of Buddha. Rev.ed.3.P260-310 ○

उदाहरण–3

(एकल व्यक्तिगत लेखक, सहकारक ग्रन्थमाला)

VALUE OF PAPER MONEY

By

Prof. Amit kumar Pandey

Ed by

Prof. Amitabh Tiwari

Ed 6

Rangoli Publication

New Delhi, 2006

Other Information :

- Call No. : X61;4:7 P06
- Acc No. : 8214
- Note : Economic Paperback Book Series N.6
  Edited by Dr. Neeta Pandey

मुख्य संलेख (Main Entry)

X61;4:7 Po6

PANDEY (Amit Kumar)
Value of Pater money. Ed6. Ed. by Amitabh Tiwari.
(Economic Paperback Book Series. Ed.
by Neeta Pandey.6)

8214

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Value, Paper
Paper, money.
Money, Economics.
Economics.

Pandey (Amit Kumar)
Tiwari (Amitabh), Ed.
Economic paperback Book Series.

Pandey(Neeta),Ed.

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) हेतु श्रृंखला प्रक्रिया (Chain Procedure)

वर्ग संख्या =X61;4:7

X = Economics — (Sought Link)

X6	= Credit	—	(Unsought Link)
X61	= Money, Economics	—	(Sought Link)
X61;	= —————	—	(False Link)
X61;4	= Paper, money.	—	(Sought Link)
X61;4:	= —————	—	(False Link)
X61;4:7	= Value, Paper	—	(Sought Link)

उपरोक्त विवरणानुसार खोज कड़ी (Sought Link)के रूप में निम्न चार कड़ियों के लिए वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry)निर्मित किये जायेंगे :–

1- Value , Paper

2- Paper, money

3- Money, Economics

4- Economics

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

VALUE, PAPER

For documents in this Class and its subdivision, see the Classified part of the Catalogue Under the class Number

X61; 4:7

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

PAPER, MONEY

For documents in this Class and its subdivision, see the Classified part of the Catalogue Under the class Number

X61; 4

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

MONEY, ECONOMICS

For documents in this Class and its subdivision, see the Classified part of the Catalogue Under the class Number

X61

वर्ग निर्देशी संलेख–4 (Class Index Entry-4)

	ECONOMICS	
	For documents in this Class and its subdivision, see the Classified part of the Catalogue Under the class Number X	

लेखन ग्रंन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

	PANDEY (Amit kumar)	
	Value of Paper Money. Ed 6. X61;4:7P06	

संपादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Editor Book Index Entry)

	TIWARI (Amitabh), Ed.	
		Pandey : Value of Paper Money. Ed6. X61;4:7 P06

ग्रंथमाला ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Series Book Index Entry)

	ECONOMIC PAPER BACK BOOK SERIES	
	6	Pandey : Value of paper money. Ed6. X61;4:7 P06

ग्रंन्थमाला सम्पादक नामान्तर निर्देशी संलेख (Editor of series cross refrence Index Entry)

	PANDEY (Neeta), Ed.	
		See ECONOMIC PAPER BACK BOOK SERIES

टिप्पड़ी –

- संकेत पत्रक पर यदि सूचना एक पंक्ति पर नहीं आ पाती तो अनुवर्ती पंक्ति पर अवशेष सूचना दो अक्षर का रिक्त स्थान छोड़कर लिखी जाती है।
- ग्रन्थमाला के सम्पादक का उल्लेख संकेत पत्रक (Tracing Card) पर सी.सी.सी. के नियम संख्या MH3के अनुसार किया गया है।
- अन्य इतर संल्लेखों का निर्माण नियमानुसार किया गया है।

उदाहरण–4

(एकल व्यक्तिगत लेखक, एक से अधिक कोटि के सहकारक तथा ग्रन्थमाला सम्पादक)

ANALYSIS OF ULTRASOUND

By

Prof. Arthur Coach

Ed by

George Remand

Edition sixth

Illustrated by

Leonard Woolf

The Nogarth Press

London, 2003

Other Information :

- Call No. : C35:38 P03
- Acc No. : 4216
- Note : Science Texbook series No. 12 . Edited by Peter Garnet.

मुख्य संलेख (Main Entry)

C35:38 P03

COACH (Arthur)

Analysis of ultrasound. Ed6. Ed. by George Remand. Ill. by Leonard woolf.

(Science Text book series. Ed. by Peter Garnet.12)

4216

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Analysis, Ultrasound
Ultrasound, Physics.
Physics.

Coach (Arthur)
Remand (George), Ed.
woolf (Leonard),Ill.
Science Text Book series.

Garnet (Peter), Ed.

वर्ग निर्देशी संलेख (**Class Index Entry**) हेतु श्रृंखला प्रक्रिया (**Chain Procedure**)

वर्ग संख्या	=	C35:38		
C	=	Physics	—	(Sought Link)
C3	=	Sound	—	(Unsought Link)
C35	=	Ultrasound, Physics	—	(Sought Link)
C35:	=	—————.	—	(False Link)
C35:3	=	Freqnency.	—	(Unsought Link)
C35:38	=	Analysis, Ultrssound	—	(Sought Link)

उपरोक्त विवरणानुसार खोज कड़ी (Sought Link)के रूप में निम्न तीन कड़ियों के लिए वर्ग निर्देर्शी संल्लेख (Class Index Entry)का निर्माण किया जायेगा।

1- Analysis, Ultrsound.
2- Ultrasound, Physics
3- Physics

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (**Class Index Entry-1**)

	ANALYSIS, ULTRASOUND.	
	For documents in this class and its subdivisionsee the classified part of the catalogue, underthe class Number C35:38	

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

ULTRASOUND, PHYSICS.

For documents in this class and its subdivisionsee the classified part of the catalogue, underthe class Number

C35

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

PHYSICS

For documents in this class and its subdivisionsee the classified part of the catalogue, underthe class Number

C

लेखक ग्रंन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

COACH (Arthur)
Analysis of Ultrasound. Ed6.
C35:38 P03

संपादक ग्रंन्थ निर्देशी संलेख (Editor Book Index Entry)

REMAND (George), Ed.
Coach: Analysis of Ultrasound. Ed6.
C35:38 P03

चित्रकार ग्रंथ निर्देशी संलेख (Illustrstor Book Index Entry)

	WOOLF (Leonard), Ill.	
		Coach : Analysis Ultrasound. Ed6. C35:38 P03

ग्रंथमाला ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Series Book Index Entry)

	SCIENCE TEXT BOOK SERIES.	
	12	Coach: Analysis of Ultrasound. Ed.6 C35:38 P03

ग्रंन्थमाला सम्पादक नामान्तर निर्देशी संलेख (Editor of series cross refrence Index Entry)

	GARNET (Peter), Ed.	
		See SCIENCE TEXT BOOK SERIES. ○

टिप्पड़ी :–

- आख्या पृष्ठ (Title Page)पर जिस क्रम में सहकारक का उल्लेख है उसी क्रम में आख्या अनुच्छेद (Title Section)में सहकारक का उल्लेख नियमानुसार किया गया है।
- अन्य इतर संल्लेख नियमानुसार बनाए गये है।

11.6 अभ्यास हेतु उदाहरण

मुख्य पृष्ठ–1

(एकल व्यक्तिगत लेखक, सहकारक सहित)

CONDUCTION OF DIRECT CURRENT

By

Georgina waglen (1965-2015)

Ed by

Charles S. Bullock

4th Edition

Macmillan India Pvt. Ltd.

Jaipur, 1978

Other Information :

- Call No. : C623:21 N78
- Acc No. : 21364

मुख पृष्ठ–2

(एकल व्यक्तिगत लेखक, सहकारक ग्रन्थमाला सहित)

DESIGN OF STEEL WINDOW SHUTTERS

By

Jurgen Neyer

Ed by

Richard Hyman

Third Revised Edition

Cosmos Bookline

New Delhi, 1987

Other Information :

- Call No. : D38, 78:4 N87
- Acc No. : 3492
- Note : Studies in civil engineering Books No. 11. Edited by Pano Kurtaria

मुख पृष्ठ–3

(एकल व्यक्तिगत लेखक, योजकीय कुलनाम के साथ)

CHEMISTRY OF THERMO DYNAMICS

Sir Arthur Quiller - Coach

Second Revised Edition

Reinehart and winston

New York, 2005

Other Information :

- Call No. : E:24 P.5
- Acc No. : 6213

मुख पृष्ठ–4

(एकल व्यक्तिगत लेखक, सहकारक एवं अन्तर्विषयी सूचना के साथ)

FUNCTION OF THE PRESIDENT OF INDIA

By

Prof. P.K. Pandey

Ed by

Dr. R.K. Choube

Ed.6

Y. K. Publishers

Agra, 2015

Other Information :

- Call No. : V44,1:3 P15
- Acc No. : 9216
- Note : P280-320 devoted to state control function and for this pages class No. is V44,1:35

मुख पृष्ठ–5

(एकल व्यक्तिगत लेखक, विभिन्न कोटि के सहकारकों के साथ)

SMALL SCALE IRON INDUSTRIES

By

Er. Pradip Chaddha

Revised Edition 6

Ed by

Er. Ramesh Chaurasia

Illustrated by

Rupa Chowdhary

Konark Publishers

Varansi, 2010

Other Information :

- Call No. : X9B,8(F182) P10
- Acc No. : 1296

मुख पृष्ठ–6
(एकल व्यक्तिगत लेखक, ग्रन्थमाला सम्पादक के साथ)
CHRISTION SOCIAL ETHICS
4th Edition

By
George klosko

Ed by
M.I. Franklin

D.C. Health and Company
London, 2012

Other Information :

- Call No. : R43, (Q6) P12
- Acc No. : 3429
- Note : Religious world book series No. 14 Edited by Lisa Herzog.

11.7–संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Ranganathan (SR) : Classified Catalogue Code. Ed6. Banglore, Sharda Ranganathan Endowment for Library Science, 1992
2. Ranganathan (SR) : Cataloguing Practice. Ed2. Banglore, Sharda Ranganathan Endowment for Library Science, 1994
3. Krishna Kumar : An Introduction to Catologuing Practice, N. Delhi, 1996
4. सूद (एस0डी0) : सूचीकरण प्रक्रिया, जयपुर, आर0बी0एस0ए0, 1998
5. शर्मा (बी0डी0) : अनुवर्ग प्रसूची नियमावली : एक व्यावहारिक अध्ययन, वाई0के0 पब्लिशर्स, आगरा, 1999
6. गौतम (जे0एन0) : एडवान्स्ड कैटलांगिग प्रैक्टिस, आगरा, वाई0के0 पब्लिशर्स, 2010
7. वर्मा (ए0के0) : क्रियात्मक अनुवर्ग सूचीकरण, रामपुर, सेन्ट्रल बुक हाउस, 1999

इकाई 12. संयुक्त व्यक्तिगत लेखक द्वारा रचित पुस्तकों का सूचीकरण **(CATALOGUING OF BOOKS BY JOINT PERSONAL AUTHOR)**

इकाई की रूपरेखा

12.1 प्रस्तावना

12.2 उद्देश्य

12.3 संयुक्त व्यक्तिगत लेखक से तात्पर्य

12.4 संयुक्त व्यक्तिगत लेखक के प्रकार

12.4.1 दो संयुक्त व्यक्तिगत लेखकों की कृतियों हेतु शीर्षक का चयन एवं उपकल्पन

12.4.2 तीन अथवा तीन से अधिक संयुक्त व्यक्तिगत लेखकों की कृतियों हेतु शीर्षक का चयन एवं उपकल्पन

12.5 सूचीकृत उदाहरण

12.6 अभ्यास हेतु उदाहरण

12.7 संदर्भ ग्रन्थ सूची

12.1 प्रस्तावना

ग्रन्थालय में बहुत सारी पुस्तकें ऐसी भी क्रय की जाती है जिनकें लेखक एक से अधिक होते है। जब दो या दो से अधिक व्यक्तिगत सहलेखक मिलकर किसी ग्रन्थ की रचना करते है तो उन्हें व्यक्तिगत सहलेखक कहते हैं। इस प्रकार के लेखक को बहुग्रन्थकारिता (Joint Authorship) अथवा सहभागी ग्रन्थकारिता (Shared Authorship) के नाम से भी जाना जाता है।

12.2 उद्देश्य

इस इकाई के निम्नलिखित उद्देश्य हैः–

1. संयुक्त व्यक्तिगत लेखक की अभिधारणा से शिक्षार्थियों को सुपरिचित करना।
2. संयुक्त व्यक्तिगत लेखकों द्वारा रचित पुस्तकों से सम्बन्धित सूचीकरण नियमों से शिक्षार्थियों को अवगत कराना
3. सूचीकृत उदाहरणों के माध्यम से शिक्षार्थियों को व्यावहारिक सूचीकरण से सुपरिचित कराना।

12.3 संयुक्त व्यक्तिगत लेखक से तात्पर्य

जब एक से अधिक व्यक्तिगत लेखक मिलकर किसी ग्रन्थ की रचना करते है तो उसे संयुक्त व्यक्तिगत लेखक द्वारा रचित ग्रन्थ की संज्ञा दी जाती है।

क्लासीफाइड कैटलाग कोड के अनुसार '' दो या दो से अधिक व्यक्तिगत या समष्टि लेखक जो कि ग्रन्थ में अभिव्यक्त विचारों के लिए संयुक्त रूप से जिम्मेदार हो तथा जिसमें किसी भी लेखक के अंश की जिम्मेदारी न तो स्पष्ट की गई हो तथा न ही अलग की जा सकती हो''

ए0ए0सी0आर–2 में सहलेखक के सम्बन्ध में निम्न परिभाषा दी गई हैः–

''एक व्यक्ति जो ऐसे ग्रन्थ की रचना के लिए एक अथवा अधिक व्यक्तियों के साथ सहयोग करता है, जिसमें प्रत्येक सहयोगी का कार्य समान होता है''।

उपरोक्त परिभाषाओं से स्पष्ट हो जाता है कि संयुक्त लेखक व्यक्ति अथवा समष्टि दोनों ही हो सकते हैं। इस इकाई में संयुक्त व्यक्ति लेखक के सम्बन्ध में ही चर्चा होगी।

12.4 संयुक्त व्यक्तिगत लेखक के प्रकार

क्लासीफाइड कैटलाग कोड के अनुसार संयुक्त व्यक्तिगत लेखकों द्वारा रचित पुस्तकों के सूचीकरण नियमों को निम्नवत दो प्रकारों में विभक्त किया गया हैः–

(अ) दो संयुक्त व्यक्तिगत लेखकों की कृतियाँ।

(ब) तीन अथवा तीन से अधिक संयुक्त व्यक्तिगत लेखकों की कृतियाँ।

उपरोक्त वर्णित दोनों प्रकार की कृतियों के सूचीकरण हेतु नियमों का विस्तार से वर्णन अधोलिखित हैः–

12.4.1 दो संयुक्त व्यक्गित लेखकों की कृतियों हेतु शीर्षक का चयन एवं उपकल्पन

क्लासीफाइड कैटलाग कोड के नियम संख्या MD32के अनुसार –

(अ) आख्या पृष्ठ (Title Page)पर जिस क्रम में दोनों संयुक्त लेखक मुद्रित है उसी क्रम में दोनों ही लेखकों को शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section)में योजक पद and के साथ निम्नवत उल्लिखित किया जाता हैः

उदाहरणार्थ–

PANDEY (Ritesh) and JOSHI (Ramesh)

(ब) संकेत पत्रक (Tracing Card) में लेखक का क्रम परिवर्तित करते हुए निम्नवत दो लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख बानायेगें।

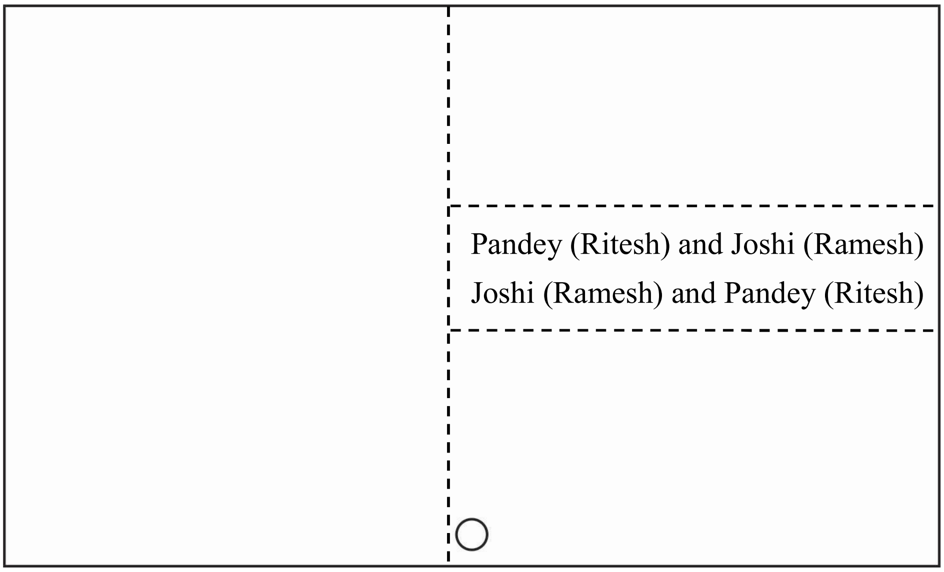

12.4.2 तीन अथवा तीन से अधिक संयुक्त व्यक्तिगत लेखकों की कृतियों हेतु शीर्षक का चयन एवं उपकल्पन

क्लासीफाइड कैटलाग कोड के नियम संख्या MD33के अनुसार –

(अ) मुख्य संलेख (Main entry) के शीर्षक अनुच्छेद (Heading section) में प्रथम लेखक (आख्या पृष्ठ पर प्रथम स्थान पर अंकित लेखक) के नाम का उल्लेख कर and others पद को लिखते है–

(ब) संकेत पत्रक (Tracing card) पर भी लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख एक ही निम्नवत उल्लिखित होगी–

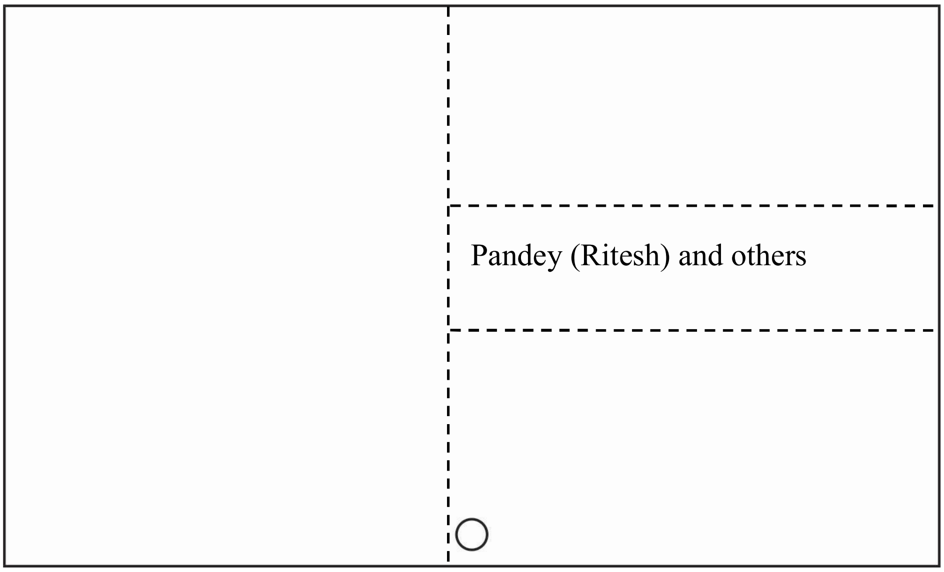

12.5 सूचीकरण उदाहरण

उदाहरण–1

(दो संयुक्त व्यक्तिगत लेखक तथा एक सहकारक)

MENTAL DEGENERATION OF THE CRIMINALS

By

Robert E. Goodin

Mark Bovens

Forth Revised edition

Ed by

Martin Daunton

Nature America Publishers

New York, 1992

Other Information :

- Call No. : Y65:423 N92
- Acc No. : 6215

मुख्य संलेख (Main Entry)

	Y65:423 N92	
		GOODIN (Robert E.) and BOVENS (Mark). Mental Degenaration of the Criminals. Rev.ed.4. Ed by Martin Daunton.
	6215	

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Mental, Criminal.
Criminal, Sociology.
Sociology

Goodin (Robert E.) and Bovens (Mark).
Bovens (Mark) and Goodin (Robert E).

Daunton(Martin),Ed.

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) हेतु श्रृंखला प्रक्रिया (Chain Procedure)

वर्ग संख्या = Y65:423

Y	=	Sociology	— (Sought Link)
Y6	=	Abnormal, and Defective	— (Unsought Link)

Y65	=	Criminal, Sociology	— (Sought Link)
Y65:	=	————.	— (False Link)
Y65:4	=	Social Pathology.	— (Unsought Link)
Y65:42	=	Degeneration	— (Unsought Link)
Y65:423	=	Mental, Criminal,	— (Sought Link)

उपरोक्त विवरणानुसार खोज कड़ी (Shougt Link) के रूप में निम्न कड़ियों के लिए वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) निर्मित किये जायेंगे–

1- Mental, Criminal.

2- Criminal, Sociology

3- Sociology

वर्ग निर्देशी संलेख–1 **(Class Index Entry-1)**

MENTAL, CRIMINAL

For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number.

Y65:423

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

CRIMINAL, SOCIOLOGY.

For documents in this class and its Subdivision, see the Classifiied Part of the Catalogue Under the Class Number.

Y65

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

SOCIOLOGY

For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number.

Y

संयुक्त लेखन ग्रंन्थ निर्देशी संलेख (Joint Author Book Index Entry)

GOODIN (Robert E.) and BOVENS (Mark)

Mental Degeneration of the criminals.Rev.ed.4.

Y65:423 N92

संयुक्त लेखन ग्रंन्थ निर्देशी संलेख (Joint Author Book Index Entry)

BOVENS(Mark) and GOODIN (Robert E.)

Mental Degeneration of the criminals.Rev.ed.4.

Y65:423 N92

सम्पादक ग्रंन्थ निर्देशी संलेख (Editor Book Index Entry)

	DAUNTON (Martin),Ed. Goodin and Bovens: Mental Degenerationof the criminals. Rev.ed.4 Y65:423 N92	

टिप्पड़ी–

1. मुख्य संलेख (Main entry) के शीर्षक अनुच्छेद में दोनों लेखकों के नाम को जिस क्रम में वह आख्या पृष्ठ (Title Page) पर अंकित है, योजक पद 'and'लगाकर अंकित किया गया है।
2. संकेत पत्रक (Tracing Card)में संयुक्त लेखक ग्रंथ संलेख (Joint Author Book Index Entry) हेतु दोनों लेखकों के नाम परिवर्तन कर दो ग्रन्थ निर्देशी संलेख निर्मित किये गये है। इस प्रकार दो लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख लेखकों के नामों के क्रम को पलट कर निर्मित किये गये हैं।
3. संपादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Editor Book Index entry)के द्वितीय अनुच्छेद में दोनों संयुक्त लेखक के कुलनाम (Sirname)का प्रयोग योजक चिन्ह 'and'लगाकर अंकित किया गया है।

उदाहरण–2

(दो संयुक्त व्यक्तिगत लेखक के साथ सहकारक, ग्रन्थमाला एवं ग्रन्थमाला संपादक)

PREVENT AND REVERSE HEART DISEASE

The Revolutionary, scientifically Proven, Nutrition based cure

By

Caldwell E. Esselstyn

Joel Fuhrman .

Ed .6

Ed by

Ann crile Esselstryn

Louis Ignarro

Penguin Books

USA, 2010

Other Information :

- Call No. : L32:4:5 P10
- Acc No. : 9214
- Note : Penguin Books in Medical Science.
  Edited by Herry Louis Gates.10

मुख्य संलेख (Main Entry)

L32:4:5 P10

ESSELSTYN (Caldwell E.) and FUHRMAN (Joel).

Prevent and Reverse Heart disease: The Revolutionary, Scientifically Proven, Nutrition based cure. Ed6. Ed by Ann Crile Esselstyn and Louis Ignarro.

(Penguin Books in medical Science. Ed by Henry Louis Gates.10)

9214

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Preventive Step, Disease. Disease, Heart. Heart, Medicine. Medicine. Esselstyn (Caldwell E.) and Fuhrman (Joel) Fuhrman (Joel) and Esselstyn (Caldwell E.) Esselstyn(Ann Crile) and Ignarro (Louis), Ed. Ignarro (Louis) and Esselstyn (Ann Crile),Ed. Penguin Books in Medical Science. Gates (Henary Louis), Ed.

वर्ग निर्देशी संलेख (**Class Index Entry**) हेतु श्रृंखला प्रक्रिया (**Chain Procedure**)

वर्ग संख्या = L32:4:5

L	=	Medicine	—	(Sought Link)
L3	=	Circulatory system	—	(Unsought Link)
L32	=	Heart,Medicine	—	(Sought Link)
L32:	=	————.	—	(False Link)
L32:4	=	Disease, Heart.	—	(Sought Link)
L32:4:	=	————.	—	(False Link)
L32:4:5	=	Preventive step, Disease	—	(Sought Link)

उपरोक्त विवरणानुसार खोज कड़ी (Sought Link) के रूप में निम्न कड़ियों के लिए वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) निर्मित होगी–

1- Preventive step, Disease

2- Disease, Heart

3- Heart, Medicine

4- Medicine.

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

PREVENTIVE STEP, DISEASE.

For documents in this class and its subdivision,see the classified Part of the catalogue under the class Number

L32:4:5

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

DISEASE, HEART

For documents in this class and its subdivision,see the classified Part of the catalogue under the class Number

L32:4

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

HEART MEDICINE

For documents in this class and its subdivision,see the classified Part of the catalogue under the class Number

L32

वर्ग निर्देशी संलेख–4 (Class Index Entry-4)

MEDICINE

For documents in this class and its subdivision,see the classified Part of the catalogue under the class Number

L

संयुक्त लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Joint Author Book Index Entry)

ESSELSTYN (Caldwell E.) and FUHRMAN (Joel)
Prevent and Reverse Heart Disease. Ed6.
L32:4:5 P10

संयुक्त लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Joint Author Book Index Entry)

FUHRMAN (Joel)and ESSELSTYN (Caldwell E.)
Prevent and Reverse Heart Disease. Ed.6
L32:4:5 P10

संयुक्त संपादक ग्रंन्थ निर्देशी संलेख (Joint Editor Book Index Entry)

ESSELSTYN (Ann crile) and IGNARRO (Louis) Ed.
Esselstyn and Fuhrman: Prevents and ReverseHeart Disease. Ed.6
L32:4:5 P10

संयुक्त संपादक ग्रंन्थ निर्देशी संलेख (Joint Editor Book Index Entry)

IGNARRO (Louis) and ESSELSTYN (Ann crile),Ed.
Esselstyn and Fuhrman: Prevent and ReverseHeart Disease. Ed6.
L32:4:5 P10

ग्रन्थमाला ग्रंन्थ निर्देशी संलेख (Series Book Index Entry)

PENGUIN BOOKS IN MEDICAL SCIENCE
10 Essetstyn and Fuhrman: Prevent and ReverseHeart Disease. Ed. 6.
L32:4:5 P10

ग्रन्थमाला सम्पादक नामान्तर निर्देशी संलेख (Editor of Series Book Index Entry)

GATES (Henry Louis), Ed.
See
PENGUIN BOOKS IN MEDICAL SCIENCE

टिप्पड़ी–

- संकेत पत्रक (Tracing Card) में प्रयुक्त लेखक को अंकित करते हुए एक पंक्ति पर समायोजित न हाने की स्थिति में अनुवर्ती पंक्ति पर दो अक्षर का रिक्त स्थान छोड़कर अवशेष सूचना अंकित की जाती है।

- उपआख्या (Subtitle)का अंकन इतर संलेखों (Added entries)में नियमानुसार नही किया जाता।
- ग्रन्थमाला संपादक नामान्तर निर्देशी संलेख (Editor of series cross Reference Index entry)का निर्माण नियमानुसार किया गया है।

उदाहरण–3

(तीन संयुक्त व्यक्तिगत लेखक, दो सहकारक, ग्रन्थमाला एवं दो ग्रन्थमाला संपादक)

COLLECTED STORIES OF RABINDRANATH TAGORE.

By

Nikhil Ghosh

Samresh Basu

Narayan Sanyal .

Ed .2

Ed by

Bimal Ghosh and Vipul Chakrabarty

Bang Sahitya Press

Colcatta, 2015

Other Information :

- Call No. : 0157, 3M61 P15
- Acc No. :2961
- Note : Tagor Book Series No.6 . Edited by Ram kamal Sen and Reena Ghosh

मुख्य संलेख (Main Entry)

		0157, 3M61 P15
		GHOSH (Nikhil)and others. Collected stories of Rabindranath Tagore. Ed.2 Ed by Bimal Ghosh and Vipul Chakrabaryty. (Tagore Book Series. Ed by Ram kamal sen and Reena Ghosh.6.)
	2961	○

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Rabindranath Tagore, short stories. Short stories, Bengali. Bengali, Literature Literature. Ghosh (Nikhil) and Others. Ghosh (Bimal) and Chakrabarty (Vipul), Ed. Chakrabarty (Vipul) and Ghosh (Bimal) Ed. Tagor Book Series. Sen (Ram Kamal) and Ghosh (Reena), Ed. Ghosh ○ (Reena) and Sen (Ramkamal), Ed.

वर्ग निर्देशी संलेख (**Class Index Entry**) हेतु श्रृंखला प्रक्रिया (**Chain Procedure**)

वर्ग संख्या =O157,3M61

O = Literature

O157 = Bengali, Literature

O157,3 = Short stories, Bengali

O157,3M61 = Ravindranath Tagor, Short Stories

उपरोक्त 4 खोज कड़ी (Sought Link) के लिए वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) बनाये जायेंगे। महत्वपूर्ण है कि कड़िया खोली जाती है ऊपर से नीचे परन्तु संकेत पत्रक (Tracing card) पर नीचे से ऊपर अंकित की जाती हैं फिर उसी क्रम में वर्ग निर्देशी संलेख पत्रक (Class Index Entry card) निर्मित किये जाते है।

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry)

RABINDRANATH TAGORE, SHORT STORIES.

For documents in this class and its subdivisions, see the classified part of the catalogue under the class Number

O157,3M61

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry)

SHORT STORIES, BENGALI.

For documents in this class and its subdivisions, see the classified part of the catalogue under the class Number

O157,3

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry)

BENGALI, LITERATURE

For documents in this class and its subdivisions, see the classified part of the catalogue under the class Number

O157

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry)

LITERATURE

For documents in this class and its subdivisions, see the classified part of the catalogue under the class Number

O

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

GHOSH (Nikhil) and others

Collected stories or Rabindranath Tagore. Ed2.

O157,3M61 P15

सह संम्पादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Joint editor Book Index Entry)

GHOSH (Bimal) and CHAKRABARTY (Vipul), Ed.
Ghosh and others: Collected stories of Rabindranath Tagore.Ed2.
O157,3M61 P15

सह संम्पादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Joint editor Book Index Entry)

CHAKRABARTI (Vipul) and GHOSH (Bimal),Ed.
Ghosh and Others: Collected stories of Rabindranath Tagore. Ed2.
O157,3M61 P15

ग्रन्थमाला ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Series Book Index Entry)

TAGORE BOOK SERIES
6 Ghosh and others: collected stories of Rabindranath Tagore. Ed.2
O157,3M61 P15

ग्रन्थमाला सहसम्पादक नामान्तर निर्देशी संलेख (Joint Ed. of Series cross Refrence Index Entry)

SEN (Ramkamal) and Ghosh (Reena), Ed.
See
TAGORE BOOK SERIES.

ग्रन्थमाला सहसम्पादक नामान्तर निर्देशी संलेख (Joint Ed. of Series cross Refrence Index Entry)

GHOSH (Reena) and SEN (Ramkamal),Ed.
See
TAGORE BOOK SERIES.

टिप्पड़ी–

- मुख्य संलेख में नियमानुसार केवल प्रथमांकित लेखक का नाम शीर्षक अनुच्छेद (Heading section)में अंकित कर 'and others' पद का प्रयोग अन्त में किया गया है।

- आख्या अनुच्छेद (Title section)में संम्पादक को लेखक की ही भाँति 'and' योजक पद लगाकर अंकित किया गया है।

- संकेत पत्रक (Tracing card)में ग्रन्थ के सम्पादक एवं ग्रन्थमाला सम्पादक दोनों को क्रमवार पलट कर अंकित किया गया है तदुपरान्त इतर संलेख निर्मित किये गए हैं।

- टिप्पणी अनुच्छेद (Note section)में ग्रन्थमाला सम्पादक जिस क्रम में आख्या पृष्ठ (Title Page) पर उल्लिखित है उसी क्रम में लिखकर योजक पद 'and' के द्वारा दोनों के नामों का उल्लेख किया गया है।

उदाहरण–4

(चार संयुक्त व्यक्तिगत लेखक के साथ अनुवादक एवं संपादक)

ELEMENTS OF NUCLEAR PHYSICS.

By

Rubi Emma- claire
David Baddiel
Edmund Backhouse
Francis Bacon .

Ed .6

Edited by
Robert Bage

Tranalated by
Hilary Baker

Yes International Publishers
New york, 2009

Other Information :

- Call No. : C9B3 P09
- Acc No. : 5226
- Note : Yes Master series in Phisics. Edited by John Donne. No.12.

मुख्य संलेख (Main Entry)

	C9B3	P09
	5926	EMMA-CLAIRE (Rubi) and others. Eliments of Nuclear Physics. Ed6. Ed by RobertBage. Tr by Hilary Baker. (Yes Master Series in Physics. Ed by John Donne.12) ○

संकेत पत्रक (Tracing card)

Nucleus, Physics. Physics. Emma-claire (Rubi) and others. Bage (Robert), Ed. Baker (Hilary), Tr. Yes Master Series in Physics. Donne (John), Ed. ○

वर्ग निर्देशी संलेख (**Class Index Entry**) हेतु श्रृखला प्रक्रिया (**Chayan Procedure**)

वर्ग संख्या–C9B3

C = Physics ————— (Sought Link)

C9B3 = Nucleus, Physics — (Sought Link)

उपरोक्त विरणानुसार खोज कड़ी (Sought Link) के रूप में निम्न दो कड़ियों के लिए वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index entry)का निर्माण किया जायेगा।

1- Nucleus, Physics

2- Physics.

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

NUCLEUS, PHYSICS

For documents in this class and its subdivisions, see the classified part of the catalogue under the class Number

C9B3

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

PHYSICS

For documents in this class and its subdivisions, see the classified part of the catalogue under the class Number

C

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (**Author Book Index Entry**)

EMMA-CLAIRE(Rubi) and others.
Elements of Nuclear Physics. Ed6.
C9B3 P09

सम्पादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (**Editor Book Index Entry**)

BAGE(Robert), Ed.
Emma- claire and others : elements of Nuclear Physics. Ed6.
C9B3 P09

अनुवादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (**Translator Book Index Entry**)

BAKER (Hilary), Tr.
Emma- claire and others: Elements of NuclearPhysics. Ed6.
C9B3 P09

ग्रन्थमाला ग्रन्थ निर्देशी संलेख (**Series Book Index Entry**)

YES MASTER SERIES IN PHYSICS.
12 Emma-claire and others: Elements of Nuclear Physics. Ed6.
C9B3 P09

ग्रन्थमाला सम्पादक नामान्तर निर्देशी संलेख (Editor of series cross Reference Index Entry)

DONNE (John), Ed.
<u>See</u>
YES MASTER SERIES IN PHYSICS

टिप्पड़ी –

- क्लासीफाइड कैटलाग कोड के नियमानुसार आख्या पृष्ठ (Title Page)पर अंकित प्रथम लेखक का कुल नाम योजकीय (Hyphenated)है। अतः उसी के अनुसार sirname को अंकित किया गया है।
- अन्य सभी इतर संलेख (Added entries)का निर्माण नियमानुसार किया गया है।

उदाहरण–5

(तीन संयुक्त व्यक्तिगत लेखक, सहकारक तथा दो ग्रन्थमाला एवं दो ग्रन्थमाला संपादक, अर्न्तविषयी संलेख के साथ)

POST- VEDIC UPANISHDS

By

Dr. Rupa Chowdhari

Dr. Seema Agnihotri

Dr. Neha Vyas

Ed .2

Edited by
Prof. Madhwi Khare

Indological Publishers
New Delhi, 2010

Other Information :

- Call No. : Q2:24 P10
- Acc No. : 4231
- Note :
  - Indological Book Series No.3. Ed by Tanima Ghosh. Religious New Book Series No. 12.Ed by Rama Awasthi
  - Part 6 devoted to Aranyaka and its class No. is Q2:23

मुख्य संलेख (Main Entry)

	Q2:24	P10
		CHOWDHARI (Rupa) and Others. Post-vedic Upnishads. Ed.2. Ed by Madhavi Khare (Indological Book Series. Ed by Tanima Ghosh.3) (Religious New Book series. Ed by Rama Awasthi.12)
	4231	○

संकेत पत्रक (Tracing card)

Q2:23	Pt.6	Upnishad, Hinduism, Post vedic. Hinduism, Postvedic, Religion Religion Aranyaka, Hinduism, Post vedic Chowdhari (Rupa) and others. Khare (Madhawi), Ed. Indological Book Series. Religious New Book series Ghosh (Tanima), Ed. Awasthi (Rama), Ed.

वर्ग निर्देशी संलेख (**Class Index Entry**) हेतु श्रृखला प्रक्रिया (**Chain Procedure**)

वर्ग संख्या = Q2:24

Q	=	Religion	—(Sought Link)
Q2	=	Hinduism, Post vedic, Religion	—(Sought Link)
Q2:	=	————.	—(False Link)
Q2:2	=	Scripture	— (Unsought Link)
Q2:24	=	Upnishad, Hinduism, Post vedic	—(Sought Link)
Q2:23	=	Aranyka, Hinduism, Post vedic	—(Sought Link)

उपरोक्त विवरणानुसार खोज कड़ी के रूप में मूल पुस्तक के लिए तीन कड़ी एवं पुस्तक के भाग के लिए एक कड़ी। इस प्रकार निम्न चार खोज कड़ियों हेतु वर्ग निर्देशी संलेख निर्मित किये जायेगें चौथी खोज कड़ी पुस्तक के भाग के लिए है इसलिए वो कड़ी बाद में संकेत पत्रक पर लिखी जायेगी।

1- Upnishad, Hinduism,post vedic

2- Hinduism, Post vedic, Religion.

3- Religion.

4- Aranyaka, Hinduism, Post vedic.

अंर्तविषयी संलेख (Cross Reference Entry)

	Q2:23	
		<u>See also</u> Q2:24 P10 Chowdhari and others. Post vedic Upnishads. Ed2. Pt.6.

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

	UPNISHAD, HINDUISM, POST VEDIC.	
	For documents in this class and its subdivisions, see the classified part of the catalogue under the class Number Q2:24	

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

HINDUSM, POST VEDIC, RELIGION.

For documents in this class and its subdivisions, see the classified part of the catalogue under the class Number

Q2

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

RELIGION.

For documents in this class and its subdivisions, see the classified part of the catalogue under the class Number

Q

वर्ग निर्देशी संलेख–4 (**Class Index Entry-4**)

ARANYAKA, HINDUISM, POST VEDIC.
For documents in this class and its subdivisions, see the classified part of the catalogue under the class Number
Q2:23

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

CHOWDHARI (Rupa) and others.
Post Vedic Upanishadas. Ed2.
Q2:24 P10

सम्पादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (**Editor Book Index Entry**)

	KHARE (Madhawi), Ed.	
		Chowdhari and others : Post Vedic Upanishadas. Ed2. Q2:24 P10

ग्रंथमाला ग्रन्थ निर्देशी संलेख–1 (**Series Book Index Entry-1**)

	INDOLOGICAL BOOK SERIES	
	3	Chowdhari and others : Post Vedic Upanishadas. Ed2. Q2:24 P10

ग्रंथमाला ग्रन्थ निर्देशी संलेख–2 (**Series Book Index Entry-2**)

	RELIGIOUS NEW BOOK SERIES	
	12	Chowdhari and others : Post Vedic Upanishadas. Ed2. Q2:24 P10

ग्रंथमाला सम्पादक नामान्तर निर्देशी संलेख–1 (**Editor of Series Cross Reference Index Entry-1)**

	GHOSH (Tanima), Ed.	
		See INDOLOGICAL BOOK SERIES.

ग्रंथमाला सम्पादक नामान्तर निर्देशी संलेख–2 (Editor of Series Cross Reference Index Entry-2)

	AWASTHI (Rama), Ed.	
		See RELIGIOUS NEW BOOK SERIES.

टिप्पड़ी–

1. प्रासांगिक ग्रन्थ में स्वतंत्र रूप से दो ग्रन्थमाला टिप्पड़ी दी गई है। अतः नियमानुसार दोनों को पृथक अनुच्छेद के रूप में अंकित किया गया है।
2. संकेत पत्रक (Tracing Card) में अर्न्तविषयी संलेख हेतु केवल उन अंशों से श्रंखला निर्मित की गई है जो मुख्य संलेख के वर्गांक इंतर हैं।

12.6 अभ्यास हेतु मुख्यपृष्ठ

उदाहरण–1

(दो संयुक्त व्यक्तिगत लेखक, सहकारक, ग्रन्थमाला)

TEACHING OF FOREIGN LANGUAGES TO SECONDARY SCHOOL CHILDREN

By

Prof. Kanti P. Bajpai

Prof. Harsh V. Pant

Ed. by

Dr. Reshma Chauhan

Fourth Edition

Pentagan Press,

New Delhi, 1999

Other Information :

- Call No. : T2:3 (P5) N99
- Acc. No. : 16001
- Note : New Book Series in Education No. 12. Ed. by. Smt. Nilima Khare.

उदाहरण–2

(दो संयुक्त व्यक्तिगत लेखक, सहकारक, ग्रन्थमाला एवं ग्रन्थमाला सम्पादक)

COLLECTION OF BENGALI DRAMA

By

Dr. Tuhina Bose

Dr. Rupa Banerjee

Edition By

Dr. Supriya Pathak

Dr. Chitralekha Sen

Ed. 6

Sayonara Publishers

Indore, 2002

Other Information :

- Call No. : 0157,2 P02
- Acc. No. : 4213
- Note : Bengali Drama Collection Series No. 16.
  Edited by Smt. Swapna Chaterjee and Runa Ghosh.

उदाहरण–3

(तीन संयुक व्यक्तिगत लेखक, दो सहकारक, ग्रन्थमाला एवं ग्रन्थमाला सम्पादक)

CHRISTIAN MARRIAGE LAW

By

Jeni Whalan
David Malet
Alexendar Betts

Ed. by

Tim Dunne
Milza Kurki
2nd Revised Edition

Oxford University Press
London, 2001

Other Information :

- Call No. : Z(Q6), 122 P01
- Acc. No. : 2361
- Note : Social Customs new Book Series No. 16.
  Edited by Alex J. Bellamy and Paul D. Williams.

उदाहरण–4

(चार संयुक्त व्यक्तिगत लेखक, प्रथम लेखक योजकीय प्रविष्टि पद वाला सम्पादक एवं अनुवादक)

Functions of Prime Minister
In
ADemocratic Country

By

Rhodari Jeffreys-Jones
David Mallet
Rosemary Foot
Hugh White

Translated by

Taylor B. Segpolt

Edited by
Anja P. Jakobi
Third Edition

Crown Publishing Group
New York, 2006

Other Information :

- Call No. : W6, 21:3 N06
- Acc. No. : 9242
- Note : New Books in Political Science Series. No. 11. Edited by Celeste Montoya.

उदाहरण–5

(तीन संयुक्त व्यक्तिगत लेखक, सहकारक, ग्रन्थमाला, अर्न्तविषयी सूचना के साथ)

The British Constitution
A Very Short Introduction

By
Martin Loughlin
Tony Wright
Martin Bunton

Ed. by
John Pinder
Richard M. Valelly

Harper Collins
London, 2006

Other Information :

- Call No. : V56:2 P06
- Acc. No. : 9214
- Note : • Harper Master Book Series No. 28 Ed. by Martin Thomas.
  • Pt. 6 devoted to state and Religion and its class No. is - V56:3 (Q)

12.7 संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Ranganathan (SR) : Classified Catalogue Code. Ed6. Banglore, Sharda Ranganathan Endowment for Library Science, 1992
2. Ranganathan (SR) : Cataloguing Practice. Ed2. Banglore, Sharda Ranganathan Endowment for Library Science, 1994
3. Krishna Kumar : An Introduction to Catologuing Practice, N. Delhi, 1996
4. सूद (एस0डी0) : सूचीकरण प्रक्रिया, जयपुर, आर0बी0एस0ए0, 1998
5. शर्मा (बी0डी0) : अनुवर्ग प्रसूची नियमावली : एक व्यावहारिक अध्ययन, वाई0के0 पब्लिशर्स, आगरा, 1999
6. गौतम (जे0एन0) : एडवान्स्ड कैटलांगिग प्रैक्टिस, आगरा, वाई0के0 पब्लिशर्स, 2010
7. वर्मा (ए0के0) : क्रियात्मक अनुवर्ग सूचीकरण, रामपुर, सेन्ट्रल बुक हाउस, 1999

इकाई 13. छद्मनामधारी लेखकों द्वारा रचित पुस्तकों का सूचीकरण (CATALOGUING OF BOOKS BY PSEUDONYM AUTHORS)

इकाई की रूपरेखा

13.1 प्रस्तावना

13.2 उद्देश्य

13.3 छद्मनामधारी लेखक से तात्पर्य

13.4 छद्मनामधारी लेखक हेतु शीर्षक के चयन एवं उपकल्पन के नियम

13.5 सूचीकृत उदाहरण

13.6 अभ्यास हेतु मुखपृष्ठ

13.7 संदर्भ ग्रन्थ सूची

13.1 प्रस्तावना

ग्रन्थ की रचना जब लेखक अपने वास्तविक नाम से न करके अपितु मिथ्या अथवा कोई कृत्रिम नाम से करें तो उसे छद्मनामधारी लेखक (Pseudonym Author) की संज्ञा दी जाती है। छद्मनाम का यह प्रचलन कोई नया नहीं है। देश–विदेश में कृत्रिम नाम से साहित्य को लिखने की प्रवृत्ति लेखकों में प्राचीन काल से देखने को मिलती है।

उदाहरणार्थः–

कृत्रिम नाम		वास्तविक नाम
• प्रेमचन्द	————————	धनपत राय
• कौटिल्य	————————	विष्णुगुप्त
• अज्ञेय	————————	सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन
• नागार्जुन	————————	वैद्य नाथ मिश्रा (Vaidya Nath Mishra)
• मार्क ट्वेन	————————	सैमुअल लैंगहार्न क्लीमेन्स (Samual Longhorne Clemens)

लेखक के लिए ये कृत्रिम नाम बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि साहित्य जगत में लेखक एवं ग्रन्थ, की पहचान लेखक के वास्तविक नाम से न होकर कृत्रिम एवं छद्मनाम से अधिक होती है।

10.2 उद्देश्य

इस इकाई के निम्नलिखित उद्देश्य है–

1. शिक्षार्थियों को छद्मनामधारी लेखक (Pseudonym Author) से सुपरिचित कराना।
2. छद्मनामधारी लेखकों द्वारा रचित पुस्तकों के लिए क्लासीफाइड कैटलाग कोड में निर्देशित प्रसूचीकरण नियमों से शिक्षार्थियों को अवगत कराना।
3. शिक्षार्थियों को छद्मनामधारी लेखकों द्वारा लिखी गई पुस्तकों के प्रायोगिक सूचीकरण से सुपरिचित कराना।

13.3 छद्मनामधारी लेखक से तात्पर्य

डॉ0 एस0 आर0 रंगनाथन के अनुसार ''एक लेखक द्वारा प्रयुक्त मिथ्या अथवा काल्पनिक नाम जो लेखक के वास्तविक नाम से भिन्न कोई विशिष्ट नाम हो। एक कृत्रिम नाम लेखक को अन्यों के द्वारा प्रदान किया जाता है अथवा कृत्रिम नाम लेखक के स्वयं के जीवन अथवा जीवनोपरान्त यह लेखक द्वारा आकस्मिक रूप से अपनाया जाता है''।

ए0ए0सी0आर0– 1967 के अनुसार ''लेखक द्वारा अपने वास्तविक नाम से भिन्न ग्रन्थ में ग्रहीत नाम कृत्रिम नाम कहलाता है''।

लाइब्रेरियन ग्लोसरी के अनुसार ''अपने वास्तविक नाम से भिन्न लेखक द्वारा गृहीत नाम कृत्रिम नाम/छद्मनाम कहलाता है''।

ए0 एल0 ए0 ग्लोसरी आफ लाइब्रेरी टर्मस के अनुसार ''लेखक द्वारा अपने परिचय को गुप्त रखने के लिए अपनाया गया नाम कृत्रिम नाम कहलाता है''।

अतः उपरोक्तानुसार निष्कर्षतः हम कह सकते है कि कृत्रिम नाम/छद्मनाम से तात्पर्य लेखक द्वारा अपनाया गया वह नाम जो उसके वास्तविक नाम से भिन्न हो।

13.4 छद्मनामधारी लेखक हेतु शीर्षक के चयन एवं उपकल्पन के नियम

क्लासीफाइड कैटलाग कोड में छद्मनामधारी लेखकों के शीर्षक (Heading) के चयन एवं उपकल्पन हेतु निम्न नियमों का प्रावधान किया गया है:–

(अ) आख्या पृष्ठ पर केवल छद्मनाम

नियम संख्या MD41 के अनुसार यदि आख्या पृष्ठ (Title Page) पर लेखक के स्थान पर केवल छद्मनाम का उल्लेख हो तो शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section) में लेखक के छद्मनाम का प्रयोग किया जायेगा। छद्मनाम के पश्चात् कामा (,), लगाकर विवरणात्मक पद (Descriptive term Pseud) लिखेंगे एवं Pseud को रेखांकित (Underline) करेंगे। अन्त में पूर्ण विराम (.) लगायेंगे।

उदाहरणार्थः–

PANTHER, Pseud.
GURUDEV, Pseud.
BIRBAL, Pseud.

(ब) छद्मनाम के साथ–साथ वास्तविक नाम का उल्लेख

नियम संख्या MD421 के अनुसार यदि आख्या पृष्ठ (Title Page) पर लेखक के छद्मनाम के साथ ही वास्तविक नाम का भी उल्लेख हो तो शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section) में छद्मनाम के पश्चात् कामा (,) लगाकर विवरणात्मक पद 'Pseud'के पश्चात कामा (,) लगाकर वृत्ताकार कोष्ठक में i.e लिखने के उपरान्त कामा (,) लगाकर वास्तविक नाम सामान्य क्रम में लिखा जाता है। उसके उपरान्त कोष्ठक बन्द कर दिया जाता है। यदि यह सूचना एक पंक्ति पर समायोजित नहीं हो पाती तो अनुवर्ती पंक्ति प्रथम उर्ध्वरेखा (First Indention) से वापस होती है।

उदाहरणार्थः–

SAPPHIRE, Pseud, (i.e. Ramana Lofton).
Premchand, Pseud, (i.e. Dhanpat Rai).

वास्तविक नाम से पाठक के पुस्तक खोज अभिगम की पूर्ति हेतु वास्तविक नाम से छद्मनाम (Real Neme to Pseudonym) हेतु एक नामान्तर निर्देशी संलेख (Cross Reference Index Entry) का निर्माण किया जाता है।

(स) **वास्तविक नाम के अधीनस्थ छद्मनाम**

नियम संख्या MD422 के अनुसार यदि आख्या पृष्ठ (Title Page) पर लेखक का वास्तविक नाम दिया गया हो एवं छद्मनाम (Pseudonym) अधीनस्थ रूप से जुड़ा हो तो ऐसी स्थिति में शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section) में लेखक के वास्वविक नाम का उपकल्पन किया जायेगा। उसके पश्चात कामा (,) लगाकर वृत्ताकार कोष्ठक में i.e. के पश्चात छद्मनाम का उल्लेख कर पुनः कामा (,) लगाकर Pseud लिखेंगे।

MISHRA (V. N), (i.e. Nagarjun, Pseud).
SINGH (Chanchal), (i.e. Afsana, Pseud).

(द) **वास्तविक नाम का ज्ञान बाहरी स्रोत से**

नियम संख्या MD423 के अनुसार यदि लेखक का वास्तविक नाम ग्रन्थ मे ंन उल्लिखित हो तथा बाहरी स्रोत से ज्ञात हो तो शीर्षक अनुच्छेद में लेखक के छद्मनाम को ही अंकित कर उसके बाद कामा (,) लगाकर विवरणात्मक पद Pseudलगाते हैं। उसके पश्चात कामा (,) लगाकर दीर्घ कोष्ठक में i.e. लिखकर वास्तविक नाम का उल्लेख सामान्य क्रम में करते हैं।

उदाहरणार्थः–

DANGER, Pseud, [i.e. Ramesh khare]
LILY, Pseud, [i.e. Ruma Ghosh].

(क) **दो सहलेखकों द्वारा एक छद्मनाम का प्रयोग**

नियम संख्या MD424 के अनुसार यदि दो सहलेखकों द्वारा सम्मिलित रूप से एक छद्मनाम का प्रयोग किया जाता है और दोनों सहलेखकों का वास्तविक नाम भी ग्रन्थ में उपलब्ध है तो ऐसी स्थिति में शीर्षक अनुच्छेद में छद्मनाम से शीर्षक का निर्माण होगा। तद्पश्चात कामा (,) लगाकर Pseudके पश्चात पुनः कामा (,) लगाकर गोल कोष्ठक में i.e.के उपरान्त दोनों लेखकों के वास्तविक नाम का उल्लेख सामान्य शैली में होगा तथा दोनों लेखकों के नाम को and से जोड़ा जायेगा।

उदाहरणार्थः–

TWO SISTERS, Pseud, (i.e. Tanima Paul and Tuhina Paul)
TWINS, Pseud, (i.e. Vedanand Tripathi and Yashoda Nand Tripathi)

(ख) तीन या तीन से अधिक सहलेखक द्वारा एक छद्मनाम का प्रयोग

नियम संख्या MD425 के अनुसार यदि तीन या उससे अधिक सहलेखक सम्मिलित रूप से किसी एक छद्मनाम का प्रयोग करते हैं तो शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section) में छद्मनाम को ही अंकित किया जायेगा परन्तु वृत्ताकार कोष्ठक के अन्तर्गत वास्तविक नाम के स्थान पर प्रथमांकित लेखक के वास्तविक नाम का उल्लेख कर and others लिखा जायेगा।

उदाहरणार्थः–

MUSICIAN, Pseud, (i.e. Rina Sanyal and others).
DOCTOR, Pseud, (i.e. Raj Baveja and others).

13.5 सूचीकृत उदाहरण

उदाहरण–1

(एकल छद्मनामधारी लेखक, वास्तविक नाम अज्ञात, सहकारक)

INDIAN PROPERTY LAW

By

Advocate

Law Publishers.

Allahabad, 2001

Other Information :

- Call No. : Z44, 2 N01
- Acc. No. : 3456
- Note : • Editor of This Book is Alok Yadav.
  • Real Name of the author is unknown.

मुख्य संलेख (Main Entry)

	Z44,2	P01
		ADVOCATE, Pseud. Indian Property Law. Edby Alok Yadav.
	3456	

संकेत पत्रक(Tracing Card)

Property, India.
India, Law.
Law.

Advocate, Pseud.
Yadav (Alok), Ed.

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) हेतु श्रंखला प्रक्रिया (Chain Procedure)

वर्ग संख्या = Z44,2.

Z = Law — (Sought Link)

Z44 = India, Law — (Sought Link)

Z44, = ———— (False Link.)

Z44,2 = Property, India — (Sought Link)

उपरोक्त विवरणानुसार निम्न तीन खोज कड़ी के आधार पर वर्ग निर्देशी संलेख निर्मित किये जायेंगे।

1. Property, India.
2. India, Law.
3. Law

वर्ग निर्देशी संलेख–1(Class Index Entry-1)

PROPERTY, LAW

For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number.

Z44,2

O

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

INDIA, LAW

For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number.

Z44

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

LAW

For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number.

Z

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

ADVOCATE, Pseud.

Indian Property Law.

Z44,2 P01

संपादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Editor Book Index Entry)

YADAV (Alok), Ed.

Advocate, Pseud : Indian Property Law.

Z44,2 P01

टिप्पड़ी–

- आख्या ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Title Book Index Entry) का निर्माण नहीं किया गया है। क्योंकि ग्रन्थ की आख्या (Title) से विषय का बोध हो रहा है।
- अन्य इतर संलेख नियमानुसार निर्मित किये गए हैं।

उदाहरण–2

(छद्मनामधारी लेखक, ग्रन्थ में उपलब्ध वास्तविक नाम के साथ)

SWEET REVANGE

By

J. D. Robb

Edited by

Samual Peter

Open Court Publishing Company

New York, 1980

Other Information :

- Call No. : 0111, 3 N20,2 N80
- Acc. No. : 4291
- Note : • The Real Name of Author is Nora Roberts.
  • This Infarmation is available in the book itself.

मुख्य संलेख (Main Entry)

	0111,3 N20,2	N80
	4291	ROBB (J D), Pseud, (i.e. Nora Roberts). Sweet Revange. Ed by Samual Peter.

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Sweet Revange, Robb (J D), Pseud, (i.e.Nora Roberts)
Robb (J D), Pseud, (i.e. Nora Roberts,) Fiction.
Fiction, English.
English, Literature.
Literature.

Robb (J D), Pseud, (i.e. Nora Roberts).
Peter (Samual), Ed.
Sweet Revange.

Roberts (Nora).

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) हेतु श्रंखला प्रक्रिया (Chain Procedure).

वर्ग संख्या –0111, 3N20,2

0	=	Literature	— (Sought Link)
01	=	Indo=European	— (Unsought Link)
011	=	Teutonic	— (Unsought Link)
0111	=	English, Literature	— (Sought Link)
0111,	=	—————	— (False Link)
0111,3	=	Fiction, English	— (Sought Link)
0111,3N20,	=	Robb (JD), Pseud, (i.e. Nora Roberts), Fiction	(Sought Link)
0111, N20,	=	—————	— (False Link)
0111, N20,2	=	Sweet Revange, Robb (JD) Pseud, (i.e. Nora Roberts)	

उपरोक्त विवरणानुसार निम्न पाँच खोज कड़ी (Sought Link) के आधार पर वर्ग निर्देशी संलेख निर्मित किये जायेंगे।

1. Sweet Revange, Robb (JD), Pseud, (i.e. Nora Roberts).
2. Robb (JD), Pseud, (i.e. Nora Roberts), Fiction.
3. Fiction, English.
4. English, Literature.
5. Literature.

वर्ग निर्देशी संलेख–1(Class Index Entry-1)

SWEET REVANGE, ROBB (JD), Pseud, (i.e. Nora Roberts).

For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number.

0111, 3N20, 2

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

ROBB ((JD), Pseud, (i.e. Nora Roberts), FICTION.

For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number.

0111,3 N20

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

FICTION, ENGLISH

For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number.

0111,3

वर्ग निर्देशी संलेख–4 (Class Index Entry-4)

ENGLISH, LITERATURE.

For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number.

0111

वर्ग निर्देशी संलेख–5 (Class Index Entry-5)

	LITERATURE.	
	For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number. .0	

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

	ROBB ((JD), Pseud, (i.e. Nora Roberts).	
	Sweet Revane. 0111,3 N20,2 N80	

सम्पादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Editor Book Index Entry)

PETER (Samual), Ed.

Robb, Pseud : Sweet Revange.

0111,3 N20,2 N80

आख्या ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Title Book Index Entry)

SWEET REVANGE.

By Robb, Pseud.

0111, 3 N20,2 N80

वास्तविक नाम–छद्मनाम नामान्तर निर्देशी संलेख(Real Name to Pseudonym Cross Reference Index Entry)

	ROBERTS (Nora)	
		<u>See</u> ROBB (JD), <u>Pseud</u>.

टिप्पड़ी–

1. लेखक का वास्तविक नाम ग्रन्थ में ही अंकित होने के कारण नियम संख्या MD421 का प्रयोग किया गया है।
2. वास्तविक नाम अभिगम की सम्पूर्ति हेतु नामान्तर निर्देशी संलेख का निर्माण किया गया है।

उदाहरण–3

(वास्तविक नाम के अधीन छद्मनाम, सहकारक, ग्रन्थमाला एवं ग्रन्थमाला सम्पादक)

MICROSCOPIC STUDY OF PROTOPHYTA

By

Prof. Rajesh Chaddha

Edited by

Dr. Neena Shukla

Ed 4

Shilpi Publishers

Varanasi, 2010

Other Information :

- Call No. : I 21:19 P10
- Acc. No. : 1346
- Note : • Botanical New Book Series, No. 7. Ed by Dr Neha Rastogi.
  - Green is the Pseudonym of Author.

मुख्य संलेख (Main Entry)

	I 21:19	P10
	Ed by	CHADDHA (Rajesh), (i.e. Green, Pseud). Microscopic study of Protophyta. Ed4. Neena Shukla. (Botanical New Book Series. Ed by Neha Rastogi. 7)
	1346	○

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) हेतु श्रंखला प्रक्रिया (Chain Procedure).

वर्ग संख्या	=	I 21 : 19	
I	=	Botany	— (Sought Link)
I2	=	Thallophyta	— (Unsought Link)
I21	=	Protophyta, Botany	— (Sought Link)
I21:	=	——————	— (False Link)
I21:1	=	Preliminaries	— (unsought Link)
I21:19	=	Microscopy, Potophyta	— (Sought Link)

उपरोक्त विवरणानुसार निम्न तीन खोज कड़ी के आधार पर वर्ग निर्देशी संलेख निर्मित किये जायेंगे।

1. Microscopy, Protophyta
2. Protophyta, Botany.
3. Botany.

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Microscopy, Protophyta.
Protophyta, Botany
Botany.

Chaddha (Rajesh), (i.e. Green, Pseud).
Shukla (Neena), Ed.
Botanical New Book Series.

Rastogi (Neha), Ed.
Green, Pseud.

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

MICROSOPY, PROTOPHYTA.
For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number.
I 21 : 19

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

PROTOPHYTA, BOTANY.

For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number.

I 21

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

BOTANY.

For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number.

I

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

CHADDHA (Rajesh), (i.e. Gren, Pseud).
Microscopic Study of Protophyta. Ed. 4
I 21:19 P10

सम्पादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख(Editor Book Index Entry)

SHUKLA (Neena), Ed.
Chaddha : Microscopic Study of Protophyta. Ed 4.
I 21:19 P10

ग्रन्थमाला ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Series Book Index Entry)

	BOTANICAL NEW BOOK SERIES.	
	7	Chaddha : Microscopic study of Protophyta. Ed. 4 I 21 :19 P10

ग्रन्थमाला सम्पादक नामान्तर निर्देशी संलेख (Editor of Seires Cross Refreence Index Entry)

	RASTOGI (Neha), Ed.	
		See BOTANICAL NEW BOOK SERIES.

छद्मनाम–वास्तविक नाम नामान्तर निर्देशी संलेख(Pseudonym-Real Name Cross Refreence Entry)

	GREEN, <u>Pseud.</u>	
		<u>See</u> CHADDHA (Rajesh). ○

टिप्पड़ी–

1. छद्मनाम वास्तविक नाम के अधीन है। अतः नियम संख्या MD422 के अनुसार शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section) में शीर्षक हेतु वास्तविक नाम का चयन किया गया है।
2. छद्मनाम–वास्तविक नाम (Pseudonym to Real Name) हेतु एक नामांतर निर्देशी संलेख बनाया गया है।

उदाहरण–4

(छद्मनामधारी लेखक–वास्तविक नाम वाह्य स्त्रोतों से ज्ञात)

PHYSIOLOGY OF SAFFRON FLOWER

By

Farmer

Edited by

Prof. Neeraj Ganguli

Westland Publications,

New Delhi, 1985

Other Information :

- Call No. : J662:93 N85
- Acc. No. : 4826
- Note : • The Real name of Author is Prof. Neelima Roy. It is known by outside Source.

मुख्य संलेख (Main Entry)

	J 662:93 N85	
	4826	FARMER, Pseud, [i.e. Neelima Roy]. Physiology of Saffron Flower. Ed by Neeraj Ganguli.

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Physiology, Saffron.
Saffron, Agriculture.
Agriculture.

Farmer, Pseud, [i.e. Neelima Roy].
Ganguli (Neeraj), Ed.

Roy (Neelima).

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) हेतु श्रंखला प्रक्रिया (Chain Procedure)

वर्ग संख्या	=	J662 : 93	
J	=	Agriculture	— (Sought Link)
J6	=	Drug	— (Unsought Link)
J66	=	Flower	— (Unsought Link)
J662	=	Saffron, Agriculture	— (Sought Link)
J662:	=	———————	— (False Link)
J622:93	=	Physiology, Saffron	— (Sought Link)

उपरोक्त विवरणानुसार निम्न तीन खोज कड़ी के आधार पर वर्ग निर्देशी संलेख निर्मित किये जायेंगे।

1. Physiology, Saffron.
2. Saffron, Agriculture.
3. Agriculture.

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

PHYSIOLOGY, SAFFRON.

For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number.

J662 : 93

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

	SAFFRON, AGRICULTURE.	
	For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number. J 662	

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

	AGRICULTURE.	
	For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number. J	

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

FARMER, Pseud, (i.e. Neelima Roy).
Physiology of Saffron Flower.
J662:93 N85

सम्पादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख(Editor Book Index Entry)

GANGULI (Neeraj), Ed.
Farmer, Pseud : Physiology of Saffron Flower.
J662:93 N85

वास्तविक नाम–छद्म नामान्तर निर्देशी संलेख (Real Name-Pseudonym Cross Refreence Index Entry)

	ROY	(Neelima)
		See FARMER, Pseud. ○

टिप्पड़ी–

1. शीर्षक (Heading) के चयन हेतु क्लासीफाइड कैटलाग कोड के नियम संख्या MD423 का उपयोग किया गया है। चूँकि लेखक का वास्तविक नाम बाहरी स्रोत से ज्ञात हुआ है। अतः वास्तविक नाम को दीर्घ कोष्ठक में प्रयुक्त किया गया है।
2. अन्य इतर संलेख नियमानुसार बनाये गए हैं।

उदाहरण–5

(छद्मनाम धारी लेखक, दो लेखकों द्वारा प्रयुक्त एक छद्मनाम)

LAST DARK NIGHT

By
Sweeti

Edited by
Prof. Leela Tiwari

Rose Publishers
Indore, 2004

Other Information :

- Call No. : 0111,3N4, L P04
- Acc. No. : 3421
- Note : Sweeti is the Pseudonym of Rekha Pandey and Sweta Pandey.

मुख्य संलेख (Main Entry)

	0111, 3N4, L	P04
	Sweta	SWEETI, Pseud, (i.e. Rekha Pandey and Sweta Pandey). Last Dark Night. Ed. by Leela Tiwari.
	3421	

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Last Dark Night, Sweeti, Pseud, (i.e. Rekha Pandey and Sweta Pandey.)
Sweeti, Pseud, (i.e. Rekha Pandey and Sweta Pandey, Fiction
Fiction, English.
English, Literature.
Literature.

Sweeti, Pseud, (i.e. Rekha Pandey and Sweta Pandey).
Tiwari (Leela), Ed.

Pandey (Rekha) and Pandey (Sweta).
Pandey (Sweta) and Pandey (Rekha).

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) हेतु श्रृंखला प्रक्रिया

वर्ग संख्या	=	0111, 3N4, L
0	=	Literature.
0111	=	English, Literature
0111,3	=	Fiction, English.
0111, 3N4	=	Sweeti, Pseud, (i.e. Rekha Pandey and Sweta Pandey), Fiction.
0111,3N4, L	=	Last Dark Night, Sweeti, Pseud, (i.e. Rekha Pandey and Sweta Pandey)

उपरोक्त पाँचों कड़ी खोज कड़ी (Sought Links) हैं इन्हीं की वर्ग निर्देशी संलेख निर्मित किये जायेंगे।

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

LAST DARK NIGHT, SWEETI, Pseud, (i.e. Rekha Pandey and Sweta Pandey).

For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number.

0111, 3N4, L

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

SWEETI, Pseud, (i.e. Rekha Pandey and Sweta Pandey), FICTION.

For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number.

0111,3N4

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

FICTION, ENGLISH

For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number.

0111, 3

वर्ग निर्देशी संलेख–4 (Class Index Entry-4)

ENGLISH, LITERATURE.

For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number.

0111

वर्ग निर्देशी संलेख–5 (Class Index Entry-5)

LITERATURE.

For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number.

0

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

SWEETI, Pseud, (i.e. Rekha Pandey and Sweta Pandey).
Last Dark Night.
0111,3N4, L P10

सम्पादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Editor Book Index Entry)

TIWARI (Leela), Ed.
Sweeti, Pseud : Last Dark Night.
0111, 3N4, L P04

वास्तविक नाम–छद्म नामान्तर निर्देशी संलेख (Real Name-Pseudonym Cross Refreence Index Entry)

	PANDEY (Rekha) and Pandey (Sweta)	
		See SWEETI, Pseud. ○

वास्तविक नाम–छद्म नामान्तर निर्देशी संलेख (Real Name-Pseudonym Cross Refreence Index Entry)

	PANDEY (Sweta) and Pandey (Rekha).	
		See SWEETI, Pseud. ○

टिप्पड़ी–

1. क्लासीफाइड कैटलाग कोड के नियम संख्या MD424 के अनुसार मुख्य संलेख का निर्माण किया गया है।
2. दोनों लेखकों के वास्तविक नाम से छद्मनाम के लिए दो नामान्तर निर्देशी संलेखों का निर्माण किया गया है।

उदाहरण–6

(छद्मनामधारी लेखक, तीन लेखकों द्वारा संयुक्त रूप से प्रयुक्त एक छद्मनाम)

BIOCHEMISTRY OF INORGANIC SUBSTANCES

By

Chemist

Ed by

Prof. Sudha Pandey

Ed. 3

Science Publishers

Varanasi, 2004

Other Information :

- Call No. : E 9G, 1 P04
- Acc. No. : 6721
- Note : Chemist is Pseudonym of Three authors, named- S.N. Mishra, T.N. Chaturvedi and Rahul Srivastava.

मुख्य संलेख (Main Entry)

	E 9G, 1 P04	
		CHEMIST, Pseud, (i.e. S.N. Mishra and others). Biochemistry of Inorganic Substances. Ed. 3. Ed by Sudha Pandey.
	6721	

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Inorganic Substances, Biochemistry. Biochemistry, Chemistry. Chemistry. Chemist, Pseud, (i.e. S.N. Mishra and others). Pandey (Sudha), Ed. Mishra (S.N.) and others.

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) हेतु श्रंखला प्रक्रिया (Chain Procedure).

वर्ग संख्या = E9G, 1

E	=	Chemistry ————————	(Sought Link)
E9G	=	Biochemistry, Chemistry	(Unsought Link)
E9G,	=	————————————	(Sought Link)
E9G, 1	=	Inorganic Substances, Biochemistry	(Sought Link)

उपरोक्त विवरणानुसार निम्न तीन खोज कड़ी (Sought Link) के आधार पर वर्ग निर्देशी संलेख निर्मित किये जायेंगे।

1. Inorganic Substances, Biochemistry.
2. Biochemistry, Chemistry.
3. Chemistry.

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

INORGANIC SUBSTANCES, BIOCHEMISTRY.

For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number.

E9G, 1

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

BIOCHEMISTRY, CHEMISTRY.

For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number.

E 9G

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

	CHEMISTRY.	
	For documents in this class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue Under the Class Number. E	

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

	CHEMIST, Pseud, (i.e. S.N. Mishra and others).	
	Biochemistry of Inorganic Substances. Ed. 3 E9G, 1 P04	

सम्पादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Editor Book Index Entry)

PANDEY (Sudha), Ed.

Chemist, Pseud: Biochemistry of Inorganic Substances. Ed. 3

E9G, 1 P01

○

वास्तविक नाम–छद्म नामान्तर निर्देशी संलेख(Real Name-Pseudonym Cross Refreence Index Entry)

MISHRA (S.N.) and others.

See

CHEMIST, Pseud.

○

टिप्पड़ी–

1. नियम संख्या MD425 के अनुसार मुख्य संलेख का निर्माण किया गया है।

2. इतर संलेखों का निर्माण नियमानुसार किया गया है।

13.6 अभ्यास हेतु मुख्यपृष्ठ

उदाहरण–1

(एकल छद्मनामधारी लेखक, वास्तविक नाम अज्ञात, सहकारक)

A DARK–ADAPTED EYE

By

Barbara Vine

3rd Edition

Edited by

Nora Roberts

Published by

Harper Collins,

London, 2006

Other Information :

- Call No. : 0111,3 N2 P06
- Acc. No. : 2156

उदाहरण–2

(छद्मनामधारी लेखक, ग्रन्थ में उपलब्ध वास्तविक नाम, सहकारक सहित)

SILVER BULLET

By

Richard Bachman

(1890 – 2013)

2nd Edition

Edited by

J. K. Rowling

Published by

John Wiley and Sons

London, 2009

Other Information :

- Call No. : 0111, 3M9, S P09
- Acc. No. : 3216
- Note : The Real name of author is Stephen King.

उदाहरण–3

(छद्मनाम, सहकारक एवं ग्रन्थमाला के साथ ग्रन्थमाला सम्पादक)

LUNER ECLIPSE

By

Astrologer

(1893 – 1970)

Edited by

William Smith

Oxford University Press

New York, 2004

Other Information :

- Call No. : B92:57 P04
- Acc. No. : 13415
- Note : • Real Name of the Author is Girija Shankar Shukla.
  • World Astrology Series of Books No. 13 Edited by John Day.

उदाहरण–4

(छद्मनामधारी लेखक, वास्तविक नाम वाह्य स्रोतों से ज्ञात)

LITTLE WOMEN

By

A. M. Bernard

(1818 – 1902)

Edited by

J. H. Fewkes

Pentagan Press

New Delhi, 1910

Other Information :

- Call No. : 0111, 3M18, L N10
- Acc. No. : 5230
- Note : Louisa Alcott is the Pseudonym of A.M. Bernard. This Information is got by outside Source.

उदाहरण–5

(छद्मनामधारी लेखक, दो संयुक्त लेखक द्वारा प्रयुक्त एक छद्मनाम)

DRAK BLACK NIGHT

By

F.D. Green

Fledgling Press

Edinburgh, 2006

Other Information :

- Call No. : 0111, 3N2, D P06
- Acc. No. : 9214
- Note : F.D. Green is Joint Pseudonym of William Blake and John Masefield.

उदाहरण–6

(छद्मनामधारी लेखक–तीन लेखकों द्वारा संयुक्त रूप से प्रयुक्त एक छद्मनाम)

INDIAN MARRIAGE LAW

By

Kanoon

Ed.by

D.S. Chauhan

Ed. 3

Modern Publishers

New Delhi, 2006

Other Information :

- Call No. : Z44, 122 P06
- Acc. No. : 9615
- Note : Kanoon is Pseudonym of three authors named - Suchitra Sahoo, Urmila Pandey and Neha Srivastava.

13.7 संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Ranganathan (SR) : Classified Catalogue Code. Ed6. Banglore, Sharda Ranganathan Endowment for Library Science, 1992
2. Ranganathan (SR) : Cataloguing Practice. Ed2. Banglore, Sharda Ranganathan Endowment for Library Science, 1994
3. Krishna Kumar : An Introduction to Catologuing Practice, N. Delhi, 1996
4. सूद (एस0डी0) : सूचीकरण प्रक्रिया, जयपुर, आर0बी0एस0ए0, 1998
5. शर्मा (बी0डी0) : अनुवर्ग प्रसूची नियमावली : एक व्यावहारिक अध्ययन, वाई0के0 पब्लिशर्स, आगरा, 1999
6. गौतम (जे0एन0) : एडवान्स्ड कैटलांगिग प्रैक्टिस, आगरा, वाई0के0 पब्लिशर्स, 2010
7. वर्मा (ए0के0) : क्रियात्मक अनुवर्ग सूचीकरण, रामपुर, सेन्ट्रल बुक हाउस, 1999

इकाई 14. बहुखण्डीय ग्रन्थों का सूचीकरण (CATALOGUING OF MULTI-VOLUMED BOOKS)

इकाई की रूपरेखा

14.1 प्रस्तावना

14.2 उद्देश्य

14.3 बहुखण्डीय ग्रन्थ से तात्पर्य

14.4 बहुखण्डीय ग्रन्थों के प्रकार

14.1.1 बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–1

14.1.2 बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–2

14.5 सूचीकृत उदाहरण

14.6 अभ्यास हेतु उदाहरण

14.7 संदर्भ ग्रन्थ सूची

14.1 प्रस्तावना

अधिकांशतः पुस्तकें एक खण्ड में ही प्रकाशित होती है। परन्तु कभी–कभी पाठ्य सामग्री इतनी ज्यादा, होती है कि एक खण्ड में यदि प्रकाशित होती है तो पाठकों एवं उपयोग करने की दृष्टि से बहुत विशाल आकार होने के कारण पुस्तक के क्षतिग्रस्तता की संभावना अधिक हो जाती है। इस कारण पुस्तक को एक से अधिक खण्डों में प्रकाशक द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

14.2 उद्देश्य

इस इकाई के निम्नलिखित उद्देश्य है–

1. शिक्षार्थियों को बहुखण्डीय ग्रन्थ की अवधारणा से सुपरिचित कराना।
2. बहुखण्डीय ग्रन्थ के प्रकारों से अवगत कराना।
3. सूचीकृत उदाहरण के माध्यम से बहुखण्डीय ग्रन्थों के प्रायोगिक सूचीकरण से शिक्षार्थियों को अवगत कराना।
4. बहुखण्डीय ग्रन्थों के पुस्तकालय में उपलब्धता के आधार पर, पूर्ण संघात, अपूर्ण संघात, अपूर्ण उपलब्ध संघात ग्रन्थों के प्रायोगिक सूचीकरण हेतु नियमों से अवगत कराना।

14.3 बहुखण्डीय ग्रन्थ से तात्पर्य

जब लेखक द्वारा किसी विषय पर लिखित विषय सामग्री बहुत अधिक पृष्ठों की हो जाती है, तो उसके आकार को संक्षिप्त करने तथा पाठकों की सुविधा के लिए उसे एक खण्ड में प्रकाशित न कर, आकार के आधार पर एक से अधिक खण्डों में प्रकाशित किया जाता है, तो उसे बहुखण्डीय ग्रन्थ की संख्या दी जाती है। बहुखण्डीय ग्रन्थ के स्वरूपों में विविधता होती है। कुछ बहुखण्डीय ग्रन्थों के सभी खण्डों की एक ही आख्या होती है, जबकि कुछ बहुखण्डीय ग्रन्थों में सभी खण्डों की एक समान आख्या के साथ ही साथ पृथक–पृथक खण्डों की पृथक–पृथक आख्या भी होती है।

डा0 एस0आर0 रंगनाथन के अनुसार ''दो या दो से अधिक खण्डों में लगातार प्रदत्त विचारों के ग्रन्थ और इसके लिए अथवा अन्य किसी कारण से खण्डों में निहित विचार के सभी खण्डे अविभाज्य स्वरूप में एक ही खण्ड में हो, ऐसे ग्रन्थ बहुखण्डीय ग्रन्थ कहलाते हैं।''

ए0ए0सी0आर–2 के अनुसार ''मोनोग्राफ अथवा पृथक–पृथक भागों में निश्चित रूप से सम्पूर्ण होने वाले ग्रन्थ बहुखण्डीय ग्रन्थ कहलाते हैं।

14.4 बहुखण्डीय ग्रन्थों के प्रकार (Types of Multivolumed Books)

क्लासीफाइड कैटलाग कोड में प्रायोगिक सूचीकरण की दृष्टि से बहुखण्डीय ग्रन्थों को निम्नवत् दो प्रकारों में विभक्त किया गया हैः–

1. बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–1
2. बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–2

उपरोक्त दोनों कोटियों का विस्तृत विवरण निम्नवत् हैः–

14.4.1 बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–1 (Multivolumed Books Type-1)

बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–1 की निम्नलिखित विशेषतायें होती हैः–

- सभी खण्डों की एक ही सामान्य आख्या (Common Title) होती है
- अलग–अलग खण्ड अपनी खण्ड संख्या (Volume Number) के आधार पर चिन्हित होते

खण्ड उपलब्धता के आधार पर इन्हें पुनः निम्न तीन कोटियों में विभक्त किया गया हैः–

1. पूर्ण संघात (Complete Set)
2. अपूर्ण उपलब्ध संघात (Incomplete Set)
3. अपूर्ण प्रकाशित संघात (Uncomplete Set)

1. **पूर्ण संघात (Complete Set)**:– से तात्पर्य है कि :–

   - सभी खण्ड प्रकाशित हुये हों,
   - सभी प्रकाशित खण्ड पुस्तकालय में उपलब्ध हों।

निम्न उदाहरण के माध्यम से इस कोटि के ग्रन्थ के प्रायोगिक सूचीकरण को स्पष्ट किया जा सकता हैः–

उदाहरणार्थः–

Book of Mathematics

BY

Prof. K. P. Mishra

Other Information :

- Call No. : B N2.1–N2.2
- Acc. No. : 4210–11
- Note : The Book is Two Volume Set.

	B	N2.1–N2.2
		MISHRA (K.P.) Book of Mathematics. 2v. 4210-11 ○

टिप्पड़ी

- आख्या अनुच्छेद (Title Section) की समाप्ति के पश्चात ग्रन्थ की कुल खण्ड संख्या का उल्लेख कर पद 'V' का उल्लेख करते हैं।

2. **अपूर्ण उपलब्ध संघात (Incomplete Set)**:– से तात्पर्य है कि :–
   - सभी खण्ड प्रकाशित हुये हों
   - कुछ खण्ड पुस्तकालय में उपलब्ध न हों।

   उदाहरणार्थ:–

Text Book on Sound

BY

Dr. Edwin Barton

Other Information :

- Call No. : C3 N2.1–N2.2
- Acc. No. : 1817–18
- Note : It is Three Volume Set but volume three not available in the Library.

C3		N2.1–N2.2
		BARTON (Edwin). Text Book on Sound. 3v [v3 not in Library]. 4210-11 ○

टिप्पड़ी

- आख्या अनुच्छेद के पश्चात् कुल खण्डों की संख्या का उल्लेख करने के बाद दीर्घ कोष्ठक [ ] में V लिखकर अनुपलब्ध खण्ड/खण्डों की संख्या लिखकर पद Not in Library का उल्लेख करते है।
- दीर्घ कोष्ठक में लिखी सूचना पेन्सिल से लिखकर उसे रेखांकित (Underline) करते हैं।

3. **अपूर्ण प्रकाशित संघात (Uncomplete Set):–** तात्पर्य बहुखण्डीय संघात (Multivolume Set) के कुछ खण्ड प्रकाशित होने को शेष हों–

उदाहरणार्थ:–

Cataloguing Practical Book
BY
Prof. R.B. Chaturvedi

Other Information :

- Call No. : 2:55 N9.1 to N9.3
- Acc. No. : 1011–13
- Note : The book is in Four Volumes. But Volume Four Yet to be publish.

	2:55	N9.1 to N9.3
	1011-13	CHATURVEDI (R.B.). Cataloguing Practical Book. V1-3–

टिप्पड़ी

- आख्या अनुच्छेद (Title Section) की समाप्ति के पश्चात् प्रकाशित खण्डों की संख्या लिखकर एक छोटी आड़ी रेखा (Dash –) लगाते है।
- डैश (–) से तात्पर्य कि अभी कुछ खण्डों का प्रकाशन शेष है।

14.4.2 बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–2 (Multivolumed Books Type-2)

इस प्रकार के बहुखण्डीय ग्रन्थ की विशेषता होती है कि इनमें समस्त खण्डों की एक सामान्य आख्या (Common Title) के साथ ही साथ समस्त खण्डों की अलग–अलग विशिष्ट आख्या (Specific Title) भी होती है।

बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–2 (Multivolumed Book Type-2) को भी प्रथम प्रकार (Type-1) की ही भाँति निम्नवत् विभक्त किया जा सकता है:–

1. पूर्ण संघात (Complete Set)
2. अपूर्ण उपलब्ध संघात (Incomplete Set)
3. अपूर्ण प्रकाशित संघात (Uncomplete Set)

प्रायोगिक नियम:–

- प्रत्येक खण्ड के लिए अलग–अलग पैराग्राफ के रूप में सूचना अंकित ही जाती है।
- अपूर्ण प्रकाशित संघात (Incomplete Set) की अवस्था में अन्तिम ग्रन्थांक के बाद डैश (–) को अंकित किया जाता है।

- बहुखण्डीय ग्रन्थों की परिग्रहण संख्या (Accession Number) को अनुच्छेद में वर्णित करते समय संघात की प्रथम संख्या–संघात की अंतिम संख्या का उल्लेख किया जाता है। उदाहरणार्थः– 1995–1999
- जब संघात के खण्डों की संख्या एक क्रम में नहीं हो तो उसे निम्न प्रकार से अंकित किया जाता हैः– 1939, 2001

14.5 सूचीकृत उदाहरण

उदाहरण–1

(बहुखण्डीय ग्रथ प्रकार–1 : पूर्ण संघात)

Ayurvedic Treatment of Lung Diseases in Children

By

Prof. G.S. Sinha
Dr. Rakesh Pandey

Jaico Book Publishers
New Delhi, 1998

Other Information :

- Call No. : LB, 9C, 45:4:6 N98
- Acc. No. : 1146 – 1148
- Note : It is three volume set

मुख्य संलेख (Main Entry)

	LB, 9C, 45:4:6 N98.1 – N98.3	
		SINHA (G S) and PANDEY (Rakesh)
		Ayurvedic Treatment of Lung Diseases
	in Children. 4V	
	1146 – 1148	

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Treatment, Disease. Disease, Lung Lung, Child Child, Ayurveda. Ayurveda, Medicine Medicine Sinha (GS) and Pandey (Rakesh) Pandey (Rakesh) and Sinha (GS) ○

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) हेतु श्रंखला प्रक्रिया (Chain Procedure)

वर्ग संख्या	=	LB, 9C, 45:4:6	
L	=	Medicine ————————	(Sought Link)
LB	=	Ayurveda, Medicine ——	(Sought Link)
LB,	=	————————————	(False Link)
LB, 9C	=	Child, Ayurveda————	(Sought Link)
LB, 9C,	=	————————————	(False Link)
LB, 9C, 45	=	Lung, Child————————	(Sought Link)
LB, 9C, 45:4	=	Disease, Lung ————————	(Sought Link)
LB, 9C, 45:4:	=	————————————	(False Link)
LB, 9C, 45:4:6	=	Treatment, Disease ———	(Sought Link)

उपरोक्त विवरणानुसार खोज कड़ी (Sought Link) के आधार पर निम्न छह वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) निर्मित किये जायेंगे।

1. Teratment, Disease
2. Disease, Lung.

3. Lung, Child.
4. Child, Ayurveda.
5. Ayurveda, Medicine
6. Medicine.

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

TREATMENT, DISEASE

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

LB, 9C, 45:4:6

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

DISEASE, LUNG

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

LB, 9C, 45:4

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

LUNG, CHILD

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

LB, 9C, 45

वर्ग निर्देशी संलेख–4 (Class Index Entry-4)

CHILD, AYURVEDA

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

LB, 9C

वर्ग निर्देशी संलेख–5 (Class Index Entry-5)

AYURVEDA, MEDICINE

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

LB

वर्ग निर्देशी संलेख–6 (Class Index Entry-6)

MEDICINE

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

L

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

SINHA (GS) and PANDEY (Rakesh).
Ayurvedic Treatment of Lung Diseases
in Children. 3V. LB, 9C,
45:4:6 N98.1–N98.3

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

PANDEY (Rakesh) and SINHA (GS)
Ayurvedic Treatment of Lung Diseases
in Children. 3V LB, 9C,
45:4:6 N98.1–N98.3

टिप्पड़ी–

- मुख्य संलेख के अग्र अनुच्छेद (Leading Section) में नियम संख्या NC3 के अनुसार ग्रन्थ संख्या (Book Number) का उल्लेख किया गया है।
- दो लेखक होने के कारण शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section) में दोनों लेखकों के नाम को and से जोड़ा गया है।
- आख्या अनुच्छेद (Title Section) में कुल खण्डों की संख्या नियम संख्या ED913 के अनुसार अंकित किया गया है।
- लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry) में आख्या के बाद खण्डों की सूचना नियम संख्या NC15 के अनुसार अंकित किया गया है।

उदाहरण–2

(बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–1 : अपूर्ण उपलब्ध संघात)

Basic Education for Students of Rural Community

By

Dr. Rita Vyas

Dr. Neha Chowdhari

Dr. Sneha Paliwal

Westland Publications

Madras, 2004

Other Information :

- Call No. : TN3, 9(Y31) N9.1 to N9.2
- Acc. No. : 4520 – 4521
- Note : It is Three Volume Set. Library has not acquired Volume 3 as yet.

मुख्य संलेख (Main Entry)

T93, 9(Y31)   N9.1 to N9.2

VYAS (Rita) and Others.

Basic Education for students of Rural community. 3V. [V3 not in Library].

4520-4521

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Rural Community, Basic
Basic, Education
Education.

Vyas (Rita) and others.

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) हेतु श्रंखला प्रक्रिया (Chain Procedure).

वर्ग संख्या	=	TN3, 9(Y31)	
T	=	Education ————————	(Sought Link)
TN3	=	Basic, Education ————	(Sought Link)
TN3,	=	————————————	(False Link)
TN3, 9	=	Other Classes ————	(Unsought Link)
TN3, 9(Y31)	=	Rural community, Basic ———	(Sought Link)

उपरोक्त विवरणानुसार खोज कड़ी (Sought Link) के आधार पर निम्न तीन वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) निर्मित किये जायेंगे।

1. Rural Community, Basic
2. Basic, Education
3. Education

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

RURAL COMMUNITY, BASIC

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

TN3, 9(Y31)

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

	BASIC, EDUCATION.	
	For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number. TN3 ○	

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

	EDUCATION	
	For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number. T ○	

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

VYAS (Rita) and others.

Basic Education for students of Rural Community. 3V[V3 not in Library].

TN3, 9(Y31) N9.1 to N9.2

टिप्पड़ी–

- खण्ड 3 पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं है इसे सूचित करने के लिए आख्या अनुच्छेद (Title Section) में खण्ड संख्या के बाद बड़े कोष्ठक [ ] में पेन्सिल से V3 not in Library लिखकर रेखांकित किया गया है।
- V3 अनुपलब्ध है इसकी सूचना लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry) में भी अंकित किया गया है।
- आख्या अनुच्छेद में कुल खण्डों की संख्या नियम संख्या ED913 के अनुसार अंकित की गई है।
- लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry) में आख्या के बाद खण्डों की सूचना नियम संख्या NC15 के अनुसार अंकित की गई है।

उदाहरण–3

(बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–1 : अपूर्ण प्रकाशित संघात)

Green Manure Application for Feed Crops

By

Dr. Niharika Jaiswal

Dr. Swati Shukla

Penguin Random House

New Delhi, 2006

Other Information :

- Call No. : J2:21:3 N3.1 – N3.3
- Acc. No. : 1243 – 1245
- Note : Book is Four Volume Set but Volume 4 is yet to be Publish.

मुख्य संलेख (Main Entry)

	J2:21:3 N3.1 – N3.3 –	
		JAISWAL (Niharika) and SHUKLA (Swati). Green Manure Application for feed Crops. V1 –3 – ○

संकेत पत्रक(Tracing Card)

Application, Green Green, Manure Manure, Feed Feed, Agriculture Agriculture Jaiswal (Niharika) and Shukla (Swati) Shukla (Swati) and Jaiswal (Niharika). ○

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) हेतु श्रंखला प्रक्रिया (Chain Procedure).

वर्ग संख्या =J2 : 21 : 3.

J	=	Agriculture ————	(Sought Link)
J2	=	Feed, Agriculture	(Sought Link)
J2:	=	————————	(False Link)
J2: 2	=	Manure, Feed ———	(Sought Link)
J2:21	=	Green, Manure ———	(Sought Link)
J2:21:	=	————————	(False Link)
J2:21:3	=	Application, Green —	(Sought Link)

उपरोक्त विवरणानुसार खोज कड़ी (Sought Link) के आधार पर निम्नवत पाँच वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) निर्मित किये जायेंगे।

1. Application, Green.
2. Green, Manure.
3. Manure, Feed.
4. Feed, Agriculture.
5. Agriculture.

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

APPLICATION, GREEN

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

J2 : 21 : 3

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

	GREEN, MANURE
	For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number. J2 : 21

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

	MANURE, FEED
	For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number. J2 : 2

वर्ग निर्देशी संलेख–4 (Class Index Entry-4)

FEED, AGRICULTURE.

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

J2

वर्ग निर्देशी संलेख–5 (Class Index Entry-5)

AGRICULTURE

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

J

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

	JAISWAL (Niharika) and SHUKLA (Swati).	
		Green Manure Application for feed Crops. V1 – 3 – J2:21:3 N3.1 – N3.3–

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख(Author Book Index Entry)

	SHUKLA (Swati) and JAISWAL (Niharika).	
		Green Manure Application for feed Crops. V1 – 3 – J2:21:3 N3.1 – N3.3–

टिप्पड़ी–

- बहुखण्डीय संघात (Multivolumes Set) के तीन खण्ड तो प्रकाशित हो चुके है तथा चौथा अभी प्रकाशनाधीन है। इसलिए ग्रन्थांक (Book No.) के पश्चात् खण्डों

की संख्या के आगे डैश (–) का अंकन किया गया है, जो इस बात का प्रतीक हैं कि अभी कुछ खण्ड प्रकाशित होना शेष हैं।

- खण्ड के अप्रकाशित होने की सूचना ग्रन्थ निर्देशी संलेख में भी डैश (–) के माध्यम से प्रदर्शित की गई है।

उदाहरण–4

(बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–2 पूर्ण संघात)

Introduction to Moghul Dwelling

By

Alex Rutherford
Liam Robert Mullen

Goyal Publishers
New Delhi, 2003

Other Information :

- Call No. : NA44, J3 P03.1 to P03.3
- Acc. No. : 7601 – 7603
- Note : It is three Volume Set. All Volumes are available in the Library.

V.1 – Rural Dwelling, V2 – Urban Dwelling, V3 – City Dwelling.

मुख्य संलेख (Main Entry)

	NA44, J3	P03.1 to P03.3
		RUTHERFORD (Alex) and MULLEN (Liam Robert). Introduction to Moghul Dwelling. 3V V.1. Rural Dwelling. V.2. Urban Dwelling. V.3. City Dwelling.
	7601–7603	

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Dwelling. Moghul.
Moghul, Indian.
Indian, Architecture.
Architecture.

Rutherford (Alex) and Mullen (Liam Robert)
Mullen (Liam Robert) and Rutherford (Alex)

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) हेतु श्रंखला प्रक्रिया (Chain Procedure).

वर्ग संख्या	=	NA44, J3	
NA	=	Architecture ————	(Sought Link)
NA44	=	Indian, Architecture——	(Sought Link)
NA44,	=	————————————	(False Link)
NA44, J	=	Moghul, Indian ————	(Sought Link)
NA44, J3	=	Dwelling, Moghul ——	(Sought Link)

उपरोक्त विवरणानुसार खोज कड़ी (Sought Link) के आधार पर निम्नलिखित चार वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) निर्मित किये जायेंगे।

1. Dwelling, Moghul
2. Moghul, Indian
3. Indian, Architecture
4. Architecture

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

DWELLING, MOGHUL

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

NA44, J3

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

MOGHUL, INDIAN

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

NA44, J

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

INDIAN ARCHITECTURE

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

NA44

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry)

ARCHITECTURE

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

NA

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

	RUTHERFORD (Alex) and MULLEN (Liam Robert)	
		Introduction to Moghul Dwellings. 3V. NA44, J3 P03.1 to P03.3

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख(Author Book Index Entry)

	MULLEN (Liam Robert) and RUTHERFORD (Alex)	
		Introduction to Moghul Dwellings. 3V. NA44, J3 P03.1 to P03.3

टिप्पड़ी–

- मुख्य संलेख के आख्या अनुच्छेद (Title Section) के पश्चात प्रत्येक खण्ड की विशिष्ट आख्या (Specific Title) को नियम संख्या NC21 के अनुसार अतिरिक्त पैराग्राफ के रूप में अंकित किया गया है।
- ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Book Index Entry) में खण्ड संख्या का उल्लेख है परन्तु खण्डों की आख्याओं को अभिलिखित करने का प्रावधान नहीं है?
- संकेत पत्रक (Tracing Card) में लेखक इतर संलेख यदि एक ही पंक्ति में पूरा नहीं होता तो वापसी में दो अक्षर का रिक्त स्थान छोड़कर अवशेष सूचना लिखी जाती है।
- अन्य इतर संलेख नियमानुसार निर्मित किये गए हैं।

उदाहरण–5

(बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–2 : अपूर्ण उपलब्ध संघात)

INTRODUCTION TO LOGIC

Edited by

Prof. R. K. Pandey

Prof. Jagdiswar Dwivedi

Galgotia Publishers

Indore, 2002

Other Information :

- Call No. : R1 P02.1 to P02.3
- Acc. No. : 2230 – 32
- Note : It is Four Volume Set Named–
  V1– Inductive Logic – V2 – Deductive Logic –
  V3– Dialectic Logic – V4– Symbolic Logic
  • Library has all the volumes execpt vol. 4

मुख्य संलेख (Main Entry)

	R1	P02.1 to P02.3
	2230-33	PANDEY (RK) and DWIVEDI (Jagadiswar), Ed. Introduction to Logic. 4V [V4 not in Library]. V1. Inductive Logic V2. Deductive Logic V3. Diadectic Logic V4. Symbolic Logic ○

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Logic, Philosophy Philosophy. Pandey (RK) and Dwivedi (Jagdiswar), Ed. Dwivedi (Jagadiswar) and Pandey (RK), Ed. ○

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

	LOGIC, PHILOSOPHY.	
	For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number. R1	

वर्ग निर्देशी संलेख–2(Class Index Entry-2)

	PHILOSOPHY	
	For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number. R	

सम्पादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख–1 **(Editor Book Index Entry-1)**

PANDEY (RK) and DWIVEDI (Jagadiswar), Ed.
Introduction to Logic. 4V. (V4 not in Library).
R1 P02.1 to P02.3

सम्पादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख–2 **(Editor Book Index Entry-2)**

DWIVEDI (Jagadiswar) and PANDEY (RK), Ed.
Introduction to Logic. 4V. [V4 not in Library].
R1 P02.1 to P02.3

टिप्पड़ी–

- उपर्युक्त बहुखण्डीय संघात (Multivolume Set) दो सम्पादकों द्वारा सम्पादित है। आख्या पृष्ठ पर चार खण्ड एवं चारों की विशिष्ट आख्या (Specific Title) का भी

उल्लेख है। परन्तु पुस्तकालय में चौथा खण्ड उपलब्ध नहीं है। अतः मुख्य प्रविष्टि के आख्या अनुच्छेद में चौथे खण्ड की अनुपलब्धता के उल्लेख के साथ ही साथ चारों खण्डों के विशिष्ट आख्या (Specific Title) का भी उल्लेख हुआ है।

- संपादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Editor Book Index Entry) दो निर्मित हुए हैं। पहले संलेख में पहला सम्पादक and दूसरा संपादक तथा दूसरे संलेख में दूसरा सम्पादक and पहला सम्पादक का उल्लेख हुआ है।

उदाहरण–6

(बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–2 : अपूर्ण प्रकाशित संघात)

INDIAN LAW

Edited by

R.B. Singh - Advocate

Law Publishers,

New Delhi, 2005

Other Information :

- Call No. : Z44 P5.1 to P5.4
- Acc. No. : 1101 – 1104
- Note : • It is Five Volume set named:-
  V1 – Minor Law, V2– Adult Law, V3– Female Law, V4– Ummarried Law
  • Volume 5 not published as yet.

मुख्य संलेख **(Main Entry)**

	Z44	P5.1 to P5.4
		SING (RB), Ed. Indian Law. V1 – 4 – V1. Minor Law V2. Adult Law Continued in the next Card

मुख्य संलेख – सतत पत्रक (Main Entry - Continued Card)

		Continued 1
	Z44	P5.1 to P5.4 –
		V3. Female Law V4. Unmarried Law
	1101–1104	

संकेत पत्रक (Tracing Card)

India, Law
Law.

Singh (R.B.), Ed.

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

INDIA, LAW

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

Z44

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

LAW

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

Z

सम्पादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Editor Book Index Entry)

	SINGH (R.B.), Ed.	
		Indian Law. V1 – 4 – Z44 P5.1 to P5.4–

टिप्पड़ी–

- उपरोक्त संघात पाँच खण्डों में है परन्तु पाँचवा खण्ड अभी प्रकाशित नहीं हुआ है। अतः नियमानुसार ग्रन्थ संख्या के अन्त में एवं आख्या अनुच्छेद के पश्चात डैश (–) लगाकर यह प्रदर्शित किया गया है कि कुछ खण्ड अभी प्रकाशनाधीन है।
- मुख्य संलेख में दी जाने वाली सूचना यदि एक ही पत्रक पर नहीं सम्पूरित हो पाती तो सतत् पत्रक का निर्माण कैसे किया जायेगा, उदाहरण के माध्यम से स्पष्ट किया गया है।
- अन्य इतर संलेख नियमानुसार निर्मित किये गए हैं।

14.6 अभ्यास हेतु मुख्यपृष्ठ

उदाहरण–1

(बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–1 : पूर्ण संघात)

Montessori Methods of Teaching Pre School Children

By

J. K. Rowling

Random House

New York, 1995

Other Information :

- Call No. : TN1, 13:3 N9.1 to N9.4
- Acc. No. : 1204 – 07
- Note : The Book is in Four Volumes and all are available in the Library.

उदाहरण–2

(बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–1 : अपूर्ण संघात)

Chronology of Indian History

3rd Edition

(In Three Volumes)

By

Dr. Sujata Ghosh
Dr. R.C. Lahiri

Custom Publications
Agra, 2003

Other Information :

- Call No. : V44 : 76 P2.1 – P2.2
- Acc. No. : 12316 – 7
- Note : Volume three not available in the Library.

उदाहरण–3

(बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–1 : अपूर्ण प्रकाशित संघात)

Indo – European Cultural Relations

Edited by

John Grisham
Daniel Silva

Harper Collins
New York, 2001

Other Information :

- Call No. : V44:195, (Y:1) P01.1 – P01.3 –

- Acc. No. : 1680 – 82
- Note : It is Four Volume Set. Volume four is Under Publication

उदाहरण–4

(बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–1 : पूर्ण संघात)

Introduction to Precious Stone

Edited by

D. J. Deshmukh
Roshan Kumar Patel

Denett Publications
Nagpur, 2001

Other Information :

- Call No. : H19 P01.1 – P01.4
- Acc. No. : 2401 – 04
- Note : It is Four Volume set Named –
  V1 – Dimond Stone, V2– Rubi Stone
  V3 – Topaz Stone, V4 – Rearl Stone
  • All Volumes are available the Library.

उदाहरण–5

(बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–1 : अपूर्ण उपलब्ध संघात)

Book of Hindu Religion
(In Three Volumes)

By

C. C. Chattopadhya
D.C. Rajvanshi

Sage Publications
New Delhi, 1998

Other Information :

- Call No. : Q 2 N9.1 – N9.3
- Acc. No. : 1809 – 1810

- Note : All Volumes are available in the Library except vulume three.

उदाहरण–6

(बहुखण्डीय ग्रन्थ प्रकार–2 : अपूर्ण प्रकाशित संघात)

Introduction to Indian Philosophy

(In Six Volumes)

By

Prof. Sangam Lal Pandey

Prof. R. M. Pathak

Vol. 1 – Hindu Philosophy, V2 – Nyaya Philosophy

Vol. 3 –Sankhya Philosophy, V4 – Purva Mimansa

Vol. 5 – Vedanta

Y. K. Publishers

Agra, 1992

Other Information :

- Call No. : R6 N9.1 – N9.5 –
- Acc. No. : 2201 – 2205
- Note : All the volumes are in the Library. Volume Six not published as yet.

14.7 संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Ranganathan (SR) : Classified Catalogue Code. Ed6. Banglore, Sharda Ranganathan Endowment for Library Science, 1992
2. Ranganathan (SR) : Cataloguing Practice. Ed2. Banglore, Sharda Ranganathan Endowment for Library Science, 1994
3. Krishna Kumar : An Introduction to Catologuing Practice, N. Delhi, 1996
4. सूद (एस0डी0) : सूचीकरण प्रक्रिया, जयपुर, आर0बी0एस0ए0, 1998
5. शर्मा (बी0डी0) : अनुवर्ग प्रसूची नियमावली : एक व्यावहारिक अध्ययन, वाई0के0 पब्लिशर्स, आगरा, 1999
6. गौतम (जे0एन0) : एडवान्स्ड कैटलांगिग प्रैक्टिस, आगरा, वाई0के0 पब्लिशर्स, 2010
7. वर्मा (ए0के0) : क्रियात्मक अनुवर्ग सूचीकरण, रामपुर, सेन्ट्रल बुक हाउस, 1999

चतुर्थ खण्ड (Block-4)

क्लासिफाइड कैटालॉग कोड द्वारा प्रसूचीकरण

भाग-2

इकाई 15. शासन तथा उसके अंगो द्वार रचित पुस्तकों का सूचीकरण(CATALOGUING OF BOOK BY GOVERNMENT AND ITS ORGANS)

इकाई की रूपरेखा

15.1 प्रस्तावना

15.2 उद्देश्य

15.3 समीष्ट निकाय से तात्पर्य

15.4 समीष्ट लेखक के प्रकार

15.4.1 शासन

15.4.2 संस्था

15.4.3 सम्मेलन

15.5 शासन लेखक के रूप में

15.5.1 शासन के अंग

15.6 शासन एवं उसके अंगों का चयन एवं उपकल्पन

15.7 सूचीकृत उदाहरण

15.8 अभ्यास हेतु उदाहरण

15.9 सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

15.1 प्रस्तावना

व्यक्तिगत लेखकों की रचनाओं के अतिरिक्त बहुत सारी रचनायें पुस्तकालय में ऐसी क्रय की जाती हैं जिनके लेखक व्यक्ति न होकर अपितु व्यक्तियों का समूह (समष्टि) होता है। इस प्रकार के ग्रन्थों में समाज के सभी क्षेत्रों से सम्बन्धित प्रमाणिक सूचनायें, सांख्यिकीय आंकड़े आदि होते है जो शोधकर्ताओं के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। समष्टि लेखकत्व के ग्रन्थ व्यक्तिगत लेखकत्व के ग्रन्थों की तुलना में सूचीकारों के लिए कई प्रकार की समस्यायें उत्पन्न करते है।

15.2 उद्देश्य

इस इकाई के निम्नलिखित उद्देश्य है–

1. शिक्षार्थियों को समष्टि निकाय एवं समष्टि लेखक की अवधारणा से परिचित कराना।
2. शिक्षार्थियों को समष्टि लेखकों की कोटियों से सुपरिचित कराना।
3. शासन एवं उसके अंगो से लेखक के रूप में शिक्षार्थियों को बोधिगम्य कराना।
4. शासन एवं उसके अंगो के शीर्षक हेतु चयन एवं उपकल्पन के नियमों से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
5. शासन तथा उसके अंगों द्वारा रचित एवं प्रकाशित पुस्तकों के प्रायोगिक सूचीकरण करने हेतु शिक्षार्थियों को सामर्थ्यवान बनाना।

15.3 समष्टि निकाय से तात्पर्य

डॉ0 एस0आर0 रंगनाथन ने समष्टि निकाय को उसके कार्यो के आधार पर दो अर्थो में परिभाषित किया है–

अर्थ 01– सामूहिक रूप से प्रायः संयुक्त अथवा संगठित अथवा अनौपचारिक रूप से किसी सामान्य उद्देश्य अथवा किसी सामान्य कार्य के लिए यथा– शासकीय, व्यवसायिक, औद्योगिक या सेवा या राजनीतिक कार्य अथवा कोई अन्य कार्य या विचार विनियम के लिए अथवा सामूहिक विचार अभिव्यक्ति या कथन के लिए मिलने वाले व्यक्ति। उदाहरणार्थ– मध्य प्रदेश सरकार, भारतीय इतिहास परिषद, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, भारतीय पुस्तकालय सम्मेलन आदि।

अर्थ 02– सामूहिक रूप से प्रायः संयुक्त अथवा संगठित अथवा अनौपचारिक रूप से किसी सामान्य उद्देश्य अथवा किसी सामान्य कार्य के लिए, यथा–शासकीय, व्यवसायिक, औद्योगिक या सेवा या राजनीतिक कार्य अथवा कोई अन्य कार्य या विचार विनियम के लिए अथवा किसी सामूहिक विचार अभिव्यक्ति या कथन के लिए आपस में मिलने वाले समष्टि

निकाय। उदाहरणार्थ– अन्तराष्ट्रीय विश्वविद्यालय संघ (IAU), अन्तराष्ट्रीय अभियन्ता संघ (IAENG) आदि।

उपर्युक्त परिभाषा से स्पष्ट हो रहा है कि "जब ग्रन्थ में निहित विचारों तथा अभिव्यक्ति का सम्पूर्ण उत्तरदायित्व किसी निकाय विचारों तथा किसी अंग पर होता है और किसी व्यक्ति या व्यक्तियों पर निजी रूप से नही होता है, जो उसके अंग होते है अथवा उसमें पदासीन रहते है, अथवा अन्य किसी प्रकार से उससे सम्बन्धित होते है, उसे समष्टि लेखक कहते है।

एंग्लों अमेरिकन कैटलांगिग रूल्स–2 के अनुसार "समष्टि निकाय से तात्पर्य एक संगठन या व्यक्तियों का वह समूह जो एक विशेष नाम से जाता है तथा एक सत्ता (Entity) के रूप में कार्य करता है, अथवा कर सकता है"। उदाहरण स्वरूप– संघ, संस्था, अलाभकारी उधम, शासन, धार्मिक संस्थाये, स्थानीय चर्च, सम्मेलन आदि।

15.4 समष्टि लेखक के प्रकार

क्लासीफाइड कैटलाग कोड में डॉ0 रंगनाथन ने समष्टि लेखक को निम्न तीन कोटियों में विभक्त किया हैः–

1. शासन (Government)
2. संस्था (Institution)
3. सम्मेलन (Conference)

वर्तमान इकाई में हम शासन एवं उसके अंगों द्वारा रचित पुस्तकों के सूचीकरण के सम्बन्ध में विस्तृत अध्ययन करेंगें।

15.5 शासन लेखक के रूप में–

ऐसे ग्रन्थ जिनमें अभिव्यक्त विचारों के लिए शासन अथवा उसका कोई अंग उत्तरदायी हो, को शासकीय प्रकाशन कहा जाता है।

शासकीय प्रकाशकों के मुख्य लक्षण निम्नलिखित होते हैः–

- ऐसे सभी प्रकाशन जिनमें निहित विचार शासकीय एजेन्सियों के प्रयासों का परिणाम होता है, परन्तु यह आवश्यक नही कि उनका भौतिक प्रस्तुतीकरण शासकीय ऐजेन्सियों के द्वारा ही किया जाय।

- शासकीय एजेन्सियों द्वारा भौतिक रूप से अभिप्रेत कोई भी प्रकाशन जिसको शासकीय प्राधिकार द्वारा स्वीकृति प्राप्त हो तथा उसके प्रकाशन विवरण से अंकित हो कर निर्गमित हो।

15.5.1 शासन के अंग–

क्लासीफाइड कैटलाग कोड में डॉ0 एस0 आर0 रंगनाथन ने शासन के अंगों को प्रमुखतः निम्नवत् दो कोटियों में विभक्त किया है–

1. स्थायी अंग (Permanent organ)
2. अस्थायी अंग (Temporary organ)

स्थायी अंगों को निम्नवत् तीन भागों में विभाजित किया गया है–

(अ) वैधानिक अंग (Constitutional organ)
(ब) शासन प्रमुख (Head of the Government)
(स) प्रशासकीय अंग (Administrative organ)

वैधानिक अंग को पुनः निम्नवत तीन भागों में विभाजित किया गया है–

(क) विधायिका (Legislative)
(ख) कार्यपालिका (Executive)
(ग) न्यायपालिका (Judiciary)

15.6 शासन एवं उसके अंगों का चयन एवं उपकल्पन–

शासन द्वारा रचित ग्रन्थों के सूचीकरण हेतु मुख्य प्रविष्टि (Main Entry) के शीर्षक निर्माण (Heading Rendiring) के सम्बन्ध में सबसे प्रथमतः प्रविष्टि पद (Entry Element) के रूप में शासन का भौगोलिक भू भाग लिखते है। भौगोलिक भू भाग को बड़े अक्षर (Capital Letters) में लिखा जाता है। उसके पश्चात कामा (,) लगाकर शासन के अंगों का उल्लेख पुनः स्मरणमान के उपसूत्र (Canon of Recall Value) के अनुसार किया जाता है।

6.1 **सम्पूर्ण शासनः**– नियम संख्या JC1 के अनुसार यदि समष्टि निकाय सम्पूर्ण शासन हो तो उसका नाम उसकी भौगोलिक सीमा क्षेत्र का नाम होगा।

उदाहरणार्थः–

Government of India
को
INDIA
Government of Rajasthan
को
RAJASTHAN

6.2 **वैधानिक अंग (Constitutional Organ):**–क्लासीफाइड कैटलाग कोड के नियम संख्या JC3 के अनुसार वैधानिक अंगों का उपकल्पन किया जाता हैः–

(क) **विधायिका (Legislative)**– शासन के विधायी अंगों का उपकल्पन निम्नवत् होगा–

उदाहरणार्थः–

TAMILNADU, VIDHAN PARISHAD
GREAT BRITAIN, HOUSE OF COMMONS.

(ख) **कार्यपालिका (Executive)**– शासन के कार्यपालिकीय अंगों का उपकल्पन निम्नवत् होगा–

उदाहरणार्थः–

MADHYA PRADESH, COUNCIL OF MINISTERS
INDIA, CABINET

(ग) **न्यायपालिका (Judiciary)**– शासन के न्यायपालिकीय अंगों का उपकल्पन निम्नवत् होगा–

उदाहरणार्थः–

RAJASTHAN, HIGH COURT
INDIA, SUPREME COURT

6.3 **शासन प्रमुख (Head of the Government):**–नियम संख्या JC4 में शासन प्रमुख द्वारा शासकीय स्थिति में व्यक्त विचारों के प्रकाशित स्वरूप को सूचीकृत करने हेतु शीर्षक (Heading) का निर्माण निम्नवत् होगाः–

उदाहरणार्थः–

RAJASTHAN, GOVERNOR (Kalyan Singh)
INDIA, PRESIDENT (Zakir Husain)

6.4 **प्रशासकीय अंग**– क्लासीफाइड कैटलाग कोड के नियम सख्या JC6 में प्रशासकीय अंगों के उपकल्पन हेतु निम्नवत व्याख्या की गई हैः–

उदाहरणार्थः–

INDIA, COAL (Ministry of –).
ODISHA, FINANCE (Ministry of –).

6.5 **उपशीर्षकों का अन्तर्वेशन (Interpolation of Subeadings)**– क्लासीफाइड कैटलाग कोड के नियम सख्या JC66 के अनुसार यदि शासन के द्वितीय, तृतीय अथवा अन्य अंगों में भाव और भाषा की दृष्टि से समानता हो तो निम्नतम् अंग का उपकल्पन कर मध्यम अंग का विलोपन कर देना चाहिएः–

उदाहरणार्थः–

Department of Commerce
Ministry of Commerce and Industry
Government of India

का उपकल्पन निम्नवत होगाः–

INDIA, COMMERCE (Department of –)

उपरोक्त उदाहरण में Ministry of Commerce and Industy को अन्तर्वेशित करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि माना जाता है कि Department of Commere, Ministry of Commerce के अन्तर्गत ही कार्यरत अंग है।

इसी प्रकार अन्य उदाहरण हैः–

Department of Border Management
Ministry of Home Affairs
Government of India.

का उपकल्पन निम्नवत् होगाः–

INDIA, HOME AFFAIRS (Ministry of –), BORDER
MANAGEMENT (Department of –).

उपरोक्त उदाहरण में मध्यम अंग Ministry of Border Management को अन्तर्वेशित करना आवश्यक है।

6.6 **अस्थायी अंग (Temporary Organ)**– शासन द्वारा समय–समय पर विशेष कार्य व निश्चित अवधि हेतु आयोग (Commission), समिति (Committee) आदि स्थापित किये जाते हैं। ऐसे आयोग/समितियों का उद्देश्य उस निश्चित कार्य को निश्चित अवधि में पूर्ण कर प्रतिवेदन शासन को प्रदान करना होता है। जैसे ही आयोग/समिति अपना प्रतिवेदन (Report) गठित करने वाली शासकीय प्राधिकरण को सौंप देती हैं, आयोग/समिति स्वतः भंग हो जाती है। इसीलिए इस अंग को शासन का अस्थायी अंग (Temporary Organ) कहा जाता है। इस प्रकार के आयोग/समिति के प्रकाशनों का शीर्षक हेतु उपकल्पन निम्नवत् होगाः–

उदाहरणार्थः–

INDIA, LIBRARY (Advisory Committees for – ies)
(1956) (Chairman : K P Sinha)
JHARKHAND, REHABILITATION OF TRIBES
(Committee for –) (2009) (Chairman : Parmatma Saran).

उपरोक्त वर्णित अस्थायी अंग कमीशन/कमेटी हेतु शीर्षक निर्माण निम्नवत् होगाः–

- शासन का नाम बड़े अक्षरों में (Capital Letters)
- आयोग/समिति का नाम पुनः स्मरणमान उपसूत्र (Canon of Recall Value) के अनुसार
- आयोग/समिति का स्थापना वर्ष अगले वृत्ताकार कोष्ठक में

- अगले वृत्ताकार कोष्ठक में Chairman : चेयरमैन का नाम सामान्य शैली में Chairman शब्द को रेखांकित करते हैं।

15.7 सूचीकृत उदाहरण (Catalogued Examples)

उदाहरण–1

(शासन का वैधानिक अंग : विधायिका)

Women Members of Rajya Sabha

Rajya Sabha

Government of India

Manager of Publications

New Delhi, 2014

Other Information :

- Call No. : V44, 31(Y15) P14
- Acc. No. : 2461

मुख्य संलेख (Main Entry)

	V44, 31(Y15) P14	
	2461	INDIA, RAJYA SABHA Women members of Rajya Sabha.

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Women, First House Rajya Sahba India, History History India, Rajya Sabha

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) हेतु श्रंखला प्रक्रिया (Chain Procedure)

वर्ग संख्या = V44, 31(y15)

V = History —————— (Sought Link)

V44 = India, History ———— (Sought Link)

V44, 31 = Rajya Sabha, India —— (Sought Link)

V44, 31(Y15) = W omen, Rajya Sabha ——(Sought Link)

उपरोक्त विवरणानुसार निम्न चार वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) निर्मित किये जायेंगे।

1. Women, Rajya Sabha
2. Rajya Sabha, India
3. India, History
4. History

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

WOMEN, RAJYA SABHA

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number

V44, 31(Y15)

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

RAJYA SABHA, INDIA

For documents in this Class and its Subdivisions, see the Classified Part of the catalogue under the Class Number

V44, 31

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

	INDIA, HISTORY	
	For documents in this Class and its Subdivisions, see the Classified Part of the catalogue under the Class Number V44	

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

	INDIA, RAJYA SABHA	
	Women Members of Rajya Sabha V44, 31(Y15) P14	

उदाहरण–2

(शासन का वैधानिक अंग एवं दो उपअंग)

Book of Horticulture

Department of Fertilizers

Ministry of Agriculture

Government of India

Suparintendent, Govt. Press,

New Delhi

2004

Other Information :

- Call No. : J1 P04
- Acc. No. : 9215

मुख्य संलेख (Main Entry)

	J1	P04
		INDIA, AGRICULTURE (Ministry of), FERTILIZERS (Department of –). Book of Horiticulture. 9215 ○

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Horticulture, Agriculture. Agriculture. India, Agriculture (Ministry of –), Fertilizers (Department of –)

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) हेतु श्रंखला प्रक्रिया (Chain Procedure).

वर्ग संख्या = J1

J	=	Agriculture
J1	=	Horticulture, Agriculture

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

	HORTICULTURE, AGRICULTURE
	For documents in this Class and its Subdivisions, see the Classified Part of the catalogue under the Class Number J1

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

AGRICULTURE

For documents in this Class and its Subdivisions, see the Classified Part of the catalogue under the Class Number

J

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

INDIA, AGRICULTURE (Ministry of –),
FERTILIZERS (Department of –).

Book of Horticulture.

J1 P04

टिप्पड़ी–

- आख्या पृष्ठ (Title Page) पर वैधानिक अंग के साथ–साथ दो उपअंग भी दिये गए हैं। उपअंग का उपकल्पन नियम संख्या JC66 के अनुसार किया गया है।

- अन्य इतर संलेख नियमानुसार निर्मित किये गए है।

उदाहरण–3

(समष्टि निकाय – न्यायपालिकीय अंग, उपअंग के साथ)

Recent Developments

on

Administrative Law

Department of Reporting

High Court

Madhya Pradesh

Superintendent

Government Printing Press

Jabalpur, 2002

Other Information :

- Call No. : Z44, 9298 P02
- Acc. No. : 6214

मुख्य संलेख (Main Entry)

	Z44, 9298	P02
	REPORTING (Department of –).	MADHYA PRADESH, HIGH COURT, Recent Developments on Administrative Law.
	621	○

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Administrative Law, India India, Law Law Madhy Pradesh, High Court, Reporting (Department of –).

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) हेतु श्रंखला प्रक्रिया (Chain Procedure).

वर्ग संख्या	=	Z44, 9298
Z	=	Law
Z44	=	India, Law
Z44, 9298	=	Administrative Law, India

उपरोक्त विवरणानुसार निम्न तीन वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) निर्मित किये जायेंगे।

1. Administrative Law, India
2. India, Law
3. Law

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

ADMINISTRATIVE LAW, INDIA

For documents in this Class and its Subdivisions, see the Classified Part of the catalogue under the Class Number

Z44, 9298

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

INDIA, LAW

For documents in this Class and its Subdivisions, see the Classified Part of the catalogue under the Class Number

Z44

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

LAW

For documents in this Class and its Subdivisions, see the Classified Part of the catalogue under the Class Number

Z

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

MADHYA PRADESH, HIGH COURT, REPORTING (Department of –)

Recent Developments on Administrative Law

Z44, 9298 P02

टिप्पड़ी–

- वर्णित उदाहरण शासन के न्यायपालिकीय अंग का हैं। साथ में दो उप अंग भी हैं जिनका नियमानुसार उपकल्पन किया गया है।

- अन्य इतर संलेख नियमानुसार बनाये गए है।

उदाहरण–4

(शासन प्रमुख)

FESTIVAL OF HONESTY

Speech of Prime Minister from
Red Fort on Independence Day

By

Shri Narendera Modi
Prime Minister of India

Publication Division
Ministry of Information and Broadcastings
New Delhi, 2017

Other Information :

- Call No. : R43 P17
- Acc. No. : 9216

मुख्य संलेख (Main Entry)

	R43	P17
		INDIA, PRIME MINISTER (Narendra Modi) Festival of Honesty : Speech of Prime Minister from Red Fort on Independence Day.
	9216	○

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Social Ethics, Ethics
Ethics, Philosophy
Philosophy

India, Prime Minister (Narendra Modi)

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) हेतु श्रंखला प्रक्रिया (Chain Procedure).

वर्ग संख्या	=	R43
R	=	Philosophy
R4	=	Ethics, Philosophy
R43	=	Social Ethics, Ethics

उपरोक्त विवरणानुसार निम्न तीन वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) निर्मित किये जायेंगे।

1. Social Ethics, Ethics
2. Ethics, Philosophy
3. Philosophy

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

	SOCIAL ETHICS, ETHICS	
	For documents in this Class and its Subdivisions, see the Classified Part of the catalogue under the Class Number R43	

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

	ETHICS, PHILOSOPYH	
	For documents in this Class and its Subdivisions, see the Classified Part of the catalogue under the Class Number R4	

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

PHILOSOPHY

For documents in this Class and its Subdivisions, see the Classified Part of the catalogue under the Class Number

R

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

INDIA, PRIMIE MINISTER (Narendra Modi)

Festival of Honesty

R43 P17

टिप्पड़ी–

- मुख्य संलेख के शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section) में शासन प्रमुख के नियमानुसार शीर्षक का उपकल्पन किया गया है।

- अन्य इतर संलेख नियमानुसार निर्मित किये गए हैं।

उदाहरण–5

(शासन तथा उसका प्रथम श्रेणी का प्रशासनिक अंग)

New Road and Transport Planning of Entire India

Ministry of Road Transport and Highways

Government of India

Head

Publication Division

New Delhi, 2001

Other Information :

- Call No. : D411.44 P01
- Acc. No. : 2345

मुख्य संलेख (Main Entry)

D411.44	P01
	INDIA, ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS (Ministry of –). New Road and Transport Planning of Entire India.
2345	○

संकेत पत्रक (Tracing Card)

India, Road Road, Transport Track. Transport Track, Engineering. Engineering India, Road Transport and Highways (Ministry of–) ○

वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) हेतु श्रंखला प्रक्रिया (Chain Procedure)

वर्ग संख्या	=	D411.44	
D	=	Engineering ————————	(Sought Link)
D4	=	Transport track; Engineering—	(Sought Link)
D41	=	Land ———————————	(unsought Link)
D411	=	Road, Transport Track ———	(Sought Link)
D411.	=	———————————————	(False Link)
D411.44	=	India, Road ————————	(Sought Link)

उपरोक्त विवरणानुसार निम्न चार वर्ग निर्देशी संलेख निर्मित किये जायेंगे।

1. India, Road
2. Road, Transport track
3. Transport track, Engineering
4. Engineering

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

INDIA, ROAD.

For documents in this Class and its Subdivisions, see the Classified Part of the catalogue under the Class Number

D411.44

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

ROAD, TRANSPORT TRACK

For documents in this Class and its Subdivisions, see the Classified Part of the catalogue under the Class Number

D411

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

	TRANSPORT TRACK, ENGINEERING	
,	For documents in this Class and its Subdivisions, see the Classified Part of the catalogue under the Class Number D4	

वर्ग निर्देशी संलेख–4 (Class Index Entry-4)

	ENGINEERING	
	For documents in this Class and its Subdivisions, see the Classified Part of the catalogue under the Class Number D	

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख **(Author Book Index Entry)**

	INDIA, ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS (Ministry of –).	
		New Road and Transport Planning of Entire India. D411.44 P01

टिप्पड़ी–

- आख्या पृष्ठ (Title Page) पर शासन के साथ उसका एक ही उपअंग है। अतः शीर्षक (Heading) का उपकल्पन नियम संख्या MD21, JC21, व JC6 एवं उनके उपखण्डों के अनुसार किया गया है। शासन के प्रशासनिक अंग को पुनः स्मरणमान के उपसूत्र (Canon of Recall Value) के अनुसार लिखा गया है।
- अन्य इतर संलेख नियमानुसार निर्मित किये गए है।

उदाहरण–6

(शासन तथा उसके प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के प्रशासनिक अंग)

State Expenditure for the Governor's Budget

Department of Expenditure

Ministry of Finance

Government Uttar Pradesh

Allahabad

Manager of Publications

1998

Other Information :

- Call No. : X79E N98
- Acc. No. : 4216

मुख्य संलेख (Main Entry)

	X79E	N98
		UTTAR PRADESH, FINANCE (Ministry of –), EXPENDITURE (Department of –). State Expenditure for the Governor's Budget.
	4216	○

संकेत पत्रक (Tracing Card)

	State Finance, Public Finance Public Finance, Economics. Economics. Uttar Pradesh, Finance (Ministry of –), Expenditure (Department of –). ○

वर्ग निर्देशी संलेख हेतु श्रंखला प्रक्रिया (Chain Procedure)

वर्ग संख्या = X79E

X	=	Economics ————————	(Sought Link)
X7	=	Public Finance, Economics ——	(Sought Link)
X79E	=	State Finance, Public Finance —	(Sought Link)

उपरोक्त विवरणानुसार खोज कड़ी (Sought Link) के आधार पर निम्न तीन वर्ग निर्देशी संलेख निर्मित किये जायेंगे।

1. State Finance, Public Finance
2. Public Finance, Economics
3. Economics

वर्ग निर्देशी संलेख–1 **(Class Index Entry-1)**

STATE FINACE, PUBLIC FINANCE

For documents in this Class and its Subdivisions, see the Classified Part of the catalogue under the Class Number

X79E

वर्ग निर्देशी संलेख–2 **(Class Index Entry-2)**

PUBLIC FINANCE, ECONOMICS

For documents in this Class and its Subdivisions, see the Classified Part of the catalogue under the Class Number

X7

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

ECONOMICS

For documents in this Class and its Subdivisions, see the Classified Part of the catalogue under the Class Number

X

○

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

UTTAR PRADESH, FINANCE (Ministry of –),
EXPENDITURE (Department of –)

State expenditure for the Governor's Budget.

X79E N98

○

टिप्पड़ी–

- मुख्य संलेख के शीर्षक अनुच्छेद में शासन के दोनों अंगों का उल्लेख नियम संख्या JC66 के अनुसार किया गया है। दोनों उप अंगों के बीच भाव और भाषा की दृष्टि से समानता नहीं है। इसलिए दोनों उपअंगों का उपकल्पन किया गया है।

- अन्य इतर संलेख नियमानुसार निर्मित किये गए हैं।

उदाहरण–7

(शासन तथा उसके प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के प्रशासनिक अंग)

Signals and Systems of University Education

Directorate of Higher Education

Ministry of Higher Education

Government of Uttar Pradesh

Manager

Government Printing Press

Lucknow, 2005

Other Information :

- Call No. : T4 P05
- Acc. No. : 4256

मुख्य संलेख **(Main Entry)**

	T4	P05
	EDUCATION (Directorate of –).	UTTAR PRADESH, HIGHER Signals and Systems of University Education. (Government Publication Series. 18)
	4256	○

संकेत पत्रक (Tracing Card)

University, Education
Education.

Uttar Pradesh, Higher
Education
(Directorate of –).
Government
Publication Series.

○

वर्ग निर्देशी संलेख हेतु श्रृंखला प्रक्रिया (Chain Procedure)

वर्ग संख्या = T4
T = Education
T4 = University, Education

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

UNIVERSITY, EDUCATION
For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.
T4

○

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

	EDUCATION	
	For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number. T	

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

	UTTAR PRADESH, HIGHER EDUCATION	
	(Directorate of –) Signals ans Systems of University Education T4 P05	

ग्रन्थमाला ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Series Book Index Entry)

	GOVERNMENT PUBLICATION SERIES	
	18 Uttar Pradesh, Higher Education (Directorate of –) : Signals ans Systems of University Education T4 P05 ○	

टिप्पड़ी–

- आख्या पृष्ठ (Filter Page) पर शासन के दो उप अंगों के मध्य भाव और भाषा की समानता की दृष्टि से प्रथम श्रेणी के उपअंग को उपशीर्षक के रूप में विलोपित कर दिया गया है।
- अन्य इतर संलेख नियमानुसार निर्मित किये गए हैं।

उदाहरण–8

(शासन अस्थायी अंग)

Report of the
Fourth Pay Commission of India

सत्यमेव जयते

New Delhi
Manager of Publicatins
1987

Other Information :

- Call No. : X : 93.44 'N83t N87
- Acc. No. : 4296
- Note : Commission was set up by the Government of India in the year 1983 Under the Chairmanship of P. N. Singhal. The Report also known as Singhal Commission Report.

मुख्य संलेख (Main Entry)

	X : 93.44 'N83t	N87
		INDIA, FOURTH PAY (Commission)
	(1983)	(Chairman: P N Singhal)
		Report of the Fourth Pay Commission of India.
	4296	
		○

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Report, India, Fourth Pay (Commission) (1983) Report, Singhal Commission India, Wage Wage, Economices Economics India, Fourth Pay (Commission) (1983) (Chairman : P N Singhal) Singhal Commission

वर्ग निर्देशी संलेख हेतु श्रंखला प्रक्रिया (Chain Procedure)

वर्ग संख्या	=	X:93.44 'N83t	
X	=	Economics————	(Sought Link)
X:	=	————————	(False Link)
X:93	=	Wage, Economics ————	(Sought Link)
X:93.	=	————————	(False Link)
X:93.44	=	India, Wage ————	(Sought Link)
X:93.44 'N83t	=	Report, Singhal Commission	(Sought Link)
X:93.44 'N83t	=	Report, India, Fourth Pay Commission (1983)	

उपरोक्त विवरणानुसार वांछित कड़ीके आधार पर निम्नवत् वर्ग निर्देशी संलेख निर्मित होंगे।

1. Report, India, Fourth Pay (Commission) (1983)
2. Report, Singhal Commission
3. India, Wage
4. Wage, Economics
5. Economics

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

REPORT, INDIA, FOURTH PAY (Commission) (1983)

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

X:93.44 'N83t

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

REPORT, SINGHAL COMMISSION

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

X:93.44 'N83t

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

INDIA, WAGE

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

X:93.44

वर्ग निर्देशी संलेख–4 (Class Index Entry-4)

WAGE, ECONOMICS

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

X:93

वर्ग निर्देशी संलेख–5 (Class Index Entry-5)

	ECONOMICS	
	For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number. X	

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

	INDIA, FOURTH PAY (Commission) (1983)	
	(Chairman : P N Singhal). Report of the Fourth Pay Commission of India. X:93.44 'N83t N87	

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख–2 (Author Book Index Entry-2)

	SINGHAL COMMISSION	
		Report of the Fourth Pay Commission of India. X:93.44 'N83t N87

टिप्पड़ी–

- मुख्य संलेख (Main Entry) का निर्माण नियम संख्या JC6, JC71, JC72 के अनुसार किया गया है।
- वर्ग संख्या (Class No.) की अंतिम कड़ी से दो वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) नियम संख्या KJ1 के अनुसार निर्मित किया गया है।
- द्वितीय लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख का निर्माण नियम संख्या MK115 के अनुसार किया गया है।
- अन्य इतर संलेख नियमानुसार निर्मित किये गए हैं।

15.8 अभ्यास हेतु मुख्यपृष्ठ

उदाहरण–1

(शासन के वैधानिक अंग)

Fifty Years of Indian Parliament

सत्यमेव जयते

Lok Sabha

Government of India

Manager Publications

New Delhi, 2002

Other Information :

- Call No. : V44, 3 P02
- Acc. No. : 9215
- Editor : G. C. Malhotra

उदाहरण–2

(शासन का वैधानिक अंग एवं दो उप अंग)

Animal Husbandary Regained

The Place of Farm animals in Sustainable Agriculture

Department of Animal Husbendary,

Ministry of Agriculture

Government of India

Manager of Publications

New Delhi, 2004

Other Information :

- Call No. : KZ P04
- Acc. No. : 2369

उदाहरण–3

(समष्टि निकाय – न्यायपालिकीय अंग, उपअंग के साथ)

Landmark Judgments that Changed India

Reporting Section

Supreme Court

Government of India

Manager of Publications

New Delhi, 2006

Other Information :

- Call No. : Z44 ,7, 7 P06
- Acc. No. : 3216

उदाहरण–4

(शासन प्रमुख)

India's Foreign Policy

Speeche by Jawahar Lal Nehru,

Prime Minister of India

Delhi

Manager of Publications

1961

Other Information :

- Call No. : V44, 21:19, M89 N61
- Acc. No. : 6254
- Note : Jawahar Lal Nehru Was born in 1889

उदाहरण–5

(शासन तथा उसका प्रथम श्रेणी का प्रशासनिक अंग)

Insurence Sector in India

सत्यमेव जयते

Ministry of Finance

Government of India

1975

Other Information :

- Call No. : X81.44 N75
- Acc. No. : 3426

उदाहरण–6

(शासन तथा उसके प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के प्रशासनिक अंग)

Cotton Industries of the Future

सत्यमेव जयते

Department of Industrial Policy and Promotion

Ministry of Commerce and Industry

Government of India

Other Information :

- Call No. : X8(M7) P15
- Acc. No. : 6254

उदाहरण–7

(शासन तथा उसके प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के प्रशासनिक अंग)

Recent Health Programmes in Uttar Pradesh

Department of U.P. Medical Health and Family Welfare

Ministry of Health and Family Welfare

Government of Uttar Pradesh

Superintendent

Govt. Printing Press

Lucknow, 2016

Other Information :

- Call No. : L P16
- Acc. No. : 4256
- Note : Health New Book Series No. 16

उदाहरण–8

Report of the

Advisory Committee of Female Education of India

*Chairman :***P. K. Mahapatra**

Ministry of Human Resource Development

Governmen tof India

2006

Other Information :

- Call No. : T55 P06
- Acc. No. : 9241
- Note : Advisory Committee was appointed in the year 2003 by Government of India

15.9 संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Ranganathan (SR) : Classified Catalogue Code. Ed6. Banglore, Sharda Ranganathan Endowment for Library Science, 1992
2. Ranganathan (SR) : Cataloguing Practice. Ed2. Banglore, Sharda Ranganathan Endowment for Library Science, 1994
3. Krishna Kumar : An Introduction to Catologuing Practice, N. Delhi, 1996
4. सूद (एस0डी0) : सूचीकरण प्रक्रिया, जयपुर, आर0बी0एस0ए0, 1998
5. शर्मा (बी0डी0) : अनुवर्ग प्रसूची नियमावली : एक व्यावहारिक अध्ययन, वाई0के0 पब्लिशर्स, आगरा, 1999
6. गौतम (जे0एन0) : एडवान्स्ड कैटलांगिग प्रैक्टिस, आगरा, वाई0के0 पब्लिशर्स, 2010
7. वर्मा (ए0के0) : क्रियात्मक अनुवर्ग सूचीकरण, रामपुर, सेन्ट्रल बुक हाउस, 1999

इकाई 16. संस्था तथा उसके अंगों द्वारा रचित पुस्तकों का सूचीकरण (CATALOGUING OF BOOKS BY INSTITUTION AND ITS ORGAN)

इकाई की रूपरेखा

16.1 प्रस्तावना

16.2 उद्देश्य

16.3 संस्था से तात्पर्य

16.4 संस्था के अंग

16.5 संस्था के शीषर्क हेतु चयन एवं उपकल्पन

16.6 सूचीकृत उदाहरण

16.7 अभ्यास हेतु उदाहरण

16.8 सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

16.1 प्रस्तावना

समष्टि निकाय के अन्तर्गत शासन की ही भाँति एक दूसरा वर्ग है जिसकी रचनायें पुस्तकालय में अधिगृहीत की जाती है। उसे हम संस्था की संज्ञा प्रदान करते है। अतंर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं स्थानीय स्तर पर अन्यान्य ऐसी संस्थायें है जिनके प्रकाशनों में सूचनात्मक महत्वपूर्ण जानकारियाँ होती है। सस्थाओं के प्रकाशनों को सूचीकृत करते समय अन्यान्य महत्वपूर्ण नियमों का ध्यान रखना पड़ता है।

16.2 उद्देश्य

इस इकाई के निम्नलिखित उद्देश्य है–

- शिक्षार्थियों को संस्था की अवधारणा से सुपरिचित कराना।
- संस्था एवं उसके अंगों द्वारा रचित पुस्तकों के सूचीकरण नियमों से शिक्षार्थियों को अवगत कराना।
- सूचीकृत उदाहरणों के माध्यम से शिक्षार्थियों को प्रायोगिक सूचीकरण हेतु दक्ष करना।
- आभ्यासिक उदाहरणों के माध्यम से शिक्षार्थियों को मुख्य परीक्षा हेतु तैयार करना।

16.3 संस्था से तात्पर्य

संस्थाओं से तात्पर्य मनुष्यों के समूह द्वारा स्थापित एक स्वायत्तशासी संगठन से है। इस प्रकार के संगठन शासन द्वारा वित्तपोषित भी हो सकते है और नहीं भी हो सकते। परन्तु अपने विभागीय निर्णय लेने में ये संगठन स्वायत्तशासी होते हैं।

डॉ0 एस0आर0 रंगनाथन ने क्लासीफाइड कैटलाग कोड के नियम संख्या FC23 में संस्था को परिभाषित करते हुए कहा है ''शासन के अतिरिक्त अन्य प्रकार का स्वाधीन या स्वायत्तशासी समष्टि निकाय। इसका निर्माण शासन द्वारा किया जा सकता है, अथवा इसका गठन किसी अधिनियम के अन्तर्गत शासन अथवा स्वैच्छिक रूप से औपचारिक या अनौपचारिक रूप से किया जा सकता है। ये मात्र सम्मेलन आयोजन के अतिरिक्त अन्य कार्य करते हुए निरन्तर अस्तित्व में रहती हैं या निरन्तर अस्तित्व बनाये रखने के लिए प्रयत्नशील रहती हैं।''

भौगोलिक क्षेत्र के आधार पर संस्थाओं को निम्न तीन कोटियों में विभक्त किया जा सकता है–

- **अन्तर्राष्ट्रीय संस्था–**
  उदाहरणार्थ–

    1. World Bank (WB)
    2. International Monetary Fund (IMF)

3. World Health Organisation (WHO)

- राष्ट्रीय संस्था–
  उदाहरणार्थ–
  1. Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry (FICCI)
  2. Reserve Bank of India (RBI)
  3. Bharat Sanchar Nigam Limited (BSNL)

- स्थानीय संस्था–
  उदाहरणार्थ–
  1. Kashi Chatriya Mahasabha
  2. Begali Welfare Association, Allahabad
  3. Allahabad Krishnachetria Sansthan

16.4 संस्था के अंग

शासन की ही भाँति संस्था की भी प्रथमतः दो कोटि होती हैः–

1. स्थायी
2. अस्थायी अंग

स्थायी अंग पुनः निम्न तीन कोटियों में विभक्त किया जा सकता है–

(क) वैधानिक अंग
(ख) संस्था प्रमुख
(ग) प्रशासकीय अंग

निम्न तालिका से संस्था के विभाजन को और अधिक स्पष्ट किया जा सकता हैः–

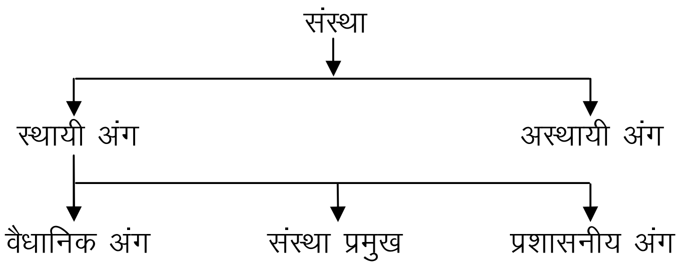

16.5 संस्था के शीर्षक हेतु चयन एवं उपकल्पन

सूचीकरण करते समय संस्था की पुस्तकों के शीर्षक (Heading) वरण हेतु निम्न चरण का प्रयोग किया जाता हैः–

- शीर्षक हेतु संस्था के नाम का प्रयोग किया जाता है।

- संस्था के नाम को पुनः स्मरणमान के उपसूत्र (Canon of Recall Value) के अनुसार उपकल्पित किया जाता है। तात्पर्य संस्था के विषय को बाहर निकालकर बड़े अक्षरों (Capital Letters) में लिखा जाता है तथा शेष बचे शब्द वृत्ताकार कोष्ठक में लिखा जाता है।
- यदि एक ही नाम की संस्था कई स्थानों पर पाये जाने की संभावना हो तो उन्हें व्यक्तित्व प्रदान करने के लिए अगले वृत्ताकार कोष्ठक में स्थान का नाम उल्लिखित करते हैं।

उदाहरणार्थः–

HEALTH (World – Organization)
HISTORICAL RESEARCH (National Council of –) (India)

16.5.1 संस्था के अंगों का उपकल्पन

संस्था के अंगों का उपकल्पन संस्था के नाम के पश्चात कामा (,) लगाकर पुनः स्मरणमान के सूत्र के अनुसार निम्नवत् किया जाता है।

16.5.1.1वैधानिक अंगों को उपकल्पन

उदाहरणार्थ–

- INVESTIGATION (Central Bureau of –),
  TECHNICAL (Division).
- AGRICULTURAL RESEARCH (Indian Council of –), AFFILIATION (Department of –).

16.5.1.2 संस्था प्रमुख का उपकल्पन

- EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING (National Council of –), DIRECTOR (Hrushikesh Sanapathy).
- BANKS (Indian – Association), CMD (Rajeev Rishi).

16.5.1.3 प्रशासकीय अंग का उपकल्पन

- ATOMIC RESEARCH (Bhabha – Centre), RECRUITMENT (Department of –)
- TELEPHONE (Indian – Industries), QUALITY ASSURENCE (Department of –)

16.5.1.4 उपशीर्षकों का अन्तर्वेशन

शासन की ही भाँति संस्था के भी यदि प्रथम श्रेणी एवं द्वितीय श्रेणी के अंगों में भाव या भाषा की समानता हो तो निचले अंग को उपकल्पित कर मध्यम अंग का विलोपन करते है:–

उदाहरण स्वरूपः–

- Indian Oil Corporation Limited, Department of Finance, Budget Section का उपकल्पन निम्नवत् होगाः–

  OIL (Indian – Corporation Limited), BUDGET (Section). उपर्युक्त उदाहरण में मध्यम अंग Department of Finance को विलुप्त किया गया है क्योंकि Budget Section सदैव Department of Finance का ही अंग होता है।

- International Labour Organization, Directorate of Welfare, Department of Wages. का उपकल्पन निम्न प्रकार से होगाः–

  LABOUR (International – Organization), WELFARE (Directorate of –), WAGES (Department of –).

  उपर्युक्त उदाहरण में बीच का उपअंग नहीं हटायेंगे।

16.5.1.5 अस्थायी अंग

जब कोई संस्था किसी विशेष कार्य की पूर्ति हेतु किसी समिति (Committee) का गठन एक निश्चित समय के लिए करती है, तो ऐसी समिति को संस्था का अस्थायी अंग कहते हैं। इसका भी उपकल्पन शासन की ही भाँति निम्नवत् करते हैं–

- संस्था का नाम (पुनः स्मरणमान उपसूत्र के अनुसार)
- तदर्थ समिति का नाम (पुनः स्मरणमान उपसूत्र के अनुसार)
- वृत्ताकार कोष्ठक में समिति का स्थापना वर्ष
- अगले वृत्ताकार कोष्ठक में चेयरमैन के नाम का उल्लेख करते हैंः–

  उदाहरणार्थः–

  EXCISE AND CUSTOM (Central Board of –),
  WAGE REVISION (Advisory Committee for –)
  (1980) (Chairman : R. C. Malhotra)

16.5.1.6 संयुक्त समिति, आयोग

संस्था द्वारा यदि किसी कार्य को सम्पूरित करने के लिए दो या दो से अधिक समिति का गठन किया जाये तथा उनके प्रतिवेदनों को भी संयुक्त रूप से प्रकाशित किया जाये तो उनके उपकल्पन हेतु निम्न प्राविधान हैः–

यदि कोई अंग दो या दो से अधिक संस्थाओं द्वारा स्थापित किया गया हो तो उस अंग को नाम के पूर्व स्थापित करने वाली संस्थाओं के नाम को शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जायेगा तथा उनके नाम को योजक पद and के द्वारा जोड़ा जायेगः–

उदाहरणार्थः–

LABOUR (International - Organization) and HEALTH (World - Organization), OCCUPATIONAL HEALTH (Joint Committee on –).

16.6 सूचीकृत उदाहरण

उदाहरण–1

(पूर्ण संस्था)

Indian Architecture

School of Planning and Architecture

Bhopal, 2010

Other Information :

- Call No. : NA44 P10
- Acc. No. : 9215

मुख्य संलेख (Main Entry)

	NA 44	P10
		PLANNING AND ARCHITECTURE (School of) (Bhopal). Indian Architecture. ○
	9215	

संकेत पत्रक (Tracing Card)

India, Architecture Architecture Planning and Architecture (School of –) (Bhopal)

श्रृंखला अनुक्रमाणिका

वर्ग संख्या	=	NA44	
NA	=	Architecture ————	(Sought Link)
NA4	=	Asia ————————	(Unsought Link)
NA44	=	India, Architecture —	(Sought Link)

उपरोक्तानुसार वांछित कड़ी के आधार पर निम्नदो वर्ग निर्देशी संलेख निर्मित होंगे।

1. India Architecture
2. Architecture

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

	INDIA, ARCHITECTURE	
	For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number. NA44	

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

	ARCHITECTURE	
	For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number. NA	

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

PLANNING AND ARCHITECTURE (School of –) (Bhopal)

Indian Architecture

NA44 P10

टिप्पड़ी–

- मुख्य संलेख में शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section) में नियमानुसार संस्था का विषय बाहर निकाल कर बड़े अक्षरों (Capital Letters) में रखा गया है तथा शेष वृत्ताकार कोष्ठक में सामान्य अक्षरों से लिखा गया है।
- संस्था को व्यष्टिकृत करने के लिए अगले वृत्ताकार कोष्ठक में स्थान के नाम का उल्लेख किया गया है।
- अन्य इतर संलेख नियमानुसार निर्मित किये गए हैं।

उदाहरण–2

(संस्था एवं उसका एक प्रशासकीय अंग)

Radiation of Heat

Department of Physics

Indian Institute of Science,

Edited by

Dr. Swapnil Datta

Nice Publicatins,

Banglore, 2005

Other Information :

- Call No. : C4:25 P05
- Acc. No. : 3496

मुख्य संलेख (Main Entry)

	C4:25	P05
	PHYSICS (Department of –).	SCIENCE (Indian Institute of –), Radiation of Heat. Ed by Swapnil Datta
	3496	○

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Radiation, Heat Heat, Physics Physics Science (Indian Institute of –), Physics (Department of –) Datta (Swapnil), <u>Ed.</u> ○

श्रंखला प्रक्रिया (Chain Procedure)

वर्ग संख्या	=	C4 : 25	
C	=	Physics ————	(Sought Link)
C4	=	Heat, Physics ——	(Sought Link)
C4:	=	————————	(False Link)
C4:2	=	Transference ——	(Unsought Link)
C4:25	=	Radiation, Heat —	(Sought Link)

उपरोक्तानुसार वांछित कड़ी के आधार पर निम्न तीन वर्ग निर्देशी संलेख निर्मित होंगे।

1. Radiation, Heat
2. Heat, Physics
3. Physics

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

	RADIATION, HEAT	
	For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number. C4:25	

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

HEAT, PHYSICS

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

C4

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

PHYSICS

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

C

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

SCIENCE (Indian Institute of –), PHYSICS (Department of –)
Radiation of Heat.
C4:25 P05

सम्पादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Editor Book Index Entry)

DATTA (Swapnil), Ed.
Science (Indian Institute of –), Physics (Department of): Radiation of Heat.
C4:25 P05

टिप्पड़ी–

- संस्था एवं उसके अंग का नाम पुनः स्मरणमान के उपसूत्र के अनुसार उपकल्पित किया गया है।
- अन्य सभी इतर संलेख सी0सी0सी के नियमानुसार बनाये गए हैं।

उदाहरण–3

(संस्था के साथ प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के प्रशासकीय अंग)

Description of Sedimentary Rocks

By

Research Group

of

Petrology and Geochemistry Division

of

Wadia Institute of Himalyan Geology

Edited by

Prof. Neelima Sahoo

India Top Publishers

Dehradoon, 2004

Other Information :

- Call No. : H23:13 P04
- Acc. No. : 6214

मुख्य संलेख (Main Entry)

	H23:13 P04
	HIMALYAN GEOLOGY (Wadia Institute of –), PETROLOGY AND GEOCHEMISTRY (Division), RESEARCH (Group). Description of Sedimentary Rocks. Ed by Neelima Sahoo 6214

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Popular Description, Sedimentary Rock Sedimentary Rock, Petrology Petrology, Geology Geology Himalyan Geology (Wadia Institute, of –) Petrology and Geochemistry (Division), Research (Group). Sahoo (Neelima), Ed.

श्रृंखला प्रक्रिया (Chain Procedure).

वर्ग संख्या	=	H23:13	
H	=	Geology ————————————	(Sought Link)
H2	=	Petrology, Geology —————————	(Sought Link)
H23	=	Sedimentary Rock, Petrology —————	(Sought Link)
H23:	=	————————————————	(False Link)
H23:1	=	Preliminaries ———————————	(Unsought Link)
H23:13	=	Popular Description, Sedimentary Rock —	(S.L)

उपरोक्तानुसार वांछित कड़ी (Sought Links) के आधार पर निम्न चार वर्ग निर्देशी संलेख निर्मित किये जायेंगे।

1. Popular Description, Sedimentary Rock
2. Sedimentary Rock, Petrology
3. Petrology, Geology
4. Geology

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

	POPULAR DESCRIPTION, SEDIMENTARY ROCK	
	For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number. H23:13	

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

	SEDIMENTARY ROCK, PETROLOGY	
	For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number. H23	

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

PETROLOGY, GEOLOGY

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

H2

वर्ग निर्देशी संलेख–4 (Class Index Entry-4)

GEOLOGY

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

H

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

HIMALYAN GEOLOGY (Wadia Institute of), PETROLOGY AND GEOCHEMISTRY (Division), RESEARCH (Group).

Description of Sedimentary Rocks.

H23:13 P04

सम्पादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Editor Book Index Entry)

SAHOO (Neelima), Ed.

Himalyan Geology (Wadia Institute of), Petrolodgy and Geochemistry (Division), Research (Group) : Description of Sedimentary Rocks.

H23:13 P04

टिप्पड़ी–

- मुख्य संलेख एवं अन्य इतर संलेखों का निर्माण क्लीसीफाइड कोड के नियमानुसार किया गया है।

उदाहरण–4
(संस्था एवं उसके दो प्रशासकीय अंग)

Study of Timbering the tunnels of Lead Mines

By
Research Group of Mining Engineering
of
Department of Mining Engineering
of
Indian Institute of Technology, Dhanbad

Ed by
Prof. R. P. Rawat

Nexa Publishers
Dhanbad, 2005

Other Information :

- Call No. : HZ148, 3:18 P05
- Acc. No. : 2496

मुख्य संलेख (Main Entry)

	HZ148, 3:18 P05	
		TECHNOLOGY (Indian Institute of –) (Dhanbad), MINING ENGINEERING (Research Group of –). Study of Timbering the tunnels of Lead Mines. Ed by R.P. Rawat.
	2496	

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Timbering, Tunnel
Tunnel, Lead
Lead, Mining
Mining

Technology (Indian Institute of –)
(Dhanbad), Mining Engineering
(Research Group of –)
Rawat (R.P.), Ed.

श्रृंखला प्रक्रिया (Chain Procedure).

वर्ग संख्या	=	HZ148, 3:18	
HZ	=	Mining ————————	(Sought Link)
HZ148	=	Lead, Mining ——————	(Sought Link)
HZ148,	=	——————————————	(False Link)
HZ148,3	=	Tunnel, Lead ——————	(Sought Link)
HZ148,3:	=	——————————————	(False Link)
HZ148, 3:1	=	Preliminary ——————	(Unsought Link)
HZ148, 3:18	=	Timbering, Tunnel ————	(Sought Link)

उपरोक्तानुसार वांछित कड़ी के आधार पर निम्न चार वर्ग निर्देशी संलेख निर्मित किये जायेंगे।

1. Timbering, Tunnel
2. Tunnel, Lead
3. Lead, Mining
4. Mining

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

TIMBERING, TUNNEL

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

HZ148, 3:18

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

TUNNEL, LEAD

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

HZ148,3

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

	LEAD, MINING
	For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number. HZ148

वर्ग निर्देशी संलेख–4 (Class Index Entry-4)

	MINING
	For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number. HZ

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

TECHNOLOGY (Indian Institute of –) (Dhanbad), MINING ENGINEERING (Research Groug of –).

Study of timpering the tunnels of Lead Mines.

HZ148, 3:18 P05

सम्पादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Editor Book Index Entry)

RAWAT (R. P.) Ed.

Technology (Indian Institute of –) (Dhanbad), Mining Engineering (Research Group of –) : Study of Timbering the tunnels of Lead Mines.

HZ148, 3:18 P05

टिप्पड़ी–

1. Indian Institute of Technology कई स्थानों पर है अतः इस संस्था को व्यक्तित्व प्रदान करने के लिए अगले वृत्ताकार कोष्ठक में स्थान का नाम Dhanbad का उल्लेख किया गया है।

2. क्लासीफाइड कैटलाग कोड के नियमानुसार संस्था के प्रथम श्रेणी एवं द्वितीय श्रेणी के अंगों में भाव और भाषा की समानता है इसलिए निचले अंग (Research Group of Mining Engineering) को उपकल्पित कर मध्यम अंग का विलोपन किया गया है।

3. अन्य इतर संलेखों का निर्माण नियमानुसार किया गया है।

उदाहरण–5

(संस्था एवं उसका अस्थायी अंग)

Report of the
Advisory Committee on Floriculture

of

Indian Council of Agricultural Research

Manager of Publications
New Delhi, 2001

Other Information :

- Call No. : J16 P01
- Acc. No. : 3462
- Note : Committee was setup under the chairmanship of Ramanand Nantiyal in the year 1999. Committee also known as Nautiyal Committee.

मुख्य संलेख (Main Entry)

	J16	P01
		AGRICULTURAL RESEARCH (Indian Council of –), FLORICULTURE (Advisory Committee on –) (1999) (Chairman : Ramanand Nautiyal). Report.
	3462	○

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Floriculture, Agriculture Agriculture Agricultural Research (Indian Council of –), Floriculture (Advisory Committee on –) (1999) (Chairman : Ramanand Nautiyal). Nautiyal Committee ○

श्रृंखला प्रक्रिया (Chain Procedure)

वर्ग संख्या = J16

J	=	Agriculture ————————	(Sought Link)
J1	=	Horticulture ————————	(Unsought Link)
J16	=	Floriculture, Agriculture ——	(Sought Link)

उपरोक्तानुसार वांछित कड़ी के आधार पर निम्न दो वर्ग निर्देशी संलेख निर्मित किये जायेंगे।

1. Floriculture, Agriculture
2. Agriculture

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

LORICULTURE, AGRICULTURE

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

J16

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

AGRICULTURE

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

J

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख–1 (Author Book Index Entry-1)

AGRICULTURAL RESEARCH (Indian Council of –), FLORICULTURE (Advisory Committee on –) (1999) (Chairman : Ramanand Nautiyal).

Report.

J16 P01

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख–2 (Author Book Index Entry-2)

NAUTIYAL COMMITTEE

Report.

J16 P01

टिप्पड़ी–

1. मुख्य संलेख के शीर्षक का उपकल्पन JD3 के अनुसार किया गया है।
2. नियम संख्या MK117 के अनुसार द्वितीय लेखक निर्देशी संलेख का निर्माण किया गया है।

16.7 अभ्यास हेतु उदाहरण

उदाहरण–1

(पूर्ण संख्या)

Myth and Marvels of Astronomy
Aryabhatla Research Institute

of

Observational Sciences

Ed by
Pro. R. Ramchandran

Elite Publishers
Nainital, 1999

Other Information :

- Call No. : B9 N99
- Acc. No. : 2561

उदाहरण–2

(संस्था एवं उसका एक प्रशासकीय अंग)

Natural Compounds as Drugs

Department of Substance Research

Central Drug Research Institute, Lucknow

Edited by

Prof. Niharika Roy

Prof. Sanmya Banerjee

Silly Publishers

Lucknow, 1995

Other Information :

- Call No. : F56 N95
- Acc. No. : 3954

उदाहरण–3

(संस्था के साथ प्रथम श्रेणी एवं द्वितीय श्रेणी के प्रशासकीय अंग)

Diamond Jewelary

Need of Today
Research and Development Division

of

Department of Jewelry Manufacture

of

Indian Diamond Institute - Surat

Edited by
Saurabha Jain

Queen Publications
Surat, 2001

Other Information :

- Call No. : H191 P01
- Acc. No. : 9215

उदाहरण–4

(संस्था एवं उसका अस्थायी अंग)

Report of the
Calendar Reform Committee
Government of India

Edited by
Swapnil Manchanda

Published by
Manager of Publications
New Delhi, 1956

Other Information :

- Call No. : B9.44 'N53t N56
- Acc. No. : 4234

- Note : The Chairman of the committee was Prof. M.N. Saha. The committee was setup in the year 1953. The committee also known as Saha committee.

16.8 संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Ranganathan (SR) : Classified Catalogue Code. Ed6. Banglore, Sharda Ranganathan Endowment for Library Science, 1992
2. Ranganathan (SR) : Cataloguing Practice. Ed2. Banglore, Sharda Ranganathan Endowment for Library Science, 1994
3. Krishna Kumar : An Introduction to Catologuing Practice, N. Delhi, 1996
4. सूद (एस0डी0) : सूचीकरण प्रक्रिया, जयपुर, आर0बी0एस0ए0, 1998
5. शर्मा (बी0डी0) : अनुवर्ग प्रसूची नियमावली : एक व्यावहारिक अध्ययन, वाई0के0 पब्लिशर्स, आगरा, 1999
6. गौतम (जे0एन0) : एडवान्स्ड कैटलांगिग प्रैक्टिस, आगरा, वाई0के0 पब्लिशर्स, 2010
7. वर्मा (ए0के0) : क्रियात्मक अनुवर्ग सूचीकरण, रामपुर, सेन्ट्रल बुक हाउस, 1999

इकाई 17. सम्मेलन कार्यवाही का सूचीकरण (CATALOGUING OF CONFERENCE PROCEEDINGS)

इकाई की रूपरेखा

17.1 प्रस्तावना

17.2 उद्देश्य

17.3 सम्मेलन से तात्पर्य

17.4 सम्मेलन के प्रकार

17.5 सम्मेलन के शीर्षक हेतु चयन एवं उपकल्पन

17.6 सूचीकृत उदाहरण

17.7 अभ्यास हेतु उदाहरण

17.8 सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

17.1 प्रस्तावना

पुस्तकालय में समष्टि निकाय के प्रकाशनों के अन्तर्गत शासन एवं संस्था के अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के सम्मेलन, सभाओं, अधिवेशन आदि की कार्यावली (Agenda), कार्यवृत्त (Minutes), प्रस्ताव (Resolutions) से सम्बंधित पुस्तक भी अधीगृहीत की जाती है जो कि शोधकत्ताओं के लिए सम्बन्धित क्षेत्र की अति महत्वपूर्ण सूचनायें होती है। इस इकाई में उसी के सूचीकरण से सम्बन्धित नियमों की जानकारी प्रदान की जायेगी।

17.2 उद्देश्य

इस इकाई के निम्नलिखित उद्देश्य है–

1. शिक्षार्थियों को सम्मेलन की अवधारणा से परिचित कराना।
2. सम्मेलन एवं उसके अंगों के सूचीकरण नियमों से शिक्षार्थियों को सुपरिचित कराना।
3. सम्मेलन एवं उसके अंगों के द्वारा रचित पुस्तकों के प्रायोगिक सूचीकरण से शिक्षार्थियों को बोधित कराना।

17.3 सम्मेलन से तात्पर्य

एक समागम जिसमें व्यक्तिगत अथवा विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि एक साथ मिलकर किसी सामूहिक विषय पर विचार विमर्श करें तथा उस विषय पर विचार विमर्श के उपरान्त विषय से जुड़े अन्यान्य प्रासंगिक प्रकरणों पर कुछ ठोस निष्कर्ष निकालें, उसे सम्मेलन की संज्ञा प्रदान की जाती है। सम्मेलन के अन्य पर्यायवाची सम्बोधनों में–सभायें (Meetings), अधिवेशन (Conventions), संगोष्ठियों (Symposium) आदि आते हैं। डॉ0 रंगनाथन ने सम्मेलन को निम्नलिखित प्रकार से परिभाषित किया है–

- कुछ व्यक्तियों अथवा समष्टि निकायों द्वारा स्वेच्छापूर्ण सामान्य रुचि के विषयों पर विचार विनिमय हेतु अथवा
- निकाय के कार्य या अस्तित्व, सम्मेलन आयोजित करने तथा संचालित करने के अलावा और कोई न हो अथवा
- निकाय जिसका प्राथमिक कार्य मात्र समय–समय पर सम्मेलन बुलाना और संचालित करना हो।

उपरोक्त के अलावा क्लासीफाइड कैटलाग कोड में डॉ0 रंगनाथन ने इस बात का भी उल्लेख किया है कि सम्मेलन की अवधारणा तब नहीं होती अगर सम्मेलन निम्न के द्वारा बुलाया गया हो–

- शासन अथवा शासन के मात्र अपने कर्मचारियों या संविधान सभा द्वारा संप्रभुता सम्पन्न राज्य बनाने हेतु अथवा
- संस्था और संस्था के मात्र अपने सदस्यों की स्थापना सभा द्वारा संस्था के निर्माण हेतु अथवा
- एक या अधिक शासनों द्वारा संयुक्त रूप से मात्र उसके कर्मचारियों तक सीमित हो।
- एक से अधिक संस्थाओं द्वारा संयुक्त रूप से तथा मात्र उसके सदस्यों तक सीमित हो।

17.4 सम्मेलन के प्रकार

सी0सी0सी0 के अनुसार सम्मेलन दो प्रकार के निम्नवत् होते हैः–

1. सावधिक सम्मेलन (Periodic Conference)
2. अनावधिक सम्मेलन (Non-Periodic Conference)

1. **सावधिक सम्मेलन**– निश्चित समय अन्तराल के पश्चात नियमित रूप से आयोजित किए जाने वाले सम्मेलन को सावधिक सम्मेलन (Periodic Conference) कहते हैं। इन्हें वार्षिक सम्मेलन (Annual Conference) भी कहा जाता है।

   उदाहरणार्थः–

   22nd Annual Conference of Biochemisty
   held at N. Delhi in the year 2016.

2. **अनावधिक सम्मेलन**– ऐसे सम्मेलन जो कभी कभार किसी विशेष विषय को लेकर आयोजित किये जाते हैं। इस प्रकार के सम्मेलनों में कोई समय अन्तराल का ध्यान नहीं दिया जाता है।

   उदाहरणार्थः–

   National Conference on Civil Engineering.

16.5 संस्था के शीर्षक हेतु चयन एवं उपकल्पन

यदि पुस्तक सम्मेलन के नाम से है अथवा किसी सम्मेलन की रिपोर्ट है तो मुख्य संलेख (Main Entry) के शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section) में निम्नवत् क्रमवार उपकल्पन होगा–

- सम्मेलन का नाम (पुनः स्मरणमान के उपसूत्रानुसार)

  SUBJECT (Rest –)
- स्थान का नाम (जहाँ सम्मेलन आयोजित है) अगले कोष्ठक में (Place).
- वर्ष (सम्मेलन घटित होने का वर्ष) अगले कोष्ठक में (Year).

उदाहरणार्थः–

National Conference of Biochemistry held at Varanasi in the year 1996 का उपकल्पन निम्नानुसार होगा–

BIOCHEMISTRY (National Conference of –) (Varanasi) (1996).

यदि कोई सम्मेलन का अंग (organ) भी है तो उसे सम्मेलन के पश्चात कामा (,) लगाकर उसे भी पुनः स्मरणमान के उपसूत्र (Canon of Recall Value) का प्रयोग कर निम्नवत् उपकल्पित करेंगेः–

उदाहरणार्थः–

Registration Committee of

Natinal Conference on Nano Technology

Held at Agra

in the Year 1986

का उपकल्पन निम्नवत् होगाः–

NANO TECHNOLOGY (National Conference on –) (Agra) (1986),

REGISTRATION (Committee).

17.6 सूचीकृत उदाहरण

उदाहरण–1

(पूर्ण संस्था)

Proceedings of the
International Conference on Roman Paintings

Held on 22–23 February 1995
at GiwajiUniversityGwalior

Published by
Aadarsh Publications
Gwalior, 1996

Other Information :

- Call No. : NQ52, Dp44, N95 N96
- Acc. No. : 3241

मुख्य संलेख (Main Entry)

	NQ52, Dp44, N95 N96	
	ROMAN PAINTINGS (International Conference on –) (Gwalior) (1995). Proceedings. 3241	

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Proceedings, Roman Paintings (International Conference on –) (Gwalior) (1995)
Conference Proceedings, Roman Paintings.
Roman, Italian, Pantings
Italian, Paintings.
Painting.

Roman Paintings (International Conferece on–) (Gwalior) (1995).

श्रृंखला अनुक्रमाणिका (Chain Procedure)

वर्ग संख्या = NQ52, Dp44, N95

NQ	=	Painting ———————————— (Sought Link)
NQ52	=	Italian, Painting ———————————— (Sought Link)
NQ52, D	=	Roman, Italian ———————————— (Sought Link)
NQ52, Dp	=	Conference Proceedings Roman Paintings ——— (Sought Link)
NQ52, Dp44, N95	=	Proceedings, Roman Paintings (International Conference on –) (Gwalior) (1995) ———————————— (Sought Link)

उपरोक्त विवरणानुसार वांछित कड़ियों के आधार पर निम्न वर्ग निर्देशी संलेख निर्मित किये जायेंगेः–

1. Proceedings, Roman Paintings (International Conference on –) (Gwalior) (1995)
2. Conference Proceedings, Roman Paintings
3. Roman, Italian, Paintings
4. Italian, Painting
5. Painting

वर्ग निर्देशी संलेख–1(Class Index Entry-1)

PROCEEDINGS, ROMAN PAINTINGS (International
(Conference on –) (Gwalior) (1995)

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

NQ52, Dp44, N95

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

		CONFERENCE PROCEEDINGS, ROMAN PANINTINGS
		For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number. NQ52, Dp

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

		ROMAN, ITALIAN, PAINTINGS
		For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number. NQ52, D

वर्ग निर्देशी संलेख–4 (Class Index Entry-4)

ITALIAN, PAINTING

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

NQ52

○

वर्ग निर्देशी संलेख–5 (Class Index Entry-5)

PANINTINGS

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

NQ

○

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

ROMAN PAINTINGS (International Conference on –) (Gwalior) (1995)
Proceedings
NQ52, Dp44, N95 N96

टिप्पड़ी–

- क्लासीफाइड कैटलाग कोड के नियम संख्या MD21 एवं JE1 के अनुसार मुख्य संलेख (Main Entry) का निर्माण किया गया है।
- अन्य इतर संलेख नियमानुसार निर्मित किये गए हैं।

उदाहरण–2
(सम्मेलन एवं सम्पादक)

Proceeding of the
National Conference on Oceanography

held at

Department of Marine Sciences
GoaUniversity, Goa,
from - 20-21 January 2015

Edited by
Prof. P.N. Raghurajan

Ideal Publishes
Goa, 2016

Other Information :

- Call No. : U25p44, P15 P16
- Acc. No. : 9234

मुख्य संलेख (Main Entry)

U25p44, P15 P16

OCEANOGRAPHY (National Conference on –) (Goa) (2015)

Proceedings. Ed by P.N. Raghurajan

9234

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Proceedings,
Oceanography (National Conference on –) (Goa) (2015)
Conference Proceedings, Oceanog- raphy
Oceanogrphy, Geography
Geography.

Oceanography (National Conference on –) (Goa) (2015)
Raghuragan (P. N.), Ed.

श्रृंखला प्रक्रिया (Chain Procedure).

वर्ग संख्या = U25p44, P15

U = Geography ———————— (Sought Link)

U2	=	Physical Geography ———————— (Unsought Link)
U25	=	Oceanography, Geography ———— (Sought Link)
U25p	=	Confer͏ece Proceeding, Oceanography— (Sought Link)
U25p44, P15 (2015)	=	Proceedings, Ocanography (National Conferece on–) (Goa) ————————(Sought Link)

उपरोक्त विवरणानुसार वांछित कड़ियों के आधार पर निम्नलिखित वर्ग निर्देशी संलेख निर्मित किये जायेंगे–

1. Procedings, Oceanography (National Conference on –) (Goa) (2015)
2. Conference Proceedings, Oceanography
3. Oceanography, Geography
4. Geography

वर्ग निर्देशी संलेख–1 (Class Index Entry-1)

PROCEEDINGS, OCEANOGRAPHY (National Conference on –) (Goa) (2015)

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

U25p44, P15

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

CONFERENCE PROCEEDINGS, OCEANOGRAPHY

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

U25p

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

OCEANOGRAPHY, GEOGRAPHY

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

U25

वर्ग निर्देशी संलेख–4 (Class Index Entry-4)

GEOGRAPHY

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

OCEANOGRAPHY (National Conference on) (Goa) (2015)

Proceedings.

U25p44, P15 P16

सम्पादक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Editor Book Index Entry)

RAGHURAJAN (PN), Ed.
Oceanography (National Conference on –) (Goa) (2015) : Proceedings.
U25p44, P15 P16

टिप्पड़ी–

- मुख्य संलेख का निर्माण क्लासीफाइड कैटलाग कोड के नियमानुसार किया गया है।
- अन्य सभी इतर संलेखों का भी निर्माण नियमानुसार किया गया है।

उदाहरण–3

(सावधिक सम्मेलन)

Proceedings of the
Fourth Annual Conference on
Textile Technology
Held at Kanpur
From 13-15 May 1991
U P Textile Technology Institute, Kanpur

Published by
Magnoliya Publishers
Kanpur, 1992

Other Information :

- Call No. : F57p44, N91 N92
- Acc. No. : 5326

मुख्य संलेख (Main Entry)

F57p44, N91 N92

TEXTILE TECHNOLOGY (Fourth Annual Conference on –) (Kanpur) (1991)

Proceedings.

5326

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Proceedings, Textile Technology (Fourth Annual Conference on –) (Kanpur) (1991)

Conference Proceedings, Textile

Textile, Technology

Technology

Textile Technology (Fourth Annual Conference on) (Kanpur) (1991).

श्रृंखला प्रक्रिया (Chain Procedure).

वर्ग संख्या = F57p44, N91

F	=	Technology ——————————	(Sought Link)
F57	=	Textile, Technology —————	(Sought Link)
F57p	=	Conference Proceedings, Textile—	(Sought Link)
F57p44, N91	=	Proceedings, Textile Technology (Fourth Annual Conference – (Kanpur) (1991)—————	(Sought Link)

उपरोक्तानुसार वांछित कड़ियों के आधार पर निम्न वर्ग निर्देशी संलेख (Classs Index Entry) निर्मित किये जायेंगे।

1. Proceedings, Textile Technology (Fourth Annual Conference on –) (Kanpur) (1991)
2. Conference Proceedings, Textile
3. Textile, Technology
4. Technology

वर्ग निर्देशी संलेख–1 **(Class Index Entry-1)**

		PROCEEDINGS, TEXTILE TECHNOLOGY (Fourth Annual Conferecne on –) (Kanpur) (1991) For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number. F57p44, N91 ○

वर्ग निर्देशी संलेख–2 (Class Index Entry-2)

CONFERENCE PROCEDINGS, TEXTILE

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

F57P

वर्ग निर्देशी संलेख–3 (Class Index Entry-3)

TEXTILE, TECHNOLOGY

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

F57

वर्ग निर्देशी संलेख–4 (Class Index Entry-4)

TECHNOLOGY

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

F

लेखक ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Author Book Index Entry)

TEXTILE TECHNOLOGY (Fourth Annual Conference on –) (Kanpur) (1991)

Proceedings.

F57p44, N91

टिप्पड़ी–

- क्लीसीफाइड कैटलाग कोड के नियमानुसार सम्मेलन शीर्षक में यदि कोई अंक है तो उसे शब्दों में परिवर्तित कर उपकल्पित किया जाता है।

17.7 अभ्यास हेतु उदाहरण

उदाहरण–1

Proceedings of the

International Conference on Paleobotany

Held on 6-7 August 1992

at DelhiUniversity, Delhi

Published by

Allied Publishers

New Delhi, 1993

Other Information :

- Call No. : I : 8p44, N92 N93
- Acc. No. : 4216

उदाहरण–2

Future of Graphic Art

Proceedings of the

National Conference on Graphic Art

Held at Dhaka

Graphic Art Institute, Dhaka

From – 13-14 February 2001

Edited by

Prof. P.K. Sen

Beauti Publication

Dhaka, 2002

Other Information-

- Call No. : – NMp44, P01 P02
- Acc. No. : – 5721

उदाहरण–3

(सावधिक सम्मेलन)

Proceedings of the

21 Annual Conference on Dry Farming

Held at Hyderabad

From 26-27 January 1998

at Central Research Institute for

Dryland Agriculture, Hyderabad

Published by

Ideal Publishers

Hyderabad, 1999

Other Information :

- Call No. : J9Dp44, N98 N99
- Acc. No. : 9214

17 .8 संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Ranganathan (SR) : Classified Catalogue Code. Ed6. Banglore, Sharda Ranganathan Endowment for Library Science, 1992
2. Ranganathan (SR) : Cataloguing Practice. Ed2. Banglore, Sharda Ranganathan Endowment for Library Science, 1994
3. Krishna Kumar : An Introduction to Catologuing Practice, N. Delhi, 1996
4. सूद (एस0डी0) : सूचीकरण प्रक्रिया, जयपुर, आर0बी0एस0ए0, 1998
5. शर्मा (बी0डी0) : अनुवर्ग प्रसूची नियमावली : एक व्यावहारिक अध्ययन, वाई0के0 पब्लिशर्स, आगरा, 1999
6. गौतम (जे0एन0) : एडवान्स्ड कैटलांगिग प्रैक्टिस, आगरा, वाई0के0 पब्लिशर्स, 2010
7. वर्मा (ए0के0) : क्रियात्मक अनुवर्ग सूचीकरण, रामपुर, सेन्ट्रल बुक हाउस, 1999

इकाई 18. सामान्य सावधिक प्रकाशनों का सूचीकरण (CATALOGUING OF SIMPLE PERIODICAL PUBLICATION)

इकाई की रूपरेखा

18.1 प्रस्तावना

18.2 उद्देश्य

18.3 सावधिक प्रकाशन से तात्पर्य

18.4 सावधिक प्रकाशन के संलेखों की संरचना

  18.4.1 मुख्य संलेख

  18.4.2 इतर संलेख

18.5 सूचीकृत उदाहरण

18.6 अभ्यास हेतु उदाहरण

18.7 सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

18.1 प्रस्तावना

शैक्षणिक एवं शोध ग्रन्थालयों में विद्वत पत्र पत्रिकायें मंगाई जाती है जो किसी विशेष विषय से सम्बन्धित होती है। इन पत्रिकाओं में नवीनतम शोध कार्यों के निष्कर्ष वाले मौलिक लेखों का प्रकाशन होता हैं इस प्रकार की शोध पत्रिकायें निम्न कारणों से विशेष महत्वपूर्ण होती है :–

- मुद्रण एवं वितरण की तीव्र गति होने के कारण यह पाठकों तक सुगमता एवं शीघ्रता से पहुँच जाती है।
- इनका नियमित प्रकाशन नवीनतम ज्ञान को समय–समय पर पाठकों तक पहुँचाने में सहायक है।
- ग्रन्थ शीघ्र ही सूचना की दृष्टि से पुराना हो जाता है किन्तु पत्रिकायें शोध के साथ–साथ प्रकाशित होती रहती हैं। अतः अद्यतन (Latest)सूचना प्रदान करने में सक्षम होती है।

18.2 उद्देश्य

इस इकाई के निम्नलिखित उद्देश्य है–

1. शिक्षार्थियों को सावधिक प्रकाशन की अवधारणा से अवगत कराना।
2. सावधिक प्रकाशनों के विभिन्न संलेखों की संरचना एवं उनसे सम्बन्धित नियमों से शिक्षार्थियों को सुपरिचित कराना।
3. सूचीकृत उदाहरणों के माध्यम से शिक्षार्थियों को प्रायोगिक सूचीकरण में अधिक दक्ष बनाना।

18.3 सावधिक प्रकाशन से तात्पर्य

सावधिक प्रकाशन शोध एवं अनुसंधान के मुख्य स्तम्भ होते हैं। नवीनतम् शोध सूचना ग्रन्थों की तुलना में सावधिक प्रकाशनों में बहुत जल्दी प्रकाशित होते हैं। विशिष्ट ग्रन्थालयों के उपयोगकर्ता अपने विषय क्षेत्र में हो रहे नवीन विकास के क्रियाकलापों से परिचित होने के लिए सावधिक प्रकाशनों पर ही मुख्य रूप से निर्भर रहते हैं क्योंकि वर्तमान वैज्ञानिक युग में दिन प्रतिदिन के आविष्कारों तथा अनुसंधानों से सम्बन्धित नवीन एवं अद्यतन जानकारी सावधिक प्रकाशनों के माध्यम से ही प्राप्त होती है। उच्च शिक्षण संस्थाओं एवं शोध संस्थानों के ग्रन्थालय अपने पाठकों की शोध सम्बन्धी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु ग्रन्थों की तुलना में सावधिक प्रकाशनों पर अपने बजट का अधिक भाग व्यय करते हैं।

डा0 रंगनाथन न क्लासीफाइड कैटलाग कोड के अध्याय में सावधिक प्रकाशन की परिभाषा निम्नवत् दी है।

"सावधिक प्रकाशन का प्रत्येक खण्ड विशिष्ट एवं स्वतन्त्र अंश लेखों से युक्त होता है जो विशिष्ट विषयों से सम्बन्धित होते हैं, परन्तु किसी को धारावाहिक रूप से अभिव्यक्त नहीं

करते। साधारणतः लेखक अनेक होते हैं और क्रमिक खण्डों के विषय और लेखक भिन्न हुआ करते हैं तथा सभी विषय एक ही ज्ञान से सम्बन्धित होते हैं। इसका प्रकाशन एक पूर्ण खण्ड में नहीं होता बल्कि आंशिक खण्डों में होता है जिन्हें अंक (Issue)कहते हैं।''

उपर्युक्त परिभाषा के आलोक में सावधिक प्रकाशन की निम्नलिखित विशेषतायें दृष्टिगोचर होती हैं –

- ऐसा प्रकाशन जो अनेक खण्डों में प्रकाशित होता है।
- इसमें अनेक लेखकों के निबन्ध अथवा शोध लेख होते है।
- विभिन्न लेखों के मध्य विषयवस्तु की दृष्टि से निरन्तरता नहीं होती।
- इसकी एक विशिष्ट आख्या (Title) होती है।
- इसका प्रकाशन अन्तराल निश्चित होता है।
- यह नियमित रूप से निश्चित समयान्तर पर विशिष्ट अंक संख्या सहित क्रमिक रूप से प्रकाशित होता है।

18.4 सावधिक प्रकाशन के संलेखों की संरचना

सावधिक प्रकाशनों की प्रकृति ग्रन्थ से भिन्न होती है। सावधिक प्रकाशनों के प्रकाशन में आने वाली जटिलताओं के कारण इनके सूचीकरण में अनेक समस्यायें आती हैं।

प्रायोगिक सूचीकरण की दृष्टि से इनके भी संलेख निम्नवत् निर्मित किये जाते हैं :–

क– मुख्य संलेख

ख– इतर संलेख

18.4.1 मुख्य संलेख की संरचना

क्लासीफाइड कैटलाग कोड के नियम संख्या PB10 के अनुसार सावधिक प्रकाशन के मुख्य संलेख में निम्न अनुच्छेद होते हैं :–

1. अग्र अनुच्छेद (Leading Section)
2. शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section)
3. आवधिकता अनुच्छेद (Periodicity Section)
4. ग्रन्थमाला टिप्पणी अनुच्छेद (Series Note Section)
5. संक्षिप्त उपलब्धता विवरण अनुच्छेद (Holding in Brief Section)
6. संकेत अनुच्छेद (Tracing Section)
7. पूर्ण उपलब्धता विवरण अनुच्छेद (Holding in full Section)

1. **अग्र अनुच्छेद (Leading Section)** – मुख्य संलेख के अग्र अनुच्छेद में केवल वर्ग संख्या का उल्लेख निम्नवत् किया जाता है :–

	Vm44, N82	

2. **शीर्षक अनुच्छेद(Heading Section)** – इस अनुच्छेद में सावधिक प्रकाशन के आख्या का उल्लेख किया जाता है। सावधिक प्रकाशन के शीर्षक का निर्माण आख्या के अन्तर्गत होता है। आख्या का उल्लेख निम्नवत होता है :–

- जब सावधिक प्रकाशन के आख्या पृष्ठ पर केवल आख्या का ही उल्लेख हो, उसके प्रायोजक निकाय (Sponsoring Body) का उल्लेख न हो तो आख्या के प्रथम दो शब्द बड़े अक्षरों में लिखे जाते हैं :–

Journal of Ancient History. का उल्लेख निम्नवत् किया जाता है –

		JOURNAL, OF Ancient History

- यदि सावधिक प्रकाशन की आख्या (Title) में प्रायोजक निकाय (Sponsoring Body) का नाम भी जुड़ा है तो उसे आख्या से अलग कर कामा (,) के पश्चात् प्रायोजक निकाय का उल्लेख पुनः स्मरणमान के उपसूत्र (Canon of Recall Value) के अनुसार किया जाता है।

उदारहणार्थ :–

Journal of Indian Council of Historical Research

		JOURNAL, Historical (Indian Council of–Research)

- यदि प्रायोजक निकाय का नाम शीर्षक के साथ न जुड़ा हो अर्थात् आख्या पृष्ठ पर अन्यत्र अलग से उल्लेख हो तो क्लासीफाइड कैटलाग कोड के नियम संख्या PB121 के अनुसार उसे शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section) में वृत्ताकार कोष्ठक में लिखा जाता है। सबसे पहले सावधिक प्रकाशन के नाम के प्रथम दो शब्द बड़े अक्षरों (Capital letters) में लिखकर प्रायोजक निकाय के नाम को पुनः स्मरणमान के उपसूत्र (Canon of Recall Value) के अनुसार उल्लिखित किया जाता है।

उदारहणार्थ :–

History Quarterly
Official organ of Indian Council of
Historical Research

		HISTORY QUARTERLY, (Historical (Indian Council of – Research)). ○

3. **आवधिकता अनुच्छेद(Periodicity Section)** – क्लासीफाइड कैटलाग के नियम संख्या PB13 के अनुसार इस अनुच्छेद की सूचना दो भागों में होती है।

(अ) एक खण्ड कितने समय में पूर्ण होता है जैसे –

1 V per year
2 V per year

(ब) खण्डों की संख्या एवं प्रकाशन के प्रारम्भ होने का वर्ष तथा प्रकाशन किस वर्ष तक चलता रहा अथवा समाप्त हो गया अथवा निरन्तर प्रकाशित हो रहा है।

उपरोक्त दोनों भागों को एक ही बड़े कोष्ठक के अन्दर द्वितीय उर्ध्वरेखा (Second Indention) से प्रारम्भ कर निम्नवत् लिखते हैं :–

- सावधिक प्रकाशन निरन्तर चल रहा है तो
  [1V per year. VI- ;1965-]

उपरोक्त सूचना के प्रथम भाग में उल्लिखित हैं कि प्रकाशन एक खण्ड प्रतिवर्ष प्रकाशित हो रहा है। दूसरे भाग में खण्ड 1 का प्रकाशन वर्ष 1965 हैं और सावधिक प्रकाशन निरन्तर प्रकाशित हो रहा है। VI एवं 1965 के बाद प्रदर्शित आड़ी रेखा (–) इस बात का प्रतीक है कि प्रकाशन निरन्तर प्रकाशित हो रहा है।

		[1V per year. VI- ;1965-]

4. **ग्रन्थमाला टिप्पणी अनुच्छेद (Series Note Section)** – सामान्यतया सावधिक प्रकाशनों में ग्रन्थमाला टिप्पणी उपलब्ध नहीं होती तथापि यदि उपलब्ध है तो यहाँ भी उल्लेख पुस्तकों की ही तरह होता है।

5. **संक्षिप्त उपलब्धता विवरण अनुच्छेद (Holding in brief Section)** – यह अनुच्छेद भी द्वितीय उर्ध्व रेखा से प्रारम्भ होता है तथा इसमें सावधिक प्रकाशन के पुस्तकालय में उपलब्ध खण्डों के बारे में संक्षिप्त सूचना, प्रकाशन वर्ष के साथ दी जाती है। इस सूचना को अंकित करने के लिए सबसे पहले पद This Library has लिखकर V के बाद खण्डों की संख्या लिखकर उसके बाद सेमीकोलन (;) लगाकर ग्रन्थालय में उपलब्ध खण्डों का प्रकाशन वर्ष अंकित करते हैं अन्त में पूर्ण विराम लगाया जाता है। अन्तिम खण्ड संख्या एवं अन्तिम वर्ष को पेन्सिल से लिखते हैं उसका आशय कि पश्चात् में खण्डों के आगमन पर पेन्सिल से लिखी सूचना मिटा कर अध्यावधि उपलब्ध खण्ड संख्या एवं वर्ष का उल्लेख कर दिया जायेगा।

उदारहणार्थ :–

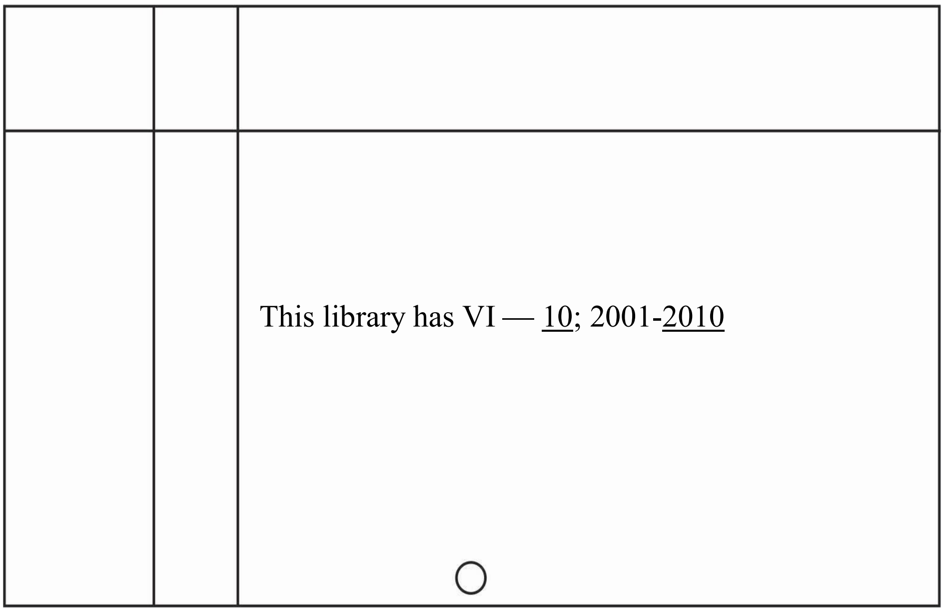

उपरोक्त वर्णित उदाहरण में रेखांकित खण्ड संख्या एवं वर्ष को पेन्सिल से लिखा जायेगा।

6. **संकेत अनुच्छेद (Tracing Section)** – सावधिक प्रकाशन के लिए भी संकेत अनुच्छेद पुस्तकों की ही भाँति मुख्य संलेख के पृष्ठ भाग पर ही अवधारित किया जाता है। बस अन्तर इतना है कि सावधिक प्रकाशनों में वर्ग निर्देशी संलेखों (Class Index Entries) को ही सामान्यतया निर्मित किया जाता है।

7. **पूर्ण उपलब्धता विवरण अनुच्छेद (Holding in Full Section)** – क्लासीफाइड कैटलाग कोड के अनुसार इस अनुच्छेद का उल्लेख करने हेतु मुख्य संलेख से एक सतत् पत्रक (Continued card)को निर्मित किया जाता है। सतत पत्रक के अग्ररेखा (Leading line)पर सावधिक प्रकाशन के वर्ग संख्या (Class Number)का उल्लेख करते हैं। उसके पश्चात् अग्र रेखा के नीचे वाली पंक्ति पर तालिका रूप (Table Form)में उपलब्ध खण्ड संख्या (Volume Number), प्रकाशन वर्ष (Year of Publication), ग्रंथ संख्या (Book Number) तथा परिग्रहण संख्या (Accession Number) का उल्लेख किया जाता है। पत्रक में इन सूचनाओं को बाई ओर से दाहिनी ओर लिखा जाना चाहिए। सतत् पत्रक के दोनों ओर अर्थात् सम्मुख भाग एवं पृष्ठ भाग पर यह सूचना आवश्यकतानुसार अंकित की जानी चाहिए। इसके

पश्चात् भी आवश्यकता पड़े तो अतिरिक्त सतत् पत्रक का प्रयोग किया जाता है, बोधगम्यता की दृष्टि से पूर्ण उपलब्धता विवरण अनुच्छेद का प्रारूप निम्नवत् है :–

प्रारूप (Sketton)

	Class	Number		Continued 1
Volume Number		Year Number	Book Number	Accession Number
				Continued in the back.

18.4.2 इतर संलेख (Added Entries)

क्लासीफाइड कैटलाग कोड के अनुसार सावधिक प्रकाशन के लिए निम्नलिखित प्रकार के इतर संलेख निर्मित किये जाते हैं :–

1. अन्तर्विषयी संलेख (Cross Reference Entry)
2. वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry)
3. ग्रन्थ निर्देशी संलेख (Book Index Entry)

18.4.2.1 अन्तर्विषयी संलेख (Cross Reference Entry) – सामान्यतया सावधिक प्रकाशन हेतु अन्तर्विषयी संलेख नहीं बनाये जाते परन्तु यदि सावधिक प्रकाशन के किसी विशिष्ट खण्ड में मात्र एक ही अंशदान हो अथवा कोई खण्ड अभिनन्दन सामग्री (Festschrift) के रूप में या किसी अन्य अर्थ में विशिष्ट खण्ड के रूप में प्रकाशित हुआ तो ऐसी स्थिति में अन्तर्विषयी संलेख निर्मित किये जाते हैं।

18.4.2.2 वर्ग निर्देशी संलेख (Class Index Entry) – सावधिक प्रकाशन हेतु निम्न पाँच प्रकार के वर्ग निर्देशी संलेख बनाने का प्रावधान है :–

1. विशिष्ट वर्ग निर्देशी संलेख (Specific Class Index Entry)
2. अतिरिक्त वर्ग निर्देशी संलेख (Additional Class Index Entry)

3. सजातीय वर्ग निर्देशी संलेख (Generic Class Index Entry)
4. वैकल्पिक वर्ग निर्देशी संलेख (Optional Class Index Entry)
5. साधारण वर्ग निर्देशी संलेख (Ordinary Class Index Entry)

संरचना (Structure)

1. **विशिष्ट वर्ग निर्देशी संलेख (Specific Class Index Entry)** – सावधिक प्रकाशन के वर्ग संख्या की अन्तिम कड़ी से प्राप्त शीर्षक से जो वर्ग निर्देशी संलेख निर्मित किये जाते हैं, उन्हें विशिष्ट वर्ग निर्देशी संलेख कहा जाता है इस संलेख के दो भाग होते हैं :–

   (अ) **अग्र अनुच्छेद (Leading Section)** – इस अनुच्छेद के अन्तर्गत शीर्षक को अग्र रेखा पर प्रथम उर्ध्वरेखा (First Indention) से अंकित करते हैं।

   (ब) **निर्देशांक अनुच्छेद(Index Section)** – इस अनुच्छेद में शीर्षक की समाप्ति के पश्चात् अगली पंक्ति पर दाहिनी ओर निर्देशांक का उल्लेख किया जाता है।

   उदाहरणार्थ :–

	JOURNAL, Historical (Indian Council of — Research).	
		Vm44, N82

2. **अतिरिक्त वर्ग निर्देशी संलेख (Additional Class Index Entry)** – सावधिक प्रकाशन के नाम तथा प्रायोजक निकाय के नाम के स्थान को परिवर्तित कर एक अतिरिक्त संलेख निर्मित किया जाता है। इस संलेख के भी विशिष्ट वर्ग निर्देशी संलेख की भाँति दो भाग होते हैं। इनकी संरचना निम्नवत् प्रकार से होती है :–

HISTORICAL (Indian Council of —Research), Journal

Vm44, N82.

3. **सजातीय वर्ग निर्देशी संलेख (Generic Class Index Entry)** – इस प्रकार के संलेख में अग्र रेखा पर प्रथम उर्ध्वरेखा (First Indention)से बड़े अक्षरों में आवश्यकतानुसार पद (Periodical)अथवा (Serial)का उल्लेख किया जाता है तथा द्वितीय अनुच्छेद में सावधिक प्रकाशन का शीर्षक तथा प्रायोजक निकाय का नाम अंकित करते हैं। अंत में दाहिनी ओर निर्देशांक का उल्लेख करते हैं।

द्वितीय अनुच्छेद में शीर्षक एवं प्रायोजक निकाय के नाम का स्थान परिवर्तित कर एक अन्य संलेख भी निर्मित करते हैं। इस प्रकार सजातीय वर्ग निर्देशी संलेख संख्या (Generic Class Index Entry)में दो बनाई जाती है।

उदाहरणार्थ :–

PERIODICAL

Journal, Historical (Indian Council of—Research)

Vm44, N82

	PERIODICAL	
		Historical (Indian Council of—Research), Journal Vm44, N82

4. **वैकल्पिक वर्ग निर्देशी संलेख (Optional Class Index Entry)** – सावधिक प्रकाशन के वर्ग संख्या की वह कड़ी जिससे भौगोलिक स्थान तथा सामान्य एकल का शीर्षक खुलता है। उनसे बनने वाले संलेख वैकल्पिक वर्ग निर्देशी संलेख कहे जाते हैं :–

उदाहरणार्थ :–

भौगोलिक संख्या से प्राप्त कड़ी का शीर्षक

	INDIA, PERIODICAL, HISTORY	
		For documents in this Class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue under the Class Number. Vm44

सामान्य एकल से प्राप्त कड़ी का शीर्षक

	PERIODICAL, HISTORY	
	For documents in this Class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue under the Class Number. Vm44	

उपरोक्त विवरणानुसार वैकल्पिक वर्ग निर्देशी संलेख की संरचना पूर्णरूपेण ग्रन्थ के वर्ग निर्देशी संलेख के समान होती है।

5. **साधारण वर्ग निर्देशी संलेख (Ordinary Class Index Entry)** – सावधिक प्रकाशन के वर्ग संख्या में सामान्य एकल के बाद शेष बचे शीर्षकों से प्राप्त संलेखों को साधारण वर्ग निर्देशी संलेख कहते हैं :–

उदाहरणार्थ :–

	HISTORY	
	For documents in this Class and its Subdivision, see the Classified Part of the Catalogue under the Class Number. V	

18.2.2.3 ग्रन्थ निर्देशी संलेख **(Book Index Entry)** – क्लासीफाइड कैटलाग कोड के नियम संख्या PB50 के अनुसार सावधिक प्रकाशन हेतु किसी भी ग्रन्थ निर्देशी संलेख का निर्माण नहीं किया जाता।

18.5 सूचीकृत उदाहरण

उदाहरण–1

(केवल आख्या का उल्लेख)

Journal of Political Studies

Internation Conference on Roman Paintings

Volume 1 Issue 1

Editor

J.B. Ghosh

Published by

University of Calcutta

Calcutta, 1980

Other Information :

- Class No. : Wm44, N80
- Acc. No. : For volume 1 is 3802 use inclusive notation for other Acc. Nos.
- Frequency : Quarterly
- First Published : 1980
- Library Holdings : volume 1 onwards.

मुख्य संलेख (Main Entry)

	Wm44, N80	
		JOURNAL OF Political Studies. [1V per year. V1–; 1980–] This Library has V1–38; 1980–2017. Continued in the next card

पूर्ण उपलब्धता विवरण अनुच्छेद (Holding in Full Section)

	Wm44, N80			Continued 1
01-38		1980–2017	N80–P17	3802–3839

श्रृंखला प्रक्रिया (Chain Procedure)

वर्ग संख्या = Wm44, N80

W = Political Science.

Wm	=	Periodical, Political Science.
Wm44	=	India, Periodical, Political Science.
Wm44, N80	=	Journal of Political Studies.

उपरोक्त विवरणानुसार वांछित कड़ियों के आधार पर निम्न वर्ग निर्देशी संलेख निर्मित किये जायेंगेः–

1. Journal of Political Studies—(Specific Class Index Entry)
2. Periodical (Generic Class Index Entry)
3. India, Periodical, Political Science (Optional CIE)
4. Periodical, Political Science (Optional CIE)
5. Political Science (Ordinary CIE)

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Journal of Political Studies.
Periodical
India Periodical, Political Science
Periodical, Political Science
Political Science

विशिष्ट वर्ग निर्देशी संलेख **(Specific Class Index Entry)**

JOURNAL OF Political Studies.

Wm44, N80

सजातीय वर्ग निर्देशी संलेख **(Generic Class Index Entry)**

PERIODICAL

Journal of Political Studies

Wm44,

N80

वैकल्पिक वर्ग निर्देशी संलेख (Optional Class Index Entry)

INDIA, PERIODICAL, POLITICAL SCIENCE

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

Wm44

वैकल्पिक वर्ग निर्देशी संलेख (Optional Class Index Entry)

PERIODICAL, POLITICAL SCIENCE

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

Wm

साधारण वर्ग निर्देशी संलेख (Ordinary Class Index Entry)

POLITICAL SCIENCE

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

W

टिप्पड़ी–

- शीर्षक अनुच्छेद (Heading Section) में सावधिक प्रकाशन का नाम नियमानुसार उपकल्पित किया गया है।
- अन्य इतर संलेखों का निर्माण नियमानुसार किया गया है।
- संपादक का नाम क्लासीफाइड कैटलाग कोड के नियमानुसार नहीं अंकित किया जाता है।

उदाहरण–2

(सावधिक प्रकाशन के साथ प्रायोजक का नाम संलग्न)

Journal of

Indian Council of Agricultural Research.

Vol. 1 No. 3 1965

Published by

I C A R

New Delhi, 1965

Other Information :

- Class No. : Jm44, N65

- First Published : 1965
- Acc. No. : For Volume 1 is 4601. use inclusive notation for other Acc. Nos.
- Frequency : Quarterly
- Librarty Holdings : Volume 1 onwards.

मुख्य संलेख (Main Entry)

	Jm44	N65
	of —	JOURNAL, Agricultural (Indian council Research). [IV per year. V1—; 1965 —] This Library has V1—53; 1965—2017. Continued in the next card

पूर्ण उपलब्धता विवरण अनुच्छेद (Holding in Full Section)

	Jm44	N65		Continued 1.
1–53		1965–2017	N65–P17	4601–4653

श्रृंखला प्रक्रिया (Chain Procedure)

वर्ग संख्या	=	Jm44, N65
J	=	Agriculture.
Jm	=	Periodical, Agriculture.
Jm44	=	India, Periodical, Agriculture.
Jm44, N65	=	Journal, Agriculture (Indian Council of—Research).

उपरोक्त विवरणानुसार वांछित कड़ियों के आधार पर निम्न वर्ग निर्देशी संलेख निर्मित किये जायेंगे:–

1. Journal, Agricultural (Indian Council of — Research) (Sp. CIE)
2. Agricultural (Indian Council of—Research), Journal (Ad. CIE)
3. Periodical ———————— (Generic CIE)
4. Periodical ———————— (Generic CIE)
5. India, Periodical, Agriculture — (Optional CIE)
6. Periodical, Agriculture ———— (Optional CIE)
7. Agriculture ——————— (Optional CIE)

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Journal, Agricultural (Indian Council of — Research)
Agriclutural (Indian Council of — Research), Journal
Periodical
Periodical
India, Periodical, Agriculture.
Periodical, Agriculture
Agriculture

Indian Council of Agricultural Research

विशिष्ट वर्ग निर्देशी संलेख (Specific Class Index Entry)

Journal, Agricultural (Indian Council of —
Research).

Jm44, N65

अतिरिक्त वर्ग निर्देशी संलेख (Additional Class Index Entry-4)

AGRICULTURAL, (Indian Council of —
Research), Journal.

Jm44, N65

सजातीय वर्ग निर्देशी संलेख (Generic Class Index Entry)

PERIODICAL

Journal, Agricultural (Indian Council of — Research).

Jm44, N65

सजातीय वर्ग निर्देशी संलेख (Generic Class Index Entry)

PERIODICAL

Agricultural (Indian Council of — Research), Journal

Jm44, N65

वैकल्पिक वर्ग निर्देशी संलेख (Optional Class Index Entry)

INDIA, PERIODICAL, AGRICULTURE.

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

Jm44

वैकल्पिक वर्ग निर्देशी संलेख (Optional Class Index Entry)

PERIODICAL, AGRICULTURE.

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

Jm

साधारण वर्ग निर्देशी संलेख (Ordinary Class Index Entry)

	AGRICULTURE.	
	For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number. J ○	

नामांतर निर्देशी संलेख (Cross Reference Index Entry)

	INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH.	
	See AGRICULTURAL (Indian Council of — Research) ○	

टिप्पड़ी–

- शीर्षक अनुच्छेद में सावधिक शीर्षक एवं प्रायोजक निकाय का नाम नियम संख्या PB12एवं उसके उपखण्डों के अनुसार उपकल्पित किया गया है।

- प्रायोजक निकाय का नाम Canon of Recall Value के अनुसार उपकल्पित किया गया है।
- पूर्ण उपलब्धता विवरण अनुच्छेद हेतु सतत पत्रक का निर्माण किया गया है।

उदाहरण–3

(सावधिक प्रकाशन, प्रायोजक निकाय का नाम अन्यत्र उल्लिखित)

Foreign Trade Review

(Official Organ of Indian Institute of Foreign Trade)

Vol. 15 No. 2 1977

Published by

Indian Institute of Foreign Trade

New Delhi, 1977

Other Information :

- Class No. : X555m44, N63
- First Published : 5326
- Library Holdings : Volume 20-25 not acquired by Library
- Frequency : Quarterly

मुख्य संलेख (Main Entry)

	X55m44, N63	
		FOREIGN TRADE Review, (Foreign Trade (Indian Institute of—)). [1V per year. V1— ; 1963—]. This Library has V1—19; 1963—1981, V26—55; 1988—2017 Continued in the next card

पूर्ण उपलब्धता विवरण अनुच्छेद (Holding in Full Section)

	X55m44, N63				Continued 1
1–19	1163–1981	N63–N81	363–381		
26–55	1988–2017	N88–P17	388–417		
		○			

श्रृंखला प्रक्रिया (Chain Procedure)

वर्ग संख्या = X55m44, N63

X = Economics

X55 = Foreign Trade, Economics

X55m = Periodical, Foreign Trade

X55m44 = India, Periodical, Foreign Trade.

X55m44, N63 = Foreign Trade Review, (Foreign Trade (Indian Institute of —).

उपरोक्त वांछित कड़ियों के अनुसार वर्ग निर्देशी संलेख निम्नलिखित निर्मित होंगे :–

1. Foreign Trade Review, (Foreign Trade (Indian Institute of—). (Specific CIE)
2. Foreign Trade (Indian Institute of—), Foreign Trade Review (Additional CIE)
3. Periodical —————————— (Generic CIE)
4. Periodical —————————— (Generic CIE)
5. India, Periodical, Foreign Trade ———— (Optional CIE)
6. Periodical, Foreign Trade ———————— (Optional CIE)
7. Foreign Trade, Economics ————— (Ordinary CIE)

8. Economics ——————————————— (Ordinary CIE)

संकेत पत्रक (Tracing Card)

Foreign Trade Review,
(Foreign Trade
(Indian Institute of).
Foreign Trade (Indian
Institute of—),
Foreign Trade
Review.
Periodical
Periodical
India, Periodical, Foreign
Trade.
Periodical, Foreign Trade.
Foreign Trade, Economics
Economics.
Indian Institute of Foreign
Trade.

विशिष्ट वर्ग निर्देशी संलेख (Specific Class Index Entry)

FOREIGN TRADE Review, (Foreign Trade
(Indian Institute of —)).
X55m44, N63

अतिरिक्त वर्ग निर्देशी संलेख (Additional Class Index Entry)

FOREIGN TRADE (Indian Institute of —),
Foreign Trade Review.
X55m44, N63

○

सजातीय वर्ग निर्देशी संलेख (Generic Class Index Entry)

PERIODICAL
Foreign Trade Review, (Foreign Trade (Indian Institute of —))
X55m44, N63

○

सजातीय वर्ग निर्देशी संलेख (Generic Class Index Entry)

PERIODICAL

Foreign Trade (Indian Institute of —), Foreign Trade Review.

X55m44, N63

○

वैकल्पिक वर्ग निर्देशी संलेख(Optional Class Index Entry)

INDIA, PERIODICAL, FOREIGN TRADE

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

X55m44

○

वैकल्पिक वर्ग निर्देशी संलेख(Optional Class Index Entry)

PERIODICAL, FOREIGN TRADE

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

X55m

साधारण वर्ग निर्देशी संलेख (Ordinary Class Index Entry)

FOREIGN TRADE, ECONOMICS

For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number.

X55

साधारण वर्ग निर्देशी संलेख (Ordinary Class Index Entry)

	ECONOMICS	
	For documents in this Class and its Subdivisions,see the Classified Part of the catalogue under the Class Number. X	

नामांतर निर्देशी संलेख (Cross Reference Index Entry)

	INDIAN INSTITUTE OF FOREIGN TRADE	
	See Foreign Trade (Indian Institute of—).	

टिप्पड़ी–

1. मुख्य संलेख का निर्माण क्लासीफाइड कैटलाग कोड के नियम संख्या PB121के अनुसार किया गया है।
2. अन्य इतर संलेख नियमानुसार निर्मित किये गये हैं।

18.6 अभ्यास हेतु उदाहरण

उदाहरण–1

(केवल आख्या का उल्लेख)

Floriculture Today

Vol. 1 No. 12 1980

Published by

Media Today Group

New Delhi, N80

Other Information :

- Class No. : J16m44, N80
- Ist year of Publication : 1980
- Frequency : Monthly
- Library Holding : Volume one onwards

उदाहरण–2

(सावधिक प्रकाशन के साथ प्रायोजक का नाम संलग्न)

Journal of American Chemical Society

Volume 1 1879

Editor

Peter J. Stang

Published by

American Chemical Society

New York, 1879

Other Information :

- Class No. : Em73, M79
- First Published : 1879
- Acc No. : For Vol. 1 is 204. use inclusive notation for other Accession Nos.
- Frequency : Weekly
- Library Holding : Volume 1 onwards.

उदाहरण–3

(सावधिक प्रकाशन–प्रायोजक निकाय का नाम शीर्षक के साथ न होकर पुस्तक में अन्यत्र उल्लेख)

Journal of
Hydraulic Engineering
(Official organ of American Society of Civil Engineers)

Vol. No. 1 Issue No. 4 1985

Edited by
Charles H. Busha

Published by
American Society of Civil Engineers.
New York, 1985

Other Information :

- Class No. : D635m73, N85
- First Published : 1985
- Acc. No. : For Vol. 1 is 318. use inclusive notation for other Accession Nos.
- Frequency : Quarterly
- Library Holding : Volume 10-15 not possessed by Library

18.7 संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Ranganathan (SR) : Classified Catalogue Code. Ed6. Banglore, Sharda Ranganathan Endowment for Library Science, 1992
2. Ranganathan (SR) : Cataloguing Practice. Ed2. Banglore, Sharda Ranganathan Endowment for Library Science, 1994
3. Krishna Kumar : An Introduction to Catologuing Practice, N. Delhi, 1996
4. सूद (एस0डी0) : सूचीकरण प्रक्रिया, जयपुर, आर0बी0एस0ए0, 1998
5. शर्मा (बी0डी0) : अनुवर्ग प्रसूची नियमावली : एक व्यावहारिक अध्ययन, वाई0के0 पब्लिशर्स, आगरा, 1999
6. गौतम (जे0एन0) : एडवान्स्ड कैटलांगिग प्रैक्टिस, आगरा, वाई0के0 पब्लिशर्स, 2010
7. वर्मा (ए0के0) : क्रियात्मक अनुवर्ग सूचीकरण, रामपुर, सेन्ट्रल बुक हाउस, 1999

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
तीनपानी बाईपास रोड ,ट्रान्सपोर्ट नगर,
हल्द्वानी -२६३१३९

फ़ोन नं0 : 5946 -261122 , 261123
टॉल फ्री नं ०: 18001804025

Fax No.- 05946-264232, E-mail- info@uou.ac.in
http://uou.ac.in